

सं 0 4]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 23, 1982 (माघ 3, 1903)

No. 4]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 23, 1982 (MAGHA 3, 1903)

PUBLISHED BY AUTHORITY

इस भांग में भिन्न पष्ठ संख्या बी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च ग्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेज विमाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लीक सेवा प्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 नवस्बर 1981

सं० ए० 32011/1/80-प्रणा० III— जोनल योजना के प्रश्रीन प्रनुभाग प्रधिकारी के पद पर नियुक्ति होतु संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग में के० स० से० में नामित होने के परिणामस्वरूप प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट संवर्गों से संबद्ध निम्नलिखित सहायकों को एसद्धारा प्रत्येक के सामने उल्लिखित तारीख से ग्रागामी ग्रादेशों तक दीर्घकालिक ग्राधार पर अनुभाग ग्राधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :---

| ऋ० सं० | न(म | संबर्ग जिससे महायक संबद्घ है | भ्रनुभाग भ्रधिकारी के पद पर नियुक्ति की तारीख |
|-----------|---------|------------------------------------|---|
| (; | | खाद्य विभाग कस्पनी कार्य | 17-10-81 (ग्रपराह्न) 26-10-81 |
| (' | ঘ০ সা০) | विभाग | (पूर्वाह्न) |

उपर्युक्त प्रधिकारी ध्रवगत कर लें कि जब कभी भी वयन सूची ग्रिधकारी उपलब्ध होंगे उस समय रिक्तियों के उपलब्ध न होने पर उन्हें प्रत्यावित होना होगा।

दिनांक 11 दिसम्बर 1981

सं० ए० 11016/1/76-प्रणा० III—संघ लोक सेवा ग्रायोग के निम्नलिखित ग्रनुभाग ग्रधिकारियों/निजी सचिवों को राष्ट्रपति प्रत्येक के सामने निद्धिट ग्रवधि के लिए ग्रथवा ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भी पहले हों. संघ लोक सेवा ग्रायोग के कार्यालय में डेस्क ग्रधिकारी का कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त करने हैं:---

| क्र० न(म मं० | भ्रव(ध |
|----------------------------------|---------------------------------------|
| सर्वश्री | |
| 1. कैलाम चन्द्र | 2-12-1981 से श्रागामी श्रादेशों तक |
| 2. एस० मी० खुराना | 2-12-1 9 81 से 1-3-1982 तक |
| मृकुल चटर्जी | 2-12-1981 में 1-3-1982 तक |
| 4. योगेन्द्र नाथ | 21-11-1981 में 2 0-2-82 तक |

2. उपर्युक्त ग्रधिकारी कार्मिक भ्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग के का० ज्ञा० सं० 12/1/74-सी० एस० (1) विनोक 11 विसम्बर, 1975 की शर्ती के श्रनुसार २० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 21 दिसम्बर 1981

सं. ए. 11016/1/76-प्रशा. ।।।——संध लोक सेवा आयोग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री वेद प्रकाश को राष्ट्रपित द्वारा 15 दिसम्बर, 1981 से 1 मार्च, 1982 तक अथवा आगामी आदेशो तक, जो भी पहले हो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डेस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिए सहर्ष नियक्त किया जाता है।

2. श्री बंद प्रकाश कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का. ज्ञा. सं. 12/1/74-सी एस. (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की क्षतों के अनुसार रह. 75/- की दर से प्र. सा. विशोष बोतन प्राप्त करों।

य. रा. गांधी अवर सचिव (प्रशा.) संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

भहानिकालय, केन्द्रीय रिजर्क पुलिस बल नर्क दिल्ली-110022, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

सं. ओ. दो. 1372/77-स्थापना—-राष्ट्रपति ने श्री एम. ए. रहमान, उप-पृलिस अधीक्षक, 34 वाहिनी, के रि. पू. बल का त्यागपत्र दिनांक 1-11-1981 (पूर्वाह्न) से स्थीकार कर लिया है।

ए. के. सूरी सहायक निवंशक (स्थापना)

भारत के भहापंजीकार का कार्यालय

नर्इ दिल्ली-110011, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 11/95/79-प्रशा.-।—इस कार्यालय की तारील 28 अप्रैल, 1981 की समसंस्थांक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्र-पित, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री एस. राजगोणलन को उसी कार्यालय में वारील 31 दिसम्बर, 1981 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियमित पर स्थानान्तरण द्वारा पूर्णतः अस्थाई रूप से तदर्थ आधार पर उप निवोधक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री राजगोपालन का मूख्यालय नई दिल्ली में होगा।
 दिनांक 1 जनवरी 1982

सं 10/29/79-प्रशा -। -- राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीस 10 विसम्बर, 1980 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के सहायक महा-पंजीकार श्री के. के चक्रवतीं, (जनगणना और सारणीकरण) की उप महापंजीकार (जनगणना और सारणीकरण) के पद पर पूर्णत: अस्थाई और तदर्थ आधार पर नियुक्ति को 31 जनवरी, 1982 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

2. श्री चक्रवर्तीका मुख्यालय नर्दि दिल्ली में होगा।

पी. पव्मनाभ, भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा परीका एवं लेखा विभाग निवंजिक रोखा परीक्षक का कार्यालय, मध्य रोलवे

बम्बर्ड वी. टी., दिनांक 4 जनवरी 1982

सं. एयू/अडिमिन/मिस/कान--56—श्री व्ही. एम. मेहता प्रवरण कोटी अनुभाग अधिकारी (लेखा एरीक्षा) दिनांक 19-12-1981 (पूर्वास्त) से इस कार्यालय में लेखा परीक्षा अधिकारी के कार्यभारी पद पर नियुक्त किये एये।

स. य. गोविन्दराजन निवासक लेखा परीक्षक

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिण कमान

पूना-411001, दिनांक 2 जनवरी 1982

सं.: प्रशा./11310/जे. व्ही. आर.—इस कार्यालय के स्थायीवत चपरासी श्री. विरिसिंह बिना कोई पूर्वसूचना के दिनांक 23-3-81 से अन्पस्थित हैं। उसको दिये काम के प्रति उसका रवैया ठिक नहीं हैं। उसने काम के प्रति विसंगत कथन किया है और अपने विरिट्टों को धमिकयां भी दी हैं। उसे विनांक 19-5-1981 को उसके मूख्य आरोप के संबंध में आरोप पत्र दिया गया था, उसका स्पष्टिकरण देने में भी वह असफल रहा।

उसके ज्ञात पते पर उसे इंकारी अधिकारियों के सामने जूलाने संबंधित आदोश जारी किया गया था जो इस कार्यालय को डाक अधिकारियों व्वारा इस के फियत के साथ वापिस किया गया कि संबंधित व्यक्ति मिल नहीं रहा है। अतः उसके विरूद्ध जांच पड़ताल एक तर्फा की गई और उसे भगोड़ा समभा जाता है। प्रशासिनक प्राधिकारी व्वारा यह तय किया गया है कि उसे दिनांक 2 जनवरी 1982 से सरकारी सेवाओं से हटाया जाए।

एस. व्ही. सुब्रमणियन राक्षा लेखा नियंत्रक पूर्ण-1

रक्षा भंत्रालय

डी. जी. ओ. एफ. सिविस संवा आर्ड-नैन्स फ^{ैक्ट}री बोर्ड-

कलकत्ता-700068, दिनांक 28 विसम्बर 1981

सं. 19/81/ए/६ -।—भार्षक्य सेवा निवृत्ति आय् प्राप्तकर, श्री फणि भूषण बनजी, मौलिक एवं स्थायी सहायक/ स्थानापन्न सहायक स्टाफ अधिकारी तारीस 30-11-81 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

> डी. पी. चऋवतीं ए. डी. जी. ओ. एफ. ∕प्रशासन

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 22 दिसम्बर 1981

सं. 6/1337/80-प्रशा. राज/6979—सेवा निवृत्ति की आयु होने पुर, श्री एस्. पी. जोशी, स्थानापन्न नियंत्रक, आयात-निर्यात, गांधीधाम को 30 नवम्बर 1981 के अपराहन से सरकारी सेवा से निवस्त होने की अनुमति वी जाती है।

सं. 6/603/60-प्रधासन 'राज'/6984--संयुक्त मूख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के कार्यालय, कानपुर में नियुक्त श्री पी. सी. भटनागर, उप मूख्य नियंत्रण आयात-निर्यात का 12-11-1981 को निधन हो गया ।

> ए. एन. कौल उप मुक्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यात

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 28 दिसम्बर 1981

सं. सी. ई. आर./3/81—स्ती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948, के सण्ड 22 में प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, में एतव्यवारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. सी.ई. आर./3/69, दिनांक 19 सितम्बर, 1959 में निम्निलिसित अतिरिक्त संशोधन करता हूं, अर्थात्:—

जनत अधिसूचना में, पैरा 7 की मब (6) में, विश्वमान परन्तुक के बाद तथा जस के नीचें की सूचना के पूर्व किम्नोक्त प्रतिस्थापित किया जाएगा:---

''और भी कि जहां सूत केवल एक ही रोशे से कता हुआ हो तो सिर्फ रोशे की मात्रा को दर्शाते हुये मार्किंग, जैसा की नीचे वर्शाया गया है, किया आयेगाः—

''100% सुती वस्त्र''

दिनांक 29 विसम्बर 1981

सं. सी. एल. बी. आई / 1/6-बी/81—सूती वस्त्र (नियंश्रण) आविष्ठा, 1948 के खण्ड 34 में प्रदस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व—स्वीकृति से में एतद्- द्वारा, वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. टी. सी. (12)/58 दिनांक 7 मार्च, 1958 में, निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हुं, अर्थात:—

उक्त अधिसूचना से संलग्न सूचि में कि. सं. 20 के सामने स्तम्भ 2 और 3 के नीचे की विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्निलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:----

"20 निद्रशेक, हस्तकर्या विकास विभाग जम्मृतथा करिमर"

> सूरोश कुमार अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आय्क्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नर्इ दिल्ली-110011, दिनांक 4 जनवरी 1982

सं. ए-19018/525/81-प्रशा. (राज.)---राष्ट्रपतिजी, श्री सतीक चन्दर को, दिशंक 16 नवस्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदोशों तक तक उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में सहा-यक निदोशक, ग्रेड-। (इलेक्ट्रानिक्स) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19018/527/81-प्रशा (राज.)—-राष्ट्रपतिजी, श्री गोरस प्रसाद को दिनांक 4 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आवेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, लुधियाना में सहायक निदंशक, ग्रेड-। (इलेक्ट्रानिक्स) के पद पर नियुक्त करते हैं।

मं. ए-19018/538/81-प्रशा. (राज.)—-राष्ट्रपतिजी, श्री कं. पी. विवाकर को दिनांक 16 नवम्बर, 1981 (पूर्वा-ह्न) सं अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, हुबली में सहायक निदेशक, ग्रेड-। (यांत्रिक) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सी. सी. राय उप निदोशक (प्रशा.)

पूर्ति तथा निपटान महानिद्शालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

सं. प्र. 6/247(469)79-111——राष्ट्रपति, निरीक्षण निद्रशेक, उत्तरी निरीक्षण मण्डल, नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक निरीक्षण अधिकारी (इजी) श्री अवनार सिंह को दिनांक 30 नवम्बर, 1981 के पूर्वास्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निद्रशेक, कलकत्ता के कार्यालय में निरीक्षण अधिकारी (इजी) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए के ग्रेड ।।। के रूप में तथर्थ आधार पर निगुक्त करते हैं।

विनांक 2 जनवरी 1982

सं ए-17011/153-प्र. 6—-मेहानिद्रोशक, पूर्ति तथा निप-टान ने निरक्षिण निद्रोशक कलकत्सा के कार्यालय में भंडार परी-क्षक (वस्त्र) श्री सुनीत कुमार चक्रवर्ती को दिनांक 8 दिसम्बर, 1981 के अपराह्म से और आगामी आदोशों के जारी होने तक वस्त्रई निरक्षिण मण्डल में सहायक निरक्षिण अधिकारी (वस्त्र) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

> एम जी मैनन उप निद्शासन (प्रशासन)

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 31 विसम्बर 1981

- मं. प्र, 1/(1067)—-राष्ट्रपति सहायक निद्देशक (ग्रेड-।।) श्री बी. ए. प्रभाकरण को दिनांक 7-11-1981 (पूर्वाह्न) से छः महीने के लिये अथवा संघ लोक सेवा आयोग से नामित अधिकारी के उपलब्ध हो जाने पर जो भी पहले हो, सहायक निद्देशक (ग्रेड-।) (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-।।।) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।
- 2. श्री प्रभाकारण ने सहायक निवासक (पूर्ति) (ग्रेड-।।) का पदभार छोड़ दिया और दिनांक 7-11-1981 के पूर्वाहन से निवी- शक, पूर्ति तथा निपटान, बस्बई के कार्यालय में सहायक निवी- शक (ग्रेड-।) का पदभार सम्भाल लिया।

3 इस म्हानिदिशालय की दिनांक 9-12-1981 की आधि-सूचना संख्या प्र. 1/1 (1067) को खुद माना आये।

एस. एल. कपूर उप निद्योक (प्रशासन)

डम्पात और लान मंत्रालय (लान विभाग) भारतीय भूदौज्ञानिक सर्वोक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक

1981

सं. 8502बी/ए-32013 (प्रशासनिक अधिकारी) 80-19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वक्षण के अधीक्षक श्री स्निल कुमार दास का प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में बेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द रो.-40-1200 रा. के बेतनमान मं, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदोश होने तक 10-12-1981 के पूर्वोहन से प्रान्नील पर नियुक्त किया जा रहा है।

मं. 8525 बी/ए-19011 (3-ए के जी)/81-19बी— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण के विरिष्ठ तक नीकी सहायक (रसायन) श्री अचीन कुमार घोष को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वोक्षण में वंतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 रु. के येतरमान मं, अस्थाई क्षमता मं, आगामी आदेश होने तक 4-11-81 के पूर्वोहन में पदोन्नति पर रियुक्त किया जा रहा है। मं. 8535 बी/ए-32013 (प्रवा: अधिकारी)/19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री एन. के. पासिन को प्रवासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमा-नुसार 650-30-740-35-810-द रो:-35-880-40-1000-द रो:-40-1200 रु: के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, केन्द्रीय क्षेत्र, नागपूर के प्रवा-सनिक अधिकारी श्री बी: के. चटर्जी के अवकाश रिक्ति के स्थान पर 21-9-81 के पूर्वाह्न में 24-10-81 तक पदोन्नित पर नियक्त किया जा रहा है।

> जे. स्वामी नाथ सहा निवंशक

भारतीय मान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 1 जनवरी 1982

सं. क. 1901। (39)/79-स्थापना क—अत्यन्त **खंद के साथ** सूचित किया जाता है कि श्री जी. एस. कुमार, क्षेत्रीय खान नियंत्रक का 29 तवस्वर, 1981 के अपराहन में **हृदय के** तीवू दौर के कारण द्खद निधन हो गया। अतएवं भारतीय खान ब्यूरो के अधिकारियों की सूची में से उनका नाम निकाल विया गया है।

> बी. सी. मिश्र कार्यालय अध्यक्ष भारतीय खान ब्युरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग देहरादून, दिनांक 28 दिसम्बर, 1981

मं० सी०-5780 (707)—िनिम्निलिखित ग्रिधिकारी, जो सर्वेक्षिक के पद पर पूर्णतया तदर्थ ग्रनितिम ग्राधार पर स्थानापन्न कृप में नियुक्त किए गए थे, ग्रब उसी पद पर नियमित ग्राधार पर स्थानापन्न कृप में उनके नाम के सामने दी गई तारीख से नियक्त किए जाते हैं:—

| त्रमांक नाम तथा पदनाम | ग्रधिसूचना संख्या धौर तारीख जिसके श्रन्तर्गत तदर्थ श्रनन्तिम श्राधार पर नियुक्त किए गए थे । | यूनिट/कार्यालय जहां तैनात किए गए हैं | पदोश्नसि की तारी ख |
|--|---|---|------------------------------|
| 1. श्री कुमुद रंजन चौधरी, सर्वेक्षक सिले० ग्रेड | ग्रधिसूचना सं० सी०-5837/707 दिनांक 6-7-78 | सं० 37 पार्टी (पू० स०) कलिकासा | 18-9-81 (भ्रपराह्न) |
| श्री प्रेम चन्द्र शर्मा, ट्राफ्टमन डिवी० 1 सिल्ले० ग्रेड | ग्रधिसूचना सं० सो ०-5395/707 दिनांक 24-7-78 | सं० ६ श्रारेक्षण कार्यालय (उ० प्र०) देहरादून | 16-9-81 (पूर्वाह्न) |
| 3. श्री के० भ्रनथन्रायन सर्वेक्षक सिले० ग्रेड | n = n = n | सं० 16 पार्टी (सर्वे० प्र० सं०) | 14-9-81 (पूर्वाह्न) |
| 4. श्री जी० एल० शर्मा, द्राफ्टसर्गैन डिवी० सिले० ग्रेड | ग्रधिसूथना सं० सी-5837/7 `07 दिनांक <i>5-7-</i> 78 | सं० 1 श्रारेक्षण कार्यालय (मा० प्र०) देहरादून | 14-9-81 (पूर्वाह्न) |
| श्री एन० सी० ठकुर्ता ड्राफ्टसमैन डिवी० 1 सिले० ग्रेड | श्रधिसूचना सं० सी-5494/707 दिनांक 4-5-79 | सं० 66 पार्टी (ए० सी० सी० एम०) (सर्वें हवाई) नई दिल्ली | 7-9 - 81 |

| 1 | 2 | | 3 | 4 | 5 |
|------|--|-----------|----------------------------|---|-----------------|
| 6. | श्री जगजीत सिंह उबेराय | श्रधिसूचन | ा सं० सी-5837/ 7 07 | सं० 69 पार्टी | 7-9-81 |
| | ज्योडेसीय श्रभिकलक सिले० ग्रेड | विमांक 5 | - 7- 78 | (संगणक) (ज्यो० एवं० भ्रनुशा०) बेहरादून | (पूर्वाह्न) |
| 7. | श्री जोन्सन एच० दास, | भ्रधिसूचन | n सं० मी०-5837/70 | १७ सं० 4 पार्टी | 7-9-81 |
| | सर्वेक्षक सिले० ग्रेड | विनाक 5 | -7-78 | (प० स०) म्रजमेर | |
| 8. | श्री कृष्ण कुमार खेरा | " | 17 11 | महासर्वेक्षक का | 5-9-81 |
| | सर्वेक्षक सिले० ग्रेड | | | कार्यालय देहरादून | |
| 9. | श्री प्रेम सागर चोपडा | 11 | 11 11 | सीमा सेल | 7- 9- 81 |
| | सर्वेक्षण सि० ग्रेड | | | (म०स०का०) नई दिल्ली | (पूर्वाह्न) |
| 10. | क्षी बी० एस० विष्ट | 11 | JJ J1 | सं० 15 प्रारेक्षण | 11-9-81 |
| | सर्थेक्षक सहायक, सिले० ग्रेड | | | कार्यालय (मा० प्र०) देहरादून | (पूर्वाह्न) |
| 11. | श्री मैंखान सिंह वर्मा ज्योडेसीय श्रभिकलक सिले० ग्रेड | " | 11 11 | सं० 68 पार्टी (टाइडल) (ज्यो० एवं झनुशाखा) देहरादून | 5-9-81 |
| 1 2. | श्री नारायणराव श्रीनिवास | 11 | | द ार द०म ० स० का० | 14-9-81 |
| | सर्वेक्षक सिले० ग्रेड | ,, | " " | हैदराबाध - | (पूर्वाह्म) |
| 13, | श्री देव प्रसाद घोष | 1) | 2) 1) | सं० 11 पार्टी | 6-9-81 |
| | सर्वेक्षक सिले० ग्रे। | ,, | <i>n</i> ,, | (द० दू० स०) रांची | (पूर्वाह्म) |
| 14. | श्री सुकुमार दास | 1) | 11 11 | ग्रनु० एवं वि० | 7-9-81 |
| | सर्वेक्षक सि० ग्रेड | | | निदेशालय, हैदराबाद | (पूर्वाह्म) |
| 15. | श्री एम० के० चेनगप्पा | ग्रधिसूचन | n सं० सी० 5395/70 | • | 8-9-81 |
| | सर्वेक्षक सिले० ग्रेड | विनांक 2 | • | कार्यालय बेंगलुर | (पूर्वाह्म) |
| 16. | श्री दिलीप कुमार भौधरी | | n सं० सी० 5837/70 | 41 | 18-9-81 |
| | सर्वेक्षक सिले० ग्रेड | विनांक 5 | , | (फोटो) (पू०स०) कलिकाता | (ग्रपराह्म) |

जी० सी० श्रग्नवाल क्रिगेडियर, भारत के महासर्वेक्षक, (नियुक्ति प्राधिकारी)

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नर्इ दिल्ली-1, दिनांक 31 विसम्बर 1981

मं एफ. 8-30/81-एस्ट--श्री बी. आर. हार्ग, अधीक्षक को 1 जनवरी, 1982 के पूर्वाहन से आगामी आदोहों तक (श्री बी. एम. कालड़ा, प्रशासन अधिकारी जो 31-12-81 (अप-राहन) में मंवानिवृत हो रहें हैं उनके स्थान पर बिल्कुल सदर्थ आधार पर स्थानाएन्स प्रशासन अधिकारी (ग्रुप "बी" राजपतित) नियुक्त किया जाता है। यह तदर्थ नियुक्ति नियमित नियुक्ति के लिये कोई अधिकार या दावा नहीं करने देगी और अगल उच्च ग्रेड में पदोन्नित सम्बन्धी विरिष्ठता और अहीता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

जनका बेतन 960∕- रूपये प्रति माह वेतनमान रुः 840-40-1000-ईं. बी.-40-1200 निष्ठिचत किया गया है।.

> एस. ए. आई. तिरमिजी अभिलेख निद्येशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन और दश्य प्रचार निद्वेशालय

नर्झ दिल्ली-1, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

मं . ए-12025/2/80-स्था---विज्ञापन और दश्य प्रचार निर्वा-शक श्री पी . एल . केंद्रारिया को इस निर्वेशालय में सीनियर आर्टिस्ट के पद पर अस्थायी रूप से 22 दिसम्बर के पूर्वीहन से अगले आदश तक नियक्त करते हैं।

> जनकाराण ज़िली उप निवंशक (प्रशासन) कुले विज्ञापन और दृष्य प्रचार निवंशक

स्वास्थ्य सेवा महानिद्वीशालय

नक्ष दिल्ली, विनांक 26 विसम्बर 1981

सं. ए-12023/4/81 (एकक्यू) प्रशासन-।—राष्ट्रपति जी ने श्री वी. जे. रामा राव, अन्वेषक (इन्वेस्टिगेटर) सांस्थिकी, स्वास्थ्य सेवा महानिविधालय को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के क्षेत्रीय कार्यालय, भूवनेश्वर के स्वास्थ्य सूचना क्षेत्रीय एकक में 14 अवट्रबर, 1981 अपराह्न से आगामी आवेशों तक पूर्णतया तदर्थ आधार पर सांस्थिकिषिष् (स्टेटिस्टिशियन) (ग्रुप ''ए'' गैर चिकित्सा राजपत्रित पव) नियुक्त किया है।

अपठनीय उप निदासक प्रशासन (ओ. एंड एम) नह दिल्ली, दिनांक 31 दिसम्बर 1981

सं. ए-19019/32/77-के. सं. स्वा. यो.-। --- मेर्ठ से विल्ली में स्थानान्तरण होने के एरिणामस्वरूप, डा. सरिता देवी, आयुर्वेदिक चिकित्सक ने 12-10-1981 के अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ से आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है तथा उन्होंने 17-10-81 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

सं. ए-19018/11/81 सी. जी, एच. एस.-।—स्वास्थ्य सेवा महानिहेंचाक ने डा. (श्रीमती) उषा बेन के. शाह को 12-11-1981 पूर्वाह्न से अस्थायी आधार पर केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कानपुर में आयुर्वेदिक चिकित्स्सक के पद पर नियुक्त कर दिया है।

टी. एस. राव उप निवंशक, प्रशासन (सी. जी. एच. एस.)

विल्ली, विनांक 2 जनवरी 1982

सं प्रशासन-3/389/23 (ए) (2) अधिसूचनाएं—निवेशक लेखापरीक्षा डाक-तार ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापक्ष लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर पदोक्षत एवं नियुक्ति करने तथा उनके सामने दर्शाए डाक-तार शाखा लेखापरीक्षा कार्यालयों में अगले आदेशों तक नियुक्ति के लिए सहर्ष आज्ञा दे दी है। उनकी पदोक्षति तदर्ष आधार पर है तथा संशोधाधीत है।

| कम न सं० | ाम | डाकतार शाखा लेखा परीक्षा कायलिय जिसमें ग्रनुभाग ग्रधि- कारी के रूप में सम्बद्ध है। | डाक-तार शाखा परीक्षा कार्यालय जहां नियुक्त किया गया है । | लेखा परीक्षा श्रीवकारी के रूप में पदोक्षत करने की तिथि । |
|-----------------------|------------------------------|--|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| सर्व | | | | ······································ |
| (1) শীণ | वी ं० एन <i>० राव</i> | है वराबाव | श्रहमवाबाद | 14-7-81 |
| (2) एल० | कुंष्णम् | हैदराबाद | ग्रहमदाबाद | 12-8-81 |
| (3) सामा | नुज सेन गुप्ता | कलकत्ता | ग्रह मवाबाव | 14-9-81 |
| (4) Carl s | र कुमार सिकदर | कलकत्ता | लख नऊ | 21-9-81 |

ग्रामीण पुनरिनर्माण मंत्रालय

विषणन एवं निरीक्षण निवंशालय फरीदाबाद, दिनांक 1 जनवरी 1982

सं. ए-19024/1/81-प्र. तृ.---इस निवंशालय के अधीन केन्द्रीय एगमार्क प्रयोगशाला, नागपुर में कानिष्ठ वैज्ञानिक अधि-कारी के पद पर थी आर. डी. गुफ्ता की नदर्थ नियुक्ति को किनांक 1 अक्तूबर, 1981 से 31 मार्च, 1982 तक छः महीने की अधिक के लिए या जब तक पद नियमित आधार एर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, बढ़ाया गया है।

सं. ए-19027/2/80-प्र. तृ.—इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में हिन्दी अधिकारी के पद पर श्री अनेश्वर प्रसाद वन्द्री की तदर्थ नियुक्ति को 31 जनवरी, 1982 तक या

जस तक पद नियमित आधार पर भरी जाता ही, दोनों में से जी पहले हो, बढ़ोया गया ही।

> बी. एल. मनिहार निदोशक प्रशासन कृते कृषि विषणर संखाहकार

भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 29 दिसम्बर 1981

सं एस-913/स्थापना ।।/6014—इस अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी तथा स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी श्री परम शिवम सेवा निवृति की आयु प्राप्त करने पर 30 नवंबर 1981 अपराहन को सरकारी नौकरी में सेवा निवृत हुए।

कु. एच. **बी. विजयंकार** उपस्थापना अधिकारी

बम्बर्ड-400085, दिनांक 29 विसम्धेर 1981

सं पी ए/34(2)/80/जार-।।।--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री वसंत संखाराम राव कदमं, स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी पद पर कार्य करने हते 1 विसंबर 1981 (पूर्वाह्न) से अग्रिम आदेशों तक स्थानपन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

ए शान्ताक मारा मेनोन उपस्थापनी अधिकारी

परमाण् उत्जा विभाग

बिह्न प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

सं. पी पी ई डी/3(282)/76-प्रशासन 106--विश्वत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निवंशक, विता सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी, मध्य रोलवे, बम्बई के कार्यालय की अनुभाग अधिकारी (लेखा) कुमारी शिखा बिश्वास को इस प्रभाग में प्रतिनियुक्ति की शहों पर नवम्बर 16, 1981 के पूर्वाहन से बागामी आवेश तक रुपये 650-30-740-35-880-द रो. -40-960 के बेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर वीह बाजपेयी सामान्य प्रशासन अधिकारी

बम्बई-5, दिनांक 29 दिसम्बर 1981

सं० पी० पी० ई० डी०/3(236)/81-स्थापना-1/48--- विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के निम्निलिखित कर्मचारियों को अगस्त 1, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में अस्थायी क्य से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड "एसबी" नियुक्त करते हैं :---

| ऋम | नाम | वर्तै मार्न ग्रैंड |
|-----|----------------------|---|
| सं० | | |
| 1. | श्री ए० कें० सक्सेना | वैज्ञानिक सहायक "सी" (स्थायीवत एसए "बी") |

| क् _र नाम | वर्तमान ग्रेड |
|---------------------------|---|
| 2. श्री के० के० चतुर्वेदी | वैज्ञानिक सहायक ''सी'' (स्थायीवत एसए ''बी'') |
| 3. श्री के० डी० गौर | वैज्ञानिक सहायक ''सी'' (स्थायीवत एसए ''बी'') |

ब० वि० **प**से प्रशासन ग्राधिकारी

कय और भंडार निद्शालय

बम्बई-400001, दिनांक 28 विसम्बर 1981 सं. क. भ. नि./1/1(8)/77 प्रशासन/वाल्यूम-।।।/ 25491—क्य और भंडार निद्देशालय के निद्देशक ने श्री जाहन वरीत स्थायी भंडारी को, श्री एन. जाहन जावनी सहायक शंडार अधिकारी की छुट्टी मन्जूर हो जाने पर स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पत पर रहा. 650-30-740-35-810-दर्शा.-35-880-40-1000-दर्शा.-40-1200 के वेतनकम में दिनांक 12-10-1981 (पूर्णा.) से दिनांक 13-11-1981 (अप.) तक तदर्थ नियुक्त किया है।

दिनांक 29 दिसम्बर 1981

सं क भ नि./1/1(8)/77-प्रशासन/वोल्यूम-।।।/
25535—क्रय भंडार निदंशालय के निद्धांक ने श्री एल एख वागवे स्थायी भंडारी को स्थानापन्न सहायक भंडार अधिकारी के पद पर रूपये 650-30-740-35-810-द रो -35-880-40-1000-द रो -40-1200 के वेतन कम में श्री एम एस, गंगनायक सहायक भंडार अधिकारी के भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त होने पर दिनांक 12-10-81 (पूर्वा) से दिनांक 13-11-1981 (अप.) तक तदर्थ नियुक्त किया है।

के. पी. जोसफ प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युप्त परियाजना अणुक्षक्ति, विनांक 15 दिसम्बर 1981

यं. रापविध/09002/ज/85/81/स्थ/5810—-परमाणु उत्जी विभाग के दिनांक 2 जुलाई, 1981 के आदेश संख्या 20/5/(2)/8/सी सी एस/762 द्वारा नरोरा परमाणु विखुत परियोजना में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर तैनात होने के फलस्वरूप श्री गोविन्द सिंह, सहायक लेखा अधिकारी ने दिनांक 31 अगस्त, 1981 के अपराहन में इस परियोजना से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

म द गाडगील प्रशासन अधिकारी (स्थापना) बास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

पर्यटन एवं नागर विमानन मन्त्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

मई दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1982

सं० ए० 11013/111/79-स्था० 1—-राष्ट्रपति निर्हे-- लिखित प्रधिकारियों को भारत मौसम विकान विभाग में मौसम

| विज्ञानी अरेणी-II के पद पर उनके नामों विनांक से स्थायी रूप में नियुक्त करते हैं | • | 1 2 | 3 |
|--|-----------------------|--|---------------------------------------|
| पनाक स स्थाया रूप म । नयुक्त करत ह | ;== | 42. श्री पी० जे० राजगोपालाचारी | . 21-7-77 |
| | | 43. ,, ए० के० नाग | . 21-7-77 |
| म नाम • | स्थायी नियुक्ति | 44. डा ० मृष्णानन्द | . 1-2-78 |
| | की | 45. ,, एस० एन० भट्टाचार्य | . 1-2-78 |
| | दिनांक | 46. श्री रविन्द्रनाथ | . 1-2-78 |
| 1 2 | 3 | 47. " ए० के० बनर्जी | 1-2-78 |
| | | 48. ,, जैंड० ई० मेख | . 1-2-78 |
| 1. श्री रणजीत सिंह | . 1-4-72 | 49. ,, भुम्कन ला ल | . 1-2-78 |
| 2. ,,बी० के० श्रीधर . | . 1-4-72 | 50. ,, मनोरंजन दास | . 1-2-78 |
| 3. ,, पी० ई० मोरे | . 1- 9- 72 | 51. ,, डी०वी० राव | . 1-2-78 |
| 4. ,, ए० चौधरी . | . 1-9-72 | 52. डा० घार० के० दुवे | . 1-2-78 |
| , बी० ग्रार० यादव | . 1-3-73 | 53. श्रीएम०एल० बसन्द्रा | . 1-2 - 78 |
| 6. ,, जो० एस० मंडल | . 1-3-73 | 54. ,, एस० भ्रार० कल्सी | . 1-2-78 |
| 7. ,, बी० एस० रामचन्द्रराव . | . 1-10-74 | 55. <i>"</i> जयपास | . 1-2-78 |
| 8. ,, के॰ रमन • . | . 1-10-74 | 56. " एस० रा षवे न्द्रन | . 1-2-78 |
| 9. ,, वी० के० राघवेन्द्र . | . 1-2-75 | 5 <i>7. ,,</i> स्त्रार० सी० भा टिया | . 1-2-78 |
| .0.,, बी०एम० छाबड़ा | . 1-2-75 | 58. ,, बी० एल० शर्मा | 1-2-78 |
| 1. डा०एच० एस० बेदी . | . 1-2-75 | 59. डा० एस० एन ० श्रीवास्त व | . 1-2-78 |
| . २. श्रीएम० जी० गुप्ता . | . 1-2-75 | 60. श्री घन्नासिंह | . 1-2-78 |
| 13. ,, एम० एस० सिह् . | . 1-2-75 | 61. ,, जी० एस० गनेशन . | . 1-2-78 |
| 14.,, बी० प्रसाद | . 1-2-75 | 62. ,, जे ० सी० मंड ल | . 1-2-78 |
| . 5. डा० प्रार० प्रार० केलकर | . 1-2-75 | 63. ,, जे० एस० डे | . 1-2-78 |
| । 6. श्री के० वीराराधवन | . 1-2-75 | 64. डा० एस० के० दीक्षित | . 1-3-78 |
| । 7. डा० एस० के० श्रीवास्तव . | . 1-4-75 | 65. श्री सी० रंगनाथन | . 1-3-78 |
| 8. श्रीपी० मोहम्मद | . 1-4-75 | 66. ,, बी० थ पलियाल | 1-3-78 |
| 9. ,, के० म्रार० राव | . 1-4-75 | 67. ,, श्रवण कुमार | . 1-3-78 |
| 20. ,, पी० एम० पकीर मोहम्मद | . 1-4-75 | 68. ,, एम० एम० कुंडू | 1-3-78 |
| 21. ,, ए० थिरूवेन्गदाथन | . , 1-4-75 | 69. ,, ए० वी० म्रार० कृष्णराव | . 1-3-78 |
| 2.2. डा०यू०एस०डे | . 1-4-75 | 70. ,, वी० श्रीनियासन | 1-3-78 |
| 2.3. श्रीएस०पी०सक्सैना . | . 1-4-75 | 71. ,, ए० नारायणकुट्टी . | . 1-3-78 |
| 24. ,, जी० म्रप्पाराव | . 1-4-75 | 72. " एम० बी० नारायणराघ | . 1-3 -7 8 |
| 25. खा० ए० के० चौधरी | . 1-4-75 | 73. ,, एम० सी० शर्मा | . 1-8-78 |
| 2.6. श्री गुरबचन सिंह . | . 1-4-75 | 74. ,, ए० के० भटनागर | . 1-7-79 |
| 2.7. ,, जी० वी० नीलकंठन | . 1-4-75 | 75. ,, के०डी० बर्मन . | . 1-7-79 |
| 28. ,, जी० एस० सरवर्डे | 1-4-75 | - i | <u>.</u> |
| 29. ,, बी० एल० स्वामी | . 1-4-75 | दिनांक 5 जनवरी | 1982 |
| 30. ,, एम० वैद्यनाथन | . 1-7-75 | सं . ए-12040/1/81-स्था । - | –राष्ट्रपति. श्रीलखमीसिं |
| 31.,, के० पी० देवले . | 1-2-76 | को 3 अक्तूबर, 1981 पूर्वाह्न सं | 'अगले आदोशों तक भार |
| 32. ,, बी०सी० विष्वास | . 1-1 -7 7 | मौसम विज्ञान विभाग में स्थानापन्त म | गैसम विज्ञानी श्रेणी ।। व |
| 33. ,, एस० भ्राई० टी० थोमस | 1-2-77 | पद पर नि <u>युक्त करते ह</u> ैं। | • |
| 34.,, एस० के० प्रधान | . 1-3-77 | | . एस. के. दा |
| 35, ,, बी० एन० दीवान | . 21-7-77 | मौसम ि | यज्ञान के अपर स <mark>हानिद</mark> ेश |
| 36, डा० एस० एन० चटर्जी | . 21-7-77 | | |
| 37. श्री एस० निरंजन | . 21-7-77 | महानिद्याक नागर विमान | रका कार्याक्ष्म |
| 38. ,, सी०पी० जोसेफ | . 21-7-77 | • | |
| 39. ष्ठा०पी० एन० सैन | . 21-7-77 | नर्षः दिल्ली-110066, दिनकि | 10 दिसम्बर 1981 |
| 40, ,, एम० के० गुहा | . 21-7-77 | मं. ए-19011/13 <mark>0/81-ई</mark> | । ––नागर विमानन विभा |
| 41. ,, एस० के० घोष | 21-7-77 | के श्री एस. के लाला विमान सुरक्षा | अधिकारी ने निवर्तन आग |

प्राप्त कर लोगे को फलस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत होने पर दिनांक 30 नवम्बर, 1981 (अपराहन) से अपने पद का कार्य-भार स्थाग दिया है।

> सुधाकर गुप्ता उप निद्याक प्रशासन **कृत** महानिद्याक नागर विमानन

नई दिल्ली, विनांक 22 दिसम्बर 1981

सं. ए-32013/11/80-ई.-।—इस विभाग की दिनांक 27-11-80 की अधिसूचना सं. ए-32013/11/80-ई.-। के क्रम में, राष्ट्रपति ने निम्निलिखित उप निदंशकों/मंचार नियंत्रक को, प्रस्थंक के नाम के सामने दी गई तारीख से आगे दिनांक 31-12-81 तक की अयिथ के लिए अथवा ग्रंड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें में की भी पहले हो, निदंशक संचार के पद पर तदर्थ आधार एक नियुक्त किया है।

- 1. श्री एम. एस. कृष्णन् ---2-5-81
- 2. थी के. टेकचन्दानी--30-4-81
- 3. श्री एग. के. दास--30-4-81

सुधाकार गुप्ता उप निद्योशक (प्रकासन)

नर्इ दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1981

सं. ए-32014/3/81-ई. एस.—-महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी. आर. एस. नायर, अधीक्षक की प्रशासनिक अधिकारों के एवं पर की गई सबर्थ नियुक्ति को आगे दिलांक 7-6-82 तक की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरों जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सामान्य शर्ती पर जारी रक्ने की मंजूरी दी है।

दिनांक 24 दिसम्बर 1981

सं. ए-12025/1/81-ई. सी.—-राष्ट्रपति ने श्री उदय कुमार सिन्हा को नागर दिमानन विभाग के बैमानिक संचार संगठन में दिनांक 1 दिसम्बर, 1981 (अवराह्य) से तक नीकी अधिकारी के यद पर नियुक्त किया है तथा अन्य आदेश होने तक उन्हें निद्देशक, राडिया निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली के कार्यालय में नैनास किया है।

सं० ए० 32014/1/81-ई० सी०—इस कार्यालय की दिनांक 17 नवम्बर, 1981 की श्रिधसूचना सं० ए० 32014/1/81-ई० सी० की क्रम सं० 10 में श्रांशिक संशोधन करते हुए, इसे निम्न प्रकार से पढ़ा जाए:—

| ऋ० नाम सं० | वर्तमान तैनाती | नया तैनाती स्टेशन | कार्य ग्रहण करने की |
|---------------|-------------------------|----------------------|---------------------------------|
| 40 | तनाता स्टेशन ———— | स्टशन | ग्रहण करन का तारीख <i>ें</i> |
| 10. श्री | एस० वर्धा- वैमानिक | वैमानिक | 1-10-81 |
| राज | लू संचार | संचार | (पूर्वाह्न) |
| | स्टेशन, | स्टेशन, | |
| | सफदरजंग | सफदरजंग | |
| | एयरपोर्ट | एयरपोर्ट | |
| | नई दिल्ली | नई दिल्ली | |

सं० ए० 32014/1/81-ई० सी०—इस कार्यालय की विनांक 18 नवम्बर, 1981 की प्रधिसूचना सं० ए० 32014/1/81-ई० सी० की क्रम सं० 1 में ग्रांशिक संशोधन करते हुए उसे निम्न-प्रकार से पढ़ा जाए:—

| %म० नाम सं | वर्तमान तैनाती स्टेशन | नया तैनाती स्टेशन | कार्य ग्रहण करने की तारीख |
|-----------------------------|-----------------------------|-------------------------------------|---------------------------------|
| 1. श्री ए० पेरिया स्वामी | | वैमानिक संचार स्टेशन हैदराबाद | 16-10-81 (पूर्वाह्म) |

दिशांक 31 दिसम्बर 1981

सं. ए-32014/3/81-ई. एस.—सहानिद्धेशक नागर विमानन ने श्री जं. एस. संगवान, अधीक्षक को दिनांक 14 दिसम्बर, 1981 (पूर्वाहन) से 31 दिन की अवधि के लिए क्षेत्रीय निदासक, दिल्ली क्षेत्र के कार्यालय में श्री एस. एच. लाला, प्रशासनिक अधिकारी की अवकाश रिक्ति के स्थान पर प्रशासनिक अधिकारी (समूह ''क्ष') के पद पर तद्दर्भ आधार पर नियुक्त किया है।

प्रेम **अन्द** सहायक निदोशक प्रशासन

संचार मंत्रालय

नर्इ दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1981

सं. ए-22013/1/81-सी. ए./2876——केन्द्रीय वेतन और लेखा कार्यालय विदेश संभार सेवा, धम्बर्ध में लेखा अधि-कारी श्री पुरुषोत्तम राव, अधिवर्षता की आयु प्राप्त कर दिनांक 31-10-1981 अपगहन से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

कषा सहजपाल लेखा नियंत्रक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, विनांक 4 जनवरी 1982

सं ए-19012/946/81-स्थाः पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री दिक्षाकर मण्डल, पर्यनेक्षक को रु. 650-30-740-35-810-दः रो.-35-880-40-1000-दः रो.-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरी) के ग्रेड में 21 अगस्त, 1981 की पूर्वाहन से छः महीने की अनिध अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं. ए-19012/965/81-स्था. पांच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री आर. एन. भौमिक, पर्यवेक्षक को रु. 650-30-740-35-810-द. रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में अतिरिक्त सहायक निद्देशक/सहायक इंजीनियर (इंजीन्यरी) के ग्रेड में 26 सितम्बर, 1981 की

पूर्वाह्न से छः महीने की अविधि अथवा पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्भ आधार पर नियुक्त करते हों।

ए. भट्टाचार्य अवर सचिव केन्द्रीय जल आयोग

निर्माण महानिद्देशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 नवम्बर 1981

मं. 1/125/69-ई. सी. 9--इस विभाग के वास्त्विद् श्री हरीं चन्द्र वार्धक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 30-11-1981 (अपराहन) के सेवा-निवृत्त हो गये।

विनांक 31 विसम्बर 1981

सं. 1/94/ई. सी.-9 अन्भाग—इस विभाग के वरिष्ठ वास्तुक, श्री एं. एं. घार वार्षक्य की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से विनांक 31-12-1981 (अपराह्न) की सेवा-निवृत्त हो गए।

मं. 1/256/69-इं. सी.-9—इस विभाग के वास्त्विद्, श्री एग. के. निशाल, वार्थक्य की आयू प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से दिनांक 31-12-1981 (अपराह्न) को सेवा-निथ्रत हो गए।

> महोन्द्र मीन स्याल प्रशासन उपनिदांशक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों का रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और यामहा इलैक्ट्रानिक्स प्रा. लि., के विषय में।

नई दिल्ली, दिनांक 24 दिसम्बर 1981

सं. 6486—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर यामहा इलैक्ट्रोनिक्स प्रा. लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकाल कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

जी . बी . सक्सेना सहायक कम्पनी राजिस्ट्रार , दिल्ली एवं हरियाणा।

कार्यालय रिजस्ट्रार आफ कम्पनीज, दिल्ली एवं हरियाणा,

नई विल्ली-110001, विनांक 28 विसम्बर 1981

सं. समाधन/5340—जब कि मेसर्ज पार्मन इस्पेक्स प्रार्हवेट सिमिटेड जिसका पंजीकृत कार्यालय, डी-9, डिफोन्स कालोनी, नई दिल्ली पर स्थित हो, परिसमाप्त की जा रही हो।

और चूंकि अधोहस्ताक्षर कर्ता के पास यह मानने के लिए उपयूक्त कारण है कि कोई भी समापक कार्य नहीं कर रहा है तथा समा-पक द्वारा जो लेखा विवरण प्रस्तृत किया जाना चाहिए था वह निरन्त्र छः महीनों से नहीं किया गया है।

अतः, इसी कारण, कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुबन्धों के अनुसार एतव् द्वारा नोटिस दिया जाता है कि इस नोटिस के तीन महीने बाद की अविध समाप्ति पर मेसर्ज पार्सन इम्पेक्स प्राईक्ट लिमिटेंड का नाम, जब तक इस के विरुद्ध में कारण नहीं बताया जाता, रिजस्टर से काट दिया जाएगा तथा कम्पनी समाप्त कर दी जाएगी।

एल. आर. वर्मा सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चिद्यम्बरम टोक्स्टोलेस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

मदास, दिनांक 26 दिसम्बर 1981

सं. 426/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि चिदम्बरम टेक्स्टेलेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 और नलन एण्ड कस्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 26 दिसम्बर 1981

सं. 1878/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि नलन एण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम , 1956 और इनडियन इन्डस्ट्रीयल कम्पनी लिमिट'ड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 26 दिसम्बर 1981

सं. 910/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा कम्पना दी जाती है कि इनिडयन इन्डस्ट्रीयल कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मन्नास आयुर्वेचिक स्टौर्स (सी.वी.र्ष्ट्री.) लिमिटेड के विषय में।

मद्राम, दिनांक 26 दिसम्बर 1981

सं. 1566/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसव्-द्वारा

सूचना दी जाती है कि मदरास आयुर्वोदिक स्टौर्स (सी.वी.की.) चिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> कम्पनी अधिनियम, 1956 और नंहरू स्टोर्स प्राइवेट लिमिटोड को विषय में

मन्नास, दिनांक 26 दिसम्बर 1981

मं. 1875/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि पुद्में पदिप्यम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पुर्दोम पदिष्पगन प्राइयेट लिमिटोड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 26 दिसम्बर 1981

सं. 2126/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपभारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना वी जाती है कि पृदुमें पदिष्पगम प्राष्ट्रवेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्क्ष कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रभात कमल कन्सट्रकान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मदास, दिनांक 30 विसम्बर 1981

सं. 7133/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतद्-व्यारा सूचना दी जाती है कि प्रभात कमल कन्सट्रक्शन्स प्राई वेट सिमिट डे का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ग्रीन स्टोन आटा इण्डस्ट्रीण प्राइवेट लिमिटोड के दिषय में।

मद्राम, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 7069/560/81— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि ग्रीन स्टेन आटा इण्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दुवारका ओइल इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिट'ड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 7173/560/81——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सुचना दी जाती है कि द्वारका ओहल इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे. के. रमणी कम्पनियों का सहायक रिकस्ट्रार समिलनाड**्**

कस्पनी अधिनियम, 1956 और टी. जी. एल. स्पीनिंग एंड वीभिंग मिल्स लिमिटंड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 29 दिसम्बर 1981

सं 1126/टी ए. आई./560—कम्पनी अधिनियम, की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतद्व्वारा सूचना दी जाती है कि टी. जी. एल. स्पीनिंग एंड वीभिंग फिल्स लिभिटेंड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राक्षको बीर्डंस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। हैदराबाद, दिनांक 29 दिसम्बर 1981

सं 1583/टी. ए. आर्ह./560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एत्युवारा सूचना दी जाती है कि रावकी बीर्डम् प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिअस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटिस हो गई है।

वि. यस. राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार अन्ध् प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय, आन्ध्रप्रदेश

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आफ इनवैस्टमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

ह दराबाद, दिनांक 29 दिसम्बर 1981

सं. 1258/टी. ए. आई. /560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की (5) के अनुसरण के एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि आश इनवैस्टमेंट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पी गणेशमल प्राइवेट लिमिटौंड के विषय में। हैंदराबाद, दिनोंक 29 दिसम्बर 1981

सं. 689/टी. ए. आई. /560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्व्वारा सूचना दी जाती है कि पी गणेशमल प्राइवेट लिमिट है का नाम आज, रिजस्टर से काट दिया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जय किसान काटन मिल्स प्राइवेट लिमिटोड को विषय में।

हैंदराबाद, दिनांक 29 दिसम्बर 1981

सं. 1845/टी. ए. आई. /560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि जय किसान काटन मिल्स प्राइवेट लिमि-टेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

वि. एसः राज् कम्पनियों का रजिस्ट्रार आन्ध्रप्रदेशः, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होटल चेने प्राइवेट लिमिटोड के विषय में

मन्नास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 7008/560/81—कस्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपभारा (5) के अनुसारण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि होटल चेने प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्स कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्म्यनी अधिनियम, 1956 और क्यालिटी सेरामिक्स प्राह्वेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 4142/560/81— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्द्वारा सूचना दी, जाती है कि क्वालिटी सेरामिक्स प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिल्ल्येंट रोवेस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में ।

मद्रास, विनांक 30 विसम्बर् 1981

सं. 5029/560/81~-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसारण में एतद्व्वारा सूचना दी जाती है कि बिल्लियेंट रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विचटित हो गयी है।

कस्पनी अधिनियम, 1956 और नीडर मायुरम ट्रान्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मग्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 5653/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एहद्व्यारा सूचना दी आसी है कि नीडर मायुरम ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तमिलनाडु कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 30 विसम्बर 1981

सं. 6352/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि तिमलनाड़ कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ट्रैक्टर डिस्कस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 6209/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरिण में एतद्द्वारा सूचना दो जाती है कि ट्रैक्टर डिस्कस प्राइवेट लिमिट के का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लक्षमी रिंग ट्रीवलर्स मेनफें क्सरिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

सं. 5328/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसौरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि लक्षमी रिण ट्रैवलर्स मेनुफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तमिलनाङ्क आक्सिजन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 6681/560/81—कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसारण में एतद्द्वारा सूचना वो जाती है कि तमिलनाड आक्सिजन लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लक्ष्मी एग्निकलचरल इन्टरप्रासेज प्राइवेट लिमिटंड के विषय में

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 6988/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतक्ष्यारा सूचना वी जाती है कि लक्ष्मी एप्रिकलचरल इन्टरप्रासंज लिमिट डे का नाम आज रिजस्टीर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सरूदमल वस ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटोड के विषय में ।

मद्रास, विनांक 30 विसम्बर 1981

सं. 5595/560/81~-कम्पनी अधिनियम, 1956 कीं भारा 560 की उपभारा (5) के अनुसरण एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि भरूदमले बस ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिंभटोड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और असोसीसेटड पेरन्टस एण्ड टीचरम प्राहरोट लिसिटोड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 5026/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनूसरण एतव्-द्वारा सूचना वी जाती है कि असोसियेटड पेस्टम एण्ड टीचरस प्राइवेट लिमिटडे का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उकत कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और युन्गप्पालयम ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटोड को विषय में ।

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

गं. 5947-560/81/-कस्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि युन्गपालयम द्रांसपाटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अलकोकृर होटल (मद्रास) प्राध्येट लिमिटोड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं 5997/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतद्-द्वारा सूचना ही जाती है कि अनकांकर होटल (मद्रास) प्राइवेट लिमिटंड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटिस हो गयी है।

कम्पनी अधिनियस, 1956 और प्राष्ट्रमा प्रिन्टिंग एण्ड ग्राफिक एक्विपमेन्टस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

मन्नास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

मं 5844/560/81---कम्पनी अधिनयम, 1956 की भारा 560 की उपभारा (5) के अनुसरण में एतष्-द्वारा सूचना दी जाती है कि प्राइमा प्रिन्टिंग एण्ड ग्राफिक एक्विपमेन्टम प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जवाहर चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 5750/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-व्वारा सूचना दी जाती है कि जशहर चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनिशम, 1956 और मद्रास जिंक इन्डस्ट्री प्राइवेट लिमिटांड के विषय में।

मद्रास, विनांक 30 दिसम्बर 1981

मं. 6720/560/81—धम्पनी अधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अगुसरण में एतड़ स्ट्रारा राचना दी जाती है कि मद्रारा जिंक इस्डरट्टी प्राइवेट निमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघित हो गयी है।

कमानी अधिनियम, 1956 और लक्ष्मी सप्लाइरिंग एण्ड सर्वियोज प्राइवेड लिमिटोड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 30 दिराम्बर 1981

सं. 6726/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि लक्ष्मी सप्लाईस एण्ड सीविसेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सुधा हैजीनिक प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

मदास, दिगांक 30 दिसम्बर 1981

मं. 6194/560/81—-कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि सुधा हीजीनिक प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटोड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नैप्चूट मरौन इन्टरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 30 विसम्बर 1981

सं. 6146/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की भारा 560 की उपधारा (5) के अन्मरण मो एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि नैष्यून मेरीन इन्टरप्राइगेस प्राइवेट निर्मिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विष-टित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ईस्टर्न फिनियड लेंदर कार्पोरोजन प्राइवेंट लिमिटोड के विषय में

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं 6546/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि इस्टिन फिनिएड लेदर कार्पोरोशन प्राइवेट लिमि-टेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री अनुसूय चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

मधास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 6012/560/81——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री अनुसूय चिट फण्ड प्राइदेट लिमिटेंड का नाम आज से रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सरमा फिश्न लंदर गुड़स प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 30 दिसम्बर 1981

सं. 6565/560/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना

दी जाती है कि सरमा फिश्न लेवर गुड़स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघ-टित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री रंगराजा स्पिन्न्रस प्राइवेट लिमिटोड के विषय में।

मदास, दिनांक 30 विसम्बर 1981

सं. 6859/560(5)/81— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है कि श्री रंगराजा स्पिन्नरस प्राइवेट लिमिटेंड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

ई. सेलवराज, कम्पनियों का सहायक रिजस्ट्रार तमिलनाड

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 21 दिसम्बर 1981

निदोश सं. राजः ∕सहा. आ. अर्जन—स्तः मुभ्ते, एस. एल. भौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. एफ-38 है तथा जो सीकर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीकर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति- करा निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्त- विका रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिये; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में जुविधा के लिए;

- (1) श्री चेतन प्रकाश पृत्र श्री सूरजभल महाजन जैन ओस-वाल मध्यंज किशनगढ़ (राजस्थान) मालिक काराबार मैसर्स चेतन प्रकाश जैन, सीक र
- (2) मैंसर्ग रीजेन्ट इन्डस्ट्रीज सीकर ब्वारा भागीदार मृश्ताक अहमद वगैरह सीकर

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

आराजी प्लाट नं. एफ. 38, वाके इण्डस्ट्रीयल ऐरियी सीकर (राजस्थान) जो उप पंजियक, सीकर द्वारा क्रम संस्था 439 दिनांक 13-4-81 को पंजिबद्ध विकय पत्र में और विस्तृतरूप से विवरणित है।

एल. एल. चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन, निम्निसित व्यक्तियों क्षीत् :---

तारीख: 21-12-81

मोहर 🖫

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 दिसम्बर 1981

निवोश नं. ए. पी. 2911--यक्षः सुफ्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह दिञ्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रुपए से अधिक **ह**ै और जिसको सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, सन्क ुलर रोड अबोहर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में अन्-सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्दीकारण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वेक्ति संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मुल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एेसे द्रयमान प्रतिफल के 15 प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित **उद्दरेय में उक्त अन्तरण लिखित में** वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सौंबधा के लिए;

अतः अव, उक्त किधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती जै दोवी विधवा भगवात दास, दासी गयी नं. 2, नई आबादी, अजोहर।

(अन्तरक)

(2) डा. राम क्रुमार प्त्र नन्द लाल, वासी वजीदपुर, काटिआनवाल, तहि. फाजिलका।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2, में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रहची रहता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्द्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 259, दिनांक अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारील : 14-12-81

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

साथकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निदेश नं. एं. पी. 2912--यतः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रा. में अधिक हैं और जिस्की सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो सर्केट्र रोड, अहं हर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उत्तित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास क रने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1022 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) से अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 3—426GI/81

(1) श्रीमती जी दोनी विधवा भगवान दास, वासी, गली नं 2, नई जानादी, अनोहर।

(अन्तरिती)

- (2) श्रीमही न्दर गर्ना ज्ली राम कामार, वासी, गांव वजीदपुर, कटोशनवाल, तहि, फाजिलका। (अन्तरक)
- (3) जैना कि उत्पर नं. 2, मों लिखा है। (यह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग मो सम्पत्ति हैं)
- (4) जो ब्याहित सक्यानि मो नक्षी रहता हो। (वह व्यक्ति, जिनको बारो मो अथोहस्ताक्षरी जानता हो कि सम्पत्ति मो हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 दिन की जरीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्माना की तामिल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्राप्त प्रमानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 377 दिनांक, अप्रैल-1981, को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अवोहर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख: 14-12-81

मोहरः 🕆

प्ररूप बाई.टी.एन्.एस्. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निदंश नं . ए . पी . 2913--यतः मुक्ते, आर . गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रा. से अधिक है और जिसको सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो सुखरा बस्ती अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनु-सूची मे और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सृत्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्सरण भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती जवाली बाई विधवा घमंडी राम, साई दास, दुनी चन्द पुत्र घमंडी राम, वासी गली नं 15-बी, मण्डी अबोहर।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश राये पुत्र चिमन लाल, वासी गांव तूतवाला तहि. फाजिलका।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग् में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाें पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्वित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 107, दिनांक, अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

आर गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 14-12-81

मोहर 🖫

प्ररूप चाई० टी० एन० एस•---

आयक्तर मधिनियम,-1981 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 14 विसम्बर 1981

निवाश नं. एं. पी. 2914---यतः मुक्ते, आर. गिरधर, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृहव 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो नय माडल टाउन्न फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकेरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के बुग्धमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यभान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रोर भ्रन्तरिती (अन्तारितयों) के बीच ऐसे भ्रस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कश्यन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मे तुई किसी आय की∫बाबल उक्त मधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसी किसी स्राय या जिसी धन या अन्य स्नास्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिबिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिबिनियम, या अनकर श्रिबिनियम, या अनकर श्रिबिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रियोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, सनुबर्ध में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री करनेल सिंह पुत्र भगत सिंह, वासी, न्यू माडल टाउउन, फगवाड़ा।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र गुरबस्थ सिंह, वासी मोहल्ला तारुका, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2, में लिखा है। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजी रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पक्ति में हितब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गर्कों श्रीर पर्वो का, जो उन्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रथं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 181, दिनांक अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राभिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, जालन्धर

तारीब : 14-12-81

मोहर 🎨

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निदेश नं. एं. पी. 2915--यहाः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रां से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो न्यू माडल टाउन्न फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाददध में अनुस्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजम्द्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, फगवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके दश्यमान प्रतिपाल से, एसे दश्यमान प्रतिपाल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक **रूप** से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अर्थ. अर्ब, उन्तत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, भी, उन्तत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .— (1) श्री करनेल सिंह पुत्र भगत सिंह, वासी, न्यू माङल टाउन-फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सिमर कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह, दासी तारूका फगवाड़ा।

(अन्तरक)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2, में लिखा है। (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारो मो अधोहस्ताक्षरी जानता हो कि सम्पत्ति मो हितब**द्**ध हो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 190, दिनांक अप्रैल,-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा \mathbf{g}^2 ।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

सारील : 14-12-81

मोहर 🖫

प्ररूप प्रार्थे० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निदेश नं. एे. पी. 2916—यहः मुक्ते, आर. गिरधर, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीत सजन प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो न्यू माडल टाउन्न फगवाड़ा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीक मई, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफल से, एसे इच्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने 'ग उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रिधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उनत प्रधिनियम की घारा 269-ग के, अनुसरण मे, में, उनत प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्री करनैल सिंह पुत्र भगत सिंह, वासी, न्यू माडल टाउनन, फगवाडा।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र गुरबङ्श सिंह, वासी मोहल्ला तारू का, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर मं. 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रज्जी रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिक्ष-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अन्सूखी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 255, दिनांक मर्ছ-1981, को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाडा ने निखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, जालन्धर

तारीय : 14-12-81

मोहर 🖫

प्रकृष बाई व दो । एन । एत । --

आयक्तर **मधिनियम; 1961 (1961 का 43) की** धारा 289-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निविश नं. एं. पी. 2917--यतः मुक्ते, आर. गिरधर, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो न्यू माडल टाउन फंगवाड़ा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फंगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई हैं और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिधत अधिक है और अन्तरित (अन्तर्कों) और अन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) जन्तरण से हुई किसी आय की भावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

(1) श्री करनेत सिंह पृत्र भगत सिंह, बासी, न्यू माडल टाउनन, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती सिमर कार पत्नी जोगिन्द्र सिंह, वासी, मोहल्ला तारूका, फगवाड़ा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिन्के बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

मनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 872, दिनांक जून-1981 को रेजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

अंतः अत्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

तारीख : 14-12-81

मोहर 🗧

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायक<u>र अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा</u> 269-ण(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रोज, जालन्धर

णालन्धर, विनांक 14 दिसम्बर 1981

निदंश नं. एं. पी. 2918—यतः मुक्ते, आर. गिरधर, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

करे पूर्वोक्त संपहित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) ग्रौर मन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण का बिद में वास्त्रिक हम से किया नहीं किया गया है

- (क) प्रत्राण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उनत प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रतः भव, उक्त प्रधिनियन, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-गुकी उपधारा (1) के अधीन निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थित् ≟— (1) श्री राम प्यारी पुत्र छजु राम, वासी, मोहल्ला सैनीआं, महिली गेट, फगवाड़ा।

(अम्तरक)

(2) श्री लुभाया राम पुत्र साथु राम, वासी, महिली गेट, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुची रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाणन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवैधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त गिक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदों का, जी उनत श्रिक्षितियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रयें होगा, जी उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 10 , दिनांक अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजु, जालन्धर

तारीख: 14-12-81

मोहरु 🖫

प्ररूप आईं. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निक्रोश नं. ए. पी 2919--यहः स्फेर्ड, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 16) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया 🐉), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं जैसा कि अनुसुची में लिखा ही तथा जो फगवाड़ा मों स्थित हैं (और इसरो उपाबद्ध अन्स्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फंगवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के ख्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल मे, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिसियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल निम्नलिखित उद्दोध्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) कुमारी करतारी पुत्री छजुराम, वासी, मोहल्ला, सैनीआं, महिली गेट, फगवाड़ा।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री दाविन्द्र पाल पुत्र ल्भाशी राम, दासी महिली गट, फगवाड़ा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उज्पर नं. 2, मों लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसको अधिभोग मों सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पन्ति मो राजी रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनके बारो मों अभोहस्ताक्षरी जानता है कि सम्पत्ति मों हितबद्ध हैं)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिह कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतक पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयास्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 11, दिनांक अप्रैल-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नतिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:---

नारीख : 14-1<u>2</u>-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज , जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

निद्येश नं, एं. पी. 2932--यतः मुफ्ते, आर. गिरधर, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची मे लिखा है तथा जो अम्बाला जटां, होशियारपूर में स्थित हैं (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी-के कार्यालय भूनगा मे रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्सरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या पर्व कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन भन्दनितिस्त व्यक्तियों अर्थात्:——
4—426GI/81

(1) श्री भागसिंह पृत्र मोहर सिंह, गांव अम्बाला जटां, तिष्ठ. होशियारपर।

(अन्तरक)

(2) श्री गुरगन्ज सिंह पृत्र मंहिन सिंह, गांद अम्बाला ऊटा, तहि. हा शियार प्र।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर न 2, में लिखा है।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रसता हो। (बहु व्यक्ति, जिनके बार में अधेहस्ताक्षरी जानता ही कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड भी आक्षे**प :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तरप्रकाधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि जिलेख नं. 10, दिनांक अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भून्या ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 16-12-81

भाहर:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्थर, विनांक 16 विसम्बर 1981

निद्येश नं. एं. पी. 2933--यतः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/-रत. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखाहै, तथाओं कपूरथला में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपुरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वो क्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयभान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तो रितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;
- कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं को, अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री बीरिजन्द्रा सिंह पुत्र राजा हरिमन्द्रा सिंह, वासी कपूरथला मुस्तियार श्राम श्रीमती एन. सिंह उर्फ दोवका पत्नी श्री बीरिजन्द्रा सिंह, 27-संदर नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)
(2) श्री काबल सिंह, बस्सीश सिंह सुपूत्र लेट श्री हरनाम

शिक्ष प्राचल निरुद्ध, जन्मा निर्माल सुनुत्र लिंड जा हर्याच सिंह गांव बुटर, जिला जालन्धर, श्री तसत सिंह पुत्र सोहन सिंह, हरी सिंह पुत्र तारा सिंह, परवीन कौर परनी परमजीत सिंह, जीत कौर परनी किपाल सिंह, वासी कपुरथला।

(अन्तरिती)

(3) औसा कि उत्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अभोहस्ताक्षरी जानता ही कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्मना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्मना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळाकिरण:—हसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस भी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 141 विनांक अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, कपुरथना में लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक** आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालन्थर

तारीख : 16-12-81

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

निद्येश नं. एं. पी. 2934—यतः मुभ्ने, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो विश्वास की (और हमार्च सामक्ष्य सम्पत्ति हैं) और

बंगा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, नवांशहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981

का पूर्वा कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रमूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्क लिए तिया पाया गया प्रतिक्क लिए तिया पाया गया प्रतिक्क लिए तिया पाया गया प्रतिक्क स्था से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयंकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिलिक्त स्थिक्तियों, अथित्।:—- (1) श्री शिव सिंह पृत्रु ज्याला सिंह, वासी रोलवे रोड बंगा।

(अन्तरक)

(2) श्री सतीश करुमार, यश करुमार पुत्र भीम सने, वासी गल्ला मण्डी, बंगा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बसे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्मुची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 14, दिनांक अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नवांशहर में लिखा ही।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज्, जालन्धर

तारींच : 16-12-81

मोहर 🖫

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 विसम्बर 1981

निष्केश नं. एं. पी. 2935--यतः मुफ्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ह**ै** और और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बंगा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में दर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगा मों रजिस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) को अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तीरत की गई है और मुन्हें यह विद्यास करने करने का कारण है कि बथाणुर्वकित सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांपशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन. निम्नलिखित उददंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरब के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में गृतिभा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निस्नितिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री शिव सिंह पुत्र अवाला सिंह, वासी, रोलवें रोड,
 - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती लीला बती पत्नी भीम सैन वासी, गल्ला मण्डी, बंगा।
 - (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं 2, में निखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्तिं सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनको बार में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिरियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 60, दिनांक अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी बंगा ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, जालन्धर

तारीब : 16-12-81

प्रकप भाई० दी० एत• एस०----

आयकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जाद रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

निद्दोश नं. एं. पी. 2936—यतः मूक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्का अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981

को पूर्वीकत संपत्ति के उभित वाजार मत्य से काम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते हह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथा नहीं। अस्तरित

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निगम के वभीन अन दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (ह) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रीवधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिख्त व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) श्री राम मुरती जी. एं आफ नरेश क्षुमार, मदल गोपाल पुत्र राम मुरती, वासी हविया बाद, तहि फगवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री मनजीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह, वासी, माउल टाउन, फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैमा कि उत्पर नं. 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो। (शह व्यक्ति, जिनके बारो में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृवर्षिकत सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं कसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो. के भीतर प्रवांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सकेगे।

स्पट्टोकरण:---- इस में प्रयुक्त कहते और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 160, दिनांक अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरवाड़ा ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 16-12-81

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 16 विसम्बर 1981

निदंश नं. एं. पी. 2937—यतः मुक्ते, आर. गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं तथा जो जीर जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो

आर जिसका से. जैसी कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्विकत संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में मास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के,दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अव्यक्षास्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (195/ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विक्षा के लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्यरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम मुरती जी. एं. आफ श्रीमती राधा रानी पत्नी राम मुरती व अगवीश कुमार पुत्र राम मुरती, वासी, हिदयाबाद, तहि. फगवाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री उन्तमजीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह, वासी, स्भाष नगर, फंगवाड़ा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं 2, में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (यह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पृषांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 161, दिनांक अप्रैल-1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा ने लिखा है।

> आर. गिर्धर स**क्षम प्राधिकारी** स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 16-12-81

मोहर 🗄

प्रकृप बाइ. टी. एन्. एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- थुं (1) के अभीन सूचना

भारत् स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, विनोक 16 दिसम्बर 1981

निवरेश नं एे पी. 2938--यतः मुक्ते, आर गिरधर, वायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु संअधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो मन्डी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित छट्टेश्य से उन्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम को अभीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने मा अससे वचने में सुविभा को लिए; और/या
- (न) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों धनं, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-ग के अनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री बुजमोहन पुत्र नंदलाल, वासी गली नं 2, नर्ह आबादी, अबोहर।

(अन्तरक)

 श्रीमती सवराज कुमारी पत्नी अमर लाल, वासी सुखेरा बस्ती, अबोहर।

(अन्तरिती)

- 3 जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार' में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील में 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी श्रन्थ व्यक्ति ब्रारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 62, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर **आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रॉज, जालंधर

तारीख : 16-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जाम रिंज, जालंधर

जालंधर, विनांक 16 दिसम्बर 1981

निवंश नं. ए. पी. 2939—यतः म्के, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मन्छी अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 कार्यालय अबोहर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 कार्यालय अधीन सामा 16) के अधीन सामा 160 के अधीन समा 160 के अधी

का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपरित के लिए अंटरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार सूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्त-रिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (फ) अन्तरण से हर्ष्ट िकरी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिषध के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्युक्तिगुर्ने अर्थात्:-- श्री कालू राम पुत्र कानी राम, वासी गली नं 5, मण्डी अबोहर।

(अन्तरक)

2. शीमती भगवान देवी विधवा मंगत राम, वासी गिवडावाली, तहि. फाजिलका।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उज्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिशोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिन्के बारो में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबव्ध ही)

को यह सूचना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुर्।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैमा कि विलेख नं 509, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजम्ड्रीकर्ती अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जर रोज, जानधर

तारीख : 16-12**-**1981

मोहर 🗓

प्ररूप आर्ष: टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^उज, जालंधर

जालंधर, विनांक 16 दिसम्बर 1981

निदोश नं . ए . पी . 2940--यतः मुक्ते, आर . गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण $oldsymbol{g}^{oldsymbol{t}}$ िक स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुत. संअधिक हैं और जिसकी सं जैसा कि अनस्ची में लिखा है तथा जो मन्डी अनोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, लारील मर्ड, 1981 को पृथाकित संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उत्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विक्या जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-गं के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन किस्नीलि**ख्त व्यक्ति**एगें अर्थात् :--5---426GI/81

- श्री ओम प्रकाश मून्जल पूत्र खेम चंद, वासी गली नं. 11-12, मण्डी, अबोहर, अब मकान नं. 267, मेक्टर-11-ए, चण्डीगढ़।
- 2. श्री राज क्मार पृत्र गोबिन्द राम, वासी मकान नं. 944, गली नं. 2, मण्डी अबोहर।
- जैसा कि उत्पर नं 2 मे लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पक्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षर) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 707, दिनांक अप्रैल 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, नकांदर ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन र्जे, जालधर

तारीत : 16-12-1981

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

निदोश नं. ए. पी. 2941--यतः मुभ्हे, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रतपए से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जलालांबाद मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फोजिलका में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 के अधीन, अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्राप्ट प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूतिथा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, म⁴, अक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्न<u>ि</u>लिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

 श्री राधे स्याम पुत्र ओम प्रकाश, वासी जलालाबाद (वैस्ट) जिला फिरोजपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मुक्केश क्यार, रवी भूषन पुत्र अमी चंद, वासी जलालाबाद (वैस्ट) तहि. फाजिलका।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 59, विनोक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिलका ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

तारीख: 16-12-1981

प्रसूप मार्ड.टी.एन.एस.------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर जालंधर, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

निदंश नं एं पी. 2942--यतः मुक्ते, आर. गिरधर, भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्थात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक 💕 और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची मं लिखा है गांव नालोगीआं, तहि. होशियारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को गुर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफस का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरुण में हार्ड किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस्से बचने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्री, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, किया प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त आंधनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, मैं, उक्त आधिनियम की भारा 269-म की वर्षभारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

 श्री सुक्षिंद्र सिंह पुत्र धर्म सिंह, वासी हरियाना रोड, नालोयीजा, तहि, होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री नीरज गुप्ता, अमित गुप्ता पुत्र लछमी धूर गुप्ता, बासी गोशाला बाजार, हाशियारपुर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (शह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रक्षता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह स्वना वारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकासन की तारी व से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 12, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारपूर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

तारीस : 16-12-1981

प्रकप बाइ . टी. एन. एस. ------

असम्बद्ध मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जानंधर

जालंभर, दिनाक 16 दिसम्बर 1981

निवंश नं. एं. पी. 2943—यतः मुभ्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार मूख्य 25,000/- रह. से अधिक है और

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव नालायीओं, तिह. होशियारपुर में स्थित हैं (और इससे उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रभू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप त करित नहीं वियो गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बाबता, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के किए; बार/या
- (क) एसी किसी आय यो किसी भन यो अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तिस्यों, अधीत्:——

 श्री सुस्रजिद सिंह पुत्र धर्म सिंह, वासी हरियाना रोड, नालोयीआ, तहि, होशियारपुर।

(अन्तरक)

- श्री गीरज गुप्ता, अभित गुप्ता पुत्र लछमी धर गुप्ता, वासी गोशाला बाजार, हांशियारपुर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिन्के बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कहा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 136, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हाँकियारप्र ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन र⁻ज, जालंधर

त्रारीय : 16-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

निवंश नं. एं. पी. 2944—यतः म्फे, आर. गिरधर, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- म के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका जिन्न बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ते. स अधिक हैं और जिसकों मं. जैसा कि अनुमूची म लिखा है तथा जो सुभाष नगर, होशियारपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय होशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अर्थल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उप्रदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्विक रूप से कथित कहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विश के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण मी, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की अपधारा (1) के अधीन निम्निनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :---

 श्री नरिन्जन दास सुमन पुत्र लछमन दास, सुभाष नगर, होशियारप्र।

(अन्तरक)

2. कामारी परमजीत कार पुत्री लख्मन सिंह, वासी कीट कता, जिला हाँशियारपूर।

3. जैसा कि उजपर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनसची

अप्रीत तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं , 64, दिनांक अप्रीत, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हाेशियारपुर ने हैं।

आरः गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रोज, जालंधर

तारीख : 16-12-1981

मोहर 😗

प्ररूप आई, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

निदंश नं एे. पी. 2945—यतः मूर्फ, आर. गिरधर, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जां गांव खुओसपुर, तिहा हांशियारपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय हांशियारपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कि थित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वासत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यां
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195/ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारः प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्तः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:---

- शी गुरबस्थ सिंह पुत्र श्रीमती मानो पुत्री श्री निहाल सिंह, वासी गांव सुआसपुर, हाशियारपुर, श्रीमती गुरवीप कार और श्री उन्दम सिंह जी. एं. आफ हरपाल सिंह, सुस्विन्द्र कार, वासी गांव सुआस-पूर, तिह. हाशियारपुर, श्रीमती प्रीतम कार पुत्री तारा सिंह, गांव कुपुर, जिला जालंधर। (अन्तरक)
- 2. श्री करम सिंह पुत्र हरनाम सिंह, गांव चवेवाल, तहि, होशियारपुर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उजपर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्मत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी ह वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 48, दिनांक अप्रैल, 1981 की रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारपुर ने लिखा है।

> आरं. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

तारीब : 16-12-1981

प्रकाप आहर्ष, टी. एन.------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

न्दिश नं. ए. पी. 2946--यतः मक्ते, आर. गिरधर. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अर्थान मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थात्रर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव खुआसपुर, तहि. होशियारपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय होशियारपर में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारील अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के रहयमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती क्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान हो स्विधा के लिए;
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः——

- श्रीमती रतन कारे उर्फा ग्रथचनी, जय कारे सप्त्री श्री तारा सिंह प्त्र निहाल सिंह, गांव और डाकलाना ख्आसप्र, तिह. हांकियारप्र। (अन्तरक)
- श्रीमती रख्याल कार प्त्री श्री संता सिंह, गांव और डाकलाना राजप्र भाईया, तहि. हाशियार-पुर।

(अन्तरिती) 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रक्षता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह स्थना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त सम्परित के अजन के सम्बन्ध मीं कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारांख से 45 विन की अविधिया तत्संत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिएकन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सुर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैमा कि विलेख नं. 140, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशियारप्र ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

तारीच : 16-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निद्देश नं. एं. पी. 2954--यतः म्भे, आर. गिरधर, गिरधर,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची मं लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

ताराख अप्रल, 1981 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अभि यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, म्थ्तिः-- श्री कृष्ण कमार, पटीशन राइटिर, तहिंसील नकोदर।

(अन्तरक)

- 2. श्री बृज भूषन जैन, पी/आं, औम/औस, सीतर्ल दास और सन्स, अनाज मण्डी, नकोदर। (अन्तरिती)
- 3. जैमा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पृवाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्षूभ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैंसा कि विलेख नं . 24, दिनंक अप्रैल 1981 को रजिस्ट्रोकिर्हा अधिकारी, नकोदार ने लिखा ह 2 ।

आर गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालधर

तारीब : 18-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, जालंभर

जालंभर, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निविश नं. ए. पी. 2956---यतः मूक्ते, आहर. गिरधर, गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं. जैसा कि अनुसूची मं लिखा है तथा जो मोहल्ला मालटी गेट, नकोषर में स्थित हैं (और इसमें उपा- अव्येथ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय नकोदर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक्त कर से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-6-426GI/81

 श्री कृष्ण कुमार पुत्र राम बस्का, वासी 54-बी, मोती नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

- 2. श्री सभाष चन्द्र, कृष्ण चन्द्र, विनोद क्मार पृत्र कंस राज, वासी मालटी गेट, नकोदर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्परित को अर्जन के जिए कार्यवाहिक करता हूं।

जक्त संपर्ति के अर्जन के सम्बन्ध मो कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि कार्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्तित तथा सम्पत्ति औसा कि विलेख नं 180, दिनंकि अप्रैल, 1981 को रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी, नकोदर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

तारीस 18-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. एं. पी. 2957--यतः म्भे, आर. गिरधर, आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रतः से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मोहल्ला मालटी गेट, नकोदर में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोबर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील मर्द, 1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तेयह विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का **पन्द्रह** प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- श्री कृष्ण कूमार पुत्र राम बल्ला, वासी 54-बी, मोती नगर, लुधियाना।
 - (अन्त₁रक)
- 2. श्री सुभाष चन्द्र, कृष्ण चन्द्र, विनोद कुमार पूत्र कंग राज, वासी भालटी गट, नकोदर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उज्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रत्ता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस्थ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की धारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 366, दिनांक मर्द्र, 1981 क्री रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर ने लिखा है।

> आरः गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

जतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

तारील : 18-12-1981

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन राज, जालधर

जालंधर, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. एं. पी. नं. 2947---यृतः मुक्ते, आर. गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची मं लिखा है तथा जो गिवढ़बाहा मं स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मंं और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिवढ़बाहा में रिजस्ट्रीक्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निस्नुलिखित व्यक्तियों, सुधीत् :—

श्री गुलजार सिंह पुत्र कृपाल सिंह खुद व मुख्तयार आम श्रीमती जश कार विधवा व नछतर सिंह पुत्र कृपाल सिंह व करनल सिंह, हरनेक सिंह, जरनेल सिंह, बोघा सिंह, दरबारा सिंह, बलजीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह, वासी गांव सिंघपुर, तहिः संक्यारीआ, जिला गंगा नगर।

(अन्तरक)

शी बंद प्रकाश पुत्र रिखी राम, बकील बंद पुत्र बंद प्रकाश, प्यारा लील पुत्र रोशन लाल, राज कुमार पुत्र रोशन लाल, सतीश कुमार, नरेश कुमार पुत्र औम प्रकाश, वासी गिद्दुबाह, तिहः मूकत-सर, जिला फरीदकोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-ब्यूथ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरणः--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 142, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिधवृक्षाह ने लिखा है।

आरः गिरधर सक्षम् प्राधिकारौ तहायक आयकर आयुक्त् (निरीक्षण)ः अर्जन् रोजः, जालंधेर

तारीख़ : 17-12-1981

प्रकृपः बाह्री, टी. एवं . एसं . ------

आयकहर अधिकियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा (1) के अधीन सुवृता

आरक तरकार

.कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, विनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. एे. पी. नं. 2948—यतः म्भे, आर. गिरधर,

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत ब्राधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 र र से ब्राधिक है

्तर रिजनका स. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गिदछवाह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिदछबाहा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1981

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकंत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके स्थमान प्रतिकंत में अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बौक एसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बौक एसे अन्तरक अन्तरक (जिल्ल स्वाया गया प्रति-फल निम्नतिकित उच्चेस्य से उच्क अन्तरण जिकित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है?---

- (क) अक्टब्स् से कुक्ैं किस्सी श्वास की भावता, उपतु अभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एची किसी बार का किसी भूग वा कुम असित्यों को जिन्ही भारतीय अस्य कह अधिनियम , 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम , या भूकर अधिनियम , या भूकर अधिनियम , या भूकर अधिनियम , या भूकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया प्रवा वा किया जा किया में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री करनैल सिंह पुत्र कृपाल सिंह, मुख्तयारे आम श्रीमती गुरदेव कौर, विभवा बीर सिंह पुत्र मल सिंह, वासी गिदढ़बाह, अब वासी सिंघप्र तहि. मंब्गरीआ, जिला गंगा नगर।

(अन्तरक)

- श्री राम गापाल पुत्र राजा राम व गिरधारी लाल, जगदीश राज, पुत्र राशन लाल व पंजाब राज पुत्र चन्द्र भान, व सतीश कुमार, नरेश कुमार पुत्र औम प्रकाश व रनंजीत कुमार पुत्र बाबु राम, वासी गिदछबाह, तहि. मुकतसर, जिला फरीदकोट। (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उनकु सुम्परित् को बुर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त कव्यों और पयों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वहां हैं।

भनुसुची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 482, दिनांक मर्द, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिदकुबाह ने लिखा है।

आर गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालंधर

तारीख: 17-12-1981

प्ररूप आहर्, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निद**ॅश**ंनं. एं. पी. नं. 2949—यतः म्फें, आर. गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो जालंधर में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यलय जालंधर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908: का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य सं कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये? और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

श्रतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह—- श्री कृष्ण बलद्दिन, राम रत्न, पुत्र चरन दास व चरन दास पुत्र ठाकुर दास, वासी र्द. के.-75, शिवराज गढ़, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री सोहन लाल पृत्र बांके राम व शशी कुमार, राज कुमार पृत्र सोहन लाल, वासी 30, शिवाजी पार्क, जालेधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में राजि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 695, <mark>दिनाक</mark> अप्रैल, 1981 को रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा ह²।

> आर. गिरधर सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

तारील : 17-12-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आर्युक्त (निरीक्षण)** अर्जन र^{र्}ज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निवर्षेश नं ए. पी. नं 2950—यतः मुक्ते, आर. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित अजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथल नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री नरिन्द्र नाथ पूत्र निहाल चन्द द्वारा मनमोहन नाथ पूत्र नातिन्द्र नाथ, 130, सेक्टर-21-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

- 2. श्रीमती सुरिन्द्र रानी पत्नी तरसेम लाल, डब्ल्यू. ई.-136, छोटा अली मोहल्ला, जालंभर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबबुध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- ्या इन स्वित्य का राजपत्र मो प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मां से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 414, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुज, जालंधर

त्**ारीख** : 17-12-1981

मोहर 🗈

प्ररूप जाइ. टी. एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. एं. पी. नं. 2951—यतः म्फे, आर. गिरधर.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

नो पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उस्पान प्रतिफल से एसे उप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आफ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, एक धनकर अधिनियम, एक धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान के स्विभा के लिए;

अतः अस्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्री मनजीत सिंह पुत्र सोहन मिंह, वासी ई डी -218, उन मोहल्ला; जालधर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रक्षा रानी, 426, मोता सिंह, नगर, जालंधर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं 2 मी निखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मी सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रक्षता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारें में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जन्स्यी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 50, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्गेज, जालंधर

सारी**ल : 17-12-1981**

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॅज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्देश नं एे पी. नं 2952--यतः मुक्ते, आर. गिरधर,

कायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981

16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें चधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों अर्थातः— श्रीमती सुरजीत कार पत्नी मनजीत सिंह, वासी र्ड डी -218, ढन मोहल्ला, जालधर।

(अन्तरक)

 श्री धर्म पाल पुत्र ईशर दास, शासी गांव वे पोस्ट आफिस रूरका कला, तिह. फिलौर, जिला जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजीच रलता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानेता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ध है)

को गह सूचना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित् के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्यक्ष किसी अन्य अपिकत व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वृत्स्वी

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 51, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा ही।

आर. गिरधर् **सक्षम प्राधिकारी** सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र[ॉ]ज, जालंधर

तारील : 17-12-1981

प्ररूप आही. टी. एस. एस.------

भायकर भन्निनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मारीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं ए पी नं 2953--यतः मुक्ते, गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम अधिकारीं को, यह विश्वास करने का कारण है िक स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रतपए से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीस अप्रैल, 1981

भी पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का वर्षे इ. प्रतिकात से अभिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बैन्द्रीरितयाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेस, निम्नसिरियत उद्यवेदय से उस्त बन्तरण निवित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गवा है 🕬 —

- 🕍 (क) ध्यन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि -विनयम के प्राथीन कर देने के बन्तरक के बायित्व 'में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम ना धनकर प्रक्रि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया ंजाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

वै वे . उक्त वीधीनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) 👪 व्यक्ति निस्मिसिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:---

7426-GI/81

वतः नम्, उक्त अधिनियम् की भारा 269-ग के, नमुसरग

- 1. श्री वेद प्रकाश दत पुत्र शंकर दास द्वारा जगदीश राम दता, जी. ए . मार्फत दत्ता क्लीथ हाउस, इन्डस्ट्रीयल एरिया, जालंधर। (बन्तरका)
- 2. श्रीमती बिमला रानी पत्नी जगदीण राम बत्ता, एस . - 255, इन्डस्ट्रीयल ए रीया, जालंधर। (बन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मे रुचि रसता हो। (अह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

म्या यह सुखता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

📲 🖁 🕊 🖟 अपने सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी 'ब्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखंसे 45 दिन की प्रविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी करें 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दाराः
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खिक्कित में क्रिये जा सकेंगे ।

क्ष्यक्रीकर्म:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का जो उन्त अकि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, पटी श्रं होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 358, दिनांक अप्रैल, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> बार गिरधर सक्षम प्राधिकारी सङ्घानक जानकार आवश्यः (निरोधन) अर्जन र्ज, जालंधर

तारीख ः 17-12-1981

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निवर्ण नं एो. पी. नं 2955--यतः मुक्ते, आर. गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अप्रैल, 1981

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से बिधक है और अन्तरित (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बर्चने में सृविधा के लिए; बार्/या
- (ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

- कुमारी कान्ता पुत्री गुरादिता मल, वार्स गली पण्डता, लहारी, गेट, अमृतसर, 20, टागोर नगर, जालंधर।
- 2. श्री साधु राम पुत्र हरबंस लाल, ई. जी मोहल्ला गोबिन्द गढ़, जालंधर।
- जैसा कि उत्पर नं. 2 मे लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में वि
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अ जानता है कि वह सम्पत्ति मे हि

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कें. अर्जः कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन दी 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्य स्थाना की तामील से 30 दिन की अन अविध बाद में समाप्त होती हो, के भ्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की। 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ता। सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पंद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्यार गया हैं।

अनुसूची

्रव्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 4! अप्रैल, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंध **ह**ै।

> अ सक्ष सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रो

अत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा २६०-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ए की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

तारीख : 18-12-1981

प्ररूप भाई० टी० एन०, एस•-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (१) क प्रधीन सूचनाः

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. ए. पी. नं. 2920---यतः मुभ्ते, गिरधर, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उक्त ग्रविनियम' गहा गया है), की धारा

269-ख के अधीर पत्रम शाधिकारी की, यह तिश्वास करने का कारण है ि स्यावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- हपये से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा ओ जालंधर में स्थित है (और इससे उपादद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोलंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दृश्पमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वीका सम्पत्ति का उमित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐते दुष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और **अ**न्तरक (प्रतारकों) श्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्य के लिए तब पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित छद्देश्य से उन्त अन्तरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत **एक्त भ्र**ाध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए ; **भौर/**या
- (ख) मेसी किसी पान या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रस्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था वाकिया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अरत:; ग्रथ, उक्त ग्रिप्नितियम की घारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्णात्: ---

- 1. श्री नागिन्द्र सिंह (वकील) पुत्र गुरशरन सिंह, वासी 496-आर. माडल टाउन्न, जालंधर। (अन्सरक)
- 2. श्री तेग बहादुर सिंह पुत्र नागिन्द्र सिंह, वासी 496-आर., माडल टाउनन, जालन्धर।
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। ं (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह युचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता है।

्उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस मुचना क राजाव में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की पत्रिया तत्रमंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अध्विधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (बा) इप मूचना हे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन में भीतर उक्तः स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी मना व्यक्ति द्वारा, प्रधोतस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जः सर्केंगे।

हपव्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पर्दों का, जो उनत प्रिष्ठ-नियम ह प्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उम ग्रह्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 571, दिनाक अप्रैल, 1981 की रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा हैं।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज, जालधर

तारीख :: 14-12-1981

मोहर 🕃

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के क्रभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

गालंभर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 2921—यतः मुक्ते, आर. ग्रिथर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त मिनियम कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन समम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका एषित बाजार मूल्य 25,000/- घपए से प्रधिक है और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव सिंघ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 [1908 का 16] के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे भूश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उश्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त मिश्र-नियम के श्रवीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्य में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय नाय-कर निर्धानयमां, 1922 ((1922 का 11)) या उक्त अधिनियमां, या वृक्कर अधिनियमां, या वृक्कर अधिनियमां, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना वाहिए था जियान में स्विता के दिए।

कतः कव, उक्त जीभनियम, की भारा 269-व के अनुहरण् में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---- श्री घसीटा सिंह उर्फ बलियन्द्र सिंह व बूटा सिंह उर्फ जोगिन्द्र सिंह पूत्र भगत सिंह, वासी गांव सिंग, सिंह व जिला जालधर।

(अ्सरक)

- 2. श्री सुरिन्द्र सिंह, सुखिनन्द्र सिंह पुत्र मुखतयार सिंह, वासी गांव (सिंघ) तहि. व जिला जालंधर। (अन्तरिती)
- 3. औंसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

न्द्रे रह तृष्ना बाडी कड़के पृत्रों क्य तम्पृतित् के वर्षन् के तिए। कार्यवाहियां करता हुं।

उनक् तम्बृतित के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई सी बाक्येपूर--

- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की ताड़ीय के 45 विन की कशीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी स्थावत ब्याराः
- (व) इन्ह सूचना के प्राच्यत्र को प्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी कम्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षकरणः — इसमें प्रयुक्त शुरुवों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा हो उस अध्याय में विया गुमा है।

नगृषुषी

ध्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 34, विनाक अप्रैल, 1981 को रिज़स्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा g^2 ।

आर. गिरधर सक्षम प्राप्तिकारी सहायक जामकर जागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

तारीख : 14-12-1981

प्रकप माई• टी॰ एन॰ एन०⊶----

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

जालंभर, विनाक 14 विसम्बर 1981

निवर्षा नं. ए. पी. नं. 2922--यूतः मुक्ते, आर्. गिरधर,

सायकर घिषित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त प्रक्षित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है के स्थावर सम्पत्ति, जिलका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द• से प्रधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गांव भगवान पूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन्न के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और प्रन्तरक (अस्तरकों) भीर प्रन्तरिती (श्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित बास्तविक कर से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अक्तरक के दायिक में कमी करने यां उससे बचने में सुविधा के लिए, धीए/यां
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या ग्रम्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भियोजनार्थ भन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

श्रुतः वर्ग, उक्त अभिनियम्, की भारा 269-ग के अनुसर्ण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के गुभीन निम्नुवित् व्यक्तियों, जुर्थात्र्य—

- श्रीमती मोहिन्द्र कार, हरवंस कार, गुरवस्थ कार, जगवीश कार, पृत्रिया उजागर सिंह मार्फत परिश्वनी घासी गांव भगवान पूर, तिह, जालंधर। (अन्तरक)
- 2, श्री जोगिन्दर सिंह पृत्र उजागर सिंह, वासी गांव भगवान पूर, सिंह, जालंधर। (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबष्थ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके भ्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास क्रिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण:--इसमें प्रमुक्त करवीं श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 413, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> आर. गिर्धर संक्षम प्राधिकारी सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन ट्रॉज, जालधर

तारीब ः 14-12-1981

प्ररूप धाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निद्धां नं ए. पी. नं 2923~-यतः मुक्ते, आर, गिरधर,

गायकर धिविषम, 1951 (1961 का 43) (बिसे इसमें इमके पश्चात् 'उकत प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धीन तकाम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाब्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के वृष्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके वृष्यमान प्रतिकृत तो, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह्म प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त श्रक्षि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाशित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

बत्त वर, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण वी, वी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के व्यीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रभात् य- 1. श्री जवाहर लाल पुत्र करम चंद, वासी एन ई. -204, अडा होशियारप्र, जालंधर।

(अन्तरक)

 अँस./अँस. अँच. अँस. आर्डल परिनिश, 157, सोडल रोड, जालंधर,द्वारा बहादर सिंह पुत्र अर्जन सिंह, पार्टन्र आफ फर्म।

(अन्तरिती)

- 3. जीसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्रुध है)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वों कत् सम्पृत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित् के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों केत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीक रण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का जो आयक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया हैं:

अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं . 569, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिषस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

तारीख : 14-12-1981

मोहर 🛭

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • -----

ग्रायकर अग्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ध्रष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन र्रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निवर्षा नं. ए. पी. नं. 2924--यतः मुक्ते, आर. ग्रियर

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मान जिसका उचित बाजार मूस्य 25.000/- कु, से प्राधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुमूची में लिखा है तथा जो कुराला में स्थित है (और इगसे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोगप्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतीयक रूप से विधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरच से हुई किसी भाय की बाबत, प्रक्त ग्रिध-निगम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन जा प्रेन्य भारितयों को जिन्हें भारतीय साय-घर प्रिविनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर रिधिनियम, 1957 (1957 का 37) के प्रयोजनार्थ भारतिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाद्विष् था, जिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अन्, उन्त अधिनियम है। धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थानः--- श्री कान्त्वन सिंह पुत्र उजागर सिंह, जी. ए. जरनैल सिंह पुत्र उजागर सिंह और दिलबाग सिंह, मनजीत पाल सिंह पुत्र कान्दन सिंह, वासी गांव मोगा, तिष्ठ. जालंधर।

(अन्तरक)

 श्री किशन सिंह पुत्र भगत सिंह, वासी-गांव कुराला तिह. जालंधर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्चन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उस्त सम्वत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाकोप:--

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की वारीस से 45 बिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को नामीत से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बात में जमापन होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति होरा;
- (ज) इस सूचना ने राजपन्न में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन ने भीपर उन्न स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्वाक्षरी के पास जिन्ना में किए जा सकींगे।

श्यवदीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्वोक्ता, को उक्त घक्षि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाक्ति है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस सम्याय में दिया समा है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 64, दिनांक अप्रैल, 1981 को रिष्ट्रिकर्ती अधिकारी भोगपुर ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

तारीख : 14-12-1981

मोहर: .

(अन्तरक)

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालंधर जालंधर, दिनाक 14 दिसम्बर 1981

निर्वोष्ठ नं. एे. पी. नं. 2925——यतः मुक्ते, आर.

गरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से जिथक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जा बूंज खान सिंह वाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय नथाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

(1908 का 16) के अधान, ताराख अप्रल, 1981 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती) (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों उक्षेत्र से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तीयक कम से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वादत, उपत जिभित्रियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थीत्ः---

- श्री सीसपाल पुत्र गुरवास मल, वासी भूषो मण्डी, तहि. व जिला भाटिण्डा।
- 2. श्री गुरनाम सिंह पुत्र बिशनसिंह, मलकति सिंह, बासी चक फतेंद्र सिंह बाला जिला भाटिएडा।

वासी चक फतेह सिंह वाला, जिला भाटिण्डा। (अन्तरिती) 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्दुध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपु:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विश्लेख नं 126, विनोक अप्रैस-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी नथाना ने लिखा है।

> आर्. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालंधर

तारीस : 14-12-1981

प्रकार शाईक ो • एत • एस • ----

आप्रकर अधिनियम, 1951 (1961 को 43) की धार 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनाक 14 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 2926—यतः मुक्ते, आर गिरधर, आयकः अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्तम प्रधिकारी को, नद विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्मति जिसका उच्चित बाजार मल्य 25,009/- वं से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूनी में लिखा है तथा जो भाटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भाटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और शक्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय वाया वया प्रतिफल, निम्नलिशिश उद्देश्य से स्वत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुईँ किसी धाय की बाबत, जक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने का स्तस्ते स्वतं में सुविद्या के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आम या किसी अन या अन्य आसितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर शिवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सविधा के आए;

और जिसकी सं. नं. 5-1 है। तथा जो बाडली, फार्म डीसा में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और एर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्डिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उड़ीसा में 8-42601/81

- श्री राज कुमार पुत्र औम प्रकाश निसी भाटिण्डा।
 (अन्तरक)
- 2. श्री प्रेम चंद गुप्ता धर्म पुत्र किशोर चन्द्र, वासी भाटिण्डा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। और सोम राज चूग, 4715, हासपतल राड, भाटिण्डा।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रक्षता हो।
 और चैतराम धर्म पुत्र कुन्ज नाल, 4665, भाटिण्डा।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अ<mark>धोहस्ताक्षरी</mark> जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्रुध **है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के **काए** कार्यकाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी **आलोप** :---

- (क) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध् जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकारी के पास
 किसित में किए जा सकेंगे।

हरा हो हरण -- इसमें प्रयुक्त शास्त्रों भीर पर्वो का, जी स्वत बाबिनियम के शहयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

अनुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख ने 319, दिनीक अप्रैल–1981 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी भाटिण्डा ने लिखा ह⁸।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयर्जर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालंधर

तारी**ब** : 14-12-1981

प्ररूप आई • टी० एन० एस ०-----

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अपरा की 269-व (1) के शामीन (चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर चायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

ा<mark>निदर्शि</mark>नं एै. पी. नं. 2927~─यतः म्भ्कें, आर. गिर**धर.**

सायकर अधिनियम, 1961 (1963 का 48) (जिसे इसवें इसके वश्चात् 'उक्त प्रक्षितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाजार मृत्य 25,000/- दे से प्रधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है तथा जो भाटिण्डा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्री अधिकारों के कार्णित्य भाटिण्डा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसने: दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किया आग की शबत, उक्त श्रिष्ठित्यम के अधीन कर देने के ध्रस्तरक के वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
 - ख) ऐगी किसी प्राय या किसी घन या प्रस्य प्रस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रश्रितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्निरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या खिवाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मुधीन निमन्तिचित व्यक्तियों अधित हु—

- श्री अनिल कर्मार प्त्र औम प्रकाश, बासी भाटिण्डा।
 (अन्तरक)
- 2. श्री प्रेम चंद गुप्ता धर्म प्त्र किशोर चन्द, बासी

(अन्तरिती)

- जैमा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
 और सोम राज चूग, 4715, हासपतल रोड, भाटिण्डा।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता हो।
 और चैतराम धर्म पुत्र कुन्ज लाल, 4665,
 भाटिण्डा।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

चेत राम धर्म पुत्र कानुज लाल, 4665, सारने मोती राम कन्या महाजिद्यालय भाटिण्डा।

(अन्तरिती)

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से
 45 दिन की ध्विष्ठिया तस्तम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविष्ठ, जो भी
 भविष्ठ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर सम्पत्ति में दितवड किडी प्रन्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताशरी के पास जिजित में किए जा सजेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें बनुक्त शब्दों धीर पदों था, ंजी तकत धिश्रितमा के प्रश्वान 20न में परिचाधित हैं वहीं धर्म होना, जो उत्त सम्याय में विमा गया

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 320, दिनांक अप्रैल-1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी भाटिण्डाने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

सारीन : 14-12-1981

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^{र्}ज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निवर्षा नं. ए^२. पी. नं. 2928--यतः मुक्ते, आर. गिरधर,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मृष्य 25,000/- द्रपये से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भाटिण्डा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भाटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1.908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके पूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्म प्रतिक्षत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक छप से कथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रांबियम के ग्रंधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर घितियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त घितियम, या धन-कर घितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, अनत प्रधिनियम की धारा 269-न की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात्:—

- 1. श्रीमती संतोश विध्वा औम प्रकाश, वामी भाटिण्डा। (अन्तरक)
- 2. श्री संजीव कुमार पुत्र प्रेम चंद गुप्ता, वासी भाटिण्डा।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। और सोम राज चूग, 4715, हासपतल राड़, भाटिण्डा। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पक्ति में रुचि रखता हो।
 और चैतराम धर्म पुत्र कुन्ज लाल, 4665,
 भाटिण्डा।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उरत सम्पत्ति हे प्रजैत के सम्बन्ध म कोई भी प्राबोप :---

- (छ) इस सूचन के राजपन में प्रकाणन की तारीच से 45 दिन की जनवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रनिध, जो भी प्रवित्र चाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त भव्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 321, दिनांक अप्रैल-1981 को रिज्स्ट्रीकर्ता अधिकारी भाटिण्डा ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम् प्राधिकारी सहायुक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अूर्जन रोज, जालधर

तारीस : 14-12-1981

प्ररूप आहर .टी.एन.एस.-----

जाबुकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निवर्षाः नं एं. पी. नं 2929---यतः मुक्ते, आर. गिरधर,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम शिषकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के धन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण मिम्नितिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कि धन नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुवाँ किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मियंत्र की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी केंद्रने या उत्तर अवने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थाखः--

- श्री अम. / औस. नकोदर इंग्डस्ट्रीयल कार्पोर झन्, अर्नद नगर, जी. टी. रोड, जालंधर। (अन्तरक)
- श्री औम / औस . अभृत एण्ड चन्द्र आईस फेरैक्टरी, अनंद नगर, जी . टी . रांड, जालंधर। (अन्तरिती)
- जैसा कि . उत्पर नं 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्दध हैं)

का यह स्वना जारी करके पृत्रों कर सम्परितृ के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्यब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्वों का, जो उक्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 251, दिनांक अप्रैल-1981 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजि, जालंधर

गारील : 14-12-1981

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निर्धिक्ष)

अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

ं निर्वोद्यानं एं. पी. नं 2930—चक्षः मुक्ते, आर. गरक्षर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त का भीनियम,' कहा गया है), को धारा 269-स क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरंवाद करने का कारण है कि स्थावर सम्भीत, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रहा स अधिक है

और जिसकी मा जैसा कि अनुसूची में लिखा है सथा जो जालंधर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मा और पूर्ण रूप से वर्णित हों), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वां क्स संपत्ति के उचितृ बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्स संपतित का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया ग्या प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आयं की वाबत, उक्स अधिनयुम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कसी करने या उससे व्यने में सूर्िक्श के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

ब्तः बब्, उक्त अभिनियम् की भारा 269-व के, बनुष्टरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की व्यभादा (1) के ब्रभीन् निम्नुलिखित् स्युक्तियों मुश्तिकः- क्रमारी उर्मिला देवी पृत्री मदल लाल मार्फत जी: ए. श्रीमती वीना रानी पत्नी कुन्दन लाल, वासी ई. क्यू:-976-ए., मोहल्ला गोनिन्द गढ़, जालंधर।

(अन्तरक)

2. श्री रोशम सिंह पुत्र मुन्शा सिंह, वासी गोष गढ़ी-बख्शा, जिला जालंधर व ईशर सिंह पुत्र निक्का सिंह,वासी गांव गिल, तहि. जालंधर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रसता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबबुध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भी सर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त क्षम्यों और पर्यों का, जो उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में पृरिभाषित हैं। वहीं भूषे होगा जो क्षस् कथ्याव में दिया गुवा है।

अनसची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 260 दिनांक अप्रैल-1981 को रिजसीकिर्ता अधिकारी जालंधर ने लिखा है।

> आर'. गिरधर **कथ्य प्राप्तिकारी** तहासक भायकर **अध्युक्त (**निरीक्षण) अर्जन रुज, जालंधर

तारीच - 14-12-1981 मोहर अ प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289 प (1) के प्रधीन पूजना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रौज, जालंधर जालंधर, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निवर्षा नं. एं. पी. नं. 2931--यतः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अंबीन सक्षम प्राधि गरी को, यह जिएनास-करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० में प्रधिक है

और जिसकी मं. जैमा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजि: है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

16) के अधीन, तारीख अप्रील, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजर मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि एथ पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल का रखह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रकारक (अन्तरकों) और प्रकारित (प्रकारितयों) के बीच ऐसे प्रकार अ लिए, तय पाया गया प्रतिकार कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में वास्तिक का से कि लिया गया है:—~

- (क) अन्तरण से हुई किसी छाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायिक्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य श्रास्तियों को, जिम्हें भारतीय आयक्त प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिष्धित व्यक्तियों, अर्थातः—

 श्री भगवान सिंह पुत्र लाभ सिंह, वासी इ. आर. --133, पक्का बाग, जासंधर।

(अन्तरक)

- कुमारी बस्सीश कौर पुत्री सुरौन सिंह पुत्र वरयाम सिंह, वासी सेन्द्रल टाउन, जालंधर मार्फत हीरा ट्रैक्टर, नेहरू गार्डन रोड, आलंधर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं, 2 में लिखा है।

1. स्रिन्दर टाइर रट्टीतीं गक.

2. अवामी प्रस

3. नवां जमाना, जालंधर (बह व्यक्ति जिसके समिधोग में समारि

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीस्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रचीत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की भवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीला से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साकारी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिचाणित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अमुस्ची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 506, दिनांक अप्रैल–1981 को रिष्यिशीकर्ता अधिकारी जालंघर ने लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी **सहा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

नारील : 15-12**-**1981

प्रकथ मार्च • टी • एन • एस •---

ग्राधकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, विनांक 15 दिसम्बर 1981

निद्येष नं एे. पी. 2932—यतः मुक्ते, आर. गिरधर, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-का के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क∙ से भिष्ठक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो फरीवकोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, फरीवकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिकृत के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृथ्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृथ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिग्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नसित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्त्रिक केंग से लिकत नहीं किया नया है। ——

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उबत प्रक्रित नियम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसम बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (च) ऐसी किसी आप या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व प्रन्तरिंगी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-म के धनुसरण में, उक्त श्रिक्षिनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बुधीत, निस्मीनुषित स्पक्तियों, अधिद्धा--- (1) श्री जसवंत सिंह धर्म पुत्र हरपाल सिंह पुत्र मेहर सिंह, वासी, पुरानी दाना मंत्री, फरीवकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री मंगतराम, श्याम सुंदर, राजिन्द्र कुमार, रिवन्द्रकुमार, अरुनकुमार पुत्र किशन चन्द, वासी बड़ा बाजार, फरीदकोट।

(अन्तरिती)

- (3) जैमा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबष्ध है)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए।</mark> कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रातरत में पकाशन की नारीख से
 45 दिन की भविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास किखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरक: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त भिष्ठितियम', के श्रव्याय 20-क में परिभावित है, वही श्रयं होगा, जो उस शब्याय में विशा गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 195, दिनांक अप्रैल, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फरीदकोट ने लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालंधर

तारीख: 15-12-1981

मोहर ⊱

प्ररूप आई _ टी. एन . एस. -----

पायकर प्रवित्यम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निवोश नं . ए . पी . नं . 2958--यतः मुक्ते, आर . गिरधर, द्मापकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रचीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-चपए से मधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान

प्रक्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रशु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर प्रस्तरिती (ग्रस्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त प्रस्तरण निवित में नास्तिक रूप से तथित नहीं किया गया है :---

- (का) झन्तरण से हुई किसी आय की बाबल, जनत धर्षिनियम के सक्षीन कर देने के **सन्तर**क के वापितव में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। धीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप या किसी धन या धन्य भारितयों, को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रश्निनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रीविनियन, धन-कर ध्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं नवाथायाकियाजाना चाहिए या, स्रिपाने सुविधा के लिए।

अतः। अब्, रक्त सुधिनियम् की भारा 269-ग के, जनसरण में, मैं, उन्ता अधिनियम की भारी 269-मु की उपभारा (1) के अधीन, शिष्युलिशिष स्वीयस्यों, अर्थात् 🗠 💴

- (1) श्री मल सिंह रिटार्ज मेजर पुत्र श्री हीरा सिंह जाप और मुस्रमार श्री गुरमीत सिंह भटिंडा।
- (2) श्री असर्वत सिंह पुत्र लक्ष्मण सिंह, गांव बीवी वाला, जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि ,रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सभ्यक्ति में हिसबद्ध हैं)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के धर्जन के **जिए जार्येवाहियां करता है।**

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की भ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी **भवधि बाद** में समाप्त होती हो, के भीतर पू**र्वीक्**त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ले 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उस्त ुम्रिमियम के मन्याय 20-क में यथा परिभाषित 🐉 विही वर्षे होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

न्तृस्यी

व्यक्ति और सम्पत्ति जैसा कि विलेस नं. 833 अप्रैल , 1981 को, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी , भृटिंडा ने लिखा है।

> आर. गिरधुर सक्षम प्राधिकारी सहायुक आयुकर आयुक्त (निरुक्षिण) अर्जन रोज, जालंधुर

तारीच 🕆 23-12-1984

मोहरू 🖺

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ग्रायकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदंश नं. ए. पी. नं. 2959—यतः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से प्रधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्यत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तिति की गई है पौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरकों) भीर भन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) भन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रम्थ झास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् हि—— 9—426G1/81

- (1) श्री मल सिंह रिटार्ड मेजर पृत्र श्री हीरा सिंह आप और मुख्त्यार श्री गुरमीत सिंह भटिंडा। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती परिवन्ध्र काँर पत्नी जसवंत सिंह, गांव बीवी वाला, जिला भटिंडा। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रलता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पृथांकित सम्परित के अर्जन के लिए, कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति के द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो धक्त श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयं होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

नम्स्ची

र्व्याक्त और सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं 832 दिनांक अप्रैल 81 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंखा ने लिखा है।

> आर. गिरधर् सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जालंधर

तारीब : 23-12-1981

प्रकप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निविश नं. ए. पी. नं. 2960—यतः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. स अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में तिसा है, तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पृथिकत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय को बाबत, उक्त श्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ध्रतः ध्रव, उक्त ध्रधिनियम की घारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त ध्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के घ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थातु:--- (1) श्री मल सिंह रिटार्ड मेजर पुत्र श्री हीरा सिंह आप और मुख्तियार आफ अपना पुत्र गुरमीत सिंह, वासी 1021, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री अवतार सिंह, जसवंत सिंह सुपुत्र लक्ष्मण सिंह और लक्ष्मन सिंह पुत्र वधावा सिंह और श्रीमती सुल-विन्द्र कौर पत्नी इशर सिंह, वासी गांव बीवी वाला ताई और जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

का यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 831 दिनांक 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधऊ

तारीच : 23-12-1981

मोहर 🏅

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निवंश नं. ए. पी. नं. 2961—यतः मुक्ते, आर. गिर्धर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्तित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- सं अधिक है।

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रनारण में हुई किसी आप की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में हमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीराया
- खा (सा किना प्राप्त या किनी धन या घन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर धिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंधिनयम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए,

भरः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) श्री मल सिंह रिटार्ड मेजर पृत्र श्री होरा सिंह मुख्तियार श्री गुरमीत सिंह, वासी 1021, सैक्टर, 21-बी, वण्डीगत।

(अन्तर्क)

(2) श्री दनेश इन्द्र सिंह पुत्र बलबीर सिंह, वासी पिछी न्य वाटर वर्कास, भिटिंडा।

(अन्तिभिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं . 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना वे राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को ग्रवधि, जो भी ग्रवधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से ५5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहन्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त प्रव्यों और पदा का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, बही अयं होगा, जो उस अध्याम में विमानगा है।

ड **भ्**स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलंख नं . 65 विनांक अप्रैल, 1981 को रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा में लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन रज, जालंधर

तारील : 23-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंभर, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

िन्दोश नं . ए . पी . नं . 2962—–यतः मुभ्ते , आर . गिरधर , आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/ रह. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनसची में और पर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपरित का उचित बाजार म्ल्य उसको रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरंण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्मलिखित उबदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री मेल सिंह रिटांड मेजर पुत्र हीरा सिंह वासी 1021, भैक्टर, 21-वी, चण्डीगढ।

(अन्तर्क)

(2) श्री दिनेश इन्द्र सिंह प्त बलवीर सिंह, वासी पिछे न्यू बाटर बदर्स, भटिंडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए पा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह^ड, वहीं क्षे होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 66 दिनांक अप्रैल, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र^नज, जालंधर

तारीब : 23-12-1981

प्रस्प आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बार 1981

निद्धेश नं. ए. पी. नं. 2963---यतः मुफ्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारिंग है कि स्थावर सम्पेति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं जैसा कि अनुसुची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण कप से वर्णित हैं), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) की वधीन, तारीस अप्रैल, 1981 को पूर्विक्स संवस्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की मर्द्र और मुक्ते यह विद्यास क रने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपति का उचित बाजार मुल्ये, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, जिल्पाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्वीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) श्री मल सिंह रिटायर्क मेजर पूत्र श्री हीरा सिंह वासी, 102, सँक्टर 21-वी, चण्डीगढ़।

(अन्सरक)

(2) श्री अवतार सिंह पृत्र लष्टमन सिंह, वासी गांव बीबी वाला, त. और जिला भटि^{दे}डा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिजन रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की जन्निम, को भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्भ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं . 827 दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजेस्ट्रीकर्त अधिकारी, भटिंडा में किसा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज. जालेधर

तारीख : 23-12-1981

भो**ह**र :

प्रकप थाइ.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्याजय, सहायक बायकार वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रोज, जानंधर जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बार 1981

निदंश नं. ए. पी. नं. 2964—यतः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अन्मूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (और इससे उपाबत्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का यन्द्रह प्रतिवान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिंग उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- जिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाग की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे यचने में स्विधा के लिए; अदि/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृष्या के लिए;

(1) श्री मल सिंह रिटायर्ड मेजर पुत्र श्री हीरा सिंह वासी, 102, सेक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्टरन सिंह पुत्र श्री वधावा सिंह, जासी गांव बीबीवाला तहि, और जिला भटिंडा।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में गम्पित हैं)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति से हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 834 दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनसरण में, में; उक्त विधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों अपूर्ति:—

नारोंख: 23-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ(1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, जालंधर

जालंधर, विनांक 23 दिसम्बार 1981

निदंश नं. ए. पी. नं. 2965—यतः मुक्ते, आर. गिरधर, प्रायकर ध्रिधिनिथम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके निश्वात् 'उक्त अधिनिथम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधान मन्नन प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पति जिमका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रुपल से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिष्ठ की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूटर उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में त्रास्तविक रूप से क्षित तन्त्रों किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई तिसी भाष की बाबन, उक्त अधिनियम के धनीन कर देने के धन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए और/या;
- (॥) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य श्राहितयों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियमः 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ६न-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अथोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए।

भतः अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मल सिंह रिटायर्ड मेजर पुत्र श्री हीरा सिंह वासी, 102, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सुखविन्द्र कार पूत्री इशर सिंह, बोसी गांव बीबीवाला तहि भटिंछा।
 - (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रिजीच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवन सम्पत्ति के ग्रार्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजरत में पकाणन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 828 दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

तारीख : 23-12-1981

प्रकर माई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बार 1981

निदंश नं. ए. पी. नं. 2966—यतः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा हैं, तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981 को जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके वृश्यमान प्रतिफल है धौर सन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच

ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

प्रहेश्य से उद्भत प्रन्तरण तिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री अवतार सिंह, धस्तोर सिंह, इकवाल सिंह, स्पूज नर्रजन सिंह, बासी भटिण्डा।

(अन्सरक)

- (2) श्री इकवाल सिंह, रछपाल सिंह सुपूत्र बलदे सिंह, वासी गांव बराजवाला तहि. मुकटसूर।
- (अन्तरिती)
 (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार्षे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध ही)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **हारीह से 45** दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपर्तित में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अमसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 88 दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

तारीय: 23-12-1981

प्रकप धाई॰ टी॰ एन० एस॰-----

शायकर ब्र**धिनियम, 1961 (1961** का 43) की धारा 269-घ (1) के ब्र**धी**न सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन 'रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बार 1981

निदोश नं. ए. पी. नं. 2967—यतः मूर्भे, आर. गिरधर, आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का. 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिं, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजर्ट्यकर्ता अधिकारों के कार्यालय, भटिंडा में रिजर्ट्यकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच अर्थल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल, से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिक्षिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्यित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और√या
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निस्तिनित व्यक्तियों, क्यांत्ः--

- (1) श्री सुरजीत सिंह पूत्र अर्जन सिंह, वासी भटिंडा। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बलतेज काँर प्त्री महिन्द्र सिंह, बासी भटिंडा।

(अन्तरि**ती**)

- (3) जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रसता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्दध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 403 दिनांक अप्रैल, 1981 की रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त** (निरक्षिण) अर्जन रोंज, जालंधर

ता**रीब**ः 23-12**-198**1

प्ररूप साई० टी• एन• एस∙---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 विसम्बर 1981

निद्धा नं. ए. पी. नं. 2968---यतः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियमं कहा गया है); की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वांवर सम्पत्ति, जिसका उचित बोजार मृश्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रश्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करतें का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मृश्य, उसके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का परद्रह प्रतिकत से प्रविक है 'भीर प्रस्तरक (प्रश्तरकों) और अन्तरिती (प्रश्तरितिमों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिश उद्देश्य से उक्त प्रश्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के प्रश्नीम कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए: श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय मायकर भिधित्यम, 1920 (1922 का 11) या उक्त अधित्यम, या धनकर अधित्यम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अव, उस्त अधिनियम की धारा 269न्य के समुखरण में, मैं उस्त धिवनियम की धारा 269न्य की उपचारा (1) के धारीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री मन सिंह, रिटायर्ड मेजर, पृत्र हीरा सिंह, जी. ए. आफ श्री ग्रमीन सिंह पृत्र श्री मन सिंह, बासी 1021, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निरमल जीत कारे पुत्री श्री अवतार सिंह, वासी बीबीवाला तहि. भटिंडा।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबक्ष, है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्य क्या क्या क्या क्या क्या क्या की प्राप्त की प्राप्त की तामील से 30 दिन की घर्षाय, जो भी खबाब बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वों कत स्था किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की वारीब से
 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में प्रिशाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 835 दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण), अर्जन र्राज, जालंधर

तारील : 23-12-1981

प्ररूप भाइ. टी. एन्. एस.-----

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सुरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालधर

जालंभर, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निद्देश नं. ए. पी. नं. 2969—यतः मूक्तं, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

क्ये पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई ृिकसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के मुभीन कर दोने के अस्तरक के बाग्रित्यु में अभी करने या उससे बचने में सृतिशा का शिष्टु; और /या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मुल सिंह रिटायर्ड मेजर पूत्र श्री हीरा सिंह वासी, 1021, सैंक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

- (2) श्री बलवीर सिंह पूत्र गंडा सिंह, रिटायर्ड तहिसीलवार नजदीक वाटर टॉक, भटिंडा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर नं 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपित्ति के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

यनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 836 दिनांक अप्रेल, 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन (रॉज, जालंघर

न्तः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीब : 23-12-1981

मोहर ः

(अन्तरक)

प्ररूप **वार**े. टी_{.:} पुन्<u>.</u> पुन्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 विसम्बर 1981

निवंश नं ए. पी. नं. 2970—यद्गः मुक्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981

को पूर्वा कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफंल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के सिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्निलिखक व्यक्तियों, अधीत धन--

- (1) श्री मल सिंह, रिटायर्ड मेजर, पुत्र श्री हीरा सिंह, आप और मुख्ल्यार श्री गूरमीत सिंह, वासी, 1021, सैक्टर 21-बी, चण्डीगढ़।
- (2) श्री नरिन्द्र सिंह पुत्र मनी सिंह मार्फात श्री अवतार सिंह रिटायर्ड मैनेजर हिन्दुस्तान कमिर्शअल बैंक, गांव बीबीवाला तिह. और जिला भटिंडा।
- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पर्योक्त सम्पोत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुगरा;
- (क) इस सूभना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोक्त्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलंख नं 829 दिनांक अप्रैल, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज, जालंधर

त्रारीखः: 23-12-1981

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निद्देश नं. ए. पी. न 2971--यतः मुभ्ते, आर. गिरधर, बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिस्की में हेश्व कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा मो रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख अप्रैल, 1981

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित दाजार मृल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार <u>म</u>ुल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से एेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) प्रेसी किसी अगय या किसी धनुया अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय वायकर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, · 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं . किया गया थाया कियाचाना चाष्ट्रिएथा छिपाने में स्विभाके लिए;

नतः सव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के, जनुसरच में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री मल सिंह, रिटायर्ड मेजर, प्त्र श्री हीरा सिंह, आप मरूत्यार श्री गरमीत सिंह, वासी सैबटर 21-बी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

- (2) श्री इन्द्रजीत सिंह पत्र श्री मनी सिंह, वासी भटिंडा। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि उत्पर मं. 2 मां है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचनाकी तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त सन्धों और पर्धों का, जो उक्त अधि-नियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया E i

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 830 दिनांक अप्रैल , 1981 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

> आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंध्र

तारीख: 23-1**2-**1981

मोह्नर 🕫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निवंश नं. ए. पी. नं. 2972--यतः मुभ्ते, आर. गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसक्रे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/-रह. से अधिक **ह**ै। और जिसकी सं. जैसा कि अन्सूची में लिखा है, तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा मो रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील, मई, 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) बन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् :--

- (1) श्री इन्द्र सिंह पृत्र मनसा सिंह, वासी मनसा रोड, सामने रोशनलाल आइस मिल्स, भटिंडा।
- (2) श्रीमती करनेल कार पत्नी नर सिंह और बलजीत सिंह पुत्र नर सिंह, वासी भटिंडा और श्रीमती सुसनिन्द्र कार पुत्री बावा सिंह और सुरिन्द्र सिंह पुत्र बावा सिंह, वासी मुक्तार।

(अन्तरिती)

(अन्तरक)

- (3) जैसा कि उत्पर नं. 2 में हैं। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुजि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

जुक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 1144 दिनांक मई, 1981 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

आर. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन ,रॉज्, जालंध्र

तारीख : 23-12-1981

मोहर 🛭

प्रस्थ आहूर टी. एन . एस . ---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदंश सं. चण्डी./19/81-82--अत: मुभ्ते, सुखदंव चंद, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक ह और जिसकी सं. एस. सी. ओ साइट नं. 74 है, तथा जो सैक्टर 30-मी, चण्डीगढ़ में स्थित ही (और इसमे उपाबद्ध अन-स्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ मो, रिजिस्ट्रोकरण अधिनियम, (1908 का 16), के अभीन, तारीस 4-81 को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मुल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतियों के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् १-- (1) श्री प्राण जीवन जोगी सप्य श्री चिन्त राम जोगी, माध्यम उसके जन, पावर आप अटारनी श्री केवल कृष्ण लाल सूप्य श्री राम लाल निवासी, आफिसर्स कालोनी, कोठी नं 2-ए, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अरुना सिंघल पत्नी श्री आर. के. सिंघल, श्री विकास सिंघल, माइनर मन्ज आफ श्री आर. के. सिंघल, श्री विवेक सिंघल माध्यम उनके माता और गाडियन श्रीमती अरुना सिंघल, निवासी कोटी तं. 20, सैंक्टर 11-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

एसः सी. ओः साइट नंः 74, सैक्टर 30-सी, चण्डोगढ़। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलंस संख्या 113 अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सूखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र^नज, लिधियाना

नारील : 23-12-1981

प्ररूप आंद्र .टी. एट. एस. ------

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदोश नं. अण्डी/28/81-82---अतः म्फो, सुखवेत चन्द, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रह्मीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

निविश मं. चण्डी./28/81-82—अतः मुक्ते, सूखदेव चंद, और जिसकी मं. इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं. 154-155 है, तथा जो इन्डस्ट्रीयल प्रिया, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावर्ष अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 4-1981

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्म्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिकित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- मं बलोरिया फूड एण्ड फार्मा प्रा. लिसि., माध्यम मनेजिंग डायर क्टर श्री अगजीत सिंह बलोरिया स्पृत्र श्री शिव चरण, निवासी मकान नं 226, मैंक्टर 9, चण्डीगढ़।
- (अन्तरक)

 2. में. हिन्दुस्तान गारंज, 481 इंडस्ट्रीयल एरिया,
 चण्डीगढ़ माध्यम श्री मधू सूधन विजस सूपूत्र श्री एच.
 एल. विज, निवासी मकान नं. 224, सैक्टर 9-सी,
 चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पुर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन कृत अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्तु व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं. 154-155, इंडस्ट्रीयल एरिया, चंडी-गढ़। (आयवाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलोध संख्या 179 अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, ल्धियाना

तारीख: 23-12-1981

प्रकप आई० टी० एन० एस० - -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) हा धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

क्रायां लय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, ल्ििधयाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्ब र1981

निदेश सं. चंडी./12/81-82—अतः मुक्ते, सुखदेव चंद, ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं मकान नं 2741 है, तथा जो सैक्टर 22-सी, जंडिंगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और यन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे यन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकच निम्नलिखन उद्देश्य ने अक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के निए, भीरीया
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भूविधा के लिए।

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः --11--426GI/81 (1) श्री पृथ्वी चन्द सुपूत्र श्री मूल राज मार्फत बी. कें. मेनी, निवासी 14-ए, अदाक्ष विकास कालोनी, शास्त्री नगर, मेरठ।

(अन्तरक)

(2) मिसिज सर्वण कार पत्नी श्री रोशम सिंह, निवासी 3196, सैक्टर 28-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

(3) श्री वर्शन सिंह, निवासी मकान नं 2741, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीप :--

- (क) इस प्चना के राजपत्र पं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 जिल्हित में किए जा सर्तेंगे।

स्थव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों यौर पर्दों का, जो उकत श्रिक्ष-नियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रयं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 2741, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के निलेख संस्था 61, अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज \mathbf{E}^0)।

सूखवेब **चन्द** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र**ं**ज, लुधियाना

तारीब : 23-12-1981

प्ररूप आहूर . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

लुध्याना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदंश सं. चंडी. /17/81-82—अतः मुक्ते, म्खदं व चंद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 1721 है, तथा जो सैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीब अप्रैल 1981

अधीन, तारीस अप्रैल 1981 को पूर्वोक्त संपित्त के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त **अभिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक** के दायित्व में कमी करने या उससे अक्षत में कविका के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- ले. कर्न. वी. एन. मदन, वीर चक्र मुप्त श्री ओती नाथ मदन, 57 माउंटन डिविजन मार्फत 99 ए. पी. ओ.।

(भ्रग्तरक)

 श्री जोगिन्द्र नाथ तुली सूपृत्र श्री बल्ली राम तुली, निवासी मकान नं. 111 सैक्टर 23-ए, चण्डीगढ़। (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं. 1721 सैक्टर, 33-डी, खण्डीगढ़। (जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 81 अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं।

स्मदोव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

नारीय : 23-12-1981

माहरः

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, ल्धियाना

र्लाध्याना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदंश सं. चंडी./10/81-82—अतः मुक्ते, सुखदंव चंद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-**ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्**वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एस. सी. एफ. नं. 10 है, तथा जो मैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अथीन, तारीस अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अत्रं, उक्त अधिनियम्, की धारा २६०-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) कें अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती कृष्णा वन्ती पत्नी श्री भगवान दास और श्री प्रवीप क्षार सपुत्र श्री भगवान दास, दानो निवासी एस. सी. एफ. 7, 18-डी, चण्डीगढ़।
 - (अन्तरक)
- 2. श्रीमती क्लवीप कार पत्नी स. दर्शन सिंह, श्री जसपाल सिंह, मूर सूप्त्र स. दर्शन सिंह श्रीमती पिंकी पत्नी श्री जसपाल सिंह मूर सभी निवासी 38 स्टॉन ले ,रोड, लंकाशायर, इंग्लैंड माध्यम श्री शाम लाल अग्रवाल, स्पैस्ल पावर आफ अटारेनी।

(अन्तरिती)

3। 1. मैं. स्न्दर इम्पोरियम, 2. श्री कालदीप जसवाल स्पूत्र चिन्त राम, 3. श्री नाय्यार, 4. श्री भाला सिंह, 5. श्री पप्पू और उसके भार्ड, सभी निवासी एस. सी. एफ. नं. 10, सैक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पछितिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस. सी. एफ. नं. 10 सैक्टर, 19-डी, चण्डीगढ़ में हैं। (जायबाद जो कि रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 30 अप्रैल, 1981 के अधीन वर्ज हैं)।

सुखर्वेव **प**न्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लिथियाना

तारीख: 23-12-1981

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 23 दिसम्बर 1981

निवाश सं. चंडी/21/81-82—अतः मुक्ते, स्खदाव चंद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3505 है, तथा जो सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणात हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खंडीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल 1981

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (श) एसी किसी बाय या किसी अन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

- श्री भेजर सिंह सुपुत्र श्री सुचेत सिंह माध्यम श्री हरबन्स लाल कौड़ा, निवासी 169, सैक्टर 19-ए, चंडोगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती रामी चावला पत्नी श्री वी. के. चावला, निवासी 1065 सैक्टर 27-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (स) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

प्लाट नं . 3505, सैक्टर 32-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संस्था 153 अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज ही)।

> सूखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रोज, लुधियाना

बतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ, खक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

त्तारीन : 23-12-1981

भोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) हे अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, ल्षियाना

लूधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदश सं. चंडी. /24/81-82--अतः म्भे, स्खदेव चंद, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रह. से अधिक **ह**ै और जिसकी सं. प्लाट नं. 1361 है, तथा जो सैक्टर 23-सी, चण्डीगढ़ में स्थित ही (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहुप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय को दावत, उटत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सूतिका के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- मं. जं. पी. एन. टरिखा, 162 मधुबन, नर्हा दिल्ली-110092।

(अन्तरक)

 श्रीमती पूष्पा वन्ती मार्फात 56 इंडस्ट्रीयल ऐरिया, चण्डीगढ़।

(अन्तिरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पृयोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

प्लाट न. 1361, सैकटर 23-सी, चण्डीगढ़। (जायवाद जो कि रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 184 अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारील: 23-12-1981

प्ररूप आक्ष. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लुधियाना

लुभियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निविध सं. चंडी. /11/81-82--अतः मुफ्ते, स्ख्दोव चंव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं. मकान नं. 662 हैं, तथा जो सैक्टर-16-डी, चण्डीगढ़ मो स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालग, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके शश्यभान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्मालीकत उद्दर्श से उक्त अन्तरण कि कि विश्व में वास्तियक रूप से की वर्ष भन्तरण कि कि वर्ष में वास्तियक रूप से की भन्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री अविनाश चन्त्रा, आई. पी. एस., (2) श्री विनोद कुमार, (3) श्रीमती विभला देवी, (4) श्री कपिल देवे और कुझल देव, निवासी मकान ने. 43, सैक्टर 11-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह ढिलों, स्वयं और अटोरनी आफ श्री डाक्टर 1. इकबाल सिंह एण्ड मिसिज परसिन्द्रजीत सिंह, 2. श्री निरन्द्रजीत सिंह स्वयं और अटोरनी आफ स. मिसरा सिंह, निवासी आफ मकान नं. 662, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़।

(अन्हरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्ची

मकान जो 662, सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ में है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 56 अप्रैल, 1981 के अधीन वर्ज है)।

मुखदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्चित व्यक्तियों, अधीत्:—

त्रारीख : 23-12-1981

मोहर ः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, ल्धियाना

ल्धियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निद्या सं. चंडी. /2/81-82—अतः म्भे, स्यवदेव चंद, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह जिल्लास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उत्तिर हाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. सकान नं. 556 में आधा हिस्सा है, तथा जो सैक्टर 16-दी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 4/81

को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्य स करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित ाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (शन्तरकों) भीर अन्तरिक्ष (अर्तारांत्रयों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविष्ठ कर में कथा नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुंड़ें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) एंसी किसी आय या धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का १६) या लान अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ अन्तरियों देवारा अद्यासिय महा किया गया था या किया जाना नाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :----

- 1. मिसंज विमला वर्मा पत्नी श्री एम. एट. वर्मा, निवासी 556, सँक्टर 16-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्री धर्मवीर सभरवाल और श्रीमती उर्फिला सभरवाल, निवासी 556, 16-डी, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पृतित् को कर्षन् को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान नं . 556 (आभा हिम्सा), सैक्टर 16-डी, चण्डीगढ़ में है। (जायदाव जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 10 अप्रैल, 1981 के अभीन वर्ज हैं)।

> स्खदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन राज, ल्धियाना

तारीख : 23-12-1981

प्ररूप प्राई० अ० एन० एस०---

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निद्येश सं. चंडी. /4/81-82—अतः मुक्ते, स्खदेव चंद, धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 301 है, तथा जो सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ मो स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो और पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/81

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक उस से कथित गहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधोन कर देने के प्रस्तरक के वायित्व प् कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या स्नय श्रास्तियों को जिन्हे भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं सुविधा के लिए;

मत: अब, उनत श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपघारा (1) अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, श्रर्थात :-- में. चन्द्रमोहन महता सृप्त्र श्री इन्द्र मोहन महता माध्यम उसके अटारेनी श्री इन्द्र मोहन महता, निवासी 1607, सैक्टर, 34-डी, घण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 श्री सी. एस. द्रगल गुपुत्र श्री अग बहादार सिंह, निवासी 212, सैक्टर 33-ए, घण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को प्रतृ सूचना जारो करां पूर्वोशन सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्न सम्पत्ति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस मुचता के राजपत्न मं प्रकाशत की तारीख सं 45 दिन की अबिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अबिध बाद में सपाप्त हो भी हो, के भोतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस न्त्रता के राज्ञश्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्तीकरण: --इसमें प्रपृक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त ऋधि-नियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

प्लाट नं. 301, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में है। (जायवाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 14, अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> स्**खद**ेव घन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक <mark>ध्रायकर घ्रायुक्त (निरिक्षण)</mark> अर्जन रजे, लुधियाना

तारीख . 23-12**-**1981 मोहर ः प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भ्रावकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा** 2**89-घ (1) के मु**धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन र्जज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 23 विसम्बर 1981

निद्शि सं. चंडी. /20/81-82--अतः म्फो, सुबदोव चंद, आयकर बितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्ने इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के प्रधीन संसम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका छिनत बाजार मूख्य 25,000/- के से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 429 है, तथा जो सैक्टर 35-ए, जण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/81

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुंभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार, मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मतिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अक्तरण से हुई किसी आय की बाबत चक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के धक्तरक के बाबित्य में कमी करने या उबसे बचने में बुविवा के किए; और/या
 - (सं) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीजनार्थ ग्रन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया बा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अष, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त अधिनियम की आरा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् ।—— 12—426GI/81 ममूह कैप्टन (रिटा) मनमोहनशीर सिंह तलवाड़ सुप्त श्री करतार सिंह तलवाड़, निवासी मकान नं 9, वैस्ट पटेल नगर, नद्वी दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुमन रानी पत्नी श्री धर्म चन्द, श्रीमती कमलंश रानी पत्नी श्री श्रीराम, निकासी मकान नं 1241, सैक्टर 18-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्चना के र जपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जी उन्स्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं. 429, सैक्टर 35-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 150, अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सुबदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारींबं : 23-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदेश सं. चंडी. /9/81-82—अतः मुक्ते, सुखदेव चंद, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका अधित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 215 है, तथा जो सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारोख 4/81

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में स्विधा के लिए;

अंत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री मेहर सिंह सुपुत्र श्री सोहन सिंह, निवासी काहलों पो. ओ. राहों, जिला जालन्धर, माध्यम मिसेज रेखा आनन्द पत्नी श्री सुभाष अनन्द, निवासी 1711, सैक्टर 22-बी, वण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 मिसज परमजीत सिंह सधू पत्नी श्री उपकार सिंह सधू, मिसज कमे कार पत्नी श्री बादल सिंह सधू, निवासी 215, सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी ब से 45 विन की अविध या तत्त्रम्मन्थी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः;
- (७) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास विविद्य में किए पा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20 -क में परिभावित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

प्लाट नं. 215, सैक्टर 37-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 29, अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

> सुबदेव चन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, लुधियाना

तारी**ब** : 23-12**-**1981

माहर 🗄

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक नायुकर नायुक्त (निर्धिमण)

· अर्जन रंज, ल्धियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदोश सं. लूधि. /16/81-82—अतः मुक्ते, सुबदोव चंद, आयकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. सैकिन्ड मंजिल, बी-2, 1745 है, तथा जो चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/81

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिस्त्र में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

श्रतः ग्रम, उक्त श्रिष्ठितियम की खारा 249-ग के श्रनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की खारा 269-म की उपचारा (1) के अधीम, निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती प्रेम प्रकाश कार विधवा श्री जसवन्त सिंह,
 गृरदेव नगर, लुधियाना।

(जन्तरक)

 श्री दीपक कपूर सुपुत्र शमी कपूर, राज फुटवीयर, चौड़ा बाजार, सुधियाना।
 (अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के

लिए कार्यवाहियां करता है।

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रह्मोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा जो उस भन्याय में दिया गया है।

सत्त्र परि

सैकिन्ड मंजिल बी-2-1745, चौड़ा बाजार, लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 173, अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

सुसदेव वन्द सक्षम प्राधिकारी, सङ्ख्यायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीस: 23-12-1981

मोहर 🖫

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निद्देश सं. लूधि. / 16/81-82—अतः मुक्ते, सुबद्देव चंद्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं जायदाद का भाग नं बी-2-1745 है, तथा जो चौड़ा बाज़ार, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 4/81

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पायां गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) शृन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कड़ दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी कड़ने या उससे ब्चने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां करं, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकतः अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती प्रेम प्रकास कौर पत्नी श्री जसवन्त सिंह, निवासी 7-गुरद व नगर, लुधियाना।

(अन्तरक)

 श्री दीपक कपूर सुपुत्र श्री शमी कपूर, राज फुटवीयर, बौडा बाजार, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोप !---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अक्रोड्स्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पृथ्वीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पढ़ों का, जो सकत प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद का भाग नं. बी-2-1745, चौड़ा बाजार, लिधियाना मंस्थित है। (जायवाद जो कि रिजस्ट्रीक र्ता अधिकारी, लूधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 158, अप्रैल, 1981 के अधीम वर्ज हैं)।

> सूखदेव अन्द सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लूधियाना

तारीय: 23-12-1981

प्ररुष आई. टी. एच. एस. -----

आयक्दर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निसीक्तण)

अर्जन र'ज, लुधियाना

ल्धियाना, विनांक 23 विसम्बर 1981

निद्शे सं चंडी. /16/81-82--अतः मुभे, सुखदेध चंद, आयकर अधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कता गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मूस्य 25000/- द० से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं 1718 है, तथा जो सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/81

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह रवास करमें का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मूल्य सकते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्था से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी जन या धन्य आस्तिथीं को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनिधम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रम, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—-

 श्री एस. एस्. स्नील स्पृत्र श्री दयाल सिंह, निवासी 215, हाँजिंग कालोनी, सोनियत।

(अन्तरक)

 श्रीमती सुरजीत कार पत्नी श्री सवरण सिंह, और श्री सवरण सिंह सुपुत्र श्री गुरबल्का सिंह, निवासी 711, सैक्टर 23-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपल में प्रकाशन की तारी असे 45 किन की धविन या तरसंबंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की धविन, भी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) ईस सूत्रता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, भा उस अध्याय में दिया-गया है।

अनुसूची

प्लाट नं 1718, सैक्टर 33-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 74, अप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

स्**खदेव घंद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लूधियाना

तारीब : 23-12-1981

प्ररूप आइ".टी.एन्.एस.,-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के मुधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 23 दिसम्बर 1981

निदोश सं. चंडी. /18/81-82—अतः मुक्ते, सुखदोव चंद, आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. मकान नं. 540 है, तथा जो सैक्टर 10-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4/81

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दूपयमान प्रतिफल से, ऐसे रूपयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखत उद्देश्य से सक्त अन्तरण निम्निलिखत में बास्तिवक रूप से किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्ते वचने में सुविधा के जिए; जोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 [(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्

भतः वस, उक्त मधिनियुम्, कौ भारा 269-मृ के अनुसरम् में, मैं, उक्त अधिनियम् की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निल्लिस व्यक्तियों अर्थात्:— श्री के. एस. अनन्त्र, आई. पी. एस. सूपूत श्री बलदेव सिंह, निवासी 540, सैक्टर 10-डी, चण्डीगढ।

(भन्तरक)

2. श्रीमती जसवन्त काँर पत्नी स. जसमेर सिंह मार्फत मेन बाजार, जी. टी. रांड, शाहाबाद, मारकन्डा, रिंजला कुरुक्षेत्र।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत अथिकतयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास खित्त में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमधी

मकान नं. 540, सैक्टर 10-डी, चण्डीगढ़ । (जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 95, खप्रैल, 1981 के अधीन दर्ज हैं)।

सुबद'व चंद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीख : 23-12-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर किंधिनियस, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के सुभीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज, ल्षियाना

लुधियाना, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदश सं मलेको/11/81-82--अतः मुभ्ते, सुबदेव चंद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- एत. से अधिक है और जिसकी सं. भूमिक्षेत्र, 23 कनाल, 6 मं. है, तथा जो थंडी सड़क, मलेरकाटेला, जिला संगरुर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में रिजस्ट्रीकरण अभिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीस 7/81 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को इद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के श्रीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्धेरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिन्नित व्यक्तियों, अर्थानु:—— शाहबजाबी बुकुवसिया बेगम माध्यम उसके अटारनी श्री अबबुल शाहकुर सुपृत्र सनजुर ह्सियां, देहली गेट, मलरकोटला, जिला संगरुर।

(अन्तरक)

 मं ओरिस्टल स्पिनिंग मिल्ज इंडस्ट्रीयल एरिया, मलेरकोटला, जिला संगरुर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्सित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 23 कनाल, 6 मरले, थंडी सङ्क, मलेरकोटला। (जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलेरकोटला के कार्यान्त्र सुके विलेख संख्या 2604, जुलाई, 1981 के अधीन दर्ज ही)।

सुसर्वेव चंद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लुधियाना

तारीच : 23-12-1981

सोहर:

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयंकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बहुए। 2694(1) के प्रश्नीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज ।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निर्दोश मं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस. आर.।।/
4-81/112—अतः मुंभे, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी संस्था बी-10 है तथा जो कालिन्दी कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अप्रैल 1981

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिहात से, एसे दूरयमान प्रतिहाल का पन्द्रह प्रतिहात अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्र फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बार्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया. था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, जनुकरूप कों. मीं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) को अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ६--- 1. श्रीमती बार. सी. सूद एण्ड क. (प्रा.) लि., इंग्रेस सिनेमा विल्डिंग जंगपुरा एक्ट केन नई दिल्ली डाइरेक्टर श्री सतीक कुमार सूद के द्वारा

(अन्तरक)

 श्रीमती स्तंह टण्डन 4583/15 दरियागंज, नर्ड विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जनिध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विम को अवधि, को भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (वा) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वक्रीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ते अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया गया हैं।

मनसची

सोलकां हिस्सा प्लाट न . बी-10, कॉंटागरी-।। ग्रूप-ए क्षेत्र 886 113/144 वर्गगण , कालिन्दी कालोनी , नर्झ विल्ली

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रोज ।, नई दिल्ली

तारीब : 23-12-1981

(अन्तरक)

प्ररूप आद्द².टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नई दिल्ली न**ई दि**ल्ली, विनांक 23 दिसम्बर 1981

निर्देश मं. आई. ए, सी./एक्यू.-।/एस. आर-।।।/
4-81/।।।—अत: मुफ्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट न 12 है तथा जो किलन्दी कालोनी, भी स्थित है (और इसरो उपाइद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल में, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंति, दिनयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निकिसिस उददेश्य में अपन अन्तरण निचित्त में बारतिविक रूए से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 पा 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, जिल्लान में सुविधा के लिए;

अतः अव, अवन अधिनियमं की धारा 260-ण के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 260-ण की उपधारतं (1) के वारीन निवाधिकीलतं व्यक्तियाँ, अधीर .~~ 13—426G1/81

- मैसर्स सतीश कुमार सूव एण्ड क. इरिंग्स सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्टशेन, नई दिल्ली। साम्भेदार श्री सतीश कुमार सुद।
- 2. श्रीमती शशि दुगल एण्ड मास्टर अर्जुन दुगल C/o Q.M.G.S ब्रांच आरटी हीड क्वटिर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं [8]

मनुसुची

16वां हिस्सा प्लाट नं . 12, केटागीरी-।। ग्रूप-ए, 88678 दर्गगज, कालिन्दी कालोनी, नर्ष दिल्ली।

जार. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, नई दिल्ली

तारीस : 23**-**12-1981

मोहरु 🖫

प्रस्प आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निर्दाश सं. आई. ए. सी./एक्यू.-।/एस. आर.-।।/
4-81/79—अतः मुक्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संस्था कृषि भूमि है तथा जो महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्रा अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अभैल 1981

को गूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिसित में वास्तिवक हूण में कांध्रत गरीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- दी क²पिटल कोपरोटिय पोलटरी सोसाइटी लि., बी-22 महारानी बाग, नई दिल्ली। श्री पी. आर. गुप्ता - अध्यक्ष।
- (अन्तरक)
 2. श्री गुरबचन सिंह सुपुत्र भगवान सिंह, 604,
 राहित हाउत्स, कानाट प्लेस, नई दिल्ली और दूसरो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्यों और पर्यों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 15 बीगा 4 बीसवास, ताजपुल, तहसील महरौली, दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज ।, नहीं दिल्ली

तारील : 23-12-1981

मोहर 🛭

प्रक्ष बाह्र टी एन एस ------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

शारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-।, नह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदंश सं. आई. ए. सी./एक्यू.-।/एस. आर-।।।/ 4-81/5--अतः मुभ्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल,

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके परकात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की भारा 269-सु के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित वाजार मुल्य 25,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं. एल. 66 है तथा जो कालका जी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण क्य से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल

को पूर्वीक्त संपति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिकृतिक को लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल सो, एसे इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिदाल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उव्व रेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से करियत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसके बचने में स्विधा के लिए; और∕मा
- (ब) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य नार्टिस्तर्या को, जिन्ही भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नुवा ना वा किया जाना आहिए था कियाने में सरिया के सिएक

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त बर्डियनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन निम्नलिशित व्यक्तियाँ वर्षात्:--

- 1. श्री राज रानी खन्ना सुपुत्री स्वर्गीय अयोध्या नाथ खन्ना, 103-एफ, नइ अलीप्र कलकत्ता, अर्तमान 1/1, लाजपत नगर-।।।, नर्द्व दिल्ली।
- (अन्तरक) 2, श्री विनोद कामार भल्ला और दसरें, जी-148, कालकाजी, नर्हे दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींचसी 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा।
- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी बन्ध व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

प्लाट नं. एल-66, क्षेत्रफल 366.7 वर्गगज, कालकाजी, नद्विल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

तारीय: 23-12-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छार। 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

वर्जन रंज ।, नहीं विल्ली

नह दिल्ली, विनांक 23 विसम्बर 1981

निदाँश सं. आई ए. सी. /एक्यू. /। /एस. आर. -।।। / 4-81/55 अतः मुक्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल, प्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो गांव महरौली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्वियम के ग्रंधीन कर देने के श्रग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविध। के लिए; भीर/या
- (आ) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1924 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन निम्निणिवित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री राम किशन गौर सुपुत्र श्री जानकी प्रसाद और श्रीमती सोना दोवी धर्मपितन श्री राम किशन गोर, 609/3, महरौली, नद्दे विल्ली

(अन्तरक)

 प. भगत राम शर्मा सुपुत्र श्री बन्सी लाल, 327, मसजीद मोठ, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यत् सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के मर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाब में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन को अवधिया तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तयों में ने किसी व्यक्ति डारा;
- (छ) उस सूचने। के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रपृत्त शन्दों और पढ़ों का जो उनत अधिनियम के धड्याय-20क में परिभाषित है, बही ग्रंथ होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 45 बीगा और 11 बीसवास गांव महरौली में स्थित है।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजें ।, नई दिल्ली

तारीख: 23-12-1981

मोहर 🕄

प्ररूप आहू . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजा ।, नर्दा विल्ली

नहीं दिल्ली, विनांक 23 विसम्बर 1981

नियाँश सं. आर्थ. ए. सी./एक्यू./। एस. आर.-।।/
4-81/19—अतः मुफ्ते, आर. बी. एल. अप्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पंश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य
25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या एफ-10 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपादद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीष्ठ अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अक्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्तर की धीन्यम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- श्रीमती सत्या दत्ता, एटोरनी जनरल के एल. लदर छ व्यारा ए.-4 आफिस कालोनी नं. 1, गुड़गाबा (हरियाना)
 (अन्सरक)
- 2. श्री प्रदीप कृमार जैन जं-12, कौलाश कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, ाही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान न . एफ . - 10 , कालका जी , 200 वर्गगज क्षेत्र , नर्इ दिल्ली

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रंज ≀, नई दिल्ली

तारीख : 23-12-1981

मोहर 🔢

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज ।, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निदेंश सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस. आर.-।।।/
4-81/58—अतः मुक्ते, आर. बी. एल. अग्नाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण हो कि स्थावर संपरित जिसका उचित आजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी संख्या एल. 24ए. एन्ड बी है तथा जो मालवीय नगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस अप्रैल 1981

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त मम्पित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका)ं) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिक व्यक्तियों सर्थात्:--

- श्रीमती ज्ञान विवी बजाज धर्म पत्नि श्री प्रेम नारायण, एल-24-ए एन्ड बी, मालवीय नगर, विल्ली (अन्तरक)
- 2. श्री लक्ष्मी नारायण जोशी सुपूत्र श्री हरी दत्त, 17-ए/ 55 डब्ल्यू हे ए, करील बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स् जी

प्रापटी न . एल-24-ए-एन्ड बी, मालबीय नगर, नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज ।, नई दिल्ली

तारीब : 23-12-1981

मोहर 🥲

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्रंज ।, नर्ह विल्ली नर्ह दिल्ली, विनांक 23 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस. आर.-।।/
4-81/102---अतः मुक्ते, आर. बी. एल. अग्रवाल,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/ एक से अधिक हैं।

और जिसकी संस्था ई-48 है तथा जो ग्रेटर केलाश 2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके टहयमान प्रतिफल से, एसे दहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देषयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत ह—

- श्री एस. गूरदेव सिंह सूपूत्र एस. मोहन सिंह मकान नं 52, रांड. नं 42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरक)
- श्री अशोक कामार अग्रवाल सूप्त्र स्वर्गीय श्री लाला मितर रोड अग्रवाल, ए-184, डिफोंस कालोनी, नर्द दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

वनुसूची

प्रो. नं. ई 48 ग्रेटर केलाश 2 नई दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज ।, नक्षी विल्ली

त्रारीख : 23-12-1981

प्ररूप आई. टी. एत. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, रोहसक

रोहतक, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

गुड़गांवा/9/81-82---असः मुभ्ते, गो. सि. गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-ए. से अधिक हैं और जिसकी सं. भूमि 22 कनाल है तथा जो गाँव सहरोल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में, रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैन, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिस्ति उद्दोश्य से उस्त अन्तरण लिस्ति में यास्तिवक

रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एभी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सियम के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) सर्वश्री कृपा, प्रभूपुत्रान श्री रामपत, श्री श्रीराम कन्हेंगानि गांव व डा. सरहोल।
 - (अन्तरक)
- (2) न्यू दहिली होटल्ग लि. होटल एम्बेसडर, न्यू दहिली-3।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पन्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस राचना के राजपण मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध कि भी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पति 22 कनाल गांव सहरोल तः गुडगांवा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांवा में रिजस्ट्री संख्या 66 विनांक 3-4-81 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

तारीखः 14-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक रोहतक, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निवोश सं, गुड़गांबा/19/81-82--अतः मुभ्ते, गो. सि.

आयकर अधिनियम् 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पष्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है") की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह

और जिसकी संख्या भूमि 60 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव सरहोल में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालये, गुडगांवा में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम् , 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को प्रवर्षित सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसकौ स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, ज्ञक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (🜒 ए`सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🛸 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ::--14--426GI/81

- (1) सर्वश्रीनयल सिंह, विजय सिंह पुत्रान श्रीचन्दर भाव पुत्र राम लाल नि. गांव व डा. सरहोल (अन्तरक)
- (2) मैं न्यू दहेली हाटल्स लि. हाटल अम्बेसडर, सुजान सिंह पार्क, नई विल्ली-3 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन को अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है तथा उनका वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में कियागया है।

वनसूची

सम्पति भूमि 60 कनाल 18 मरले गांव सरहोल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्टीसंख्या 458 दिनांक 29-4-81 पर दिया है।

> गो सि गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

तारीकः: 14-12-1981

मोहर ः

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायुक अयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, विनांक 14 विसम्बर 1981

निविधा सं. गुड्गांवा/20/80-81---अतः मुक्ते, गो. सि. गोषाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि 60 कनाल 13 मरले हैं तथा जो गांव सरहोत में स्थित हैं (और इससे उपाबत्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगंवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल 1981

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बाधिस नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) सर्थश्री मानसिंह एथम् महोन्द्र सिंह पुत्रान श्री सरदार सिंह, सरहोल (अन्तरक)
- (2) मैं न्यू दोहली होटल्स लिमिटेंड, होटल अम्बैस्डर, सूजान सिंह पार्क, नई विल्ली-3।

को यहसूचनाजारीकरके पूर्वीक्स संपत्ति केअर्जन केलिए लि<mark>ए कार्यवाहियांकरताहुं</mark>।

उक्त सम्पर्ित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति भूमि 60 कनाल 13 मरले यांव सरहाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्रीसंख्या 459 दिनांक 29-4-81 पर विया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीखः 14-12-1981

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारतु सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निविशे सं. बल्लभगढ़/41/81-82--अतः मृभ्हे, गो. सि. गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 213 बीघा है तथा जो गांव अनंगपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

करे पूर्वोक्त संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— (1) मैं. दहेली आटो एवम् जनुरल फाइनेंस् प्राः लिमि-टेड, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हरविन्धर कार पत्नी अवतार सिंह नि सी-5, ग्रेटर कालास-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन, के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्कत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्सूची

सम्पत्ति भूमि 213 बीधा गांव बनंगपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रिजिस्ट्री-संख्या 845 विनांक 20-4-81 पर विया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रेज, रोहतक

तारीखः 14-12-1981

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. ------

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 14 विसम्बर 1981

निदेश सं. दहली/36/81-82—अतः मुक्ते, गां. सि. गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

और जिसकी संख्या भूमि 19 कनाल 6 मरले हैं तथा जो गांव पल्ला में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दहली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1981

25,000 / रतः से अधिक **ह**ै

को पूर्वोक्त संमित्त के उचित बाजार मूल्य से काम के दृष्यमान प्रतिक्षल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकाल से, एसे दृष्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अस्तरण से हुइ किसी नाय को बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी कर्सने या उससे बचने में सृतिका के लिए; जॉर/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विभा के लिए॥

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को, अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) की नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री अमरणीत सिंह पुत्र स्वं सः प्रताप सिंह कालरा नि 222, प्रसाद नगुर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) मैं. ग्रेंटर दोहली प्लानरस प्रा. लि. फ्लैंट नं. 3 शंकर मार्किट, कंनाट सर्कास, नर्झ दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों केंद्र सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्शित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शख्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पति भूमि 19 कनाल 6 मरले गांवा पल्ला में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दोहली में रिजस्ट्रीसंख्या 585 दिनांक 12-6-81 पुर दिया हुँ।

> गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज, रोहतक

तारी**ब**ः 14-12**-**1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

राहतक, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निक्रेश सं. कहली/103/81-82—अतः मुक्के, गां. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यात करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिनका अधित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. ए-91, क्षं 527 व.ग. है तथा जो अद्योक एनक्लोब गांव पल्ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बहेली में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील सितम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है -िक यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में की भत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दाथित्व मों कभी करने या उससे वचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (र्ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 प्राप्तियां (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जयः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) मैं . प्रेटर बह्ली प्लानर्स प्रा. लि., फ्लैंट नं.3, शंकर मार्किट, कनाट सर्कास, नर्द दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री वीरांन्द्र कामार पुत्र श्री महिर चन्य नि . 5-सी/51, रोहतक रोड, नर्झ दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पहित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत प्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पति प्लाट नं ए-91, को 527 व ग अशोक एनक्लेव एक्सटनशन-।।, गांव पल्ला में स्थित ही जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय दोहली में रिजस्ट्रीसंख्या 893 दिनांक 2-9-1981 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 14-12-1981

प्रकृप भार्षः दी. एन. एस. --

आयकर श्रिधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

रोहतक, विनोक 14 दिसम्बर 1981

निवोश सं. जगाधरी/1/81-82---अतः मुभ्के, गो. सि. गोपाल.

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 145, माडल टाउन है तथा जो यमना नगर में स्थित है (और इससे उपाबत्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त भिध-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी श्राय या किसी धन या प्रस्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिष्ठिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वय, उक्त अधिनियम, क्री भारा 269-ए के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीम, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

- (1) श्री राजिन्दर वत्त पृत्र सिकन्दर लाल अगदीश चन्दर, रमेश चन्दर एवम कृष्ण लाल पृत्र सिकन्दर लाल एवम श्रीमती सत्यछिवर व श्रीमती सविता रानी पृत्रीयां श्री सिकन्दर लाल नि. 19 बी, माङल् टाउन, यमुना
- (अन्तरक)
 (2) श्री हरभजन सिंह व सतवन्त सिंह श्रीमती प्रभजाते
 पत्नी श्री हर भजन नि 145 मोडल टाउन, यमूना
 नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

हराब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाचित है, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

सम्पत्ति मकान नं 145, माडल टाउन यमुना नगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ज़ के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीसंख्या 8, दिनांक 1-4-81 पर विया है।

> गों. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, रोहतक

तारीबः 14-12-1981

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंजु, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 दिसम्बर 1981

निवर्ष सं, जगाधरी/12/81-82---अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं मकान क्षे 449 व ग है तथा जो माडल टाउन, यमना नगर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुस्णी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये मन्तरित की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाइह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रश्नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुजिधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय स्नाव-कर श्रधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्न अवित्यम की धारा 269-ग के ग्रनुमरण में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्तलिखित व्यक्तियों, मर्थात्।—— (1) श्री हरवन्स लाल साहनी पृत्र श्री साहनलाल नि . 473-एल , माङल टाउन , यमुना नगर

(अन्सरक)

(2) श्री राम प्रकाश पुत्र श्री रामलाल बजाज नि . थापर कालोनी यम्नानगर

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो सकत ग्रिधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है,

अमृत्यो

सम्पत्ति मकान माङल टाउन यमुना नगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्त के कार्यालय जगाधरी में, रिजस्ट्री-संख्या 456, दिनांक 24-4-1981 पर दिया है।

गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारौ सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, रोहेतक

तारीजः 16-12-1981

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि, रोहतक

रोहतक, विनांक 15 विसम्बर 1981

निदंश सं. करनाल 2/81-82--अतः मुक्ते, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. म. नं. 495-आर, मांडल टाउन है तथा जो करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध उनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील अप्रैल, 1981

कां पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अम्तरण में लिखित बास्तविक इन से किथत नहीं किया गया है दि--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उप्धारा (1) के अधीन निमन्तिवृत्ति व्यक्तियों अर्थात्:---

(1) श्रीमती शृथीला बदरा पत्नी शरत चन्द्र बतरा अटारनी आफ श्री शरत चन्द्र बतरा पृत्र अगविश चन्द्र बतरा नि. अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) (1) श्री सुरोश कामार पत्र मोती राम, करनाल म. तं. 495-आर, सांडल टाउन, करनाल (2) मोती राम पत्र श्री प्यारोलाल, चन्डीगढ़

(अन्सरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्सि को अर्थन को सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसची

सम्पति मकान नं. 495-आर, मांखल टाउन, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिज़स्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में, रिजस्ट्रीसंख्या 698 दिनांक 22-4-81 पर विया है।

गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, रोहतक

तारीबः 15-12-1981

प्रकथ आई.टी.एन्.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निद्रांश नं भिवानी /5 /81-82——अतः मुक्ते, गो सि. गोपाल

अभ्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य

25,000/रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. फैक्ट्री बिल्डिंग भूमि सहित हैं तथा जो आँग्रोंगिक क्षेत्र, भिवानी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भिवानी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस अप्रैल, 1981 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पत्तु प्रतिकृत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बालाविक रूप से करिएत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सूविधा के लिए;

- (1) डा. नारायण दास खुराना पुत्र श्री फतेह चन्द खुराना, श्री मुभाष चन्द पुत्र वीर भान बजरिये, श्री बंद प्रकाश खुराना, निवासी भिवानी। (अन्तरक)
- (2) मैं मारूती सिंथोटिक्स इन्डस्ट्रीज, इन्डस्ट्रियल क्षेत्र, भिवानी। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (का) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति फौक्टरी बिल्डिंग भूमि सहित, औद्योगिक क्षेत्र, भिवानी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय भिवानी में रिजिस्ट्री संख्या 84, दिनांक 8-4-81 पर दिया है।

> गो . सि . गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, रोहतक

ातः अब, । उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 15—426GI/81

तारीख : 15-12-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, विनाक 15 दिसम्बर 1981

ं निवर्^रण नं. गुड़गांवा ∕11 ∕81-82—–अतः मूभ्के, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 126, माडल टाउन है तथा जो गुडगांवा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुड़गांवा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीम अप्रैल, 1981

को पूर्थोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपार में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निस्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री मैया दास पुत्र श्री हुकम चन्द्र, निवासी 240, शिवाजी नगर, गुड़गावा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दयावन्ती पत्नी श्री बन्ना राम पुत्र श्री जमना दास, निवासी 2/35, शिवाजी नगर, गुड़गांवा अब मकान नं 126, माडल टाउन, गुड़गांवा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यधाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों क्तृ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में विष्णु जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं 126, माडल टाउन्न, गुड़गांवा में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड-गांवा में रिजस्ट्री संख्या 38, दिनांक 6-4-81 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल समक्ष प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅज, रोहतक

त्रारील : 15-12-1981

मोहर 🖫

प्रकप् बार्ड. टी. एन. एस.-----

भागकर मृश्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायमिय, सहायक आयकर आयमत (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 दिसम्बर 81

निद्देश सं. पानीपत/19/81-82---अतः मुक्ते, गो. सी. गोपाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपान्त जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. मकान, असन्ध रोड पर है तथा जो पानीपत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्य) जन्तरण से हुई जिसी आब की बाबत उक्त कि कि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसूरण भैं, मं, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीत् 2---

- (1) क्रीयटन राजिन्दर सिंह पुत्र श्री कोर सिंह पुत्र श्री उदमी राम्, नि. असन्ध् रोड, पानीपत। (अन्तरक)
- (2) (1) श्रीमती राज कारी नयन पत्नी तुलसी राम पृत्र मुनीराम, (2) नीरज नयन पत्नी श्री सुरेश नयन पृत्र तुलसी राम मार्फत में. मानसरोवर टैक्सटाइलज प्राः लि., असन्ध रोड, पानीपत।

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तु अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में तिया गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति मकान, असन्थ रोड, पानीपृत पर स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपृत मे रिजस्ट्री-संस्था 654, विनाक 28-4-81 पर विया है।

> गो सी गोपाल सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक सायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, रोहतक

तारीख: 16-12-81

मोहर 🌣

प्रकप बाह्य . टी. एन्.; एस.,--

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 16 दिसम्बर 81

निदोष सं. अम्बाला/14/81-82--अतः मुभ्ते, गो. सी.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुत. से अधिक है और

और जिसकी सं. 3989-90, वोर्ड नं. 2 है तथा जो पटेल रांड, अम्बाला शहर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय, अम्बाला में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, तारीख अप्रैल, 1981

को प्वाक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्परितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उन्तर जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई कि सी आय की बाबत उक्त आधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतथ अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-गुको अनुसरण में, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अर्थीन, निस्नुजिस्ति व्यक्तियों, अर्थित्:--

(1) श्री गुरचरण सिंह पुत्र श्री बलवन्त सिंह 3989-90, वार्ड नं. 2, पटले रोड, अम्बाला।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रेम प्रकाश गुलाटी पुत्र श्री मलिक चन्द्र मं. नंः 3988/2, पटेल रोड, अम्बाला बहर।

(अन्तरिती)

को यह सूच्या जारी करके पूर्वांक्ल सम्परित के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोह भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाको राजपृत्र में प्रकाशन की तारीश से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्वांक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सर्कांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पति दुमजिली बिल्डिंग नं 3989-90, वार्ड नं 2, पटोल रोड, अम्बाला शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, अम्बाला में रजिस्ट्री संस्था 181. विनांक 18-4-81 पर विया है।

> गो. सी. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, राहेतक

तारीख: 16-12-81

मोहर 🕄

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, राहतक

रोहतक, दिरांक 16 दिसम्बर 81

न्दिक सं पानीपत/8/81-82—-अतः मुक्ते, गोः सिः। गोपाल,

भायकर भभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षन श्रीधकारी की, यह जिल्हाम करो का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिल्ला उचित बाबार मृत्य 25,000/- ए० ने प्रविक्ष है

और जिसकी सं मकान एवम् बुकान है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची मं और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजिस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य संक्ष्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त भ्रावित्यम के अधीन कर देने के प्रम्तरक के वायिता में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अध्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उनत अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

प्रतः यत्र, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मुधीन, नुम्निनिम्ति, स्युक्तियों, स्थित् ह--- (1) श्री आशा राम पुत्र श्री बवलूराम प्त्र श्री नयावरमल नि न समालखा मन्डी।

(अन्तरक)

(2) श्री राजिन्धर प्रसद्ध पृत्र मलखी राम श्री राधा कि बान पृत्र मुन्सी राम श्रीमती श्रामी ग्री पत्नी जय भगवान श्री सुरेन्दर कुमार पृत्र सुलेख चन्द्र, समालखा मन्डी। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से 45 दिन की प्रविद्या या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
 - (ख) इस सूबना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकारी के नाम लिखात में किए जा सर्वेगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रमुक्त नाम्दां ग्रीर पदों का, जो उन्त मिश्रिनियम, दे प्रध्याप 20-क में परिमाणित हैं, यही अर्थ होगा जो उस प्रध्याप में दिया गवा है।

अनुसूची

सम्पति संकान व दुकान पानीपत में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, पानीपत में, रिजस्ट्री संख्या 184, दिनांक 6-4-81 पर दिया है।

> गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहतक

तारी**व** : 16-12-81

मोहरू 🕞

प्ररूप धाईं वटी • एन • एस •—

भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन भूचना

मारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकार आय्वत (निरीक्षण) अर्जन रॉज, रोहसक

रोहतक, दिसंक 16 दिसम्बर 81

निद्येष सं. गुडगांवा/17/81-82--- जतः मुक्ते, गो.्सि गोपाल,

प्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के प्रश्वात् 'उन्त श्रविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रभीत सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रविक है

और जिसकी सं मकान नं 461/1, ब्लाक नं 9, है तथा जो गुडगांवा में स्थित है (और इस्से उपावद्ध उनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांवा में, रिजस्ट्रीकर्ता अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रश्निक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्मिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक ज्य से निश्वत नहीं किया गया है।

- (क) मन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसा धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः अव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में , में, चक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री औम प्रकाश पुत्र चिमन लाल स्कूटर रिपेयरर, पुरानी रोलवे रोड, गुडगांवा । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती शीला देवी पत्नी श्री शारो राम म , न न 461/1, ब्लाक नं 9, रतन गार्डन, (शिव पूरी) गुडगांवा छावनी (परनामी भवन के निकट)।

कान्*कट)* । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इनमें प्रयुक्त जन्दों भीर पड़ों का, जो उत्तत अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्स्ची

सम्पत्ति मकान नं. 461/1, ब्लाक नं. 9, रतन गार्डन् (शिवपुरी) गुडगांवा में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रिज-स्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुड़गांवा में रिजस्ट्री संस्था 244, विनांक 16-4-81 पर विया है।

गो. सि. गोपाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण्) अर्जन रोज, रोहत्क

तारीख': 16-12-81

मोहर 🖸

प्ररूप भाई• टी• एन• एस•-----

आयक्**र प्रक्रिनिटन**; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 15 दिसम्बर 1981

निदोश मं. एल. मी. 546 [/]81-82 — चतः मृक्ते, टी. जेड. माणी,

आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख हे अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम हरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं. अनुसूची के अनुसार में हैं, जो इरविप्रम में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इरविप्रम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-4-81

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उबित काजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए पन्तरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत्त का पन्द्रह् प्रतिशत से भिष्ठक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच ऐसे प्रग्तरण के लिये नय पाया गया प्रतिकत, निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त ग्रग्तरण लिखित में वास्तिक का स कथित नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरग से हुई किसी आज को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और¹या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अत्र, उश्त ग्रधिनियम को घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उश्त ग्रधिनियम की धारा 269-च की खपश्रारा (1) के सभीन, निम्नानिख्त व्यक्तियों, सुर्थात् ≟--- (1) श्री एन. बालचन्दन।

(अन्तरक)

(2) श्री वी. ररेकानाथन।

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप .-- -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रहोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

21 cents of land with building as per schedule attached to Doc. No. 2017, dated 22-4-81.

टी. जेड. माणि सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजें, एरणाकृलम

तारीस : 15-12-81

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

धायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्रास

मदास, दिगंक 18 दिसम्बर 1981

निंदोश सं. 96/एपरल/81--यतः म्भे, आर. रविचन्द्रन, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गर्या है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से घिषक है

और जिसकी सं. वार्ड ''सी'' ब्लाक 3 टी एस सं. 95 पेरी एरी गांव, सेलम ही, जो मद्रास में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी को कार्यालय , मद्रासः में भारतीय रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, डाक्सेंट सं. 1626/

को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फुल के शिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भीर प्रस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अल्लरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजन में सुविधा के लिए; खीर/या
- (ख) ऐसी किसो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: सब, **उक्त अधिनियम की घारा 2**89-ग के सन्<u>न</u> सरण में, में, उन्त अधिनियम की बारा 269-म की छपधारा (1) के अधीन, तिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात '---

- (1) श्री एल. आनंबन नारयनन स्ट्रीट, सेलम।
- (अन्तरक) (2) श्री टी. सी. विजयरागवन नारायना स्ट्रीट एक्स्टनशर्न सेलम् ।

(अन्तरिती)

को यहसूचना जारीकरकेपूर्जीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

अन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **प्राक्षेप** !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस युचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही यर्थ होता, जो उत अध्याय में दिया गया है।

नग्स्ची

भूमी और मकान पेरी येरी गांव सेलम।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण), अर्जन र्ज, भदास

सारीख : 18-12-31

मोहर ः

प्ररूप आहु . दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरोज, मद्रास

मदास, दिनांक 19 विसम्बर 1981

िनियोश सं. 128-132 /एप्रेल 81--यतः मुक्ते, आर. रिविचंद्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- र. से आधक हैं और जिसकी सं. 38 विरियान्ठ नगर मिलाविट्टम गंख ठुठिको-रिन हैं, जो डाक मेंट सं. 1269/81 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ठूठिकोरिन एप्रेल 81 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तुह प्रतिशत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिवक ह्या से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 16—426GI/81

- (1) श्री मुत्तुसामि 1 जे / 5ए विरियान्ट नगर ठूठिकोरिन (अन्तरक)
- (2) अलगमाल सिधगामी अमाल सृष्ठातक रामी नाचियार तेपपकुलम नेक, ठूठिकारिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि और मकान सं . 38 विरियान्ट नगर निलवटटी गांव आर एस सं . 494ए/बी5 540 सेन्ट।

> आर. रिवचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, मद्रास

तारील : 19-12-81

प्ररूप बाहु . टी. एन. एस. ----

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

निदोश सं. 81/एपेल, 81—यतः मुक्ते, आर रिवचंद्रन, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

25,000/- र. स नायक है
और जिसकी सं. टी एस मं. 3461/1 सेन्ट 93.9 एट्टयापूरम रोड ठूठिकोरिन है, जो ठूठिकोरिन में स्थित है (और
इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अप्रैल, 1981 में भारतीय
रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक
क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ कियी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अप्त: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री अरसन सूर्वया 457 विकटोरिया एकस्टेनशन, रोड ठ्ठिकोरिन।

(अन्तरक)

(2) श्री सेनबगसूती ठिरस्टी, दरमनिदी, कांविलएट्टी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों वस सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध आव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्स्ची

भूमि टी एस सं. 3461/1 एट्टयाप्रम रोड, ठ्ठिकोरिन।

आर. रविचन्द्रन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, मद्रास

तारीब : 19-12-81

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०--

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्देशियण) अर्जन रंजु, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. सी. आर. नं. 62/30928/81-82/ एक्वी/बी—यतः मुभ्ते, मंजु माधवन,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से प्रधिक है,

और जिसकी सं 135, 136 और 138/1 और 138/2 है, तथा जो इनफर्टीट्र रोड, सिविल स्टोशन बेंगलूर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित हैं), रिजन्स्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, शिवजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 20 अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, धसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है भीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (अ) ऐसी किसी माय या किसी धन या प्रन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम, या धन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

व्यक्षः ग्रम, उक्त श्रविनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में; मैं, उक्त प्रविनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:—

- (1) श्री के एस मणि, पूं/के लेट सी. एस कृषा एयर 138/2, इनफर्ट्री रोड, बेंगलूर, स्वयम तथा कुटुम्ब के जी. पी. ए पकड़ने वाले। (अन्तरक)
- (2) (1) श्रीमती अभिनाबि प/के. लंठ. अलहुज् एसं। ए. मालिक सं. 1920 तुराबिल रास्ता, मंद्री मोहल्ला मेंसुर, (2) बिशर अहम्मद मालिक 1954, रतन सिंग राड, मंडी मोहल्ला मैसुर, (3) मृनिर अहम्मद मालिक सं. 9 यूनियन रास्ता बेंगलूर, (4) जुबारि अहम्मव मालिक 29 हास्पिटल रोड, बेंगलूर।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्रीमती सुशीला प्रभु,

(2) श्रीमती वसन्ति कामार / आसामि किरायदार।

(3) श्रीमती तामस, (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्परित है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पर्वो का, जी सक्त भितियम के श्रष्ठयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो छस भन्याय में विया गया है।

वनुसूची

(बस्तावेज सं. 235/81-82 दिनांक 20-4-81) वासस्थान के सं. 135, 136 तथा 138/1, 138/2,। इनफर्टीट्र रोड, बेंगसूर में हैं।

> मन्त्रु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंजु, बंगसूर

तारील : 10-12-81

प्ररूप बाहै, टी. एन्. एस.----

न्नायकर प्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**म** (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निर्वोष सं 390/81-82/एक्वी डी---यतः मुक्ते, मन्जु माधवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रसा, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं. 153 और मुनिसीपल सं. 466/385/441/3211 है तथा जो रिवन्द्र नगर डिवीजन सं. 4, जिमोगा में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जिमोगा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 30-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यगान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का छिवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवह कम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठितियम, या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

कतः सब, उक्त समिनियम की भारा 269-ग के सनुसरण मैं, में, उक्त समिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के के वृथीन, निम्नीसिय व्यक्तियों, वृथीन् (1) श्री सी. कम्पेगीडा श्री चिक्क गंगस्या के पुत्र, जेल राड, शिमोगा सिटी।

(अन्तरक)

(2) श्री सी. टी. श्रीनिवास शेट्टी सी. तिस्मप्प शेट्टी के पुत्र मेसर्स चेन्नगिरी स्टोरस बस स्टेन्ड सरकल शिमोगा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उपत सम्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रदोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्य•दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त प्राच्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिक्ति नियम के यध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होता जो उस ग्रध्याय में दिया गया हैं।

सनुसूची

(दस्तावेज सं. 370/81-82, तारीख 30-4-1981) घर सम्पत्ति हो जिसका सैंट सं. 153, बिल्डिंग के साथ और मुनिसीपल सं. 466/385/441/3211 तथा जो रवीन्द्र-नगर डिविजन सं. 4 शिमोगा सिटी में स्थित हो।

> मन्त्रु माधवन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयुक्त (भिरक्षिण्)** अर्जन र[े]ज, बंगलूर

तारीख : 14-12-81

मोहर 🔅

(अन्तरक)

प्ररूप आई.दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ंघ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, पटमा

पटना, दिनांक 19 विसम्बर 1981

निष्ये सं. ।।। 531/अर्जन/81-82--अतः मुभ्ने, हृदय नारायण,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं और जिसकी सं. होल्डींग सं. 165, वार्ड सं. 1-बी. रिवीजनल सर्वे प्लोट सं. 1817 पी, 1818 पी हैं, तथा ओ ग्राम मिसीरगोन्डा उर्फ पहरगोन्डा, धाना कांके, जिला रांची में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1981

पूर्विक्त संपितित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे दहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्धात् !:--

- (1) श्री धीरज कुमार गोयल बल्द विद्याभूषण गृग्ता उर्फ विद्याधर गोयल, निवासी कांके रोड, रोची, प्रद-र्घित एवं अपने मनोनित व हौसियत वो मोस्तार आम श्री विद्याभूषण गुप्ता बल्द स्व. जगन्नाथ गुप्ता, निवासी 8, मृलीधर लेन, कलकत्ता।
- (2) श्रीमती मंजुला चौधरी जीजे श्री चन्द्र मोहन चौधरी, निवासी अपर बाजार, थाना कोतवाली, जिला रांची। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

जमीन का रकवा 8 कट्ठा एवं 8 छटाक, सकान एवं फलबारीका सिंहत, मौजा ग्राम मिसरीगोन्डा उर्फ पहुरगोन्डा, जिला रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसका सं. 1-3214 विनांक 18-4-81 में वर्णित है एवं जिसका निबंधक रिजस्ट्रार आफ एस्योरोन्स, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न ह्या है।

हृदय नारायण स**क्षम** प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, बिहार, पटना

ता**रीब** : 19-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, पटना

पटना, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

निदंश सं. ।।। 532/अर्जन/81-82--अतः मृभ्के, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269- रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उन्तित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्यूनसपल होल्डींग सं 165, वार्ड सं 1-बी. रीवीजनल सर्वे प्लोट सं 1818 पी , 1826 पी , 1824 पी है, तथा जो ग्राम मिसीरगोन्डा उर्फ परहगोन्डा, थाना कांके, जिला रांची में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 16-4-1981

क अधान, ताराख 16-4-1981 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गृया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किष्ण नहीं किया गृया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा-के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा पृकट नहीं किया गया भा वा किया जाना भाहिए था, खिपाने में सूविभा के सिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के जुभीन, जिल्लीसिंग्स अमित्नों, अभिन् :--- (1) श्रीमती गोपाली गोयल पुत्री श्री विद्याभूषण गुप्ता उर्फ विद्याधर गोलय, निवासी कांके टांड, रांची, प्रविश्ति अपने मनोनित व हैं सियत को मोस्तार आम श्री विद्याभूषण गुप्ता बल्द स्वृ. जगन्नाथ गुप्ता, निवासी 8, मुलीधर लेन, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री बैजनाथ जलान बुल्ब स्व. शादीलाल जलान, निनासी अपर बाजार, थाना कोत्वाली, जिला रांची। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृयोंक्त सम्मिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृवां कर व्यक्तियों में वो किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताकारी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन संची

जमीन का रकवा 12 कट्ठा मकान एवं फलबाटीका सहित मौजा ग्राम मिसरगोल्डा उर्फ पेहरगोन्डा, जिला रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसका संख्या 1-3213, विनांक 16-4-1981 में विणित है एवं जिसका निवंन्धक, रजिस्ट्रार आफ एस्यो,रन्स, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बिहार, पटना

तारीख: 19-12-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

भाग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) घारा 269-म(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक यायकर आगुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज, पटना

पटना, दिनांक 19 दिसम्बर 1981

निविधा सं. ।।। 533/अर्जन/81-82--अतः म्भे, हृदय नारायण,

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० मे मिनिक है

और जिसकी सं. होल्डींग सं. 224, वार्ड सं. 1-वी., रिवी-जनल सर्वे प्लाट सं. 1826 है तथा जो ग्राम मिसिरगोन्डा उर्फ पेहरगोन्डा, थाना कांके, जिला रांची में स्थित है (और इससे उपास्त्वध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 16-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने कर कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य; उसके पृथ्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्तय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बावन उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी क्याय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, मय, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मुनीम, निम्नुतिश्वित व्यक्तियों, अधृति ह---

- (1) मिस रामा दंबी गोयल पृत्री सिद्याभूषण गुप्ता उर्फ विद्याधर गोयल, निवासी कांकों राड़ि, रांची, पदिक्ति पिता एवं अपने मनोजित व हौिसयत को मोख्तार आम श्री विद्याभूषण भूष्ता बन्द स्व. जगन्नाथ गुप्ता, निवासी 8, मुनीधर सन लेन, कलकत्ता। (अन्तरक)
- (2) श्री हरीओम अग्रवाल एवं श्री जय प्रकाश अग्रवाल, दोनों का पिप्ता श्री क्याम स्दर अग्रवाल, निवासी बारालाल स्ट्रीट, रांची।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधीप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नुचना की तामील से 30 विन की अविष्ठ, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति के हिसब क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताकारी के पास विश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कक्यों भीर पर्शे का, जो उनत श्रिधिनियम के धम्माय 20 क में यथापरिणाचित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस धम्माय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्या 17 कट्ठा, मकान एवं फलबाटीका सिहत मौजा ग्राम मिसीरगोन्डा उर्फ पहरगोन्डा, जिला रांची में स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसका संख्या 1-3215 दिनांक 16-4-81 में विर्णित है एयं जिसका निवन्धक, रिजस्ट्रार आफ एस्योरोन्स कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, बिहार, पटना

नारोख: 19-12-1981

प्ररूप आई० टी• एम० एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज, पटना

पटना, विनांक 19 विसम्बर 1981

निदेश सं ।।। 534/अर्जन/81-82--अतः म्रुके, हृदयः नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं होल्डींग सं 224, वार्ड सं 1-बी, रिवी-जनल सर्वे प्लोट सं 1826 है, तथा जो ग्राम मिसीरगोन्डा उर्फ पेहरगोन्डा, थाना कांके, जिला रांची में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-4-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रिष्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिकल रूप से किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसत व्यक्तियों, अर्थात्:--- (1) मिस रामा देवी गोयल पुत्री विद्याभूषण गुप्ता उर्फ विद्याधर गोयल, निवासी कांके रोड, ,रांची, प्रवर्शित पिता अपने मनोनित व हाँसियत वो मोख्तार आम श्री विद्याभूषण गुप्ता बल्द स्व. जगन्नाथ गुप्ता, निवासी 8, मुलीधर लेन, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्री राज कुमार तेवरीवाल पिता श्री बजरंग लाल तेवरीलाल, 2. श्री बसंत कुमार तेवरीलाल बल्द स्थ. श्री गजाधर तेवरीलाल, निवासी बारालाल स्ट्रीट, अपर बाजार, थाना कीसवाली, जिला रांची। (बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्यख्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का रक्षा 18 कट्ठा, 3 छटाक, 30 वर्गफीट, मकान एवं फलबाटीका सहित मौजा ग्राम मिसीरगोन्डा उर्फ पेहरगोन्डा, जिला रांची मों स्थित है तथा पूर्ण रूप से विसका संख्या 3210 दिनांक 16-4-1981 मों वर्णित है एवं जिसका निवंन्धक रिजस्ट्रार आफ एन्स्योरोन्स, कलकत्ता द्वारा सम्पन्न ह्आ है।

हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, बिहार, पटना

ता**रीब**ः 19-12-1981

मोहर 🛭

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायक्तर **अधिनियम, 1961 (196**! का ∢*उ≀* की धारा 269-घ(1\ के अधीन ग्चन

भारा सरकार

कार्यालयाँ, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, बिहार पटना पटना, दिनाक 4 जरवरी 1982

निवास सं ।।। 535/अर्जन/81-82--अतः मुक्ते, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह रिख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्हा बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है।

और जिसकी सं. खाता सं. 68, खेसरा सं. 3981/3235 है, तथा जो नोनीरा, थाना नूरसराय, जिला नालन्दा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नालन्दा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-4-81 को पूर्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कर दे दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य से कर दे दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिल्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐने दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) गोंग अन्तरिती (अन्तरितयों) के जीच ऐसे अन्तरण के लिए उप पाया गया प्रतिफल, निम्निखिल उद्देश ये उत्तर अन्तरण निखित में वास्तविष्ठ रूप से कथि नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय की बाबन उक्त अधि-नियम, के प्रधीन कर बेने के ग्रन्तरक के दायिरव में कभी करने का उसम बजने में सुविधा के स्विक: ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय यायहर श्रीष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीष्ठिनियम, या धनकर श्रीष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रियोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में मैं, उबन अधिनियम, की धारा 269- व की उपधारा(1) के अधीन निम्निलियत व्यक्तियों अर्थान 17—426GI/81 (1) श्री गया प्रसाद वल्द जयनारायण महलो साकिन, नोनौरा, थाना न्यस्याय, जिला नावन्दा।

(अन्तरक)

(2) श्री बृजनन्दन प्रमाद यन्य तीम् गहार साफिन द्वारा खुर्व थाता सूरमराय, पत्रान्य सुरूपराय, जिला नालन्दा अथवा द्वारा 'शालन्दा प्रांतिशे', पत्रान्य गुरूपराय, जिला नालन्दा।

(अन्तरिती) (3) श्री अर्जुंग प्रसाद प्रांपराइटर, भालन्दा फार्म सी, पोता श्री गया प्रसाद।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करना ह

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई यी आज्ञेप,

- (क) इस प्लात के राजपत्र में प्रकाणन की जारीख़ में 48 दिन की प्रविध या तस्मंबंधी व्यक्तियों पर मूचना को नामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजान में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर जनन स्थानर सम्पत्ति में हितचड़ कियी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोतस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नोकरगः ---इसमे प्रपृत्तं गन्दां प्रीर गदां का, जा उत्तः अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उत्त अध्याग में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का स्कबा 10 डीसमल मकान एवं द्कान सहित मीजा नोनौरा, टोला अम्बानगर, थाना नूरसराय, जिला नालन्दा में स्थित ही एवं पूर्ण रूप से विमका संख्या 5984 दिनांक 2-4-81 में विणित ही तथा जिसका निवन्धन, जिला अवर निवन्धक, पदाधिकारी, नालन्दा द्वारा सम्पन्न हुआ ही।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज. बिहार, पटना

तारीम : 4-1-1982

प्ररूप भाई० टी० एन● एस●---

श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 17 दिस्म्ब्र 1981

जी. आई. आर. संख्या एच-41/अर्जन--अतः मुक्ते, विनोद कामार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्त सम्मति, जिलका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से अधिक है

और जिसकी संख्या 122/6 हैं तथा जो फारसिंथ रोड, लालबाग, लखनक में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूह्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रम्तरित की गई है धौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूह्य, उसके दृश्यकान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई ित सी आर की बाबत, उक्त अधिनियम के अधोन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पर या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के निए।

भता अब; उनत अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं खबत अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजित अयितियों धर्मात् :---

- (1) 1. कमला व्यास, 2. मीरा व्यास, 3. नन्दर्न गुप्ता, 4. साधना अवस्थी।
- (अन्तरक) (2) हरी ओम गुप्ता, सीता राम गुप्ता, राघव राम गुप्ता। (अन्तरिती)
- (3) एस. एम. स्विंग। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) उपराक्त विकेतागण। (वह व्यक्ति, जिसके बार में अभोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की अवधि या तस्तव्याधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के पाजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक रो के पास किखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाशिक्षणाः ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचापित है, वहीं धर्च होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान मय भूषण्ड जिसकी संख्या 122/6 फारसिंथ रोड, लालबाग, लखनज मय भूमि 1400 वर्गीफट व भवन के तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेल डीड तथा फार्म 37-जी संख्या 2712 में विणित है जिनका पंजीकरण सब-रिजस्ट्रार, लखनज के कार्यालय में दिनांक 27-4-1981 को किया जा चूका है।

विनोद क्षुमार **समम प्राधिकारी** स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन र^{र्}ज, लखनउन

ता्रीख : 17-12-1981

माहर:

ं प्र**क्ष्य बार्ड** .दौ . **एव**ं . -----

नाय्कर मिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनजः

लसनजः, विनांक 18 दिसम्बर 1981

जी आई. आर. संख्या ए-105/अर्जन—अतः मूक्ते, विनोव कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूखण्ड ससरा है तथा जो संख्या 2239/1 (एम), ग्राम कनोसी, लखनउ में स्थित है (और इससे उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनउ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन, दिनांक अप्रैल, 1981

की पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकित सब्देश से उक्त अन्तरण लिकित में बास्त्रिक स्थ से कर्मित नहीं किया पता है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था किया में सुविधा के लिए;

मतः स्वा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के कनुकस्य में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिचित अधिनत्वों, अर्थात् :-- (1) एस. कृष्णा।

(अन्तरक)

(2) आदर्श प्रगतिशील की-आपरोटिव हाउसिंग सोंसाइटी लिमिटोड, लखनउर, एच. आई. जी. 66, अली-गंज, लखनउर, द्वारा सर्वश्री बुजभूषण जिन्दल, प्रसीडोन्ट व ओम प्रकाश गर्ग, सेकेंटरी।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि- नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा
है।

अमुस्ची

भूखण्ड खसरा संख्या 2239/1 (एम.) प्रयमाइशी लगभग 1049.77 वर्गमीटर या 11300 वर्गफिट, स्थित ग्राम कनोसी परगना, तहसील और जिला लखनक तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति, जो सेल डीड और फार्म 37-जी संख्या 2865/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनक के कार्यालय में विनांक अप्रैल, 1981 में किया जा चुका है।

विनोद क्मार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लखनऊ

तारी**स**ः 18-12-1981

मोहर 🛭

प्रक्ष प्राई॰ टी• एन॰ एस•---

आयकर भिष्नितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनउर

लखनक, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

जी. आई. आर. संख्या पी-89/अर्जन—अतः मूर्के, विनोद क्मार, भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह

विषवाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यये से श्रिकि है, और जिसकी संख्या 124 हो, तथा जो तारा कुटीर., ल्करगंज, इलाहाबाद मो स्थित हो (और इससे उपाबद्ध अन्सूची मों और पूर्ण रूप से बिणत हो), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इलाहाबाद मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के अधीन, दिनांक 29-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाकार मृत्य में कम वे दुण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूक्षे यह विश्वाप करन का कारण है कि पयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तब पास धरा प्रतिफल, निम्नलिखिक उदेश्य ए उकन प्रतार विजित्त में बाहनिक इस से कथित नहा किथा पन

- (क) श्रन्तरण सं हुई किसी भाग की बाबत उक्त प्रधित्यम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; और/या
- (ख) ऐसी किया नार मा किसी बन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठानयम, 1922-(1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठानयम, या धन-कर आधानस्य, 1957 (1957 का 27) कि प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपान म सुविधा कि किए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीन मिर्मालिखित व्युवितयों अर्थातः-- (1) सूझील कृष्ण मूखर्जी, सूधीर कृष्ण मूखर्जी, सूनील कृष्ण मूखर्जी, मूबेध कृष्ण मूखर्जी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पुनोल सहकारी गृह निर्माण समिति लि. 495 बक्की खुर्द, दारागंज, इलाहाबाद। (अन्तरिती)

(3) उपरांक्त अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीका पश्पनि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के ग्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :∸-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के मैं। तर उका स्थावर सम्पत्ति में हितज्द किभी अन्य व्यक्ति कारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसर्पे प्रयुक्त गढदों और पढी का, जो उका अधिनियम के अध्याज 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियः गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति संख्या 124 का भाग मय 2129 वर्गगज भूमि व भवन स्थित, तारा कुटीर, लूकर गंज, इलाहाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेल डीड व कार्म 37-जी. संख्या 2177 में विणित हैं जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 29-4-1981 को किया जा चुका है।

विनोद का्मार **सक्षम प्राधिकारी** र आयक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख: 18-12-1981

पारूप माई∙ टी∙ एन∙ एस∙—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लम्बनक

लखनक, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

जी. आई. आर. संख्या पी-90/अर्जन—अतः मुक्ते, विनोद कंमार,

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षय प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका खिचन बाजार मूल्य 25,000/-

रु. से अधिक है और और जिसकी संख्या डी-46/21-सी है तथा जो मन्हिरिटोला, लक्ष्मीक्रुण्ड रोड, दमास्वमेश, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 8-4-198।

1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक 8-4-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, जनक दूरमान प्रतिफल के कि एंग दूरमान प्रतिफल का पन्द्रह मंतिका से प्रकित है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती. (अन्तरितियों) के बीच ऐपे अन्तरण के लिए नम बाया तथा पनिका निकानिया उद्देश्य मे उसत अन्तरण के लिए

- (क) अन्तरंश में हुई किसी **माय की बावत उ**क्त प्रश्चित्रयम के सप्तीत कर देने के **मन्तर**क के क्षिप्रत में इत्यो करने या उससे अक्ते में स्विधा के सिं∪: और/या
- (छ) ऐसी किसी कान या किसी घन या अन्य मास्तियों की, जिस्हें गरतीय प्रायकर मिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत भिनियम, या गत-कार सिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-वं के धनुबरण मं, में, उपतः प्रधिनियम ही धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, मिफनलिखित व्यक्तियों, अर्थाल् ∷-- (1) प्रसान्त क्यार सूर, मुसान्त क्यार सूर, श्रीमती राधारानी सूर, श्रीमती गौरी पाल।

(अन्तरक)

(2) परमानंद खंमका, श्रीगोपाल खंमका।

(अन्सरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग म⁻ सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कर हे पूर्वीका सम्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्पत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भो आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारी का से 45 विन की धवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 विन की अविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी कार्कित धारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबउट किसी प्रन्थ स्थावत द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्हीकरणः ---इसगें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस भाष्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति संख्या डी-46/21-सी का विभाजित भाग मय भवन व भूमि पैयमाइशी 4.95 विसवा स्थितः, मोहल्ला मिन-हारी टोला, लक्ष्मीकुण्ड रोड, पोस्ट दसास्वमेथ, शहर-वाराणसी तथा व सम्पूर्ण सम्पत्ति जो मेल डीप्ट और फार्स 37-जी, संख्या 2979/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारीन कलकत्ता के कार्यालय में दिनांक 8-4-1981 को किया जा चुका है।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, लखनऊ

तारीख: 18-12-1981

प्रारूप माइ.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लखनउठ

लबनज्ज, विनांक 18 विसम्बर 1981

जी आई. आर. संख्या जे-55/अर्जन--अतः मुक्ते, विनोद क्लार,

भासनेर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मून्य 25000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 7 है, तथा जो सम्पत्ति संख्या 5, पार्क रोड, लखनउन का भाग है में स्थित है (और इससे उपा- बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनउन में रिजस्ट्रीकर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 7-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम श्रूयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रूयमान प्रतिश्वात से, ऐसे श्रूयमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्येश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किमी धन या अन्य आरिसयों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उत्पत अधिनियम की भारा 269-न के, बनुसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1). के अभीन निम्नीतिसिस व्यक्तियों अर्थातः -- (1) मनली ट'म्बन्।

(बनारक)

(2) जगवीश मुरारी अग्रवाल, महोश मुरारी अग्रवाल, वीरोन्द्र मुरारी अग्रवाल।

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त अन्तरिती। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह 'सूचना जारी करके पृत्रों का सम्पृतित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, थो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा अभोहस्ताक्षरी के पास स्थित में किए जा सकेंगे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा गंमा है।

नन्त्यो

अचल सम्पत्ति संख्या 5 स्थित पार्क राडि, लखनऊ में से भूखण्ड संख्या 7, क्षेत्रफल 6000 वर्गफिट तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेल डीड और फार्म 37-जी संख्या 2344/81 में विगित है जिन्का पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में विगीक 7-4-1981 की किया जा चूका है।

विनोद कूमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज, लक्षनऊ

ता**रींब**ः 18-12**-**1981

मोहर 🗄

त्रक्य वार्दः दी. एन. एत. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

• निर्धोष नं. एफ. नं. पी. आर, नं. 1516 अर्जन रॉज 23-।/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का खरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वों नं. 260, शीट नं. 2 हौ, तथा जो विग्वीजय प्लोट, शोरी नं. 25, जामनगर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 24-4-1981 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित को उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके इश्यमान प्रतिफल के लिए तय पाया ग्रा प्रवेत-फक रिमन्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्तित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों स्त्रों, जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, या भन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, डिज्याने में स्विधा के लिए;

कदः वव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त जीभीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीज निम्नसि<u>चित व्यक्तिस्</u>यों, अर्थात् :— (1) भी ह्रासाल अमृतसाल शाह, 25 दिंग्यीचय प्लोट, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री जयंतीलाल जेठालाल कनसरा, 10, दिग्बीजय प्लोट, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की श्रविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविष , जो भी श्रविध बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो धक्त सिक्ष-नियम के सध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनस्त्री

जमीन और मकान जो दिग्वीजय प्लोट, घोरी नं. 25, पर स्थित है, सर्वे नं. 260, घीट नं. 2, कुल क्षेत्रफल 223-52 वर्ग मीटर तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रजिस्ट्रीकर्ता विकशिषत नं. 1475/24-4-1981 में दिया गया है।

जीं. सी. गर्ग सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमवाबाद

तारीब : 14-12-1981

महिर:

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

...मालाङ संहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र^{पे}ज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

निबंश नं. रोफ. नं. पी. आर. नं. 1515/अर्जन रॉज 23-1/81-82—अतः म्फें, जी. सी. गर्ग, अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' क्रहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सर्वे नं. 22 पैकी शीट नं. 5 है, तथा जो

आर जिसका सं. सब गं. 22 पका शाट गं. 5 हं, तथा जा जामनगर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोंक 27-3-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रक्तिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किनी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम का धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों अधीत्ः—

(1) दिग्वीजय बुलन मिल्स लिमिटोड, एरेरोड्राम रोड, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुमीताद वी जीतंन्द्रकुमार मृन्द्र, श्री श्र्मील-कुमार शीवकुमार मृन्द्र, श्री विनोदकुमार, शीव-कुमार मृन्द्र, नेहरू रोड, जामनगर।

(अन्तरिती)

को मह स्मना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

अनुसुधी

मकान मिल्कत जो नेहरू रोड, जामनगर में स्थित है, सबें नं 22 पैकी कूल क्षेत्रफल 391.68 वर्ग मीटर, तथा जिसका पूर्ण वर्णन जामनगर रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीसाता नं 1044/27-3-1981 में दिया गया है।

> जी सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी तहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

ता**रील** : 14-12-1981

मो**ध्**रः

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

नियां नं एफ नं पी आर नं 1514 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मूक्ते, जी सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचिन नाजा सुल्य 25,000/-

रुक. से अर्थिक हैं

और जिसकी सं . — ही, तथा जो स्टोशन गोड, जीन के नजदीक गठडा मों स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बोटाद मों रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के तीच एमें अन्तरण के लिए तय पास गया प्रतिक्कत निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शपत्क मी बाकी करने था उससे बखने में सुविधा के लिए; बीद/या
- (का) जिसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए:

अतः अव, उचत मिशिनयम, की भारा 269-ग के ननुबरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निय्निसिश्वत अविकायों नर्थात्:—— 18—426GI/81

- (1) श्री रमनीकलाल ल:लचंद अजमेरा की ओर से कान्ती-लाल लालचंद अजमेरा, स्टोशन राड, गठडा (स्वामी-गारायण), (2) रसीकलाल रतीलाल कामदार की ओर से, रमनीकलाल रतीलाल कामदार और अन्य श्रीजी नगर, गठडा, (स्वामीनारायण)।
- (2) श्री इन्धरलाल धीरजलाल वैद, श्रीजी नगर, गठडा, (स्वामीनारायण), जिला भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बधी का कित्यों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हित- वष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निस्तित मों किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति ह⁵, बहा अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

प्रसत्त्वी

जमीन और मकान जो स्टोशन रोड, जीन के नजदीक स्थित है, रमन ओइल मील कम्पनी नाम से मशहूर है, अंजिन कमरा, बोइलर कमरा और खुली जमीन तथा जिसका पूर्ण धर्णन बोटाद रिजस्ट्रीकर्ता बिक्तीबत नं 304/81 विनांक 1-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

नारी**ल** : 14-12-1981

टी० एम० एस०~

शायकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1981

् निर्दोश नं. एफ. नं. पी. आर. नं. 1513 अर्जन रॉज 23-।/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इनके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के मधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 25,000/- इपए से बाबक है

और जिसकी सं. — ही तथा जो स्टांशन राष्ट्र, जिन के नजदीक, घाषादा स्वामीनारीयन में स्थित ही (और इससे उपा-वद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित ही), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीण 6-4-1981 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अभ के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का विषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य में उन्तर अस्तरण लिखत में वास्तिक स्थाप ने किया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय **की बाबत उन्त** अधिनयम के अधीन कर देने के प्रस्तरक क दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त - अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कि । गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) में रमन ओइल मिल और भागीदार श्री रसेकक्षमार कानजीभाई महेता और अन्य घाषादा, (स्वामीनारायण) जिला भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रमाबंन धीरजलाल देंद्र, श्रीजी नगर, गठडा, (स्त्रामीनारायण), जिला भावनगर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हं

तकत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत्र---

- क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितन के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्ववारीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदीं का, जो उक्त धांधिनियम के धध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्य तीगा जो उस धध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो स्टंबन रांड, जिन के नजदीक, रमन ओइल मिल नाम से मशहूर है, कमरा, स्टोर कमरा और खुली जिम्मन, जिसका पूर्ण वर्णन बोटाद रिजिस्ट्रीकर्ता बिक्रीस्त नं. 142/81 दिनांक 6-4-1981 में दिया गया है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद

नारील : 14-12-1981

प्ररूप आर्⁵. टी. एन. एस.-----

प्रायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1981

निर्वाश न . पी . आर . न . 1512 अर्जन रोज 21-1/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. सर्वों नं. 1435 है तथा जो वार्ड नं. 7 काला नाला, भावनगर म स्थित है (और इसमें उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1981 का पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वाक्त संपत्ति का उचिनं बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अक्षिक ही और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूपुसे कथित नहीं किया गुगा 🗗 🗀 🗕

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तुरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में स्विभा के लिए'

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री भाई जीभाई वलीभाई, भावनगर। (अन्तर्क)
- (2) श्री गुलाबराय चमनलाल वडवा, सीजडावाली शोरी, भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो काला नाला, वार्ड नं 7 पर स्थित है, सर्वो नं 1437, कुल क्षेत्रफल 760-53 वर्ग मीटर है तथा जिसका पूर्ण वर्णन भावनगर रिजस्ट्रीकर्ता बिक्रीसत नं 938/30-4-1981 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-ा, अहमदाबाद

तारीख : 10-2-1981

प्रकृप आई० दी । एन । एस ०-

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) हे अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं पी. आर. नं 1346/एक्वी /23-।।/81-82—अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- द० ते धिक है

और जिसकी सं नं 295 है तथा जो बारवाली में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय बारवाली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रविश्वत से प्रविक्त है और प्रन्तर (प्रन्तरकों) और प्रन्तरित (प्रन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्त कि निक्ति जिहेश्य में उक्त प्रन्तरण निव्वत में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रक्रि-नियम के ग्रधीन कर दैने के ग्रन्तरक के दासित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/मा
- (ख) एसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भ्रमा था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब, उक्त प्रश्चितिप्रम, की वारा 269-ए हे श्रमुपरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-ए ही उप गरा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों स्थित् :—— (1) श्री नटवरलाल गोपाल भाई पटोल, रामस् भाई गोपाल भाई पटोल, काननु भाई गोपाल भाई पटोल, स्वान पुलिया, बारदोली।

(अन्तरक)

(2) प्रधान रमेश भाई भाला भाई पटोल, दीपनगर, को-ओ-हो.-सोसायिटी, राभवाडी, बारदोली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>श्रर्ज</mark>न के लिए का**र्यवाहियां कर**ता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजेर के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात्र में प्रकाशन की तारांख में 45 दिन की ग्रविध या तरसम्बन्धी अयक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी ग्रविध बाद में समाध्य हीती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजनज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के भव्याय 20-6 में परिभाषित हैं, वही भर्म होगा, जो उन अध्याय ने दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 295 यथानिधि तारीख 16-4-81 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमबाबाद

त्रारीस : 18-12-1981

मोहुर 🙄

श्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 18 विसम्बर 1981

निर्वोध नं. पी. आरं. नं. 1347/एक्वी. /23-11/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं. नं. 277 है तथा जो बादिन्ती मं स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दारदोली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-4-1981

को पूर्वों क्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एोमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती) (अंतरितियों) के बीच एोमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाडिए भा कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) जूलफीकार्सान सरदारसान, बारदोली। (अन्तरक)
- (2) श्री भरत कामार जयिकशनदास पटोल, सोमीबेन जयिकशन दास पटोल, निरनजन भरतेकामार पटोल, बारदोली। (अन्तरिती)

का यह सूचना आरो करके पृथाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

त्यत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का; जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एस. नं. 277, यथाविधि तारीख 23-4-81 मं रजिस्टी की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजिनार, अहमवाबाद

तारीख : 18-12-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-११, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निर्वोश नं पी आर. नं 1348/एक्वी /23-11/81-82—अतः मुफ्ते, जी सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी मं. मी. एस. नं. 5501 है तथा जो बारदोली

और जिसकी सं सी एस नं 5501 है तथा जो बारदाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय बारदाली में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-4-1981

को पूर्वो बत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एमें हर्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का निम्नितिष्ति उद्देश्य सं उवत अन्तरण निम्नितिष्ति नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धन-कर अधिनियभ, या धन-कर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित, अधिनतयों अर्थात्ः

- (1) श्री हारजीभाई छोटाभाई पटेल, बारदाली। (अन्तरक)
- (2) श्री जूलफीकार्खान संस्दारखान, बारदोली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भोत्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सी. एस. नं. 5501, बारदाली यथाविधि तारील 23-4-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे, अक्षमदाबाद

तारींख : 18-12-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन स्चना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय**क्**त (निरीक्षण),

अर्जन रॉज-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निर्द्श नं. पी. आर. नं. 1340/एकवी/23-11/81-82—अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग, आयक्तर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये ते अधिक है

और जिसकी मं. एस. नं. 240, सी. एस. नं. 241 है तथा जो बील्लीमोरा में स्थित हैं (और इमस उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गानदेवी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18-4-1981

(1908 का 16) के अधीन, 18-4-1981 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती अन्तरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) वस्तरण में रा फिसी पाल में बाबत उक्त प्रिष्ट-नियम के गंधीन कर देने के अन्तरक के बाबिस्त में कमी करने या जसमे बचने में मृतिधा के लिए; श्रीर/गः
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय गाय-कर श्रिधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत तही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत' अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नीलीचित स्वीस्तर्भों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती वाजपे, नारीमान सोरावणी का विधवा, वासावा, बुनेदर रोड, विल्लीमोरा।

(अन्तरक)

(2) श्री वाबुभाई मेनकाभाई मानडल, कालीदास मेनका भाई मानडल, ईशद भाई मेनकाभाई मानडल, नवापुरा, महोला, बिल्लीमोरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पुर्जीक्य सम्मति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियों करला हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्वष्टीकरण :--इसम प्रयुका शब्दों और पटो का, तो उस्त धाध-नियम, के अध्याय 20क म परिभाषित् है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो एसं. नं. 240 और सी. एसं. नं. 241, यथाविधि तारील 18-4-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी .सी .गर्ग सक्षम प्रा**भिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, अहमदाबाद

तारील : 18-12-19**8**"

प्रस्प आह^र. टी एन्. एस.-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। . 269व(1) के भ्रमीन स्वका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1350/एकवी/23-11/81-82-- अतः मूक्ते, जी सी गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितिमम्' सहा गया है), की धारा 269-व के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्वावर मन्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- वपये से अधिक है और जिसकी सं. सी. एस. नं. 3121 है तथा जो दोसरा, बिल्लीमोरा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय गानदेवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-4-1981 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफर के किए घन्तरित की वर्ष है बीच मुक्के यह विश्वास करने का कारन है कि धवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मध्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रप्त प्रतिशत से अधिक है और मेन्तरक (मन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियौँ) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया पित्र फल निम्नसिबित उनेश्य से उन्त बन्तरण सिबित में शास्त्रविक मप से कचित नहीं किया गवा है। ---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी ग्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिखा भौग/रा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अध्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वासी प्रमाशी नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथें प्रश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए का, खिवाने में मुखिधा के किए;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, धनत अधिनियम की धारा 269-व की उपदारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रयंत् '-- (1) श्री सुधाबन दिनकराई दोसाई, महाँदोबनगर, बिल्लीमोरा।

(अन्तरक)

(2) -मोहमद इकबाल राम्लमीया शेख, बिल्लीमोरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना कें राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति में हितकद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अब होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो दोसेरा, सी. एस. नं. 3121 यथाविधि तारील 7-4-1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी सी नगर्म सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।।, अहमदाबाव

त्रारीख : 18-12-1981

अरूप **मार्:**. टी. एन्. एस.-----

आफ्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 18 दिसम्बर 1981

निर्षोश नं. पी. आर. नं. 1351/एकवी/23-।।/81-82--अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / - रत. से अधिक हैं और जिसकी सं. सी. एस. नं. 281, 282, 283, 284, 285, 286, 287, 288, 289, 290 है तथा जो से स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय गानदोवी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 20-4-1981 की पुर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाएसेंक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्थ, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक **रू**प से कथित न**ह**ि किया गया **ह**ै:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, वा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 19--426GI/81

- (1) श्री नाजमे, नरीमान सोराबजी की विधवा, वासारीया भुनदेर रोड, बिल्लीमोरा। (अन्तरक)
- (2) श्री बाबू भाई बेनका भाई तानक्रेल, कालीवास बेनका भाई तानज्ञेल, ईश्वरलाल बेनका भाई तानज्ञेल, नवापुरा, महाेलो, बिल्लीमोरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिफ्त- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उपक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

मिलकत जो सी. एस. नं. 281-290 यथाविधि तारीस 20-4-1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-१।, अहमबाबाद

तारीख : 18-12-1981

मोहर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आभक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) की धार। 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

्निदोष् नं पी. आर. नं. 1519/एक्सीः/23-।/81-82—-अर्वः मुक्ते, जी. सी. गर्गः,

श्रायकर श्रिष्ठनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्वात 'उन्त पिधितियम' कहा गया है), की आरा 269-ज़ के प्रधीत सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर पस्पति, जिसका उचित्र बाजार मृल्य 25,000/- इपये प्रप्रधिक है

और जिसकी सं प्लाट नं 2-ए और 7 ही तथा जो काण्डला से स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनजार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए पन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त पम्पत्ति ए उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रनिरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ये उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक का य किंग नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त श्रधिः नियम के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिन्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1932 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर सिधिनियम, या धनकर सिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिती होरा प्रकट नहीं किए स्था या या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अनु-मरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-व की उपद्यार। (1) के श्रमीन, निम्निक्षिति व्यक्तिओं,ग्रर्थात्।⊶– (1) दोलकण इजीनियरिंग कम्पनी लिभिटोड, बल्लभ-विधयानगर (गुजरात)।

(अन्तरक)

(2) हिन्दूस्तान कण्डक्टर्स प्राईवेट लिमिटेड, 24, ब्रेलवी सैयद अबदुल्ला रोड, बाम्बे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्ज। के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नाभील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी यन्य व्यक्ति तारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदशिकरण:---- इनमें प्रकृत गब्दों थ्रीर नदीं हा, जो उनत स्रिधिः नियम के श्रष्टग्राग 20- हु में परिभाषित **है,** वहीं यथै होगा, जा उन श्रष्टग्राग में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान प्लाट नं. 2-ए और 7 काण्डला में स्थित है। जिसका माप समचोरस वार 1000+1070 है। जो सम्पूर्ण विणित पर अनजार सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में रिजस्ट्रों की 684-65, 866-67 तारीख 29-4-1981 में रिजस्ट्रों की गयी है।

जी . सी . गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-। , अहमदाबाद

तारील: 23-12-1981

मोहर 🖫

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 23 दिसम्बर 1981

निविशे नं पी. आर. नं 1518/एक्बी./23-ा/81-82--अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग,

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रण्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम पायिकारी को यह विष्यास करने का कारण है ि स्थावर संपत्ति जियाता उचित्र गाजा प्रमूख 25,000/- ६० े. अजिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 47, 52, 53, संकटर 2 और प्लाट नं. 2-ए और 7 है, तथा जो गांधीदाम और काण्डला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनजार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

पूर्वांग्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रम्लरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंग्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधि है शीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) े बीच ऐसे प्रन्तरण है लिए ता पाया गया प्रति-कृत निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य सक्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर वेने के अस्तरण के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी ब्रांस या किसी घन या भन्य आस्तियों की, फिन्हें भारतीय ब्रांसिकर ग्रंथिनियम, 1922 (1922 हा 11) या उन्त श्रंथिनियम, या धन-कर श्रंषिनियम, 1957 (1957 का 27) ज प्रयोजनाचे प्राप्तिति वारा पकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, खियाने भें मुविसा है। जिस्

अतः, भ्रम, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269ना के अनुसरण में, में, खनत श्रधिनियम की धारा 269-घ को उपघारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियो प्रशीह:--- (1) रोलकण इजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेंड, बल्लभ-विधयानगर।, गुजराहा

(अन्तरक)

(2) हिन्दास्तान कण्डक्टर्स प्राइविट लिमिटोड, 24, बुलिवी सैयद अबदाल्ला रोड, बाम्बे। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स**म्प**त्ति के श्र**जं**न के लिए कार्यवाहिया शुरु करता है।

जनत सम्पत्ति के ग्राजीन के सम्बन्ध में कोई भी धारीप:---

- (ः) इत प्रवात के राजात में प्रकाशन की तारील ने 45 दित का प्रविधि मा तरसम्बन्धों व्यक्तियों पर श्रूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होता हो. के भीतर प्रवेतित व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप स्वना के राजपव में प्रकाणन की तारीख म 45 दिन के शीवर उक्त स्थावर सराचि में हिंद्य-बद्ध किसी श्रेट्य काकित द्वारा भ्रधीहरूताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमं प्रयुक्त णब्दों श्रोर पदों का, जा उक्त श्रिविनयम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो प्लाट नं . 47, 52, 53, सैक्टर, 2 और गांधीदाम जिसका भाष समचोरस बार 1073—-66 - 1066 . 44 + 1068 . 33 विकीखत पर सम्पूर्ण वर्णित पर रिजस्ट्रोशन नं . 857-858, 860-81, 862-63 तारील 29-4-1981 में रिजस्ट्रो की गयी है।

> जो सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॅज-१।, अक्ष्मदाबाद

तारील : 23-12-1981

मोहर ः

प्ररूप धाई। डी। एन। एस।----

आयकर अधिनियम 1961 (1961) का 43) की धारा

289-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कायीलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्सा

कलकत्ता, विनांक 8 विसम्बर 1981

निद^नश स. 971/अर्जन आर.-।।।/81~82——यतः मुक्ते, आर्ह्नः वी. एस. जुनेजा,

पायकर श्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने दनमें इसके पश्चात् 'खका प्रधिनियम' कहा गया है), को बारा 269-को प्रजीत सजस नाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रूपए से श्रीधक है

और जिसकी सं 82 है तथा जो शरतबोस रोड, कलकरता में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकरता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यणान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान रितफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरह (पन्तरहों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के भीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित खेश्य से उका प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; भौर/या
- ऐसी तिसी प्राय मा किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रक्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, प्रवंत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, उच्त प्रश्नित्यम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, व्यक्ति :--

(1) श्रीमती निमता पिनटो।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलपना बिपिन क्यार गागलानी

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के अर्जन के भम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबढ़ किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपब्दोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, ना उस अध्याय में दिया मया है।

भनुसुची

82, शरत बांस रोड, कलकत्ता। 1िबधा-2 कणे जिमन पर मकान। 1/10 शोयार बिलल सं.-3301

आर्ह्र वी. एस. जुनेजा सक्षम प्रापिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारीस 8-12-1981 मोहर : प्रकृष साध्व टी • एन • एस •----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकरता, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निवर्षेश मं. 972/अर्जन आर. -।।।/81-82--यतः मूक्ते, आर्द्धः सी. एस. जूनेजा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन मक्षम प्राधिकारों हो, यह विश्वास करने सा कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उकित वाजार भूट्य 25,000/- इ. से अधिक है

और जिसकी सं 82 है तथा जो शरतबोस रोड, कलकता में स्थित है (और इसरो उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्द्री- करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-1981

को पृथिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रकारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रकारक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रकारण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत छक्त अग्नियम के पधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा े लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म के मनुसरण में, पें, जबत अधिनियम की पश्रा 269-घ की जयशारा (1) के अपीत निम्नलिक्षित व्यक्तियमें अधितः (1) निमता पिनटो।

(अन्सरक)

(2) श्रीमती रनजना वासमुंखराय गागलानी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की प्रविधे, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति वार होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर संपत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंदे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

82, शरत बोस रोड, कलकत्सा। 1विधा-2 कोर्ण जिमन पर मकान। (1/10 शेयार) देलिल सं. 3300।

> आर्धः वीः एसः ज्नेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।।, कलकत्ता-16

तारीख: 8-12-1981

मोहर ः

प्ररूप आहाँ, टौ. एन्. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकरता

कलकरता, दिनांक 8 विसम्बर 1981

निर्वेश सं. एक्वी./र्रज-१।1/80-81/974---यतः मूक्ते, आई वी. एस. जुनेजा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 40 है तथा जो एस पी भ्यकी रोड, कलकता में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुद्दं किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिख; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किपाने में युचिना के सिए;

ग्रत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के वधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री लोक नाथ साहा

(अन्तरक)

(2) हरिनिरमान प्रा. लि.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीक रणः - इसमें प्रयुक्त कार्क्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

40 एस. पी. मुसर्जी रोड कलकत्ता में अवस्थित मकान का 1/2 हिस्सा जी. 13-4-81 तारीस से सब रिजस्ट्रार आफ एय-सुरन्स का दफ्तर में डीड नं. 4701 पी. अनुसार रिजस्ट्री हुआ।

आई वी. एस. जूनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-१११, कलकत्ता-16

तारील 8-12-1981 मोहर ः। प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।।।, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. एक्वी. /रीज-।।।/975--यतः म्फे, आर्दः वी. एस. जनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 40 ही तथा जो एस. पी. मुसर्जी रोड, कल-कत्ता में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अन्यूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकरता मों रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-4-1981

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफेल के अंतरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कि थित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (श्रा) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री हरिपद साहा

(अन्सरक)

(2) हरि निरमान प्रा. लि.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क रता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौंका, जो उक्त -अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40 एस पी मुखर्जी रोड, कलकत्ता में अब स्थित 8 कट्टा 4 छटाक 16 वर्ग फिट, जिमन पर मकान का 1/2 हिस्सा जो 4688 पी डीह नं. अनुसार 13-4-1981 तारील रजिस्दी हाआ।

> आर्द्ध, बी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।।, कलकत्ता-16

तारीख : 8-12-1981

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. ए. सी. /र्रोज ।।।/81-82/975---यतः मुफ्ते,आर्द्धवी. एस. जुनेजा, *आयकः*र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इ**समें इसिक पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार **मृ**ल्य 25,000∕- रुपए से अभिक हैं और जिसकी सं. 40 है तथा जो एस. पी. मूखर्णी रोड कल. मों स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अन्यूची मों और पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कुल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 13-4-1981 को पूर्वोक्त गंपरित के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सृषिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जुभीन निम्नलिखित अधिनतमाँ वृष्टि :—

(1) गोपाल चन्द्र साहा ।

(अन्तरक)

(2) हरि निर्माण प्रा. लि.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए एतदब्वारा कार्यधाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोह स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40 एस. पी. मूखर्जी रोड कल. में अबस्थित 8 कट्टा 2 छटाक 20 वर्ग फिट जमीन पर मकान वा साउदिन परिसर जो 13-4-1981 तारोख में डीड नं. 4704 के अनुमार सब रिजिस्ट्री आफ एयस्रोन्स का दफ्तर में रिजिस्ट्री हाआ।

आर्द्ध ती. एस. जनजा संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 54, रफीअहमद किदबार्द्ध रोड, अर्जन रॉज-111, कलकत्ता-16

तारीक्ष 8-12-1981 मो**हर** 🛭 प्ररूप बाहें, दी, प्न, प्स.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 8 विसम्बर 1981

निर्दोश स. ए. सी. रॉज ।।। $^{/}80-81/977$ —यतः मुक्ते, आई वी. एस. जुनेजा, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. 40 है तथा जो एस. पी. मुसर्जी रोड कल. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1981 को पूर्विक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य से कम के इज्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुभ्ने यह विश्वास **करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संप**रित का उचित बाजार मुल्य, उसके दरयप्तान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अन्तरिधियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गाया गया प्रति-कल निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

🐺प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अरने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी भन वा अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आमकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में ग्विधा के निए;

अतः अब जनतः अधिनियम की धारा 269 ग के अनुकरण मों, मौं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलियित व्यक्तियों अर्थात् :----20 - 426G1/81 (1) श्री गोपाल चन्द्र साहा।

(अन्तरक)

(2) श्री हरि निर्मान प्रा. लि.।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थ्यकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसतु अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

40 एस . पी. मूलर्जी रोड कलकत्ता में 8 कट्ठा 4 छटाक 16 हर्ग फिट जमीन पर मकान का 1/2 आधा हिस्सा जो डीड न . 4703 पी. अनुसार रिजस्ट्रार आफ एयस्रेन्स का दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

आई वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 54, रफीअहमद कियवाई २ डि, अर्जन रंज-।।।, कलकत्ता-16

तारीस 8-12-1981 मोहर ः

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

भागकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, विनांक 10 विसम्बर 1981

निवर्षेश सः एः सीः/रॉज ।।। /80-81/978---यत्ः मृक्ते, भार्षे वीः एसः जुनेजा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

और जिसकी सं. 40 है तथा जो एस. पी. मुखर्जी रोड कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1981

को पूर्वोक्त सम्मति के उच्चित बाजार मूल्य में कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वाम करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर्श प्रतिगा से यिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्ण के लिए सय पाया गया प्रतिकान, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्यिक कर से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) पन्तरण में तुई किसी भ्रायः की बाबत उक्त श्रीविष्यम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ मन्तरिती अरा प्रकट नहीं किया गया का या किया आता चाहिए था जियाने में सुविधा के लिए।

अतः धव, उकत अधिनियम की धारा 269भा के बनसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269भा की उपकार (1) हे धकीन निग्निजिबिन व्यक्तिमों, अर्थात :---

(1) श्री निश्चिल कुमार साहा

(अम्तरक)

(2) हरि निरमान प्राइवेट लि.

(अन्तरिती)

को यह पूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां चरता हूं।

एक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्न या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध्न बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेंने।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोंका, जो 'खक्त ब्राजि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वही प्रत्रे होगा, जो उस जब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40 एस. पी. मुखर्जी रोड कलकत्ता मे अबस्थित 8 कट्ठा 4 छटाक 16 वर्ग फिट जमिन पर मकान का 1/12 हिस्सा मी. 4702 पी. डीड नं. के अनुसार 13-4-81 तारीख में रिजिस्ट्री हुआ।

आई थी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) 54, रफीअहमद किदवाई राडे, अर्जन रोज्-।।।, कलकत्ता-16

तारीस 8-12-1981 मोहर : प्रकष् बाह्र , दी , एवं , एस् ;-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के स्थीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रीज, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. अर्थन आर.-।।।/कल./80-81/979---यतः मुभ्ने, आई. यी. एस. जुनेजा, आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें

इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 40 है तथा जो एस. पी. मृसर्जी रोड, कलकत्ता में सिथ्द है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यासय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथा ग्या हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बुचने में सुविभा के लिए; और््या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, जैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपुधारा (1) वे क्षीन, निम्हीसचित न्युनित्मों, क्षीत् :-- 1. श्री अमुरन्त्र नाथ साहा

(अन्तरक)

2. हरि निरमान प्राइवेट लि.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

40 एस. पी. मृखुर्जी रोड, कलकत्ता में अवस्थित, 8 कट्टा 4 छटाक, 16 वर्ग फिट, जमीन पर मकान का 1/12 हिस्सा जो डीड नं. 4700 अनुसार 13-4-81 सार्येख में रिजस्ट्री हुआ।

> आहैं नी ह एस् जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 54, रफीअहमव किदवाई रोड, वर्जन रोज-।।।, कलकत्ता

तारीस : 8-12**-**1981

मोहरु 📜

प्ररूप बार्ड, टी. पुन्. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. अर्जन आर. -।।।/81-82/980---यतः मुक्ते, आई. वी. एस. जूनेजा, मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रत्पए से अधिक हैं।

और जिसकी सं. 36ए हैं तथा जो एस. पी. मुखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1981

को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औष-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसले बचने में सुविधा के लिये और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोद्धतार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं थिएपा गया भा दा किया जाना साहिए था, धिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—⊶ 1. श्री गोपाल चन्द्र साहा

(अन्तरितो)

2. धृनपत रार्इ कानाईलाल कारणाणी ट्रास्ट। (अन्तरक)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 हिं की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की जबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास निवित में किए वा सकींगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय में दिया गया है।

अनसची

36-ए. एस. पी. मुखर्जी रोड, कलकत्ता में अवस्थित 8 छटाक, 34 वर्ग फिट, अविभक्त जमीन जो 15-4-81 तारीख में सब-रिजस्टार आफ एयस्ररेन्स का दफ्तर में रिजस्ट्री हजा।

आई. वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) 54, रफीबहेमद किदवाई रोड, अर्जन रेज्-।।।, कलकत्ता

तारीख : 8-12-1981

मोहर :

प्रस्प । इ. टी, एनं. एसं. -----

बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकंर आंयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन र¹ज , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1981

निर्दोश सं. अर्जन आर.-।।/80-81/982---यतः मुक्ते, आर्घः वी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 36ए हैं तथा जो एस. पी. मूखर्जी रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1981

करें प्वांक्त तंपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वृष्ते में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, िष्नृहुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मितिष्त व्यक्तियों, अर्थात् ६——

1: श्री लीकनाथ साहा

(अन्तरक)

2. धनपत राई कानाई लाल कारणाणी ट्रास्ट। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

उक्क सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

36-ए. एस. पी. मृखर्जी रोड, केलकत्ता में अवस्थित 8 कट्टा, 34 वर्गीफट, जमीन पर अविभक्त जमीन का 1/12 हिस्सा जो 15-4-81 तारील में डीड ने. 4747 पी अनुसार सब रिजस्टार आफ एयसूरेन्स केलकत्ता का दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ।

आर्ड. यी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 54, रफीअहमद किदवार्ड रोड, अर्जन रज-111, कल्कता

तारीख : 8-12-1981

मोहरू 🖫

प्रकप चाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आय कर श्रिष्ठितियम, 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रज-।।।, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निर्दोश नं. 989/अर्जन आर.-।।।/81-82---यतः मृभ्हे, आर्हे. वी. एस. जूनेजा,

भाय कर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अवात तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है

और जिसकी सं. 38 है तथा जो पूर्णवास रोड, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रस्तरियों) के बीच ऐसे प्रन्तरिय के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खड़ेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित वहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रश्चिक नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्य में कभी करने या जनसे वचने में युविधा के लिए। भौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः भ्रम, उपत मभिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, भैं, उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातु:— 1. श्री आशुतोश भट्टाचाणी और दूसरी।

(अन्तर्क)

2. श्री थापि दत्त और समीर कुमार घटक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्मत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त श्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा बचोहस्ताखरी के वास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरका---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्दो का, जो उक्त प्रजि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

जन सची

38, पूर्णवास रांड, कलकत्ता, 7 कट्टा-9 छटांक-12 वर्गफिट जमीन पर मकान्, दलिल् सं. 4700 ।

आई. वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 54, रफीसहमूद किदवाई रोड, सुर्जन रोजू-।।।, कलकत्ता-16

सारी**स** : 9-12-1981

मोहर 🚁

प्रकप आई • टी • एम • एस००---

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को भभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्कत (निरीक्षण)

अर्जन राज-।।।, कलकसा

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1981

निष्टेंश नं. 991/अर्जन आर.-।।।/81-82--यतः मुफे, आई. वी. एस. जूनेजा, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 114/5 है तथा जो दाजरा रोड, कलकता और 6, जेड भट्टाचार्य लेन, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 1-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का सम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक के हुई किसी आय की बाबत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सृतिभा के लिए और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के, अनुसरण में, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-णं की उपभारा (1) को अधीन निम्नसिचित व्यक्तियों अधीत् :-- 1. श्री सपन कुमार पाल

(अन्तरक)

2. एस. एम. प्रोपारटिस (प.) लि.

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ।

जिथितियम के जध्याय 20-क में परिभाषितः
है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया
गया है।

अनस्ची

114/5, दाजरा रोड, कलकत्ता, और 6 जद्द भट्टाचार्य लेंग, कलकत्ता, दलिल सं. 28191

आई. वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 54, रफीअहमद किदवाई रोड, अर्जन रेज-।।।, कलकत्ता-16

तारीब : 9-12-1981

मोहर :

प्ररूप आहें .टी. एन्. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 विसम्बर 1981

निर्दोश सं. 992/एक्यीः /आर-।।।/80-81—यतः मृभ्के, आर्ह्यः वी. एसः जुनेजा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 11 बी है तथा ओ एस. जार. वास रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाधवध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,

तारीक अप्रैल 1981 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रीतकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिसित उस्टोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अरुग आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुसिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीतः— (1) श्री सनतीय कामार वतत ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कलपना घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिहित में किए जा सकोंगे।

स्पत्किरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमृसूची

प्लाट सं.-11 बी, एस. आर. दास राड, कलकत्सा। 4क. 1 छटाक.-20 वर्ग फुट जमीन पर मकान।

> आई. वी. एस. जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।।।, कलकरता-16

तारील : 14-12-81

मोहर ः

प्रस्थ जाई. टी. ऐन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

1 潮。

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कलकत्सा

कलकत्ता, दिनांक 17 दिसम्बर्र 1981

निवर्षा सं. 986/एक्की./ब्रार-।।1/81-82--यतः मुक्ते, आर्थं सी. एसं. ज्नेजा,

नायकर मिर्भनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विवेवास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रो. से अधिक है

और जिसकी सं. 274 हैं तथा जो नैताओं सुभाव चन्द्र बोस रोड, कलकरता में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आसीपूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीच 6-4-1981

कों पूर्वेक्सि संपिति के उचित बाजार मूच्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रति-शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ;——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, जर्थात् :--21—426GI/81

(1) श्रीमती सुरवाला दीवी मुखजी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरांद बासिनी भट्टाचाजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूंचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के की 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पीस निकास में किए जो सकोंगे।

स्यक्किकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जा उसत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, बही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया हैं।

दल्स्ची

274, नेताजी सूभाष चन्द्र बोस हाड, कलकल्ला 7क. 3 छटाक जमीन पर मकान ।

> आर्द्रः वी. एस. ज्नेजा समक्ष प्राध्कारी सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण) अर्जन रोज ।।।, कलकस्ता-16

तारीब : 17-12-81

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकरता, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्वोश सं. 987/एक्बी./आर-।।।/81-82---यतः म्फे, **नार्व.** वी. एस. जुनेजा,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 274 है तथा जो नेताजी सुभाष चंद्र वोस रांड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-4-1981

को पूर्वों क्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पल्लाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के मुभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-~ (1) श्रीमती स्रवाला देवी मुसाजी

(अन्तरक)

(2) श्री प्रभात कुमार भटाचाजी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति है।
- (त) इसु सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

जनुसूची

274, नेताजी सूभाष चन्द्र बोस राड, कलकस्ता। 6क.-8 छटाक, जमीन पर मकान।

आई. वी. एस. चुनेजा समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज ।।।, कलकत्सा-16

तारी**ब** : 17-12-81

मोहर:

प्रकृष् वाद^क् द<u>ी.</u> पुत्रु पुत्र_ु------

भागकर नृष्ितियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन्रज, कल्कत्ता

कस्कत्ता, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निवर्ष सं. 988/एक्बी./आर-।।।/81-82---यतः सुक्ते, शर्के ती. एसं अन्तेषा

आर्द्रवी. एस. जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काड़ कही कि स्थावर संप्रित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो 27, लेक रांड और 92, लेक मिड रांड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-4-1981

को पृत्रों कर संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) जन्त्रण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-शियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के लिये; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती किरन कुमारी सातेर

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता गायेनका

(अन्त<u>िर</u>ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- अव्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्यव्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अमुस्ची

27 लेक रोड और 92 लेक मिड रोड, कलकत्ता पर 5क,-2 छटाक. 40 वर्गमीटर जमीन। दलिल सं. 3267।

> आर्ह वी. एस. जुनेजा समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज ।।।, कलकृत्ता-16

अतः अयः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियों अधीत् :--

तारीब : 17-12-81

मोहर :

प्रकप धाई० ठी७ एन० एत०---

भ्रात्यकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के अधीन सुवका

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 17 दिसम्बर 1981

निर्देश सं. 990/एक्बी. 'आरं १।। /81-82--यतः मूर्फे, भार्कः थी. एस. जुनेजा,

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका छविस वाजार मूस्य 25,000/- रूट. से अधिक है

और जिसकी सं. 58/14/8 हैं तथा जो प्रीन्स आनअयार हा रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारील 20-4-1981

को पूर्वोपत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान बाति फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्त सम्पत्ति का खिलत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरिती (धन्तिस्तिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से खन्त अन्तरण निज्जित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क्त) अन्तरगसे तुई किसो आय की यात्रत उपत आश्चिक नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दाधिस्थ में कमी करने या उससे यजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रम्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर धिध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अस्त चाहिए वा, स्त्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिलु व्यक्तित्यों अमृत्धिः-- भीमती-क लेक बौधकी।

(नन्तरक)

(2) श्री विहासी लाल दागा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंतित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां सुरू करका हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्वन के संबंध में कोई भी आक्षेप 1----

- (क) इस सूचना के राजाब में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना को तान्मीन से 30 दिन की अविध्य, को भी अविध्य बाद में समान्त होती हो, के जीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से
 45 जिन के भीतर जनत स्थानर संपद्धि में
 हितकत किसी भन्य स्थनित द्वारा, आयोहस्तालकी
 के पास निकाद में निष् का सकेंगे।

स्पन्धीचरण :-- इसर्ने प्रयुक्त सन्दों और पन्ने का जो खन्त अधिनियम के सन्दाय 20-क हैंने परिमाधित हैं, वही नयें होगा, जो सस अन्याय में दिया गया है।

अमसची

58/14/8, प्रीन्स आमध्ययार शारोड, कलकत्ता। 5 क-2 छटाक.-10 वर्गफट जमीन पर मकान।

> आर्दः वी. एस. जुनेजा समक्ष प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन् रोज् ।।।, कलकत्सा-16

धारींच : 17-12**-8**1

मोहर:

संघ लोक सेवा ग्रायोग नोटिस

स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिसेज परीक्षा, 1982 नई दिल्ली, दिमांक 23 जनवरी, 1982

सं० एफ० 5/1/81 प० I (ख)—भारत के राजपल विनाक 23 जनवरी, 1982 में रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) द्वारा प्रकाशित नियमों के प्रनुसार यांत्रिक इंजीनियरी की भारतीय रेल सेवा में स्पेशल क्लास धर्मेंटिस के पदों पर नियुक्ति हेतु अयन के लिए संघ लोक सेवा प्रायोग द्वारा ध्रगरतल्ला, श्रहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), हैवराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लख मऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी, (गोवा), पठना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, सथा त्रिवेन्द्रम में 13 जुलाई, 1982 से एक परीक्ता ली जाएगी।

श्रायोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तमां तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्व के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी प्रायोग परिस्थितिकण किसी उम्मीदवार को प्रपन्ने विवक्षा पर प्रलग केन्द्र दें सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारिणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी व दी जाएगी। (श्रनुबन्ध 1 परा 11 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या 25 है। इस सख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

इन रिक्तियों में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीववारों के लिए शारक्षण मारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जाएगा ।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित धावेदन प्रपन्न पर सचिव, संघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली -110011, को धावेदन करना चाहिए। निर्धारित धावेदन-प्रपन्न सथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण वो रुपए (६० 2) वेकर धायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा धायोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को मनीधार्डर या सचिव, संघ लोक सेवा धायोग, नई विल्ली जनरल डाकचर पर वेध भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीधार्डर/पोस्टल धार्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंग। ये धावेदन-प्रपन्न धायोग के छाउटर पर नकव भूगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। वो स्मए (६० 2/-) की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट: - उम्मीववारों को चेतावनी दी आती है कि वे धपने प्रावेदन-पन्न स्पशल क्लास प्रप्रेंटिस परीक्षा, 1982 के लिए निर्धारित मृतित प्रपन्न में ही प्रस्तुत करें । स्पेसल क्लास रेलवे प्रप्नेंटिसेण परीक्षा, 1982 के लिए निर्धारित झाकेवन प्रपत्नों से इतर प्रपन्नों पर भरे हुए श्रावेदनपत्नों पर किचार नहीं किया जीएगा ।

4. भरा हुआ आवेदन प आवश्यक प्रलेखों के साथ सिजव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली110011 को 22 मार्च, 1982 को या उससे पहले (22 मार्च, 1982) से पहले की किसी तारीख से ध्रसम, मेवालय, ध्रुरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मिणपुर, नागालैंड, विपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, श्रंडमान और निकोधार द्वीप स्हू या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के या जिनके श्रावेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 5 अप्रैल, 1982 तक या उससे पहले डाक द्वारा श्रवस्य भिजवा दिया जाए या स्वयं श्रायोग के काउंटर पर जाकर जमा कर दिया जाए । निर्धारित तारीख के वाद प्राप्त होने वाले किसी भी श्रावेदन-पत्न पर विचार नहीं

किया जाएगा।

ग्रसम, मेघालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालौंड, सिपुरा, सिक्किम, जम्मू और काश्मार राज्य के लहुम्ब प्रभाषा, ग्रंडमान और निकोबार द्वाप समूह या लक्षद्वीप ग्रौर विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से ग्रायोग यदि चा तो इस बात का लिखित प्रमाण-प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि 22 मार्च, 1982 से पहले किसी तारीख से ग्रसम, मेशालय, ग्रहणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू ग्रीर कश्मीर राज्य के लद्दाग प्रभाव, ग्रंडमान कीर निकीवार ग्रीपसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

- टिप्पणी (i) :- जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्र के हैं जहां के रहमें वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु आतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पक्ष के संगत कालम में अपने पतों में आतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेषालय, जम्मू तमा काश्मीर राज्य का लहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यया हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।
- टिप्पणी (ii) :-- उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ग्रपने श्रावेदन-पत्र को स्वयं संघ लोक सेवा ग्रायोग के काउन्टर पर जमा कराएं ग्रथवा रिजस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। श्रायोग के किसी भ्रन्य कर्मचारी को दिए अए ग्रावेदन-पत्नों के लिए श्रायोग उत्तरदायी नहीं होगा।

5 इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीवबारों को चाहिए कि वे भरे हुए ग्रावेदन-पत्न के साथ रु० 36-00 (२० छत्तिस) श्रिनुसुचित जातियों तथा ग्रनुसुचित भ्रादिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए ६० 9.00 (रुपये नौ) का मुख्क जो सिचव, संघ लोक सेवा भ्रायोग को नई दिल्ली प्रधान डाक्कघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल धार्डर के रूप हो या सिचव, संघ लोक भारतीय सेवा भ्रायोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य गाखा, नई विल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी भाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ब्रापट के रूप में हों।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्च श्रायुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी स्थिति हो, के कार्यालय में निर्धारित शुक्क जमा करें। जिससे यह "051 लोक सेवा श्रायोग परीक्षा शुक्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और उसकी रसीद श्रावेदन-पत्न के साथ भेज दें।

जिन श्रावेदन-पतों में यह श्रपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम श्रस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा, जो पैराग्राफ 6 के श्रन्सर्गत निर्धारित गुल्क से छूट चाहते हैं:—

6. श्रायोग, यदि चाहे तो, उस परियित में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब इस बात से संतुष्ट हो कि श्रावेदक या तो 1 जनवरी, 1964 श्रीर 25 मार्च, 1971 की श्रविध में भूतपूर्व पाकिस्तान (श्रव बंगला देश) से भारत श्राया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या वह वर्मा में बास्तविक रूप से प्रत्याविति मूलतः भारतीय व्यक्ति है श्रीर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्याविति मूलतः भारतीय व्यक्ति है श्रीर 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद प्रवजन कर भारत श्राया है या श्रक्तूवर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के श्रधीन श्रीलंका से मूलतः भारतीय व्यक्ति है जिसके प्रवजन करने की संभावना है श्रीर निर्धारित गृहक दे सकने की स्थिति में नहीं है।

7. जिस उम्मीदवार ने निर्घारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे ग्रायोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो, तो उसे रु० 21.00 (रुपये १ क्षकीस) श्रिनुस्चित जातियों भीर श्रनुस्चित जन जातियों के मामले में रु० 5.00 (रुपये पांच)] की राशि वापस कर दी जाएगी। किन्तु यदि नियम 6 के नीचे नोट II की शर्तों के प्रनुसार परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार का मावेषन-पत्र यह सूचना प्राप्त होने पर श्रस्त्रीकार कर दिया जाता है कि यह श्रर्हक परीक्षा में श्रसफल रहा है श्रथवा वह उपयुक्त नोट के उपबन्धों की शर्तों की श्रपेक्षाओं का श्रन्यथा पालन नहीं कर सकेगा तो वह शुल्क वापसी का हकदार नहीं होगा।

उपर्युक्त भीर नीचे पैरा 8 में उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

- 8. यदि कोई उम्मीदवार 1981 में स्पेशल क्लास रेलने अप्रेंटिसच परीक्षा में नैठा है और अब गह इस परीक्षा में प्रवेश हैं और अब गह इस परीक्षा में प्रवेश का इच्छुक हो, तो वह परीक्षा परिणाम का अथवा नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना अपना आवेदन-पन्न निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में प्रस्तुत कर दे। यदि 1 981 के परीक्षा परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु उनकी अनुशंसा हो जाती है, तो 1982 की परीक्षा के लिए उनकी उम्मीदवारी उनके अनुरोध पर रह् कर दी जाएगी और उन्हें परीक्षा शुक्क वापस कर दिया जाएगा, किन्तु शर्त यह है कि उम्मीदवारी रह करने तथा शुक्क वापसी के बारे में उनका अनुरोध आयोग के कार्यालय में 11 जून, 1982 तक अवस्थ पहुंच जाए।
- 9. उम्मीदवार द्वारा श्रपना श्रावेदन पत्न प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापिस लेने के संबंद्ध किसी भी श्रनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा।
- 10. जैसा कि परीक्षा नियमावली के परिणिट I में उल्लिखित परीक्षा योजना में निर्विष्ट किया गया था, सेभी विषयों के प्रश्न-पत्नों में वस्पुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमूने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण सम्बन्धी ब्यौरे के लिए कृपया "उम्मीदवार सूचना विवरणिका" के ग्रनुबन्ध II का श्रवलोकन करें।

विनय भा, संयुक्त सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

श्रनुबन्ध I उम्मीदवारों को श्रनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिये कि वे आवेदन प्रपत्न भरने से पहले नोटिस और नियम ध्यान से पढ़ कर यह वेख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात भी हैं या नहीं। निर्धारित शतों में छुट नहीं दी जा सकती है।

श्रावेदन-पत्न भेजने से पहले उम्मीदवारों को नोटिस के पराग्राफ 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हैं, ग्रांतिम रूप से भून लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परि-वर्तन से सम्बद्ध धनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार प्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु धपने धावेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सिचन, संघ लोक सेवा धायोग, को इस बात का पूरा धौचित्य बताते हुए एक पन्न रिजस्टर्ड डाक से धवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐस ध्रनुरोधों पर गुणवत्ता के धाधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 11 जून, 1982 के बाद प्राप्त ध्रनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। 2. उम्मीदवार को श्रावेदन-पन्न तथा पावती कार्ड अपने हाथ से स्याही से अथवा बाल पाइन्ट पैन से ही भरने चाहिए। श्रधूरा या गलत भरा हुआ श्रावेदन-पन्न श्रस्वीकार किया जाएगा।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि स्रावेदन पत्न भाग्ते समय उन्हें भारतीय श्रंकों में केवल श्रम्तर्राष्ट्रीय रूपों को ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाण-पत्न या उसके समकक्ष प्रमाण-पत्न में जन्म की तारीख हिन्दी श्रंकों में दर्ज है तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर ले कि वे श्रावेदन प्रपक्ष में प्रविष्टि करते समय इसको भारतीय श्रंकों के केवल श्रन्तर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधोनी बरतें कि श्रावेदन पत्न में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट श्रौर सुपाठ्य हों। यदि वे श्रविष्टियां श्रपाठ्य या श्रामक हैं तो उनके निर्वचन में होने वाली श्रांति या संवेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि श्रायोग द्वारा श्रावेदन-पत्न में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्न श्रादि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इसलिए उन्हें श्रावेदन-पत्न सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

सरकारी नौकरी में या सरकारी स्वामित्व वाले श्रौद्योगिक उद्यमों या इस प्रकार के श्रन्य संगठनों या निजी रोजगारों में पहले से काम करने वाले सभी उम्मीदवारों को श्रपने श्रावेदन-पत्न श्रायोग को सीधे भेजने चाहिए। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार श्रपना श्रावेदन-पत्न श्रपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है शौर वह संघ लोक सेवा श्रायोग में देर से पहुंचता है तो भी उस पर विचार नहीं किया जायेगा, भले ही वह नियोक्ता को श्रंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में प्राकिस्मक या वैनिक दर कर्मचारी से इतर स्थायी या श्रस्थायी हैसियत य कार्य प्रभारित कर्मचारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं प्रथमा जो लोक उद्यमों के ग्रधीन सेवारत हैं उन्हें यह परिवचन (ग्रंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने जिखित रूप से ग्रपने कार्यालय/विभाग के ग्रध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए ग्रावेदन किया है।

- उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्न अवश्य भेजने चाहिए:——
 - (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल श्रार्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटिस का पैरा 5)।
 - (ii) श्रायु के प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्न की ग्रभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि।
 - (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट प्राकार (लगभग 5 सें० मी०×७ सें० मी०) के फोटो

- की दो एक जैसी प्रतियां। इनमें से एकप्रति धावेदन-प्रपन्न पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पन्नक पर निर्धारित स्थान पर चिपका दी जानी चाहिए।
- (v) स्कूल और कालेज में उम्मीदवमर के शिक्षण काल का संक्षिप्त विवरण जिसमें उसकी शैक्षिक सणा खेलकूद के संबद्ध सफलताओं का उल्लेख हो तथा जिमे यह स्वयं अपने हाथ से लिखे श्रीर उस पर हस्ताक्षर करे।
- (vi) जहां लागू हो वहां श्रनुसूचित जाति/श्रनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vii) जहां लागू हो वहां श्रायु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पन्न की श्रिभिप्रमाणित/प्रमा-णित प्रतिलिपि। (देखिए, नीचे परा 5 भौर 6)।
- (viii) उपस्थिति पत्नक (भ्रावेदन-पत्न के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुमा।
- (ix) लगभग 11.5 सें० मी०×27.5 सें० मी० आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफ जिन पर श्रापका पता लिखा हो।
- उम्मीदवारों को श्रपने भावेदन-पत्नों के साथ टिप्पणी (i) उपर्युक्त मद (ii), (iii), (vi) तथा (vii) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी है जो सरकार के किसी राज-पत्नित भ्रधिकारी द्वारा प्रमाणित हों। भ्रयवा स्वयं उम्मीदवार द्वारा सही रूप में सत्यापित हों। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परि-णामों के श्राधार पर व्यक्तित्व परीक्षण **हेत** साक्षारकार के लिए म्रर्हता प्राप्त कर **लेते हैं** लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के घोषित किए जाने के यरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्नों की मूल प्रतियां प्रस्तुत होंगी । लिखित परीक्षा के परिणाम सि**तम्बर**, 1982 महीने में घोषित किए जाने संभावना है। उम्मीदवारों को **इस प्रमाण-**पन्नों को व्यक्तित्व परीक्षण के <mark>समय प्रस्तूत</mark> करने हेतु सैयार रखना चाहिए। जो अम्मीद-वार उस समय भ्रपेक्षित प्रमाण-पन्नों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रह कर दी जायेगी भीर भ्रागे विचार के लिए जम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।
- टिप्पणी (ii) श्रावेदन पत्नों के साथ भंजी गई सभी प्रमाण-पत्नों की श्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर

उम्मीदवार को हस्साक्षर करने होंगे ग्रौर तारीख भी देनी होगी।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण मीचे दिए गए हैं और मद (vi) श्रौर (vii) में उल्लि-खिल प्रलखों का विवरण पैरा 4, 5 श्रौर 6 में दिया गया है।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल श्रार्डर :--

> प्रत्येक पोस्टल ग्रार्डर ग्रनिवार्यतः रेखांकित किया जाए तथा उस पर "सचिव संघ लोक सेवा ग्रायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय" लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकचर पर देय पोस्टल म्रार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल भ्रार्डर भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

सभी पोस्टल श्रार्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर ग्रौर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह भ्रवस्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल भ्रार्डर न तो रेखांकित किए गए हों, श्रौर न ही सिवा, संघ लोक सेवा श्रायोग को नई दिल्ली के जनरल डाक्यर पर देय हों उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित गुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट: बैंक ड्राफ्ट, स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और सचिव, सघ लोक सेवा आयोग की स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा नई दिल्ली में देख हो तथा विधिवत रेखांकित किया गया हो।

किसी श्रन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

- टिप्पणी: -- उम्मीदवारों को अपने ब्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ग्रोर सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल ग्रार्डरों के मामले में उम्मीदवारों को पोस्टल ग्रार्डर के पिछली ग्रोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।
- (ii) ग्रायु का प्रमाण-पत्र—ग्रायोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैद्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैद्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैद्रिकुलेटरों के रिजस्टर में दर्ज की गई हो और यह उद्धरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हों, जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुका है, बह उच्चतर मा माध्यमिक परीक्षा या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न की ग्रिभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

झायु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्मकुंडली, शपथ-पद्ग, नगर निगम से भौर सेवा श्रिभिलेंख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी उद्धरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

श्रनुदेशों के इस भाग में श्राए हुए मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीका प्रमाण पन्न, वास्यांश के श्रन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक भ्रमाण-पन्न सम्मिलित है।

कभी-कभी मैद्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न में जग्म की तारीख नहीं होती या श्रायु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष श्रौर महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैद्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के श्रतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिन्सिपल से लिए गए प्रमाण-पन्न की एक श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसमे मैद्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीणं की हो। इस प्रमाण-पन्न में उस संस्था के दाखिला रिजस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक श्रायु लिखी होनी चाहिए। उम्मीखवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि श्रावेदन पन्न के साथ इन श्रनुदेशों में यथा निर्धा-रित श्रायु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो श्रावेदन पन्न श्रस्वीकार किया जा सकता है।

टिप्पणी I: जिस उम्मीदबार के पास पढ़ाई पूरी करने के बाद प्राप्त माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पन्न हो, उसे केवल ग्रायु से सम्बद्ध प्रविष्टि बाले पृष्ठ की ग्रिभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

टिप्पणी II: उम्मीदवार यह ध्यान में रखें कि झायोग उम्मीदवार की जन्म की उसी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि ब्रावेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्टिकुलेशन/ उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है झौर इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी प्रमुरोंघ पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी III: उम्मीववार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने भौर भ्रायोग द्वारा उसे भ्रपणे श्रिभिक्षेत्र में दर्ज कर छेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की भ्रमुमित नहीं दी जामेगी।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पन्न : उम्मीदवार की किसी प्रमाण-पन्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 6 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण पन्न उस प्राधिकारी (प्रथित् विश्व-विद्यालय या ग्रन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसमे उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पन्न की ग्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीववार को उसे न भेजने का कारण बताना चाहिए ग्रीर ग्रपेक्षित

योग्यता से सम्बद्ध अपने दावे के समर्थन में कोई अन्य प्रमाण प्रस्तुत करना चाहिए। भ्रायोग इस प्रमाण के भी-भिरय पर विचार करेगा, किन्तु यह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

यदि उम्मीदवार द्वारा भपनी गैक्षिक योग्यताम्रों के समर्थन में प्रस्तुत किए गए विश्वविद्यालय के इण्टरमीडिएट या कोई भ्रन्य भ्रहेंक परीक्षा पास करने के प्रमाण पत्न में सभी उत्तीर्ण विषयों का उल्लेख नहीं है तो उसे प्रिसिपल के इस ग्राणय के प्रमाण-पत्न की ग्रमिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तृत करनी चाहिए कि उसने भ्रहेंक परीक्षा गणित के साथ-साथ भौतिकी धीर रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय लेकर उत्तीर्ण की है।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 (ग) या नियम 6 (च) लागु होता हो तो उसे श्रपनी शैक्षिक योग्यताश्रों के प्रमाण स्वरूप सम्बद्ध विद्यालय के रजिस्टार/कालेंज के प्रिसिपल/ संस्था के भ्रष्टयक्ष से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म में दिए गए प्रमाण-पत्न की प्रतिलिपि श्रवश्य प्रस्तुत करनी चाहिए। उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्न का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती /कुमारी* ---------इस विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था के/की बास्तविक छात्र/छात्रा 🕈 हैं/थे/थी।

 उन्होंने त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा/पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद् की ग्रामीण सेवाम्रों में विवर्षीय डिप्लोमा कोर्ष की प्रथम परीक्षा जो----को समाप्त हुई, उत्तीर्ण कर ली ग्रीर उन्हें प्रथम वर्ष के लिये निर्धारित विषयों में से किसी में भी फिर से परीक्षा में नहीं बैठना है।

ग्रथवा

संचालित ज्ञिवर्धीय डिग्री कोसं की प्रथम/द्वितीय वर्षे की परीक्षा/ *पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स की प्रथम वर्ष की परीक्षा-----

-----श्रेणी में उसीर्ण कर ली है।

- *3. उनके परीक्षा विषय निम्नलिखित थे:—
- 1.
- 2.
- 3.
- 4.
- 5.

22-426GI/81

*पंचवर्षीय इंजीनियरी डिग्री कोर्स के विद्यार्थियों पर लागु नहीं होगा।

> (रजिस्टार/प्रिसिपल के हस्ताक्षर) (विश्वविद्यालय/कालेज/संस्था का नाम)

सारीख-

*जो शब्द लागुन हों,उन्हें कृपयाकाट दें।

जिस उम्मीदवार पर नियम 6 के नीचे दिया गया नो 1 लागु होता हो जिस संस्था से उसने परीक्षा पास की हो उसके प्रिसिपल/हैडमास्टर से लिए गए इस श्राशय के प्रमाण-पत्न की भ्रभिप्रमाणिग/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि इसके कुल श्रंक विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय श्रेणी की ग्रंक सीमा के ग्रन्तर्गत ग्राते हैं।

नोट :--यदि कोई उम्मीदवार ऐसी परीक्षा में बैठ चका हो जिससे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठने का पान हो जाता है पर श्रभी उसे परीक्षा के परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिये श्रावेदन कर सकता है। जो उम्मीद-भार इस प्रकार की श्रहेंक परीक्षा में बैठना चाहता हो वह भी भावेदन कर सकता है। किन्तू ऐसे उम्मीदवारों को निम्नलिखित निर्घारित फार्म में सम्बद्ध कालेज/संस्था के प्रिन्सिपल से एक प्रमाण-पत्न की प्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति-लिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि वे भ्रन्य शर्ते पूरी करते हों तो उनको परीक्षा में बैठने दिया जाएगा। परन्त परीक्षा में भैठने की यह अनुमति श्रनन्तिम मानी जाएगी श्रीर यिष वे महैंक परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्न जल्दी भौर हर हालत में 20 धगस्त, 1982 से पहले प्रस्तुत नहीं करते तो यह मनुमति रद की जा सकती है।

परीक्षा में इस प्रकार बैठने की अनुमति प्राप्त उम्मीद-बार को, चाहे वह इस परीक्षा के लिखित भाग में उसीएँ हो प्रथवा नहीं उपर्युक्त प्रविध के भीतर प्रहेंक परीक्षा पास करने का प्रमाण-पक्ष प्रस्तुत करना होगा। इस धनदेश का पालन न करने पर उसकी उम्मीदवारी रह कर दी जायेगी और वह प्रपना परिणाम जानने का प्रधिकारी नहीं होगा ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाठे प्रमाण-पन्न काफार्म प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/*कुमारी ----———— सुपुत्न/*****सुपुत्नी ----- ----- द्वारा संचालित ----- ————— में बैठने वाले/वाली ह, **बै**ठ चुके/ च्की^{*} हैं:— (i) (ii) (iii) (iv)(v) प्रिंसिपल के हस्ताकार

(कालेज/संस्था* का नाम)

तारीख-स्थान--

[‡]जो शक्द लागृन हों उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियां:---उम्मीववार को भ्रपने हाल ही के पास पोर्ट भाकार (लगभग 5 सें \circ मी $\circ \times 7$ सें • मी •) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां ग्रवस्य भेकनी

चाहिएं। इनमें से एक प्रति श्रावेदन पत्न के पहले पुष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्न पर निर्धारित स्थान पर लगा देनी चाहिए फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए ।

ध्यान दें :--- उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि कोई श्रावेदन-पत्न उपर्युक्त पैरा 3(), 3 (iii), 3 (iv) तथा 3 (v) के भ्रन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण पत्नों। में से किसी के साथ प्रस्तुत नहीं किया जाता और इसे न भेजने के लिए कोई उचित स्पप्टीकरण नहीं दिया जाता तो भ्रावेदन-पत्न भ्रस्वीकृत किया जाएगा तथा इसकी भ्रस्थी-कृति के ग्रपील पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदयार किसी ग्रनुसूचित जाति या श्रनु-सूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे श्रपने दा के समर्थन में उस जिले के जिसमें इसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) भ्रामतौर से रहते हों, जिला श्रधिकारी या उप मण्डल श्रधिकारी या निम्नलिखित किसी श्रन्य ऐसे श्रधिकारी से, जिससे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम प्रधिकारी के रूप में नामिस किया हो, नीचे दिए गए फार्म में दिए गए प्रमाण-पत्र की भ्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता ग्रौर पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्न जिले के प्रधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार भ्रपनी शिक्षा से भिन्न किसं: प्रयोजन से ग्रामतीर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए प्रावेदन करने वाले अनुसूचित जाति श्रीर श्रनुसूचित जन जाति के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म :---

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/*कुमारी------- सुपूत्र/सुपुत्री*ंश्री -----जो गांव/कस्बा* ---- जिला मंडल* -----के/की हैं जिसे निम्नलिखित के प्रधीन ग्रनुसुचित श्रनुसूचित जन* जाति के रूप में मान्यता दी गई है:--संविधान (श्रनुसूचित जातियां) श्रादेश 1950* संविधान (अनुसूचित जन जातियां) ग्रादेण, 1950* संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) (संध राज्य क्षेत्र) श्रादेश, 1951*

संविधान (ग्रनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) ष्प्रादेश, 1951*

[धनुसूचित जातियां श्रौर श्रनुसूचित जन जातियां सूची (म्राशोधन) म्रादेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन म्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन भ्रिधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य प्रधिनियम 1970 श्रौर उत्तर पूर्वी क्षत्न (पुनर्गठन) ग्रिधिनियम 1971 तथा श्रनुसुचित जातियां श्रीर श्रनुसुचित जन जातियां

(संशोधन) श्रधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित]। संविधान (जम्मू ग्रौर कण्मीर) ग्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1956* संविधान (ग्रंडमान भ्रौर निकोबार द्वीपसमूह) प्रनसूचित जन जातियां श्रादेश, 1959*, श्रनसूचित जाति तथा श्रन-सूचित जन जातियां (संगोधन) ग्रिधिनियम, 1976* द्वारा यथा संशोधित। संविधान (दावरा ग्रौर नागर हवेली) ग्रनुसूचित जातियां म्रादेश, 1962 I* संविधान (पांडिचेरी) श्रनुसूचित जातियां श्रादेश, 1964* संविधान (भ्रनुसुचित जन जातियाँ) (उत्तर प्रदेश) भ्रादेश, 1967* संविधान (गोग्रा, दमन भ्रौर दीयु) श्रनसूचित जातियां श्रादेश, 1968 1* संविधान (गोन्ना, दमन भ्रौर दीयु) श्रनसूचित जन जातियां ग्रावेश, 1968।* संविधान (नागालैण्ड) श्रनुसूचित जन जातियां भावेश, 1970* संविधान (सिक्किम) श्रनुसूचित जाति ग्रदेश, 1978* संविधान (सिक्किम) भ्रनुसूचित जन जाति श्रादेश, 1978* 2. श्री/श्रीमती/कुमारी* -<mark>श्रोर</mark>/या* उनका परिवार श्राम<mark>तौर पर</mark> से गांव/कस्बा* -----————जिला/मंडल* ——— ----- राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र -------------में रहते/रही***** हैं। हस्ताक्षर -----पदनाम --(कार्यालय की मोहर) स्थान--तारीख-----राज्य*/संध राज्य क्षेत्र *जो शब्द लागू न हो उसे काट दें।

नोट :--यहां "श्रामतौर से रहते/रहती हैं" का भर्य वही होगा जो "रिप्रेंजेंटेशन श्राफ दि पीपूल एक्ट, 1950" की धारा 20 में है। श्रनुसूशित जाति/जन जाति प्रमाण-पक्ष जारी करने के लिए सक्षम श्रधिकारी।

- (i) जिला मजिस्ट्रेट/श्रतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/कलैक्टर/ डिप्टी कमिश्नर/एडीशनल डिप्टी कमिश्नर/डिप्टी कलैक्टर/ प्रथम श्रेणी का स्थायी स्टाइपेंड मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट/ सब् एक्स्ट्रा डिबीजनल मजिस्ट्रेट/ताल्लक मजिस्ट्रेट/एक्जीक्यृटिव मजिस्देट/श्रसिस्टेंट कमिश्नर।
- (†)प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट से कम म्रोहदे का नहीं)।

- (ii) चीफ प्रसिडेंसी मिजिस्ट्रेट/एडीशनल घीफ प्रैसिडेंसी मिजिस्ट्रेट/प्रैसिडेंसी मजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यु श्रफसर जिनका स्रोहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल श्रफसर जहां उम्मी-दवार श्रौर/या उसका परिवार श्रामतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेवलपमट श्रफसर लक्षद्वीप।
- 5. (i) नियम 5 (ख) (ii) ग्रथवा 5 (ख) (iii) के ग्रन्तर्गत श्राय में छूट श्रांर या नोटिस के पैरा 6 के ग्रनसार शल्क से छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला देश) में विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गये प्रमाण-पन्न की श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि, यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (ग्रब बंगला देश) के वास्तिविक विस्थापित व्यक्ति हैं ग्रीर 1 जनवरी, 1964 ग्रीर 25 मार्च, 1971 के बीच की ग्रविध में प्रवजन कर भारत श्राया है।
 - (1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों श्रथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमाडिंट।
 - (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।
 - (3) सम्बद्ध जिले में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी श्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
 - (4) अपने ही कार्यभार के श्रधीन सम्बद्ध सब-डिवीजनल का सब डिवीजनल श्रफसर।
 - (5) उप-शरणार्थी पुनर्वास भ्रायक्त पिष्चिमी बंगाल/ निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता ।
- (ii) नियम 5 (ख) (iv) अथवा 5 (ख) (v) के अन्तर्गतं आयु में छूट और/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुक्त में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका में प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अन्तूबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।
- (iii) नियम 5 (ख) (vi) श्रथवा 5 (ख) (vii) के अन्तर्गत आयु में छूट श्रीर/या नोटिस के पैरा 6 के अनुसार शुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावतित मूलतः भारतीय व्यवित को भारतीय राज-दूतावास रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है, श्रथवा उसे जिस क्षेत्र का निवासी है उसके जिला मैंजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्न की एक

श्रभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा ते श्राया हुश्रा वास्तिविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हैं श्रौर 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत श्राया है।

(iv) नियम 5 (ख) (viii) प्रथवा 5 (ख) (ix) के प्रन्तर्गत प्रायु सीमा में छूट चाह्ने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवाग्रों में कार्य करते हुए विकलांग हुग्रा है, महानिदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गए प्रमाण-पन्न की श्राभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलानें के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाग्रों में कार्य करते हुए विदेशी शन्न देश के साथ संघर्ष में प्रथवा श्रशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग हुग्रा श्रौर परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुग्रा।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पन्न का फार्म :

| प्रमाणित किया जाता है कि युनिट |
|---|
| के रैंक नं० |
| रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए, विदेशी शत्रु देश के साथ |
| संघर्ष में/ग्रणातिग्रस्त क्षेत्र में फीजी कार्रवाई के दौरान |
| विकलांग हुए ग्रीर उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त |
| हुए। |

| हस्ताक्षर | |
|-----------|-------|
| पदनाम | |
| तारीख - | ····· |

*जो शब्द लाम न हो उसे कृपया काट दें।

- (v) नियम 5(ख)(x)या 5(ख) (xi) के अन्तर्गत आयु में छूट का दाबा करने वाछे बियतनाम से प्रत्यावितत मूलतः भारतीय व्यक्ति को, फिलहाल जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गए प्रमाण-पत्न की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वियतनाम से आया हुआ वास्तिक प्रत्यावित व्यक्ति है और वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है।
- (vi) नियम 5 (ख) (xii) या 5 (ख) (xiii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाल कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) से आए हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जैरे और ईथियोपिया से प्रत्यावर्तित भारत मूलक उम्मीदवार को उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है लिए गए प्रमाण-पन्न की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तय में उपर्युक्त देशों से आया है।
- (vii) जो भूतपूर्व सैनिक तथा कमीशन प्राप्त ग्राधि-कारी (ग्रापातकालीन सेवा कमीशन प्राप्त ग्रधिकारियों/ श्रत्पकालीन सेवा कमीशन प्राप्त ग्रधिकारियों सहित) नियम 5 (ख) (xiv) श्रथवा 5 (ख)() की शर्तों के श्रधीन श्रायु सीमाश्रों में छूट का दावा करते हैं उन्हें सम्बद्ध प्राधि-

कारियों से निम्नलिखित निर्धारित प्रपक्ष में उन पर लागू होने वाले प्रमाण-पन्न की एक प्रमाणित/प्रभिप्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए।

- (क) उन्होंने पांच या पांच से ग्रधिक वर्षों तक सैनिक सेवा की है श्रौर कार्यकाल के समापन पर कदा-भार या ग्रक्षमता के कारण वर्षास्त[ं]या कार्यमुक्त होने के ग्रलावा श्रन्य श्राधार पर कार्यमुक्त हुए हैं।
- (ख) वे सैनिक सेवा के कारण हुई शारीरिक भ्रपंगता या श्रक्षमता के कारण ————को कार्यमुक्त हुए हैं।

सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम मृहर

स्थानः सारीखः

(ख) सेवारत/कार्मिकों पर लागू

में से एक शर्त पूरी करते हैं:--

2. उन्हें — — — से कार्यमुक्त/ सेवा निवृत्त होना है। उनका पांच वर्ष का कार्यकाल——— तक समाप्त होने की संभावना है।

 उनके विरुद्ध कोई ग्रनुशासनिक मामला लिम्बत महीं है।

सक्षम प्राधिकारी का नाम तथा पदनाम मुहर स्थान :

प्रमाण पत्न जारी करने वाले सक्षम प्राधिकारी निम्न-लिखित हैं:---

- (क) कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों (श्रापातकालीन कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों/ग्रल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त प्रधिकारियों सिंहत) के मामले में :—
 सेना—कार्मिक सेवा निदेशालय, सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।
 वौसेना—कार्मिक सेवा निदेशालय, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली।
 वायु सेना—कार्मिक सेवा निदेशालय, वायु सेना मुख्यालय, नई दिल्ली।
- (ख) नौ सेना तथा बायु सेना के जूनियर कमीशन
 प्राप्त प्रधिकारियों/ग्रन्य रैकों तथा समकक्ष प्रधिकारियों के मामले में :—
 सेना—विभिन्न रेजिमेंटल रिकार्ड कार्यालयों द्वारा नौसेना—नौसेना रिकार्ड बम्बई।
 वायु सेना—वायु सेना रिकार्ड, नई दिल्ली।
- 6. जो उम्मीदवार ऊपर पैरा 5 (i), (ii) भौर (iii) में किसी भी वर्ग के नोटिस के भन्तर्गत नोटिस के पैरा 6 के भ्रनुसार शुल्क में छूट का दावा करता है, उसकी किसी जिला भ्रधिकारी या सरकार के राजपितत भ्रधिकारी या संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से, यह दिखाने के लिए कि वह निर्धारित भुल्क देने की स्थिति में नहीं है, इस भाष्य का एक प्रमाण पत्न लेकर उसकी भिभ-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी प्रस्तुत करनी होगी।
- 7. यवि किसी व्यक्ति के लिए पालता प्रमाण-पल (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) श्रावश्यक हो तो उसे श्रभीष्ट पालता प्रमाण-पल प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को ाश्रावेदन करना चाहिए।
- 8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे झावेदन-पत्न भरते समय कोई झठा ब्यौरा न दें श्रथवा किसी सही सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे प्रमाण-पक्ष भयवा उनके द्वारा प्रस्तुत की गई प्रति को किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें भौर न उसमें कोई फेरबदल करें भौर न ही. फेरबदल किए गए झूठे प्रमाण-पन्न प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या श्रधिक प्रमाण-पत्नों या उनकी प्रतियों में कोई श्रशुद्धि श्रथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

9. भावेदन पत्न लेकर देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जायेगा कि भ्रावेदन-पत्न हीं श्रमुक तारीख को भेजा गया था। भ्रावेदन-प्रपत्न का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्न पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्न हो गया है।

10. भायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक भ्रावेषन पत्न जिसमें देर से प्राप्त भ्रावेदन पत्न भी सम्मिलित हैं को पावती दी जाती है तथा भ्रावेदन पत्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को भ्रावेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी जाती है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के भ्रावेदन पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित भ्रंतिम तारीख से एक मास के भ्रन्दर पावती नहीं भिलती है तो उसे तत्काल भ्रायोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को श्रावेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी गई है श्रपने श्राप यह श्रर्थ नहीं है कि श्रावेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है श्रीर श्रायोग द्वारा स्त्रीकार कर लिया गया है।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदबार को उसके श्रावेदन पद के परिणाम की सूचना यथाशीझ दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। परन्तु यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पहले तक उम्मीदवार की श्रपने श्रावेदन-पत्न के परिणाम की जानकारी न मिले तो उसे श्रायोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह श्रपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. नियमों भीर प्रश्न-पत्नों से सम्बद्ध पुस्तिकाएं--स्पेशस क्लास रेलवे श्रप्रेंटिसेज परीक्षा, 1978 से इस परीक्षा की योजना से सम्मिलित सभी प्रश्न-पत्नों के लिए वस्तुपरक प्रश्नों के होने से इस परीक्षा के लिए नियमों और प्रश्न-पद्मों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं का छापना बन्द कर दिया है। किन्तु 1977 में हुई परीक्षा तक की पिछली परीक्षाओं के नियमों भीर प्रश्त-पत्नों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की बिकी प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110054) के द्वारा की जाती है भौर उन्हें वहां से मेल आईर अथवा नकव भूगतान द्वारा सीघ्रे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (1) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने इम्पोरिया बिल्डिंग सी स्लाक, बाबा खडक सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन माखा की बिकी काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 तथा (iii) गवर्नमेंट भ्राफ इंडिया बुक डिपो, केवलके० एस० राय रोड, कलकता-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाए विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजैन्टों से भी प्राप्तकी जा सकती है।

13. आवेदन-पत्न से सम्बद्ध पद्म व्यवहार—श्रावेदन-पत्न से सम्बद्ध सभी पद्म श्रादि सचिव, संघ लोक सेवा धायोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को भेजें जायें तथा उसमें नीचे लिखा ब्यौरा धनिवार्य रूप से दिया जाए।

- 1. परीक्षा का नाम
- 2. परीक्षा का महीना श्रीर वर्ष
- 3. ग्रावेदन पंजीकरण सं०/रोल नम्बर ग्रथमा उम्मीव-वार की जन्म तिथि यदि ग्रावेदन पंजीकरण सं०/ रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो।
- 4. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े ग्रक्षरों में)
- ग्रावेदन-पत्र में दिया गया पत्र व्यवहार का पता

ध्यान दें: (i) जिन पक्षों में यह ब्यौरा नहीं होगा सम्भवतः उन पर ध्यान नहीं दिया आएगा।

विशेष ध्यान दें (ii): यदि किसी उम्मीदधार से कोई पत्न संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम व प्रनक्रमांक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

14. पते में परिवर्तन: - उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पन्न में उल्लिखित पते पर भेजे गए पन्न आदि आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना उपर्यक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ यथाणीध्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरापूरा प्रयत्न करता है। किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मे- वारी स्वीकार नहीं कर सकता।

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण:

ग्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं यह "यस्तुपरक परीक्षण" होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में ग्रापको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रका (जिसको ग्रागे प्रकाण कहा जायेगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको ग्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक प्रकाण के लिए ग्रापको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य भ्रापको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण भ्रापको कोई हानि न हो। (ख) परीक्षण का स्वरूप:

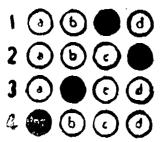
प्रश्न पत्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में ऋम संख्या 1, 2, 3 आदि के ऋम से प्रश्नाश होंगे। हर प्रश्नांण के नीचे त, b, c, d, चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। श्रापका काम एक सही या

यदि आपको एक से म्रधिक प्रत्युत्तर सही लगे तो उनमें से सर्वोक्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (भ्रंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि:

परीक्षा भवन में ग्रापको ग्रलग एक उत्तर पत्नक दिया जाएगा। जिसकी एक नमूना प्रति ग्रापको प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेज दी जाएगी। ग्रापको ग्रपने प्रत्युत्तर इस उत्तर पत्नक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर ग्रन्य किसी कागज पर लिखे ृंगए उत्तर नहीं जांचे आयेंगे।

उत्तर पत्नक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d चिह्न बाले बृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने ग्रीर यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है भापको इस प्रत्युत्तर के ग्रक्षर वाले वृत्त को पेंसिल से पूरी सरह काला बना कर उसे ग्रंकित कर देना है, जैसा कि (भापका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्नक के वृत्त को काला बनाने के लिए स्थाही का योग नहीं करना चाहिए।



यह जरूरी है कि:---

- प्रश्नांकों के उत्तरों के लिए केवल घच्छी किस्म की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं धौर उन्हीं का प्रयोग करें।
- 2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।
- 3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी भसावधानी न हो जिससे वह फट जाए या उसमें मोड़ व सिलवट भ्रादि पड़ जाए या वह खराब हो जाए।

(घ) कुछ सहस्वपूर्ण विनियमः

- भ्रापको परीक्षा श्रारम्भ करने के लिए निर्धारित सनय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा भीर पहुंचते ही श्रपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- 2. परीक्षण गुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को
 परीक्षा भवन छोड़ने की श्रनुमित नहीं मिलेगी।
- 4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका भौर उत्तर पत्नक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। श्रापको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने, की श्रनुमित नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा वंड दिया जाएगा।
- 5. श्रापको उत्तर पत्नक पर कुछ विवरण परीक्षा भवन में भरना होगा। श्रापको कुछ विवरण उत्तर पत्नक पर कूटबद्ध भी करने होंगे। इसके बारे में श्रापके नाम श्रनुदेश प्रवेश प्रमाण-पत्न के साथ भेजे जाएंगे।
- 6. परीक्षण-पुस्तिका में विए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्नक पर कोई अविष्टि संदिग्ध है, तो उस अपनांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भागको आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।
- 7. श्राप ग्रपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लां, श्रापको ग्रपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबड़, एक पेंसिल ग्रापंनर श्रीर नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। श्रापको सलाह वी जाती है कि श्राप श्रपने साथ एक क्लिप बोर्ड या हार्ड बोर्ड या कार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। श्रापको परीक्षा भवन में कोई खाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या श्रारेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। मांगने पर कार्च काम के लिए श्रापको एक श्रलम कागज दिया जाएगा। श्राप कार्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, श्रपना रोल नम्बर श्रीर परीक्षण की तारीख लिखें श्रीर परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे श्रपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस।

(इ.) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्नक देंगे। उत्तर पत्नक पर अपेक्षित सूचना मर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह अवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है अन्यथा, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहें।

(च) कुछ उपयोगी सुझाव

यखिप इस परीक्षण का उद्देश्य ग्रापकी गति की ग्रपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि ग्राप ग्रपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ ग्राप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। ग्राप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिंता न करें। ग्रापको जो प्रश्न ग्रत्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ग्रोर बढ़ें ग्रीर उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विश्वार करें।

सभी प्रश्नांशों के श्रम समान होंगे। उन सभी के उत्तर वें। श्रापके द्वारा श्रंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही श्रापको श्रंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए श्रंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समापन:

जैसे ही पर्यवेक्षक श्रापको लिखना बन्द करने को कहें श्राप लिखना बन्द कर दें। ग्राप ग्रपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक ग्रापके पास ग्राकर ग्रापसे सभी ग्रावश्यक वस्तुएं ले जाएं श्रीर श्रापको हाल छोड़ने की ग्रानुमति दें। श्रापको परीक्षण-बुस्तिका ग्रीर उत्तर पत्नक तथा कच्चे कार्य का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की श्रनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट--*सही/सर्वोतम उत्तर--विकल्प को निर्विष्ट करता है)

1. सामान्य ग्रध्ययन

षष्टुत अंचाई पर पर्वतारोहियों के नाक तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्नाव होता है?

- (a) रक्त का दाब वायुमंडल के वाब से कम होता है।
- *(b) रक्त का दाब वायुमंडल के दाब से ग्रधिक होता है।
- (c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दाब समान होता है।
- (d) रक्त का दाब वायुमंडल के बाब के प्रनुरूप घटता-बढ़ता है।

2. (কুছি)

ग्ररहर में, फूलों का झड़ना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है?

- *(a) बृद्धि नियंत्रक द्वारा छिड़काव
 - (ь) दूर-दूर पौधे लगाना
 - (c) सही ऋतु में पौधे लगाना
 - (d) थोड़े थोड़े फासले पर पौधे लगाना।

3. (रसायन विज्ञान)

 $H_3 VO_4$ का एनहाड्डाइड निम्नलिखित में से मया होता है ?

- (a) VO₃
- (b) VO₄
- (0) V_2O_3
- *(d) V2O5

4. (ग्रर्थशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी गोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता हैं?

- *(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
 - (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों अराबर हो।
 - (c) मजदूरी सीमान्त राजस्य उत्पाद से प्रधिक हो।
 - (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

5. (वेयुत इंजीनियरी)

एक समाक्ष रेखा को आपक्षिक परावैधुतांक 9 के पैरा-वैद्युत से सम्पूरित किया गया है। यियसी मुक्त अन्तराल में संचरण वेग वर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) 3C
- (b) C
- *(c) C/3
- (d) C/9

6. (भू-विज्ञान)

बेसास्ट में प्लेजिश्रोक्लेस क्या होता है?

- (a) भ्रालिगोक्लेज
- *(b) लैकोडोराइ
 - (c) एस्बाइट
 - (d) एनाथाइट

7. (गणित)

d⁸y dy ् मूल विन्दु से ुगुजरने वाला भौर — = ← = φ dx⁸ dx समीकरण को संगत रखने वाला वक्र-परिवार निम्नलिखित

में से किस से निर्दिष्ट है?

- (a) $y=a\times +b$
- (b) y == ax
- (c) y= aex + be-x

*(d) $y = ae^x - a$

8. (भौतिकी)

एक म्रादर्श ऊष्मा इंजन 400°K भीर 300°K तापक्रम के मध्य कार्य करता है। इसकी क्षमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) 3/4
- *(b) (4-3)/4
 - (c) $\frac{1}{4}(3+4)$
 - (d) 3/(3+4)

9. (सांच्यिकी)

यदि द्विपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 4²
- *(b) 3
- (c) ~
- (a) -5

10. (भूगोल)

वर्मा के दक्षिणी भाग की श्रत्यधिक समृद्धि का कारण निम्नलिखित में से क्या है?

- (a) यहां पर खानिज साधनों का विपुल भण्डार है।
- *(b) बर्मा की श्रधिकांश नदियों का डेल्टाई भाग है।
 - (c) यहां श्रेष्ठ वन संपदा है।
 - (d) देश के श्रधिकांश तेल क्षेत्र इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहास

श्राह्मणवाद के संबंध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- (a) बौद्धप्रमं के उत्कर्ण काल में भी काह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत ग्रधिक थी।
- (b) ब्राह्मणवाद बहुत ग्रधिक कर्मकांड भौर श्राडंबर से पूर्ण धर्म था।
- *(c) ब्राह्मणवाद के श्रभ्युदय के साथ, बलि सम्बन्धी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
 - (d) ब्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशामों को प्रकट करने के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित षे।

12. (दर्शम)

निम्नलिखित में से निरोध्यरवादी दर्शन समूह कीन सा है ?

- (a) बीख, न्याय, चार्वाक, मीमांसां
- (b) न्याय, वैशेषिक, जन भीर बौद्ध, भार्वाक
- (c) अद्वैत, वेदांत, सांख्य, चार्वाक योग
- *(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

13. (राजनीति विज्ञाम)

'वृत्तिगत प्रतिनिधान' का ग्रर्थं निम्निलिखित में से क्या है?

- *(a) ध्यवसाय के स्राधार पर विधानमण्डल में प्रति-निधियों का निर्वाचन।
- (b) किसी समूह या किसी व्यावसायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
- (c) किसी रोजगार संबंधी संगठन में प्रतिनिधिस्य का चुनाव।
- (d) श्रमिक संघों द्वारा ग्रप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्य।

14. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्नलिखित में से किस को निर्देशित करती है?

- (a) लक्ष्य संबंधी ग्रावश्यकता में वृद्धि
- *(b) भाषात्मक भ्रवस्था में न्यूनता
 - (c) ब्यावहारिक ग्रधिगम
- (d) पक्षपात पूर्ण ग्रधिगम

15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थायों की निम्न में से कौन-सी है?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमजोर वर्गी को ग्रीपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुग्रा है।
 - (ь) छुग्राछूत कम हुई है।
 - (c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्वामित्व का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुन्ना है।

 टिप्पणी:--उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए

 कि उपर्यक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल

 उदाहरण के लिए दिए गए हैं झौर यह

 जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के झनुसार हों।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd January 1982

No. F. 6/82-SCA (I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri R. D. Sharma, Officiating Stenographer as Officiating Private Secretary to Hon'ble Judge in the Registry of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of January 2, 1982, until further orders.

S. GHOSH Assistant Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 4th November 1981

No. A. 32011/1/80-Admn. III—On being nominated to the C.S.S. Cadre of U. P. S. C., for appointment as Section Officer under the zoning Scheme, the following Assistants belonging to the cadres mentioned against each, are hereby appointed to officiate as Section Officers on long-term basis w.e.f., the dates mentioned against each until further orders:—

| S. Name No. | Cadre to which belongs as Assit. | Date of appointment as Section Officer |
|-------------------------------|-------------------------------------|--|
| 1. Shri C. L. Langain (SC) | D/o Food | 17-10-81 (AN) |
| 2. Shri Gurmukh Singh (SC) | D/o Company Affairs . | 26-10-81 (AN) |

The above officers may note that they will be reverted as and when Select List Officers become available, in the event of non-availability of vacancies at that time.

The 11th December 1981

No. A. 11016/1/76-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Section Officer/Private Secretary of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of the Union Public Service Commission for the period indicated against each or until further orders whichever is earlier.

| S. Name No. | | | P er iod | | | |
|-------------------------------------|---|---|---------------------|-----------------------------|--|--|
| | | | From | То | | |
| S/Shri | | | , | | | |
| 1. Kailash Chandra . | • | | 2-12-81 | until further orders. | | |
| Shri M.C. Khorana | | | 2-12-81 | 1-3-82 | | |
| 3. Shri Mukul Chatterjee | | | 2-12-81 | 1-3-82 | | |
| 4. Shri Yoginder Nath | | • | 21-11-81 | 20-2-82 | | |

2. The above officers shall draw special pay @Rs. 75/per month in terms of DOP & AR O. M. No. 12/1/74-CS (I) dated 11th December 1975.

The 21st December 1981

No. A. 11016/1/76-Admn. III.—The President is pleased to appoint Shri Ved Prakash, a permanent Section Officer of 23—426G1/81

Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of Union Public Service Commission with effect from 15th December 1981 to 1-3-82 or until further orders whichever is earlier.

2. Shri Ved Prakash shall draw Special Pay @ Rs. 75/-per month in terms of DOP & AR O. M. No. 12/1/74-CS (I) dated 11th December 1975.

Y. R. GANDHA Under Secy. (Admn) Union Public Service Commission.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, C.R.P.F.

New Delhi-110022, the 31st December 1981

No. O.I.I-1372/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Shri M. A. Rehman, Dy. S. P. 34 Bn, CRPF w.c.f. 1-11-81.

A. K. SURI Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 30th December 1981

No. 11/95/79-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 28th April, 1981, the President is pleased to appoint Shri S. Rajagopalan, Section Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Director in the same office, by transfer on deputation, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period upto the 31st December, 1981 or till the post is filled in. on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Rajagoplan will be at New Delhi.

The 1st January 1982

No. 10/29/79-Ad.I.—In continuation of this office Notification of even number dated the 10th December, 1980, the President is pleased to appoint Shri K. K. Chakravrty, Assistant Registrar General (Census and Tabulation) in the office of the Registrar General, India, New Delhi, as Deputy Registrar General (Census and Tabulation) in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period upto the 31st January, 1982 or till the post is filled on regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Chakravarty will be at New Delhi,

P. PADMANABHA Registrar General, India.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL RAILWAY

Bombay-V.T., the 4th January 1982

No. Au./Admn./Misc./Con./56.—Shri V. M. Mehta, Officiating Selection Grade Section Officer (A) of this office is promoted as Audit Officer in the officiating capacity with effect from 19-12-1981 (FN).

S. Y. GOVINDARAJAN Director of Audit.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE ACCOUNTS, S. C.

Poona-1, the 2nd January 1982

No. AN/11310/JVR.—Shri J. V. Rajput, son of Shri Veorsingh, Q. pt, Peon, of this organisation absented himself without any report and has unauthorisedly absent since 23-3-81 and was in-different towards work allotted to him, made irrelevant statements and threatened a superior officer.

He failed to submit his explanation to the charge sheet for a major penalty which was handed over to him on 19-5-81. The communications addressed to him (at his known address) directing him to appear before the Inquiry officer, has been returned undelivered by the Postal Authorities as the addressee was not available. Therefore the Inquiry was held ex-parte. He is therefore, considered as absconding. It has been decided by the disciplinary authority to remove him from service with effect from 2nd January 1982.

S. VENKATASUBRAMANIAN Controller of Defence Accounts. Southern Command, Poona-1.

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Caicutta-700069, the 28th December 1981

No. 19/81 $\Lambda/E-1$.—On attaining the age—of superannuation, Shri Phani Bushan Banerjce, Subst. & Permt. Assistant/Offg. Assistant Staff. Officer retired from service with effect from 30-11-81 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/Admin.

for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 22nd December 1981 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No 6.1337/80 Admr/G)/6979.—On attaining the age of superannuation, Shri M. P. Joshi, officiating Controller of Imports and Exports, Gandhidham, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th November, 1981.

No. 6/603/60-ADMN(G)/6984.—Shri P. C. Bhatnagar, Deputy Chief Controller of Imports and Exports, posted in the office of Joint Chief Controller of Imports and Exports, Kansur expired on 12-11-1981.

Dy Chief Controller of Imports and Exports

I or Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th December 1981

No. CER/3/81.—In exercise of the powers conferred on me by clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the textile Commissioner's Notification No. CFR/3/69 dated the 19th September, 1969, namely:—

In the said notification :--

In paragraph VII item (6) the following shall be inserted after the existing proviso and before Note thereunder:—

"Provided further that where the yarn is spun out of one tibre only the marking shall read to indicate that fibre content only as illustrated below":—

"1000' Cotton Yain".

The 29th December 1981

No. CLBI 176-B/81.--In exercise of the powers conforred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, and with the previous canction of the Central Government. I hereby mule the following further amendment to the Textile. Commissioner's Notification No. TC(12)/58 dated 7th March 1958 namely:

In the table appended to the said Notification, against S. N. 20 for the existing entries under columns 2 and 3, the following shall be substituted namely:—

"20 Director of Handlooms Development Deptt. Jammu and Kashmir"

SURESH KUMAR Additional Textile Commissioner

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 4th January 1982

No. A-19018/525, 81-Admn(G).—The President is pleased to appoint Shri Satish Chander as Assistant Director (Gr.I) (Electronics) at Small Industries Service Institute, New Delhi with effect from the forenoon of 16th November, 1981, until further orders.

No. A-19018/527/81-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri Gorakh Prasad as Asstt. Director (Gr. I) (Electronics) at Small Industries Service Institute, Ludhiana with effect from the forenoon of 4th December, 1981 until further orders.

No. A-19018/538/81-Admn. (G).—The President is pleased to appoint Shri K. P. Diwakar as Assistant Director (Gr. 1) (Mechanical) at Small Industries Service Institute, Hubli with effect from the forenoon of 16th November, 1981 until further orders.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 23rd December 1981

No A-6/247 (469) /79-III.—The President is pleased to appoint Shri Avtar Singh, Assistant Inspecting Officer (Engg) in the Office of the Director of Inspection, N. I. Circle, New Delhi to officiate on ad-hoc basis as Inspecting Officer (Engg) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A') in the Office of the Director of Inspection, Calcutta with effect from the forenoon of 30th November, 1981 and until further orders.

The 2nd January 1982

No. A-17011/153-A 6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Sunit Kumar Chakraborty, Examiner of Stores (Textiles) in the Office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Textiles) in the Bombay Inspection Circle with effect from the afternoon of 8th December, 1981 and until further orders.

M. G. MENON Deputy Director (Administration)

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 31st December 1981

No. A-1/1 (1067).—The President has been pleased to appoint Shri B. A. Prabhakaran, Asstt. Director (Gr. II) to officiate as Assistant Director (Gr. I) (Grade III of Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc hasis with effect from 7-11-81 (FN) for a period of six months or till the UPSC nominee become available, whichever is earlier.

2. Shri Prabhakaran relinquished charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) and assumed charge of the post of Assistant Director (Grade I) in the Directorate of Supplies & Disposals, Bombay with effect from the forenoon of 7-11-81.

3. This Directorate General notification No. A-1/1(1067) dated 9-12-81 may be treated as cancelled.

S. L. KAPOOR Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 28th December 1981

No. 8502B/A-32013(AO)/80-19A.—Shri Sunil Kumar Das, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in temporary capacity with effect from the forenoon of the 10-12-1981, until further orders.

No. 8525B/A-19011(3-AKG)/81-19B.—Shri Achin Kr. Ghosh, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 4-11-81, until further orders.

No.8535B/A-32013(AO)/19A.---Shri N. K. Pasin, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 21-9 81 to 24-10-81 against the leave vacancy of Shri B. K. Chatterjee, Administrative Officer, Central Region, Nagpur, Geological Survey of India.

I. SWAMI NATH Director General, Geological Survey of India.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 1st January 1982.

No. A19011(39)/79-Estt.A.—It is informed with profound sorrow that Shri G. S. Kumar, Regional Controller of Mines expired on the afternoon of 29th Nov, 1981 due to severe heart attack. His name has been struck off the strength of the Indian Bureau of Mines.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehradun, the 28th December 1981

No. C-5780/707—The undermentioned officers who were appointed to officiate as Officer Surveyor, purely on adhoc provisinal basis, are now appointed to officiate as such on regular basis with effect from the date as stated against each:—

| Sl. Name and Designation No. | | | | No. and date of Notification under which appointed on adhoc provisional basis. | Unit/Office to which posted | Date of promotion |
|--|---|---|---|---|---|-------------------|
| 1. Shri Kumud Ranjan Chowdhury, Surveyor Sel. Gd. | • | • | , | Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. | No. 37 Party (EC), Calcutta. | 18-9-81 (AN) |
| 2. Shri Prem Chand Sharma, Draftsman Div. I, Sel. Gd | • | | | Notification No. C-5395/707 dated 24-7-78 | No. 6 D. O. (NG), Dehra Dun | 16-9-81 (FN) |
| 3. Shri K. Ananthanarayan, Surveyor Sel. Gd | | | | Do. | No. 16 Party | 14-9 81 |
| | | | | | (STI), Hyderabad. | (AN) |
| 4. Shri G. L. Sharma, Draftsman Div. I Sel. Gd | • | • | • | Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. | No. 1 D. O. (MP), Dehra Dun | 14-9-81 (FN) |
| 5. Shri N.C. Thakurta, Draftsman Div. I Sel. Gd. | • | , | • | Notification No. C-5494/707 dated 4-5-79. | No. 66 (ACCM) Party (Surair), New Delhi | 7-9-81 |
| 6. Shri Jagjit Singh Uberoi, Geodetic Computer Sel. Gd. | | | | Notification | No. 69 (Comp) | 7-9-81 |
| o. Sin sagit Singil O'croi, Georgette Computer Sci. Gd. | • | • | • | No. C-5837/707 dated 5-7-78. | Party (G&RB), Dhera Dun. | (FN) |
| 7. Shri Johnson H. Das, Surveyor Sci. Gd | • | • | | Do. | No. 4 Party (WC), Aimer. | 7-9-81 |
| 8. Shri Krishan Kumar Khera, Surveyor Sel. Gd | | • | • | Do. | Surveyor General's Office, Dehradun | 5-9-81 |
| 9. Shri Prem Sagar Chopra, Surveyor Sel. Gd | • | ٠ | • | Do. | Boundary Cell (SGO), New Delhi, | 7-9-81 (FN) |
| 10. Shri B.S. Bist, Survey Assistant, Sel. Gd | | | • | no. | No. 15 D.O. (MP), Dehra Dun. | 11-9-81 (FN) |
| 11. Shri Malkhan Singh Verma, Geodetic Computer Scl. Gd. | ٠ | • | | Do. | No. 68 (Tidal) Party (G&RB), Dehra Dun. | 5-9-81 |
| 12. Shri Narayanrao Srinivasa, Surveyor Sel. Gd. | | | | Do. | S.C.C.O., Hyderabad. | 14-9-81 (FN) |
| 13. Shri Debu Prosad Ghosh, Surveyor Sel, Gd | | | | Do. | No. 11 Party (SFC), Ranchi. | 16-9-81 (FN) |
| 14. Shri Sukumar Das, Surveyor Sel. Gd. | | | | Do. | R&D Dte., Hyderabad. | 7-9-81 (FN) |
| 15. Shri M.A. Chengappa, Surveyor Sel. Gd | • | | • | Notification No. C-5395/707 dated 24-7-78 | Southern Circle office, Bangalore. | 8-0-81 (FN) |
| 16. Shri Dilip Kumar Chowdhury, Surveyor Sel. Gd | | • | ٠ | Notification No. C-5837/707 dated 5-7-78. | No. 30 (Photo) Party (FC), Calcutta. | 18-9-81 (AN) |

G. C. AGARWAL,
Brigadier,
Surveyor General of India,
(Appointing Authority)

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA,

New Delhi-110001, the 31st December 1981

No. F. 8-30/81-Estt.—Consequent on the retirement of Shri B. S. Kalra, Administrative Officer, w.e.f. 31-12-1981 (A.N.) Shri B. R. Sharma, Superintendent is appointed to officiate as Administrative Officer (Group 'B') (Gazetted) on purely ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 1st January. 1982 and until further orders. This ad-hoc appointed will not confer any right or claim for regular appointment and will not count for the purpose of seniority and for eligibility for promotion to next higher grade.

His pay is fixed @ Rs. 960/- p.m. in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200.

S. A. I. TIRMIZI Director of Archives,

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 30th December 1981

No. A-12025/2/80-Estt.—The Directorate of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri P. L. Kedaria as Senior Artist in a temporary capacity in this Directorate with effect from the forenoon of 22nd December, 1981 until further orders.

J. R. LIKHL Dy. Director (Admn.) for Director of Advtg. & Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 26th December 1981

No. A.12023/4/81(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri V. J. Rama Rao, Investigator (Statistics), Director General of Health Services to the post of Statistician (Group 'A' Non-Medical Gazetted post) in the Health Information Field Unit at Regional Office for Health & Family Welfare, Bhubaneshwar purely on ad-hoc basis with effect from the afternoon of 14th October, 1981 and until further orders.

T. C. JAIN Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 31st December 1981

No. A.19019/32/77-CGHS.I.—Consequent upon her transfer from Meerut to Delhi Dr. Sarlta Devi, Ayurvedic Physician, relinquished charge of the post of Ayurvedic Physician under Central Govt. Health Scheme, Meerut with effect from the afternoon of 12-10-81 and assumed charge of the post of Ayurvedic Physician under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the forenoon of 17-10-81.

No. A.19018/11/81-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Ben K. Shah to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme, Kanpur. on temporary basis with effect from the forenoon of 12-11-81.

Dy. Director Admn. (CGHS. I)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT: POSTS & TELEGRAPHS

Delhi-54, the 3rd January 1982

No. Admn. III-389/23(A) (2) Notifications—The Director of Audit, Posts & Telegraphs has been pleased to promote and appoint the following Section Officers as officiating Audit Officer and to post them in the P & T Branch Audit Office's indicated agains each until further orders. Their promotions are on adhoc basis and are subject to revision.

| S1. Name No. | | | | _ | | | _ | P&T Branch Audit Office to which belong as S. O. | P&T Branch Audit Office to which Posted. | Date of promotion as Audit Officer. |
|---------------------------|----|----|--|---|--|---|---|--|--|--|
| S/Shri 1. V. V. N. Rao | | | | | | - | • | Hyderabad | Ahmedabad | 14-7-81 |
| 2. L. Krishnan | | • | | | | | | Hyderabad | Ahmedabad | (FN 12-8-81 |
| 3. Ramanuj Sen Gupta | n | ٠. | | | | | | Calcutta | Ahmedabad | (FN 14-9-81 |
| 4. Nirmal Kumar Sikd | ar | | | | | • | | Calcutta | Lucknow; | (FN) 21-9-81 (FN) |

K. K. THAPAR Asstt. Director of Audit (HQ

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 1st January 1982

No. A-19024/1/81-A.III.—The ad-hoc appointment of Shri R. D. Gupta to the post of Jr. Scientific Officer under this Directorate at C.A.L., Nagpur, has been extended for a further period of six months w.e.f. 1-10-1981 to 31-3-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

No. A-1902//2/80-A.III.—The ad-hoc appointment of Shri D. P. Bandooni to the post of Hindi Officer in this Directorate at Faridabad has been extended upto 31-1-1982 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

B. I. MANTHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 29th December 1981

No. S-913/Estt.II/6014.—Shri Parma Sivam, a permanent, Assistant Security Officer and officiating Security Officer in this Research Centre, retired on superannuation from Government service on the afternoon of November 30, 1981.

KUM. H. B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 29th December 1981

No. PA/34(2)/80-R-III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Vasant Sakharmman Kadam, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the formoon of December 1, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 19th December 1981

No. PPED/3(282)/81-Estt.I.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Kum. Shikha Bishwas, Section Officer (A/cs) in the office of the Financial Adviser and Chief Accounts Officer, C. Rly. Bombay on deputation basis in this Division as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of November 16, 1981 until further orders.

R. V. BAJPAI General Administrative Officer

Bombay-5, the 29th December 1981

No. PPED/3 (236)/81-Estt. I/48—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the undermentioned personnel of this Division as Scientific Officer/Engineer—Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of August 1, 1981 until further orders:

| Sl. Name No. | | Present Grade |
|--------------------------|---|---|
| 1. Shri A. K. Saxena | | . Scientific Assistant 'C' (Q.P.S.A. 'B') |
| 2. Shri K. K. Chaturvedi | | . Scientific Assistant 'C' (Q. P. S.A. 'B') |
| 3. Shri K.D. Gaur . | • | Scientific Assistant 'C' (Q.P. S.A. 'B') |

B. V. THATTE, Administrative Officer.

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 28th December 1981

No. DPS/1/1(8)/77-Adm/Vol.III/25491.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri John Vareed, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer, (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from October 12, 1981 (F/N) to November 13, 1981 (A/N) vice Shri N. John Johny, Assistant Stores Officer granted leave.

The 29th December 1981

No. DPS/1/1(8)/77-Adm/Vol-III/25535.— The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri L. H. Bagwe, a permanent Storekeeper to officiate as an Assistant Stores Officer, (Ad-hoc) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from October 12, 1981 (F/N) to November 13, 1981 (A/N) vice Shri M. S. Gangnaik, Assistant Stores Officer promoted as Stores Officer

K. P. JOSEPH Administrative Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti, the 15th December 1981

No. RAPS/09002/G/(851)/81/S/5810.—Consequent upon his posting as Assistant Accounts Officer in Narora Atomic Power Project. Narora vide DAP's Office Order No. 20/5/(2)/8/CCS/762 dated July 2. 1981 Shri Govind Singh, Assistant Accounts Officer in this Projects, relinquished the charge of his post in Raiasthan Atomic Power Project on the afternoon of 31st August 1981.

M. D. GADGII.
Administrative Officer (Fett.)
For Chlef Project Engineer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION India Meteorological Department

New Delhi, the 1st January 1982

No. A. 31013/111/79-E. f.— The President is pleased to appoint the following officers in a substantive capacity as Meteorologist Grade II in India Meteorological Department with effect from the dates indicated against their names:—

| S. Name No. | | | | | Date of substantive appointment. |
|--|---------|-----|----|-----|----------------------------------|
| 1 2 | | | | | 3 |
| | | | | | 1-4-72 |
| 2 B. K. Sridhar | | | | | 1-4-72 |
| 3. ,, P.E. Moray . | | | | | 1-9-72 |
| 4. " A. Chowdhury | | | | | 1-9-72 |
| 4. ,, A. Chowdhury 5. ,, B.R. Yaday | | | | | 1-3-73 |
| 6. ,, G.S. Mandal | | | | | 1-3-73 |
| 7.,, V.S. Ramachandra | Rao | : | | | 1-10-74 |
| 8. ,, K. Raman . | | | | | 1-10-74 |
| 9. ,, V. K. Raghavendra | ì | | | | 1-2-75 |
| 10. " B.M. Chhabra | | | | | 1-2-75 |
| 11. Dr. H.S. Bedi | | | | | 1-2-75 |
| Shri M.G. Gupta | | | | | 1-2-75 |
| 13. " M.S. Singh . | | | | | 1-2-75 |
| 4.4 70 70 4 | | | | | 1-2-75 |
| Dr. R.R. Kelkar | | | | , . | 1-2-75 |
| Shri K. Veeraraghavar | 1 | | | | 1-2-75 |
| Dr. S. K. Srlvastava | | | i | | 1-4-75 |
| 18. Shri P. Mohammed | | | | | 1-4-75 |
| 19. " K.R. Rao . | | | | | 1-4-75 |
| 20. ,, P. M. Pakkir Moh | amme | d | | | 1-4-75 |
| 21. ,, A. Thiruvengadath | | | | | 1-4-75 |
| 22. Dr. U.S. De | | | | | 1-4-75 |
| 44 GI I G TO G | | | | | 4 4 5 5 |
| 24 G. Appa Rao | | | | | 1-4-75 |
| 24. ,, G. Appa Rao25. Dr. A. K. Chaudhury | | | | | 1-4-75 |
| 26. Shri Gurbachan Singh | | | | | 1-4-75 |
| 27. " G.V. Nilakanthan | | | | | 1-4-75 |
| 28. ,, G.S. Sarwade | | | | | 1-4-75 |
| 29 B. L. Swamy | | | • | | 1-4-75 |
| 30 M. Vaidvanathan | | • | ٠. | | |
| 30. ,, M. Vaidyanathan 31. ,, K. P. Dawale | | | • | ' ' | 1-2-76 |
| 32. ,, B.C. Biswas . | • | | ٠. | | 1-1-77 |
| 33. , S.I.T. Thomas | • | : | | | 1-2-77 |
| 34. " S. K. Pradhan | • | | | | |
| 35. , B.N. Dewan | | • | • | | 1-3-77 |
| 36. Dr. S.N. Chatterjee | 1 | - | • | • | 21-7-77 |
| 37. Shri S. Niranjan | | • | • | | 21-7-77 |
| 38 C. P. Joseph | • | ٠ | • | • • | 21-7-77 |
| 39. Dr. P. N. Sen . | • | • | - | • • | 21-7-77 |
| 40. ,, M. K. Guha | • | • | | • • | 21-7-77 |
| 41. ,, A. K. Ghosh | • | • . | • | • | 21-7-77 |
| 42. "Shri P. J. Rajagopa | lachai | ri | • | | 21-7-77 21-7-77 |
| 43. ,, S. K. Nag | iacija, | | • | | 21-7-77 |
| 44. Dr. Krishna Nand | : | : | • | | 1-2-78 |
| 45. , S.N. Bhattacharya | | • | • | • | 1-2-78 |
| 46. Shri Ravinder Nat | | | • | | 1-2-78 |
| 47. , A. K. Banerjee | | • | • | | 1-2-78 |
| 48. , Z.E. Shaikh . | • | • | ٠ | | |
| 49. , Bhukan Lal . | • | • | • | | 1-2-78 |
| 50. " Manoranjan Das | • | • | • | • | 1-2-78 |
| | | • | • | . , | 1-2-78 |
| 51. ,, D.V. Rao | • | • | • | | 1-2-78 |
| | • | • | • | • | 1-2-78 |
| 53. Shri M. L. Basandra | • | • | • | • . | . 1 -2-78 |
| 54. " S.R. Kalsi . | • | • | • | • • | 1-2-78 |

| 1 2 | | | | | | 3 |
|----------------------|--------|----|---|---|----|--------|
| 55. Shri Jai Pal | | | | | | 1-2-78 |
| 66. "S. Raghavend | ran . | | | | | 1-2-78 |
| 7. ,, R.C. Bhatia . | | | | | | 1-2-78 |
| 88. ,, B. L. Sharma | | | | | | 1-2-78 |
| 9. Dr. S.N. Srivasta | va | | | | | 1-2-78 |
| 60. Shri Dhanna Sing | ξh | | , | | | 1-2-78 |
| 61. " G.S. Ganesan | ١. | | | | | 1-2-78 |
| 52. " J.C. Mandal | | | | | | 1-2-78 |
| 33. , J.S. Day | · | - | | | | 1-2-78 |
| 4. Dr. S. K. Dikshit | | | | | | 1-3-78 |
| 5. Shri C. Ranganat | han | | | | | 1-3-78 |
| 6.,, V. Thapliyal | | | | • | • | 1-3-78 |
| 7. ,, Sharavan Kun | nar | | | | | 1-3-78 |
| 8. ,, M. M. Kundu | ι. | | | | | 1-3-78 |
| 9. ,, A.V.R. Krishr | na Rao | ٠. | | | | 1-3-78 |
| 0. " V. Srinivasan | | | ٠ | | ٠. | 1-3-78 |
| 1. ,, A. Narayanan | Kutty | | | | | 1-3-78 |
| 2. " N.V. Narayan | a Rao | | | | | 1-3-78 |
| 73. " M.C. Sharma | ı . | | - | | | 1-8-7 |
| 4. " A. K. Bhatnag | gar | | | | | 1-7-79 |
| 75. ,, K.D. Burm at | n. | | | | | 1-7-7 |

The 5th January 1982

No. A. 12040/1/81-E.I.—The President is pleased to appoint Shri Lakhmi Singh as Meteorologist Grade-II in the India Meteorological Department in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd October 1981, and until further orders.

S. K. DAS

Additional Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th December 1981

No. A-19011/130/81-E.I.—On attaining the age of superannuation, Sh. S. K. Lala, Air Safety Officer in the Civil Aviation Department relinquished charge of his duties on the afternoon of 30th November, 1981.

The 22nd December 1981

No. A-32013/11/80-E.I.—In continuation of this Department Notification No. A-32013/11/80-E.I. dated 27-11-80 the President is pleased to appoint the following Deputy Directors/Controller of Communication as Director of Communication on ad hoc basis for a further period upto 31-12-81 beyond the dates mentioned against each or till the regular appointment to the grades are made which ever is earlier.

- 1. Sh. M. S. Krishnan-2-5-81
- 2. Sh. K. Techchandani-30-4-81
- 3. Sh. S. K. Das-30-4-81

S. GUPTA
Deputy Director of Administration,
For Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 4th December 1981

No. A. 32014/3/81-ES,—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad hoc appointment of Sh. V. R. S. Nair, Superintendent, as Administrative Officer for a further period upto 7-6-82 or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier, on usual terms and conditions.

The 24th December 1981

No. A. 12025/1/81-EC.—The President is pleased to appoint Shri Uday Kumar Sinha as Technical Officer with effect from 1st December, 1981 (FN) in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department and to post him in the office of the Director, Radio Const. & Dev. Units, New Delhi until further orders.

No. A. 32014/1/81-EC—In partial modification of this office Notification No. A. 32014/1/81-EC dated 17th Nov., 1981, S. No. 10 thereof is amended to read as under:—

| S. No. | Name | | | | | | Present Stn. of posting | Stn. to which posted | Date of taking over charge. |
|-----------|-----------------|--|---|---|---|--|---------------------------------------|--------------------------------------|-----------------------------|
| 10. Shri | S. Varadarajalu | | • | - | , | | ACS, Safdarjung Airport, N. Delhi. | ACS, Safdarjung Airport, N. Delhi | 1-10-81 (FN) |

No. A. 32014/1/81-EC.—In partial modification of this office Notification No. A. 32014/1/81-EC, dated 18th Nov., 1981 S. No. 1 thereof is amended to read as under:—

| S. Name No. | | | | | | Present Stn of posting | Stn. to which posted | Date of taking over charge |
|------------------------|--|--|---|--|--|---------------------------|-------------------------|-------------------------------------|
| 1. Shri A. Periyaswamy | | | , | | | ACS, Bhubaneshwar | ACS Hyderabad | 16-10-81 (FN) |

The 31st December 1981

No. A. 32014/3/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri J. S. Sangwan, Superintendent, as Administrative Officer (Group 'B') on ad hoc basis, with effect from the forenoon of the 14th December 1981, for a period of 31 days, in the office of the Regional Director, Delhi Region, in the leave vacancy of Shri S. H. Lalla Administrative Officer.

PREM CHAND Asstt. Director of Administration

MINISTRY OF COMMUNICATIONS CONTROLLER OF ACCOUNTS

New Delhi, the 21st November 1981

No. A 22013/1/81/CA/2876.—On attaining the age of superannuation, Shri Purushottam Rao, Accounts Officer, Central Pay and Accounts Office, Overseas Communication Service, Bombay retired from Government service with effect from the Afternoon of the 31st October, 1981.

MRS. USHA SAHAJPAL Controller of Accounts.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 4th January 1982

No. A-19012/946/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Dibakar Mandal, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 21st August, 1981.

No. A-19012/965/81-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri R. N. Bhaumik, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engineering) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the forenoon of 26th September, 1981.

A. BHATTACHARYA Under Secretary, Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS • CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 30th November 1981

No. 1/125/69-ECIX.—Shri Harish Chandra, Architect in this Department retired from Government Service on attaining the age of superannuation with effect from 30th November 1981 (AN).

The 31st December 1981

No. 1/94/69-EC-IX.—Shri A. A. Ghare, Senior Architect of this Department retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31-12-1981 (AN).

No.1/252/69-FC1X.—Shri S. K. Nishal, Architect of this department retired from Government service on attaining the age of superannuation with effect from 31-12-1981 (AN).

M. S. SYAL Dy. Director of Administration

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s Yamba Elsetronics Private Limited

New Delhi, the 24th December 1981

No. 6486/24462 - Notice is hereby given pursuant to

sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Yamba Electronics Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

G. B. SAXENA Asstt, Registrar of Companics Delhi & Haryana

New Delhi-110001, the 28th December 1981

No. Liqn/5340.—Whereas M/s. Parson Impax Pvt. Ltd. having its registered office at D-9, Defence Colony, New Delhi is being wound up;

An whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that the statement of accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of subsection (4) of section 560 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Parson Impex Pvt. Ltd. will. unless cause is shown to the contrary, be struck off the Register and the company will be dissolved.

L. R. VERMA Asstt. Registrar of Companies Delhi & Haryana

In the matter of Companies Act. 1956 of M/s. Chidambaram Textiles Private Limited

Madras-600006, the 26th December 1981

No. 426/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chidambaram Textiles Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Nalan and Company Private Limited

Madras-600006, the 26th December 1981

No. 1878/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nalan and Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Indian Industrial Company Limited

Madras-600006, the 26th December 1981

No. 910/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Indian Industrial Company Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. The Madras Ayurvedic Stores (CBE) Limited

Madras-600006, the 26th December 1981

No. 1566/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Madras Ayurvedic Stores (CBE) Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Nehru Stores Private Limited

Madras-600006, the 26th December 1981

No. 1875/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Néhru Stores Private Limited has this day been struck off the Register and the said, company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Pudumal Pathippaham Private Limited

Madras-600006, the 26th December 1981

No. 2126/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Pudumai Pathippaham Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s, Prabhat Kamal Construction Company Private Limited

Madras-500006, the 30th December 1981

No. 7133/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Prabhat Kamal Construction Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Green Stone Auto Industries Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 7069/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Green Stone Auto Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said, company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Dwaraka Oil Industries Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 7173/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Dwaraka Oil Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. K. RAMANI Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

In the matter of Companies Act, 1956 of T.G.L. Spinning & Weaving Mills Limited

Hyderabad, the 29th December 1981

No. 1126/TAI/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of T.G.L. Spinning & Weaving Mills Limited has this day been struck off the Register and the said, company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of RABCO Boards Private Limited

Hyderabad, the 29th December 1981

No. 1583/TA.I/560.—Notice is thereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of RABCO Boards Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 of Asha Investment Company Private Limited

Hyderabad, the 29th December 1981

No. 1258/TAI/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Asha Investment Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of P. Ganesh Mull Private Limited Hyderabad, the 29th December 1981

No. 689/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of P. Ganeshmull Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of Jai Kisan Cotton Mills Private Limited

Hyderabad, the 29th December 1981

No. 1845/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Jai Kisan Cotton Mills Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved,

V. S. RAJU Registrar of Companies, Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Hotel Chennal Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 7008/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Hotel Chennai Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s Kwality Ceramics Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 4142/560/81.—Notice is here by given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kwality Ceramics Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Brilliant Roadways Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 5029/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Brilliant Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Nidur Mayuram Transport Company Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 5653/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nidur Mayuram Transport Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Tamilnadu Construction Company Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6352/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Tamilnadu Construction Co. Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Tractor Discs Private Limited

Madras-500006, the 30th December 1981

No. 6209/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Tractor Discs Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Lakshmi Ring Travellers Manufacturing Company Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 5328/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Lakshmi Ring Travellers Manufacturing Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Tamilnadu Oxygen Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6681/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies' Act. 1956 that the name of M/s. Tamilnadu Oxygen Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Lakshmi Agricultural Enterprises Private Limited Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6988/560/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s I akshmi Agricultural Enterprises Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 of M/s. Marudamalat Bus Transports Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 5595/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Commanies Act. 1956 that the name of M/s. Marudamalai Bus Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 of M/s. Associated Parents and Teachers Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 5026/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Associated Parents and Teachers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 of M/s Universalavam Transports Private United

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 5947/560/81—Notice is hereby given pursuant tosub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 24—4260I/81 that the name of M/s. Unjappalayam Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 of M/s. Alacoque Hotel (Madras) Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 5997/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Alacoque Hotel (Madras) Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Prima Printing & Graphic Equipments Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 5844/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Prima Printing & Graphic Equipments Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Jawahar Chit Fund Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 5750/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Jawahar Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Madray Zink Industries Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6720/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Madras Zink Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Lakshmi Supplies & Services Private Limited

Madras-600006, the 30th Oecember 1981

No. 6726/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Lakshmi Supplies & Services Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Sudha Hygienic Products Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6194/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Sudha Hygienic Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act. 1956 of M/s. Neptune Marine Enterprises Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6146/560/81—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Neptune Marine Enterprises Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Eastern Finished Leather Corporation Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6546/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Eastern Finished Leather Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Sri Anushiya Chit Fund Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6012/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sri Anushiya Chit Fund Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Sarma Fison Leather Goods Private Limited

Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6565/560/81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sarma Fison Leather Goods Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved,

In the matter of Companies Act, 1956 of M/s. Sree Rangaraja Spinners Private Limited Madras-600006, the 30th December 1981

No. 6859/560/81.—Notice is hereby given nursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Sree Rangaraja Spinners Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sign. ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies Tamil Nadu, Madras

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Chetan Prakash S/o Shri Surajmal Mahajan Jain, Oswal, Madhu Ganj Kishangarh (Rajasthan) Prop. M/s Chetan Prakash Jain, Sikar. (Transferor)

(2) M/s Regent Industries Sikar through partner Mushtak Ahmed & others, Sikar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. JAIPUR

Jaipur, the 21st December 1981

Ref. No./IAC/Acq.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. F-38 situated at Sikar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Rgistration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sikar on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Agricultural land Plot No. 38, Industrial area, Sikar (Rajasthan) & more fully described in the sale deed registered by S.R., Sikar vide his registration No. 439 dated 13-4-81.

M. L. CHAUHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 21-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2911.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Circular Road, Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Abohar on April, 1981

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Jai Devi Wd/o Sh. Bhawgan Dass R/o Gali No. 2. Nai Abadi. Abohar.

(Transferor)

- (2) Dr. Ram Kumar S/o Sh. Nand Lal R/o Wazeedpur, Kattianwal, Teh. Fazilka. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 259 of April, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 14th December, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2912.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule Circular Road, Abohar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Abohar on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jai Devi Wd/o Sh. Bhagwan Dass R/o Gali No. 2, Nai Abadi, Abohar. (Transferee)
- (2) Smt. Suman Rani W/o Ram Kumar, R/o Vill. Wazeedpur, Kattianwal, Teh. Fazilka. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herain as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 337 of April, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No. /2913.—Whereas. I. R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Sukhera Basti, Abohar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Officer at Abohar on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jawali Bai Wd/o Sh. Ghamandi Ram, Sh. Sain Dass. Duni Chand SS/o Ghamandi Ram R/o Gali No. 15-B, Mandi Abohar.

 (Transferor)
- (2) Sh. Jagdish Rai S/o Sh. Chiman Lal R/o -Vill. Toot-wala, Tch. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 107 of April, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Dated: 14-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2914.—Whereas, I. R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per schedule situated at New Model Town.

Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Phagwara on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Karnail Singh S/o Sh. Bhagat Singh R/o New Model Town, Phagwara.

(Transferor)

 Sh. Joginder Singh S/o Sh. Gurbax Singh R/o Moh. Taruka, Phagwara.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 181 of April, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 14-12-1981

(Transferce)

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

)FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juljundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2915.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per schedule situated at New Model Town, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property; and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Karnail Singh S/\(\alpha\) Sh. Bhagat Singh, R/\(\alpha\) New Model Town. Phagwara.
- (2) Smt. Simar Kaur W/o Joginder Singh R/o Taru Ka, Phagwara.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 190 of April, 1981 of the Registering Authority. Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2916.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at New Model Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——25—426GII81

 Sh. Karneil Singh S/o Sh. Bhagat Singh R/o New Model Town, Phagwara.

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Singh S/o Sh. Gurbax Singh. R/o Moh. Taruka, Phagwara.

(Transferec)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 255 of May, 1981 of the Registering Authority. Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2917.—Whereas. I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at New Model Town, Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on June 81

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Karnail Singh S/o Sh. Bhagat Singh, R/o New Model Town, Phagwara.

(Transferor)

- (2) Smr. Simar Kaur W/o Sh. Joginder Singh R/o Moh. Taru Ka, Phagwara.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 872 of June. 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2918.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Phagwara on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Payari D/o Sh. Chajju Ram R/o Moh. Sainian, Mehli Gate, Phagwara.
- (2) Sh. Lubhaya Ram S/o Sadhu Ram R/o Mehli Gate, Phagwara.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 10 of April, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 14-12-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2819.—Whereas, 1, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara on April 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Kartari D/o Sh. Chajju Ram R/o Moh. Sainian Mehli Gate, Phagwara.
- (2) Sh. Davinder Pal S/o Sh. Lubhaya Ram R/o Mehli Gate, Phagwara.
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 11 of April, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 14-12-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2932.-Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, -1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Ambala Jattan, Teh. Hoshiarnur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhunga on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Sh. Bhag Singh S/o Mchar Singh, Vill. Ambala Jattan Teh. Hoshiarpur.
 - (Transferor)
- (2) Sh. Gurganj Singh S/o Mohan Singh Vill Ambala Jattan Teh. Hoshiarpur. (Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propert, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 10 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhunga.

> R. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Jullundur

Dated: 16-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2933.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Kapurthala on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Brijindra Singh S/o Raja Harmindra Singh R/o Kapurthala Mukhtiar-a-am of Smt. Dan Singh alias Devika W/o Sh. Brijindra Singh 27-Sunder Nagar, New Delhi.
- (Transferor)

 (2) Sh. Kabal Singh, Bakhshish Singh SS/o Late Sh. Harnam Singh V. Bhuttar Distt. Jullundur. Sh. Takat Singh S/o Sh. Sohan Singh, Hari Singh S/o Tara Singh, Parveen Kaur W/o Paramjit Singh, Jit Kaur W/o Sh. Kirpal Singh R/o Kapurthala.

(3) As per Sr. No. 2 above.

No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 141 of April, 1981 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 16-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2934.—Whereas, I, R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Banga

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nawanshahar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sh. Shiv Singh \$/o Sh. Jawala Singh R/o Railway Road, Banga.
- (2) Sh. Satish Kumar, Yash Kumar SS/o Sh. Bhim Sain, R/o Galla Mandi, Banga.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 14 of April, 1981 of the Registering Authority, Nawashahar,

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 16-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2935.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule situated at Banga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Banga on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Shiv Singh S/o Jawala Singh R/o Railway Road, Banga.
- (2) Smt. Lila Wati W/o Bhim Sain R/o Galla Mandi, Banga.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 60 of April, 1981 of the Registering Authority Banga.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 16-12-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2936.—Whereas, I. R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—
26—426 GI/81

 Sh. Ram Murti G.A. of Sh. Naresh Kumar, Madan Gopal SS/o Sh. Ram Murti R/o Hadia Bad, Teh. Phagwara.

(2) Sh. Manjeet Singh S/o Sh. Kirpal Singh R/o Model Town, Phagwara.

(Transferee

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the wald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 160 of April, 1981 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 16-12-1981

Scal

(Transferce)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2937.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Sh. Ram Murti G.A. of Smt. Radha Rani W/o Ram Murti, and Sh. Jagdish Kumar S/o Ram Murti R/o Hardia Bad, Teh. Phagwara.
- (Transferor) (2) Sh. Uttamilt Singh S/o Sh. Kirpal Singh R/o Subhash Nagar. Phagwara.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 161 of April, 1981 of the Registering Authority. Phagwara.

> R. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Jullundur

Dated: 16-12-1981

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACOUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No /2938.--Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Brij Mohan S/o Sh. Nand Lal R/o Gali No. 2. Nai Abadi, Abohar.

(Transferor) (2) Smt. Swaraj Kumari W/o Sh Amar Lal R/o Sukhera Basti, Abohar,

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 62 of April, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

> R. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullunder

Dated: 16-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2939.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Mandi Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property as aforesuid exceeds the apparent consideration value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Kalu Ram S/o Kanni Ram R/o Gali No. 5, Mandi Abohar.

(Transferor)

- (2) Smt. Bhagwan Devi Wd/o Sh. Mangat Ram R/o Gidranwali, Teh. Fazilka.

 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 509 of April, 1981 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 16-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2940.--Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Mandi Abohar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Abohar on May, 81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, .1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Sh. Om Parkash Munjal S/o Sh. Khem Chand R/o Gali No. 11-12. Mandi Abohar Now House No. 267. Sector-11-A, Chandigarh.
- (Transferor) (2) Sh. Raj Kumar S/o Gobind Ram R/o House No. 944, Gall No. 2, Mandi Abobar.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Porson whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 707 of May, 1981 of the Registering Authority. Abohar.

> R. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Dated: 16-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2941.-Whereas, I. R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per Schedule situated at Jullalabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Radhe Sham S/o Om Perkash R/o Jallalabad (West), Distt. Ferozepur.

(Transferor)
(2) Sh. Mukesh Kumar & Ravi Bhushan SS/o Sh. Ami
Chand R/o Jallalabad (West), Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 59 of April, 1981 of the Registering Authority, Fazilka.

> R. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 16-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2942.—Whereas, I. R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at V. Naloian, Teh. Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hoshiarpur.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) Sh. Sukhjinder Singh S/o Sh Dharam Singh R/o Hariana Road. Naloian, Teh. Hoshiarpur. (Transferor)
- (2) Sh. Neeraj Gupta, Amit Gupta SS/o Sh. Lakshmi Dhar Gupta R/o Gaushala Bazar, Hoshiarpur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property,
 (Person whom the undersigned knows to be
 interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 12 of April, 1981 of hte Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 16-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2943.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Naloian, Teh. Hoshiarpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hoshiarpur on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Sukhjinder Singh S/o Sh. Dharam Singh R/o Hariana Road, Naloian. Teh. Hoshiarpur. (Transferor)

(2) Sh. Necraj Gupta, Amit Gupta SS/o Sh. Lakshami Dhar Gupta R/o Gaushala Bazar, Hoshiarpur.

(Transferee)
(3) As per Sr. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 136 of April, 1981 of the Registering Authority, Hoshlarpur.

R. GIRDHAR.
Competent Authroity
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 17-12-1981

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2944.—Whereas, I. R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule situated at Subash Nagar, Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hoshiarpur on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—
27—426GI/81

(1) Sh. Naranjan Dass Suman S/o Sh. Lachhman Dass R/o Subash Nagar, Hoshiarpur.

(Transferor)

(2) Smt. Paramjit Kaur D/o Sh. Lachhman Singh R/o Kot Kalan, Distt. Hoshiarpur.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 64 of April, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

R. GIRDHAR.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 18-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2945.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding: Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at V. Khuaspur Teh. Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hoshiarpur on April, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Gurbakhsh Singh S/o Smt. Mahon
 D/o Nihal Singh R/o V. Khuaspur, Hoshiarpur,
 Smt. Gurdip Kaur and Sh. Udham Singh
 G.A. of Harpal Singh, Sukhvinder Kaur R/o
 V. Khuaspur Teh. Hoshiarpur, Smt. Pritam Kaur
 D/o Tara Singh V. Koopur Distt. Jullundur,
 (Transferor)
- (2) Sh. Karam Singh S/o Harnam Singh Vill. Chabbewal Teh. Hoshiarpur.

(3) As per Sr. No. 2 above. (Transferec)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 48 of April, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur,

R. GIRDHAR.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 18-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2946.—Whereas. I. R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at V. Khauspur Teh. Hoshiarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Officer at Hoshiarpur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideratnoi for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state din the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faiclitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Ratton Kaur Alias Gurbachani Jai Kaur D/o Sh. Tara Singh S/o Nihal Singh V.P.O. Khuaspur Teh. Hoshiarpur.
- (2) Shrimati Rachhpal Keur D/o Sh. Santa Singh V&P.O. Raj Pur Bhaia, Teh.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

Hoshiarpur.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 140 of April, 1981 of the Registering Authority, Hoshiarpur.

> R. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Dated: 16-12-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2954.—Whereas, I, R, GIRDHAR,

Officer at Nakodar on April, 1981

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Nakodar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Krishan Kumar, Petition Writer, Tehsil-Nakodar.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Bhushan Jain . P/o M/s Sitel Dass & Sons, Anaj Mandi, Nakodar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 24 of April, 1981 of the Registering Authority. Nakodar.

R. GİRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Dated : 18-12-1981

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th December 1981

Ref. No. A.P. No./2956.—Whereas, I, R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the (air market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Krishan Kumar S/o, Ram Bakhash R/o 54-B. Moti Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chander, Krishan Chander, Vinod Kumar SS/o Kans Raj, R/o Malri Gate, Nakodar. (Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 180 of April, 1981 of the Registering Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Dated: 16-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th December 1981

Ref. No. A.P. No./2957.-Whereas, I, R. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per schedule situated at Moh. Malri Gate, Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Nakodar on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the propertyl as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sh. Krishan Kumar S/o Ram Bakhash R/o 54-B, Moti Nagar, Ludhiana.
- (Transferor) (2) Sh. Subhash Chander, Krishan Chander,

Vinod Kumar SS/s Kans Raj R/o Melri Gate, Nakodar.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 366 of May, 1981 of the Registering Authority, Nakodar.

> R. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Juliundur

Dated: 18-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 18th December 1981

Ref. No. A.P. No./2947.—Whereas, I. R. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule situated at Gidherbah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Gidherbah on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gulzar Singh S/o Kirpal Singh Self and Mukhtiar-Ai-Am of Smt. Jash Kaur W/o and Nachhiter Singh S/o Kirpal Singh and Karnail Singh, Harnek Singh, Jarnail Singh, Bogha Singh, Darbara Singh Baljit Singh Ss/o Kirpal Singh R/o V. Singhpur Teh. Sangria.

(Transferor)

(2) Sh. Ved Parkash S/o Rilchi Ram, Vakil Chand S/o Ved Parkash, Piara Lal S/o Roshan Lal, Raj Kumar S/o Roshan Lal, Satish Kumar & Naresh Kumar Se/o Om Parkash R/o Gidherbah Teh. Muktsar Distt. Faridkot.

(Transferce)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 142 of April, 1981 of the Registering Authority. Gidherbah.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Dated: 16-12-1981

Seal

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULILUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2948.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule situated at Gidherbah

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidherbah on May, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any nicome or any moneys or other assets which have not been or which night to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Karnail Singh S/o Kirpal Singh Mukhtiar-Ai-Am of Sm!. Gurdev Kaur Dd/o Veor Singh S/o Mal Singh R/O Gidherbah now r/o V. Singhpura Tehsil Sangtia, Distt. Ganganagar.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Gopal S/o Raja Ram and Girdhari Lal Jagdish Rai Ss/o Roshan Lal and Panjab Rai S/O Chander Bhan and Satish Kumar, Naresh Kumar Sv/o Om Parkash and Ranjit Kumar S/O Babu Ram r/o Gidherbah Tehsil Mukisar, Distt. Faridkot. (Transferce)
- *(3) As s. no. 2 above. (Person in occupation of hte property)
- *(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 482 of May, 1981 of the Registering Authority, Gidherbah.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliandur,

Date: 17-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 17th December 1981

Ref. No. A.P. No./2949.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

As per Schedule situated at Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following versons, namely :--

28-426GI/81

(1) Shri Krishan Baldev, Ram Ratten, ss/o Charan Dass and Charan Dass S/o Thakur Dass, R/o FK-75, Shivraj Garh, Jullundur.

(2) Shri Sohan Lal S/o Banke Ram and Shashi Kumar, Raj Kumar Ss/o Sohan Lal R/o 30, Shivaji Park, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHUDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 695 of April, 81 of the Registering Authority, Jullundur.

> R. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-12-81.

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR Jullundur, the 17th December 1981

Ref. No. A.P. No./2950.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Narinder Nath S/o Sh. Nihal Chand through Shri Manmohan Nath S/o Narinder Nath, 130 Sector 21-A, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shrimati Surinder Rani Wife of Sh. Tarsem Lal. W.F. 136, Chhota Ali Mohalla, Jullundur. (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this rotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sai dimmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 414 of April, 1981 of the Registering Authority, Juliandur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Jullundur

Date: 17-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1981

Ref. No. A.P. No. /2951.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Juliundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shu Manjit Singh S/o Sohan Singh r/o ED-218, Dhan Mohalla, Julfundur.

(Transferor)

(2) Shrimati Raksha Rani, 426, Mota Singh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 50 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 17th December 1981

Ref. No. A.P. No./2952,—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Sucjit Kaur W/o Shri Manjit R/o ED-218, Dhan Mohalla, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Dharman Paul S/o Shri Ishar Dass R/o V. & P.O. Rurka Kalan Tehsil Phillaur, Distt: Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 51 of April, 1981 of the Registering Authority, Juliandur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR

Jullundur, the 17th December 1981

Ref. No. A.P. No./2953.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Ved Parkash S/o Sh. Shanker Dass through Sh. Jagdish Ram Dutta General Attorney C/o Dutta Cloth House, Industrial Area, Jullundur. (Transferor)
- (2) Shrimati Bimla Devi wife of Sh. Jagdish Ram Dutta, S-255, Industrial area, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 358 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 17-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 17th December 1981

Ref. No. A.P. No./2955.—Whereas, I, R. GlRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Juljundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

- (1) Shrimati Kanta D/o Shri Guranditta Mal, r/o II63, Street Panditan, Lahori Gate, Amritsar now r/o 20, Tagore Nagar, Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Sadhu Ram S/o Shri Harbans Lal, E.G. 1025, Mohalla Gobind Garh, Jullundur, (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 495 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

> R. GIRDHAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 18-12-81.

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jalandhar, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No. '2920.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Naginder Singh Advocate S.O.Sh. Gursharan 5mg h. R/O. 496-R, Model Town, Jullandur.
- (Transferor)
 (2) Shri Teg Bahadur Singh S/O Sh. Naginder Singh R/O 490-R, Model Town, fullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 571 of April, 1981 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullandur.

Date: 14-12-81.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2921.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at V. Singh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ghasita Singh alias Balvinder Singh and Boota Singh alias Joginder Singh Ss/o Sh. Bhagat Singh R/O V. Singh Teh. & Distt. Jullundur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Surrinder Singh, Sukhvinder Singh Ss/o Sh, Mukhtiar Singh R/O V. Singh, Teh. & Distt. Jullundur,

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 34 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliundur

Date: 14-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2922.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

As per schedule situated at V. Bhagwanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

29—426GI₁82

- (1) Shrimati Mohinder Kaur, Harbans Kaur, Gurbax Kaur, Jagdish Kaur Ds/O Ujagar Singh through G. A. Parahini r/o V. Bhagwanpur, Tehsil Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Joginder Singh S/O Sh. Ujagar Singh R/O V. Bhagwanpur Tehsil Jullundur.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 413 of April, 1981 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2923.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jawahar Lal S/O Sh. Karam Chand r/o NE-204, Adda Hoshiarpur, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/S H.S. Oil Furnish, 157 Sodel Road, Jullundur through Sh. Bahadur Singh Son of Sh. Arjan Singh Partner of the firm.

(Transferce)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the propert. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 569 of April, 1981 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 14-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2924.—Whereas, I. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at \dot{V} . Kurala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhogpur on April, 1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kundan Singh S/O Ujagar Singh General Attorney of Jarnail Singh S/O Ujagar Singh and Dilbag Singh, Manjit Paul Singh Ss/O Kundan Singh r/o Moga Tehsil Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Singh S/O Sh. Bhagat Singh R/O Village Kurala Tehsil, Jullundur.

(Transferee)

property)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 64 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhogpur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-12-81.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Rcf. No. A.P. No./2925.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule situated at V. Burj Kahan Singh Wala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nathana on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Sis Pal S/O Sh. Gurdas Mal R/O Bucho Mandi, Tehsil & Distt. Bhatinda. (Transferor)
- (2) Shri Malkit Singh S/O Gurnam Singh S/O Sh. Bisban Singh R/O V. Chak Fatch Singh Wala. Distt. Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 126 of April, 1981 of the Registering Authority, Nathana.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 14-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMÉ-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No./2926.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raj Kumar S/O Sh. Om Parkash R/O Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Gupta adopted son of Sh. Kishore Chand R/O Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above and Sh. Sobh Raj Chug, 4715 Hospital Road, Bhatindar (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property; and Sh. Chet Ram adopted son of Sh. Kunj Lal, H. N. 4665, Bhatinda. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interest in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 319 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-12-81,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, he 14th December 1981

Ref. No. A.P. No. /2927.--Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bhatinda on April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than falteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Anil Kumar S/o Sh. Om Parkash r/o Bhatinda.
- (Transferor) (2) Shri Prem Chand Gupta adopted son of Sh. Kishore Chand R/O Bhatinda.
- (3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
and Sh: Chet Ram Adopted son of Sh. Kunj Lal,
R/o H. No. 4665 opposite Moti Ram Kanya Mahavidyala, Bhatinda.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale Deed No. 320 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

> R. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-12-81

(Transferee)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, he 14th December 1981

Ref. No. A.P. No. 2928.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Santosh Wd/o Sh. Om Parkash R/O Bhatinda.
- (?) Shri Sanjiv Kumar S/O Sh. Prem Chand Gupta
- (3) As S. No. 2 above, and Sh. Sobh Raj Chug, 4715, Hospital Road, Bhatinda.
- (Person in occupation of the property)
 (4) Any other person interested in the property.
 and Sh. Chet Ram adopted son of Sh. Kunj I al,
 H. No. 4665, Bhatinda.
 (Person whom the undersigned know to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 321 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-12-81

FORM ITNS ---

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULI, UNDUR

Juliundur, he 14th December 1981

Ref. No. A.P. No. 2929.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Juliundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bedieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, to pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/S. Nakodar Industrial Corporation, Anand Nagar, G.T. Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) M/S. Amrit & Chander Ice Factory, Anand Nagar, G.T. Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 251 of April, 1981 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 14-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th December 1981

Ref. No. A.P. No. 2930.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-426GI/81

- (1) Shrimati Urmala Devi D/o Sh. Madan Lal through General Attorney Shmt. Veena Rani Wife of Sh. Kundan I.al R/o FQ-976-A, Mohalla Gobind Garh, Jullundur.
- (2) Shri Resham Singh S/o Sh. Munsha Singh R/o Village Garhi Baksha Distt. Jullundur and Ishar Singh S/o Nikka Singh R/o V. Gill Tehsil Jullundur.
- (3) As S. No. 2 above.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 260 of April, 1981 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition range, Jullundur

Date: 14-12-81

Scal;

(Transferee)

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1981

Ref. No. A.P. No 2931.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 at 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bhagwan Singh S/O Sh. Labh Singh R/O E:R: 133, Pucca Bagh, Jullundur.
- (Transferor)
 (2) Shrimati Bakhshish Kaur D/O Sh. Surain Singh
 S/O Sh. Waryam Singh
 R/O Central Town, Juliundur
 C/O Heera Tractors, Nehru Garden Road,
 Juliundur.

(3) As S. No. 2 above. and (1) Surendra Tyre Retreating Co. (2) Nawan Zamana (3) Awami Press, Nehru Garden Road, Jullundur.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of agrice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale Deed No. 506 of April, 81 of the Registering Authority, Juliundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 15-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th December 1981

Ref. No. A. P. No. 2932.—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable property, having a fair market value exceeding,

Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Faridkot

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1968) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Jaswant Singh adopted son of Sh. Harpal Singh S/O Mehar Singh r/o Old Grain Market, Faridkot.

(Transferor) (2) Shri Mangat Ram, Sham Sunder, Rajinder Kumar, Ravinder Kumar, Arun Kumar Ss/o Kishan Chand, R/O Main Bazar, Faridkot.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 195 of April, 1981 of Registering Authority. Faridkot.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Juliundur

Date: 15-12-81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2958.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Mal Singh Retired Major S/o
 Sh. Hira Singh Self and attorney of
 Sh. Gurmit Singh his son r/o Bhatinda.
 (Transferor)
- (2) Shrl Jaswant Singh S/O Lachhman Singh r/o V. Bibiwala Teh. & Distt. Bhatinda.
- (3) As S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 833 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-81

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2959.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Bhatinda on April, 1981

for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mal Singh Retired Major S/O
 Sh. Hira Singh self and attorney of
 Sh. Gurmit Singh, his son R/o Bhatinda.

 (Transferor)
- (2) Shrimati Parvender Kaur W/o Jaswant Singh R/o V, Bibiwala Teh, & Distt. Bhatinda, (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 832 of April, 81 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-81

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2960.—Whereas, I R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Bhatinda

(and thore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conceilment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Stri Mid Singh Retd. Major S/O Sh. Hira Singh self and attorney of his son, Sh. Gurmit Singh R/O 1021, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) Shri Avtar Singh, Jaswant Singh Ss/o Sh. Lachhman Singh and Lachhman Singh S/O Sh. Wadhawa Singh and Smt. Sukhvinder Kaur W/O Sh. Ishar Singh R/O V. Bibiwala Tch. & Distt. Bhatinda.
- (3) As S. No. 2 above.

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the swid immitovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Ganette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 831 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatlada.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Juliandur

Date: 23-12-81

FORM ITEM

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A. P. No. 2961.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing As per Schedule,

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mal Singh Retd. Major s/o Shri Hira Singh attorney of his son, Gurmit Singh, r/o 1021, Sector 21-B, Chandigarh

(Transferce)

(2) Shri Dinesh Inder Singh s/o Shri Balbir Singh, r/o behind New Water Works, Bhatinda.

(Transferor)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immenable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 65 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Rcf. No. A. P. No. 2962.—Whereas 1, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other passets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the lesue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, research:—

 Shri Mal Singh s/o Shri Hira Singh Retd. Major, r/o 1021, Sector 21-B. Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Inder Singh s/o Shri Balbir Singh, r/o behind New Water Works, Bhatinda.

(3) As. S. No. 2 above.

(Transferee)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 66 of April, 81 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2963.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bewteen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following thereons. namely:—
31—426GH81

 Shri Mal Singh, Rettl. Major, s/o Shri Hira Singh, r/o 1021, Sector 21-B, Chandigarh

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o
 Shri Lachhman Singh,
 r/o V. Bibiwala, Teh. and Distt. Bhatinda.
 (Transferce)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows)

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 827 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2964.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding Rs. 25,000/- and bearng

No. As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mal Singh, Retd. Major, 8/0 Hira Singh, r/0 1021, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Lachhman Singh s/o Shri Wadhawa Singh, r/o V. Bibiwala. Teh. & Distt. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As. at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 834 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2965.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor e,inpur shrdlu emfwyp shrdlu shrdlu shrsev Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mal Singh 8/0 Shri Hira Singh, r/0 1021, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Sukhvinder Kaur d/o d/o Shri Ishar Singh, r/o Village Bibiwala, Teh. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 828 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2966.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule,

situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income strising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Avtar Singh, Bhkhtaur Singh, Iqbal Singh, ss/o
 Shri Naranjan Singh, r/o Bhatinda.

(2) Shii Iqbal Singh, Rachhpal Singh, ss/o Shri Baldev Singh, r/o V. Thrajwala, Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)

 (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows)

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 88 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date 23-12-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2967.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Surjit Singh S/o Shri Arjan Singh, r/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Baltej Kaur d/o Shri Mohinder Singh, r/o Bhatinda.

(Transferce)

(3) As. S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 403 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

PORM ITMS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

A.P. No. 2968.—Whereas I, R. GIRDHAR, Ref. No. being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely :-

(1) Shri Mal Singh, Retd. Major, S/o Shri Hira Singh, G.A. of Shri Gurmit Singh S/o Shri Mal Singh, r/o 1021, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Jit Kaur d/o Shri Avtar Singh, r/o Bibiwala, Teh. Bhatinda.

(Transferee)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 835 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

> R. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

 Shri Mal Singh, Retd. Major, 8/0 Shri Hira Singh, r/0 1021, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 (2) Shri Balbir Singh, s/o Shri Ganda Singh, Retd. Tehsildar, r/o near Water Tank, Bhatinda.
 (3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2969.—Whereas 1. R. GIRDHAR, being the Competent Authority under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 836 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2970.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B. of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not beent truely stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mal Singh, Retd. Major, 8/0 Shri Hira Singh, Self and Attorney of his son, Shri Gurmit Singh, r/o 1021, Sector 21-B. Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Singh, s/o Shri Mani Singh, c/o Shri Avtar Singh, Retd. Manager, Hindustan Commercial Bank, Village Bibiwala, Teh. & Distt. Bhatinda.

(Transferee)

- (3) As. S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 829 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2971.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mal Singh, Retd. Major, s/o Shri Hira Singh, Self and Attorney of his son, Shri Gurmit Singh r/o 1021, Sector 21-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Singh s/o Shri Mani Singh, r/o Bhatinda,

(Transferee)

(3) As. S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 830 of April, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

Seal:

32-426GT/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 23rd December 1981

Ref. No. A.P. No. 2972.—Whereas I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per Schedule, situated at Bhatinda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Inder Singh s/o Shri Mansa Singh, r/o Mansa Road, Opposite Roshan Lal Oil Mills, Bhatinda.
 (Transferor)
- (2) Shirmati Karnail Kaur w/o Shri Nar Singh, and Shri Baljit Singh s/o Shri Nar Singh, r/o Bhatinda, and Smt. Sukhminder Kaur d/o Shri Bawa Singh, and Surrinder Singh s/o Shri Bawa Singh, r/o Muktsar.

(Transferees)

- (3) As. S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1144 of May, 1981 of the Registering Authority, Bhatinda.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/19/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing S.C.O. site No. 74, situated at Sector 30C, Chandigarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), have been transferred under the Barietzstier Act. 1908 (16

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pran Jeewan Joshi S/o Shri Chint Ram Joshi Through his general power of attorney Shri Kewal Krishan Lal S/o Shri Ram Lal, R/o Officer's Colony, Kothi No. 2A, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Aruna Singhal
W/o Shri R. K. Singhal,
Shri Vikas Singhal, Minor sons of Shri R. K.
Shri Vivek Singhal, Singhal,
Through their mother & guardian Smt. Aruna Singhal
R/o Kothi No. 20, Sector 11A,
Chandigarh.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.O. site No. 74, Sector 30C, Chandigarh.

The property as mentioned in the sale deed No. 113 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23rd December 1981

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/28/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Industrial Plot No. 154-155, Industrial Area, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chandigarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pardes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s, Bolaria Foods & Farma Pvt. Ltd. through Managing Director Shri Jagjit Singh Balaria s/o Shri Shiv Charan R/o H. No. 226. Sector 9, Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s, Hindustan Garrage, 481, Indl. Area, Chandigarh through Shri Madhu Sudan Vij s/o Sh. H. L. Vij, R/o H. No. 224, Sector 9C, Chandigarh,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Plot No. 154-155, Industrial Area, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 179 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23rd December 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/12/81-82. Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. House No. 2741, Sector 22-C, situated at Chandigarh. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Prithmi Chand s/o Shri Mool Raj C/o B. K. Maini R/o 14A, Avas Vikas Colony, Shastri Nagar, Mccrut.
- (2) Mrs. Sarvan Kaur w/o Shii Resham Singh R/o 3196, Sector 28-D, Chandigarh.

(Transferee)

(3) Shi Darshan Singh R/o H. No. 2741, Sector 22C, Chandigarh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FARTANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 2741, Sector 22C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 61 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 231d December 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/17/81-82.—Whereas I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 1721 situated at Sector 33D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer at Chandigarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair mraket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Lt. Col. V. N. Madan, Vr. C. S/o Shri Joti Nath Madan, 57, Mountain Division C/o 99 A.P.O. (Transferor)
- (2) Shri Joginder Nath Tuli S/o Shri Bakshi Ram Tuli, R/o House No. 111, Sector 23A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1721, Sector 33D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 81 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23rd December 1991

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/10/81-82,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S.C.F. No. 10 situated at Sector 19D, Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Krishna Wanti W/o Shri Bhagwan Dass & Shri Pardeep Kumar S/o Shri Bhagwan Dass Both R/o SCF 7, Sector 18D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Kuldip Kaur W/o S, Darshan Singh Shri Jaspal Singh Moor S/o S. Darshan Singh Smt. Pinki W/o Shri Jaspal Singh Moor, All R/o 38, Stanlay Road, Leicestershire, England Through Shri Sham Lal Aggarwal, Special Power of Attorney.

(Transferee)

(3) 1. M/s. Sunder Emporium,2. Shri Kuldip Jaiswal S/o Chint Ram,

3. Shri Nayyar,

4. Shri Bhola Singh,
5. Shri Pappu & his brother
All R/o SCF No. 10, Sector 19D, Chandigarh.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S.C.F. No. 10, Sector 19D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 30 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiann

Date: 23rd December 1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/21/81-82.--Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 3505, Sector 32-D,

situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Mehar Singh s/o Shri Suchet Singh Through Shri Harbans Lal Kaura R/o 169, Sector 19-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Rama Chawla w/o Shri V. K. Chawla R/o 1065, Sector 27-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3505, situated at Sector 32-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 153 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I udhiana

Date: 23rd December 1981

FORM ITNS-----

er a delater i Nordan strata, professoramento al la Cada III. La cada III. La Cada III. Cada del Cada III. Cad (1) Major Genl, P. N. Trikha, 162, Madhuvan, New Delhi-110092,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpa Wanti C/o 56, Industrial Area, Chandigarh,

(Transferee)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/24/81-82. -- Whereas, 1, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 169(B) of the Income-tax ct. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 1361, situated at Sector 23C, Chandigarh-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely is -33--426GTff181

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immuable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1361, Sector 23C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 184 of April. 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquirition Range, Ludhiana

Date: 23rd December 1981

FROM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/11/81-82.--Whereas, I,

SUKTIDEV CHAND, being the competent authority under Section 269 B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the section of the sec immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

House No. 662, situated at Sector 16D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) S/Shri 1, Avinash Chandra, I.P.S.,

Vinod Kumar, Smt. Bimla Devi

4. Kapil Dev & Kushal Dev

R/o House No. 43, Sector 11A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh Dhillon for self and Attorney of Dr. Iqbal Singh & Mrs. Persinderiit Singh. 2. Shri Narinderjit Singh for self and Attorney of S. Misra Singh, Residents of H. No. 662, Sector 16D, Chandlgarh,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inierested in the sai dimmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 662. Sector 16D, Chandigarh,

(The property as mentioned in the sale deed No. 56 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tox, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23rd December 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/2/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1 share in House No. 556. Sector 16D, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (it of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Vimla Verma W/o Sh. M. L. Verma, R/o 556, Sector 16D, Chandigarh.
- (Transferor)
 (2) Shri Dharamvir Sabharwal and Smt. Urmilla Sabharwal,
 K/o 556, Sec. 16D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 550 (Half Share), Sec. 16D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 10 of April, 81 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiano, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/4/81-82.— Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 301, situated at Sector 33A, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (0) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Major Chander Mohan Mehta S/o Shri Inder Mohan Mehta through his attorney Shri Inder Mohan Mehta R/o 1607, Sec. 34D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri C. S. Duggal S/o Sh. Jang Bahadur Singh, R/o 212. Sector 33A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 301, Sector 33A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale Deed No. 14 of April, 81 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Undhiano, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/20/81-82,---Whereas. I, SUKHOLV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 429. Sector 35-A, situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- Group Capt. (Retd.) Manmohanbir Singh Talwar S/10 Sh. Kartar Singh Talwar, R/10 H. No. 9, West Patel Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) (1) Smt. Suman Rani W/o Sh. Dharam Chand,
 (2) Smt. Kamlesh Rani W/o Shii Shri Ram,
 R/o H. No. 1241, Sector 18-D, Chandigarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 429, situated in Sector 35-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 150 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 26-12-1981

FORM ITN9 -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/9/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 215. Sector 37-A, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) (1)
- Shri Mehar Singh S/o Shri Soban Singh, R/o Kahlon P.O. Rahon Distt, Jullundur,
 through Mrs. Rekha Anand W/o Dr. Subhash Anand. R/o 1711, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

- (2) (1) Mrs. Paramjit Singh Sadhu W/o Shri Upakar
 - Singh Sadhu, (2) Mrs. Karam Kaur W/o Shri Badal Singh Sadhu, R/o 215, Sector 37-A, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and explanation used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. 215, situated in Sector 37-A. Chandigarh, (The property as mentioned in the Registered deed No. 29 of April, 81 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-12-1981

 Smt. Prem Parkash Kaur Wd/o Shri Jaswant Singh, R/o 7 Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. I.DH/16/81-82,—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Hnd. Floor B-2-1745. Chaura Bazar, situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—416GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Shri Deepak Kapoor S.'o Shri Shami Kapoor,

Rajfoot Wear, Chaura Bazor, Ludhiana.

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hnd. Floor B-2-1745, situated in Chaura Bazar, Ludhiana. (The property as mentioned in the Registered deed No. 173 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. LDH/16/81-82.--Whereas, 1, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of property No. B-2-1745, Chaura Bazar, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

ot Ludhiona in April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Prem Parkash Kaur Wd/o Shri Jaswant Singh-R/o 7 Gurdev Nagar, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Deepak Kapoor S/o Shri Shami Kapoor, Rajfoot Wear, Chaura Bazar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned to

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of property No. B-2-1745, situated in Chaura Bazar, Ludhiana,

(The property as mentioned in the Registered deed No. 158 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/16/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition

Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1718, Sector 33-A, situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Chandigarh in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--- 34-42G6I/81

Shri S. S. Sannil S/o Shri Dayal Singh, R/o 215, Housing Colony, Sonepat.

(Transferor)

(2) 1(1) Smt. Surjit Kaur W/o Shri Swaran Singh. (2) Shri Swaran Singh S/o Shri Gurbax Singh, R/o 711, Sector 23-A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1718, situated in Sector 33-A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 74 of April, 1981 of the Registering Authority, Chandigarh).

> SUKHDEV CHAND Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. CHD/18/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

House No. 540 situated at Sector 10D, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (46 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1911) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri J. S. Anand, I.P.S. S/o Shri Baldev Singh, R/o 540, Sector 10D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smr. Jaswant Kaur W/o S. Jasmer Singh, C/o Main Bazar, G.T. Road, Shahbad Markanda, Distt. Kurukshetra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 540, Sector 10D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 95 of April, 81 of the Registering Authority, Chandigarh).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sahabzadi Bu Quadsia Begum through his attorney Shri Abdul Shakoor S/o Manjoor Hussian, Delhi Gate, Malerkotla, Distt, Sangrur.

(Transferor)

 M/s. Arihant Spinning Mills, Industrial Area, Malerkotla, Distt. Sangrut.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 23rd December 1981

Ref. No. MKL/11/81-82.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 23 Kanals 6 Marlas situated at Thandi Sarak, Malerkotla, Distt. Sangrur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the o flice of the Registering Officer at Malerkotla in July, 1981,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23 Kanals 6 Marlas at Thandi Sarak, Malerkotla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2604 of July, 1981 of the Registering Authority, Malerkotla).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I
G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING,
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/4-81/112,---Whereas, J, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-10, situated at Kalindi Colony, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

- (1) Mrs. R. C. Sood & Co. (P) Ltd., Eros Cinema Building, Jangpura, Extn., New Delhi through their Director Shrl Satish Kumar Sood. (Transferor)
- (2) Mrs. Saneh Tandon 4583/15, Daryaganj, N. Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16th share in Plot No. B-10, Gatogery II Group A, mg. 886.113/144 sq. yds. Kalindi Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 23-2-1981

Soal ;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/4-81/111.—Whereas. I, R. B. L. AGGARWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

Plot No. 12. situated at Kalindi Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Satish Kumar Sood & Co.. Eros Cinema Building, Jangpura Extn., New Delhi through partner Shri Satish Kumar Sood.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Shashi Duggal & Master Arjun Duggal, C/o Q.M.G.'s Branch Army Hq. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16th share in Plot No. 12. Category II Group A, measuring 886.78 sq. yds. Kalindi Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1981

Ref. No. IAC/Acq.-/SR-III/4-81/79.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Mchrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- The Capital Co-operative Poultry Society Ltd., B-22, Maharani Bagh, New Delhi through Shri P. R. Gupta the President.
 - (Transferor
- (2) Shri Gurbachan Singh S/o Shri Bhagwan Singh, R/o 604 Rohit House, Connaught Place, New Delhi and others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land mg. 15 bigha 4 biswas of Tajpul Tchsil Mehrauli, Delhl.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/4-81/5.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. L-66, situated at Kalkaji. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Km. Raj Rani Khanna D/o Late Ayodhya Nath Khanna. R/o 130-F, New Alipur Calcutta at present 1/1, Lajpat Nagar-III, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Vinod Kumar Bhalla & others, R/o G-148. Kalkaji, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. L-66, area 366.7 sq. vds. Kalkaji, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/4-81/55,---Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reforred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Mehrauli, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ram Kishan Gaur S/o Shri Janki Pershad and Smt. Sona Devi W/o Shri Ram Kishan Gaur, R/o 609/3, Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pt. Bhagat Ram Sharma S/o Shri Bansi Lal, R/o 327, Masjid Moth, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agr. land measuring 45 bighas and 11 biswas in village Mehrauli, New Delhi.

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Safya Dutta through G/A K. S. Lather, A-4, Officers Colony No. 1, Gurgaon (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Pradeep Kumar Jain, R o J-12, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NFW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/4-81/19.—Whereas, I, R. B. I., AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. F-10, situated at Kalkaji, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesiad property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
35—426GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. F-10, Kalkaji measuring 200 sq. yds. New Delbi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 23-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1981

Ref. No. JAC/Acq.-I/SR-III/4-81/58.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 1, 24A & B, situated at Malvia Nagar, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or, the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Smt. Gyan Devi Bajaj W/o late Prem Narain, R/o L-24-A and B, Malvia Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Lakshmi Narain Joshi S/o Shri Hariduwari, R/o 17-A/55, WEA, Karol Bagh. New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. L-24A & B, Malvia Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 23-12-1981

FORM I.T.N.S.~

(1) S. Gurdev Singh S/o S. Mohan Singh, No. 52, Road No. 42, Punjabi Bagh, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar Agarwal S/o-late Lala Mitter Said Agarwal, A-184, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd December 1981

Ref. No. IAC/Acq.-I/SR-III/4-81/102.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-184, situated at Defence Colony, New Delhi,

No. A-184, situated at Detence Colony, New Deini, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-48 Greater Kailash II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-12-1981

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th December 1981

Ref. No. GRG/9/81-82.—Whereas, I, G. S. GOPALA, soing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Land measuring 22 kanal situated at Village Sahrol, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gurgaon on April, 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Sh. Kirpa, Parbhu Ss/o Sh. Rampat, Shri Siri Ram S/o Shri Kanhya, R/o Village and P.O. Sarhol.

(Transferor)

(2) New Delhi Hotels Ltd., Hotel Ambassador, New Delhi-110003.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 22 kanal situated at Village Sabrol Teh, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 66 dated 3-4-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th December 1981

Ref. No. GRG/19/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 60 kanals 18 marla situated at Village Sarhol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurgaon on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) S/Sh. Naval Singh, Vijay Singh S/o Shri Chander Bhan s/o Ram Lal, R/o Vill. & P.O. Sarhol. (Transferor)
- (2) M/s New Delhi Hotels Limited, Hotel Ambassador, Sujan Singh Park, New Delhi-110003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 60 kanals 18 marla at Village Sarhol and as more mentioned in the sale deed registered at Sr. No. 458 dated 29-4-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-12-1981

FORM NO. LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s New Delhi Hotels Ltd., Hotel Ambassador, Sujan Singh Park, New_Delhi-110003.

dar Singh, Sarhol.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK,

Rohtak, the 14th December 1981

Ref. No. GRG/20/81-82.—Whereas I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 24,000/- and bearing No.

Land measuring 60 K-13 M. situated at Village Sarhol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parkes has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(1) S/Sh. Man Singh & Mahinder Singh Ss/o Shri Sar-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 60 kanal 13 marla situated at Village Sarhol and as more mentioned in the sale deed registered at No. 459 dated 29-4-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPAJ.A

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-12-1981

FORM I.T.N S .----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK,

Rohtak, the 14th December 1981

Ref. No. BGR/41/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 213 Bighas situated at Village Anangpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabhgarh in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mes Delhi Anto & General Finance Private Limited, New Delhi. (Transferor)
- (2) Sms. Harpinder Kaur W/o Avtar Singh, R/o C-51, Greater Kullash-I, New Delhi.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 213 bigha situated at Vill. Anangpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 845 dated 20-4-1981 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Juspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) (2) M/s Greater Delhi Planners (P) Ltd. Flat No. 3.

Shanker Market, Connaught Circus, New Delhi. (Transferce)

Shri Amerjit Singh S'o Late S. Partap Singh Kalra R/o 222, Parsad Nugar, New Delhi.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th December 1981

Ref. No. DLI/36/81-82.-Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 19 kanals 6 marlas situated at Vill. Palla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in June, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 19 Kanals 6 Marla situated at Village Palla and as more mentioned in the sale deed registered at No. 585 dated 12-6-1981 with the Sub Registrar, Delhi.

> G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-12-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Greater Delhi Planners (P) Ltd., Flat No. 3, Shanker Market, Connaught Circus, New Delhi.,

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kumat S/o Sh. Mehar 5-C/51, Rohtak Road, New Delhi.

Chand R/o
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 14th December 1981

Ref No. DLI/103/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A-91 area 527 sq. yds. situated at Ashoka Enclave Vill. Palla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1981

for an apparent consideration which is less than 'the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentration of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:— 36-426GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. A-91 measuring 527 sq. yards situated in Ashoka Enclave Ext.-II, Vill. Palla and as more mentioned in the sale deed registered at No. 893 dated 2-9-81 with the Sub Registrar, Delhi.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, DI.F. COLONY

Robtak, the 14th December 1981

Ref. No. IDR/4/81/82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority, under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 145, Model Fown, situated at Yamunanagai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in April, 1981

for an apparent consideration which less than fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce far the purposes of the Indian faccome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajınder Dutt S/o Sh. Sıkander Lal, Jagdish Chander, Ramesh Chander & Krıshan Lal S/o Sikander Lal & Smt. Satya Chiber & Smt. Savita Ram Ds/Sh. Sıkander Lal R/o 19-B, Model Town, Yamuganagar.

(Transferor)

(2) Shi Harbhajan Singh & Sh. Satwant Singh Smt. Parbhjot W/o Harbhajan, R/o 145 Model Town, Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 145, Model Town, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at 8 dated 1-4-1981 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX A(T, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK,
D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th December 1981

Ref. No. JDR/12/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House measuring $101' \times 40 = 449$ sq. yards situated at Model

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in April, 1981.

for an apparent consideration

Town, Yamunanagar

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that, the consideration for such apparent consideration and that the consideration for truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforetaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Scal:

(1) Shij Harbans Lai Sahm W/o Sh. Sohan Lai R/o 473 I Model Town, Yamunanagar.

(Transferoi)

(2) Shi Ram Parkash S o Sh Ram Lal Bajaj Thaper Colony, Yamunanagar.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being House situated at Model Town, Yamunanagui and as more mentioned in the sale deed registered at No. 456 dated 24-4-1981 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Robbak

Date: 16-12-1981

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.I..F. COLONY

Rohtak, the 14th December 1981

Ref. No. KNL/2/81-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 495 R, Model Town, situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Shri Sushila Batra W/o Sharat Chandra Batra attorney of Shri Sharat Chander Batra, \$/o Jagdish Chander Batra R/o Ahmedabad.

Transferor (

(2) Shri Suresh Kumar S/o Moti Ram, Karnal, H. No. 495-R. Model Town, Karnal. 2. Moti Ram R/o Sh. Pyare Lal, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 495 R, Model Town, Karnal and as mentioned in the sale deed registered at No. 698 dated 22-4-1981 with the Sub Registrar, Karnal

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.I. COLONY

Rohtak, the 15th December 1981

Ref. No. BWN/5/81-82. Whereas I. G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

l-actory building with land situated at Industrial Area, Bhiwani

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhiwani in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Jacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Naraen Dass Khurana S/o Sh. Fateh Chand Khurana, Sh. Subhash Chand S/o Veer Bhan, Through Shri Ved Parkash Khurana, R/o Bhiwani.
- (2) M/s Maruti Synthetics Industries, Industrial Area Bhiwani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Factory building situated in Industrial Area, Bhiwani and as more mentioned in the sale deed registered at No 84 dated 8 4-1981 with the Sub Registran, Bhiwani,

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 15th December 1981

Ref. No. GRG/11/81-82...-Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 126 Model Town situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tanjore on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Maya Dass S/o Sh. Hukam Chand, R/o 2-40 Shivaji Nagar, Gurgaon.
- (2) Smt. Daya Wanti W/o Sh. Banna Ram, S/o Shri Jamna Dass, R/o 2/35 Shivaji Nagar, Gurgaon now H. No. 126, Model Town, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 126 situated in Model Town, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 38 dated 6-4-1981 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 15-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAL, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th December 1981

Ref. No. PNP/19/81-82,---Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House at Ashandh Road, situated at Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market valu of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Capt Rajinder Singh S/o Sh. Sher Singh S/o Shri Udmi Ram R/o Ashandh Road, Panipat.

(2) 1. Smt. Raj Kori Nain W'o Tulsi Ram S/o Muni

Ram.
2. Smt. Neerja Nam W/o Sh. Suresh Nam S/o
Tulsi Ram C/o M/s Mansurovei Textile Pvt. Ltd. Asand Road, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the shid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house at Asandh Road, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 654 dated 28-4-1981 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Rolitak

Date: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Gurcharan Singh S/o Sh. Balwant Singh 3989-90, Ward No. 2, Patel Road, Ambala. (Transferor)

(2) Shri Piem Paikash Gulati S/o Sh. Malik Chand, H. No. 3988/2, Patel Road, Ambala City, (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th December 1981

Rcf. No. AMB/14/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to us the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Property No. 3989-90 Ward No. 2, situated at Patel Road, Ambala City

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ambala, in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesai, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being double storyed building No. 3989-90 Ward No. 2. Patel Road, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 181 dated 18-4-1981 with the Sub Registrar, Ambala City.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th December 1981

Ref. No. PNP/8/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop & house situated at Panipet

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Panipat in April, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

37—426GI/81

 Shri Asa Ram S/o Sh. Badloo Ram S/o Shri Naiydar Mall R/o Samalkha Mandi.

(Transferor)

(2) Shri Rajinder Parshad S/o Malkhi Ram, Shri Radha Kishan S/o Munsi Ram, Shri Shashi Garg W/o Jal Bhagwan, Shri Surender Kumar S/o Sh. Sulekh Chand Shamlkha Mandi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shop and residential house situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 183 dated 6-4-1981 with the Sub Registrar, Panipat,

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Dute: 16-12-1981

FORM IT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF 1307.3

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK, D.L.F. COLONY

Rohtak, the 16th December 1981

Ref. No. GRG/17/81-82.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-, and bearing

H. No. 461/1, Block No. 9, situated at Gurgaon (and more fully described in the Schrebb annexed byrato), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Om Parkash S/o Chiman Lal, Scooter Repairer, Old Railway Road, Gurgaon.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Devi W/o Sh. Shari Ram, H. No. 461/ 1, Block No. 9, Rattan Garden (Shiv Puri) Gurgaon Cantt. (Near Parnami Bhawan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 461/1, Block No. 9 Rattan Garden (Shiv Puri) Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at No. 244 dated 16-4-81.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 16-12-1981

FORM I'I NS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016

Cochin-682-016, the 15th December 1981

Ref. L.C. No. 546/81-82,-Whereas I, T. Z. MANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Eravipuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eravipuram on 22-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

- (1) N. Balachandran S/o Nanu Asan, Ottup Amrithukulayar Cheri, Eravipuram village. working as District Planning Officer, Trichur) Ottupurayll, (Transferor)
- (2) Shri V. Raguhnathan, S/o Velayudhan Vaidyan, Manfalathu Veedu, Kurakkann Desom, Varkala Village (Now in Ottupurayil, Mundakal East, Quilon).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21 cents of land with building in Sy. No. No. 1187/1 of Fravipuram village and as per schedule attached to document No. 2017 of SRO, Eravipuram.

T. Z. MANI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ernakulam

Date:15-12-1981

 Smt. L. Anandan, W/o Sri T. C. Anandan, Narayanan Street Extension, Salem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sri T. C. Vijayaraghavan, S/o T. C. Anandan, Sri Prusanna Vijayaraghavan, W/o Sri T. C. Vijayaraghavan, Narayanan Street Extension, Salem.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR. 621, MOUNT ROAD, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 18th December 1981

Ref. No. 96/April/81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, oring the Competent Authority under section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. Ward 'c', Block 3, I'. S. No 95 situated at Peri Yeri Village, Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Salem (Doc No. 1626/81) on April 1981

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPI ANATION:---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building Ward 'C' Block No. 3 T.S. No. 95 Peri Yeri Village, Salem Town (Doc No. 1626/81).

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquirition Range-I, Madras-6

Date: 18-12-1981 Seal:

scai :

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE I, KANNAMMAI BUII DING IIND FLOOR 621, MOUNT ROAD, MADRAS 600 006 MADRAS 600 006, the 19th December 1981

Ret No 126 to 132/April/81—Whereas I R RAVI CHANDRAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter teferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000/- and beating

No 38 Bryant Nagar 6th Street situated at Milavittan Village, Tuticorin (Doc No 1269/81)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tuticorin on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per control such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Muthuswamy Nadai S/o Pachaiah Nadar, 1 J/5 A Bryant Nagar, Tuticorin

(Transferor)

(2) Smt M Alagammal, W/o Sn Muthukrishnan, Smt Sivekami Ammal W/o Kasiviswanathan, Smt. Ulakammal (alias) Saroja, Smt Subbulakshmi (alias) Sundaram, W/o Shanmugasundaram, Smt Nachiayar (alias) Pappa, 32 Theppakulam Theru, Tuticorin

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

1 YPLANATION — The terms and expressions used helein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

l and and Building Plot No 38 Bryant Nagar, 6th Street Milavittan Village RS No 494A/B 5 Cent 540

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range I Madras-6

Date 19-12-1981 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
KANNAMMAI BUILDING IIND FLOOR,
621, MOUNI ROAD, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 19th December 1981

Ref. No. 81/April/81.—Whereas I, R. RAVICHANDRAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.S. No. 3461/1 93.9 situated at Ettayapuram Road, Tuticorin (Doc. No. 1075)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tuticorin on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by 'more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Sri Arasan Subbaiah, S/o Sri Arumugasamy Nadar, 457 Victoria Extension Road, Tuticorin.

(Transferor)

(2) Sn Senbagamoorthy, S/o Sri Duraiswamy Nadar, Trustee of Dharmanithi, Kovilpatti.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in T.S. No. 3461/1 Cent 93. 9 Ettayapuram Road, Tuticorin.

R. RAVICHANDRAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-6

Date: 19-12-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangaloic-1, the 10th December 1981

C. R. No. 62/30928/81-82/Acq.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 135, 136, 138/1 and 138/2 situated at Infantry Road, Civil Station, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivaji Nagar, Doc No. 235/81-82 on 20-4-1981

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shi K. S. Mani, S/o Late C. S. Kusha Iyer 138/2 Infantry Road Bangalore,

for self and GPA holder for the family.

(2) (a) Smt. Amainabi W/O Late Alhais A Malik No. 1920, Tunabali St. Mandy Mohally, Mysore.

(b) Bashir Ahmed Malik, 1954 Ratan Singh Road, Mandy Mohalla,

Mysore.
(c) Munir Ahmed Malik No. 9, Union St. Bangalore.

(d) Zubari Ahmed Malik, 29, Hospital Rd., Bangalore,

(Transferee)

(1) Mrs. Susheela Prabhu.
Mrs. Vasanthi Kumar
Mrs. Thomas

(Person(s) in occupation of the property)

Objections. if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 235/81-82 Dated 20-4-1981) Residential premises bearing Nos. 135, 136 and 138/1 & 138/2 at Infantry Road, Bangalore.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore.

Date: 10-12-81.

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

QFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

SIONER OF INCOME-TAX,

Bangalore-560 001, the 14th December 1981

Notice No. 390/81-82/ACQ-D.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

. . The last of the series of A

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 153, and Municipal No. 466/385/441/3211 situated at Ravindranagar, Division No. IV, Shimoga.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shimoga under document No. 370/81-82 on 30-4-1981 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely ?...

 Shri C Kempegowde, S/o. Chikkagangalah, Jall Road, Shimoga City.

(Transferor)

(1) Shii (1. Simiyasa Shetty, S/o C. Thimmappa Shetty, C/s. Chennagin Stores, Bus Stand Circle, Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 370/81-82 dated 30-4-1981.) All that property bearing Site No. 153 including Building and Municipal No. 466/385/441/3211 situated at Ravindranagar, Division No. 4, Shimoga City.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bangalore

Date: 14-12-1981.

Soul :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 NX ACF, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 19th December 1981

Ref. No III-531/Acq/81-82—Whereas, J. H. NARAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair farket value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 165, ward No. I. B. Revisional Survey plot No. 1817P, 1818P situated at Village Missirgonda alias Pahargonda P. C. Kanke, Distt. Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nose, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

38-426GI/81

- (1) Shri Dhiraj Kumar Goyal S/o Sii Bidya Bhushan Gupta alias Vidyadhar Goyal R/o Kanke Road, Ranchi, expressed by her Constituted Attorney Shri Bidya Bhushan Gupta, son of I ate Jagarnath Gupta residing at 8, Murlidhar Sen Lane Calcutta.

 (Fransferor)
- (2) Smt. Manjula Choudhaiy W/o Sri Chandia Mohan Choudhary R/o Upper Bazar Ranchi, P. S. Kotwali, Distt. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land 8 kathas 8 chhataks with building and orchard situated at village Missirgonda alias Pahargonda Dist. Ranchi more fully described in deed No. 1-3214 dated 18-4-81 registered with the Registrar of Assurance, Calcutta,

H, NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range
Patna, Bihar.

Dated: 19-12-81,

Scal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800 001, the 19th December 1981

Ref No. III-532/Acq/81-82.—Whereas, J, H NARAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Municipal Hold No. 165, ward No. I-B, Revisional survey plot No. 1818P, 1826P and 1824P situated at Vill. Missirgonda alias Pahargonda, P. S. Kanke, Dist. Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Calcutta on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Gopali Goyal D/o Sri Bidya Bhushan Gupta alias Vidyadhar Goyal R/o Kanke Road, Ranchi expressed by hei Constituted attorney Sri Bidya Bhushan upta S/o Late Jagannath Gupta R/o 8 Murlidhar Sen Lane, Calcutta.

(Transferor)

(1) Shri Baijnath Jalan S/o Late Shadilal Jalan R/o Upper Bazar, P. S. Kotwali, Dist. Ranchi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 12 katha with building and orchard situated at village Missirgonda alius Pahargonda, Dist. Ranchi morefully described in deed No. I-3213 dated 16-4-81 registered with Registrar of Assurance Calcutta.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna,

Dated: 19-12-81.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna-800 001, the 19th December 1981

Ref. No. 111-533/Acq/81-82.—Whereas 1, H. NARAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Holding No. 224 Ward No. IB Revisional Survey Plot No. 1826; situated at Village Missirgonda Alias Pahargonda, P. S. Kanke, Distt. Ranchi

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-4-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sain Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Miss Rama Devi Goyal, D/o Bidya Bhushan Gupta, Alias Vidyadhar Goyal, R/o Kanke Road, Ranchi expressed by her father and constituted attorney Sri Bidya Bhushan Gupta S/o Late Gagannath Gupta R/o 8, Murlidhar Sen Lanc, Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Hariom Agarwal and Sri Jai Prakash Agarwal, Both S/o Sri Shyam Sunder Agarwal, R/o Baralal Street, Ranchi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 17 katha with building and orchard situated in village Missingonda alias Pahargonda Distt. Ranchi morefully described in deed No. I-3215; dt. 16-4-81 registered with Registrar of Assurance, Calcutta.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Dated: 19-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BOARING CANAL ROAD, PATANA-800001

Patna-800 001, the 19th December 1981

Ref. No. III-534/Acq/81-82.—Whereas, I, T. NARAIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 224 ward No. 1B Revisional Survey Plot No. 1826; situated at Village Missirgonda Alias Pahargonda, P. S. Kanke, Distt. Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-4-81.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (1) Miss Rama Devi Goyal, D/o Bidya Bhushan Gupta, Alias Vidyadhar Goyal, R/o Kanke Road, Ranchi expressed by her father and constituted attorney Sri Bidya Bhushan Gupta, S/o. Late Gagannath Gupta R/o. 8, Murlidhar Sen Lane, Calcutta
- (2) 1. Sri Raj Kumar Tebrewal, S/o Sri Bajrang Lal Tebriwal,
 - Sri Basant Kumar Tebrewal, S/o. Late Gajedhar Tebriwal, R/o. Baralal Street, Upper Bazar, P. S. Kotwali, Distt. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 18 katha 3 chhataks 30 sq. ft. with building and orchard situated in villagt Missirgonda alias Pahargonda Distt. Ranchi morefully described in Deed No 3210; dt. 16-4-81 registered with Registrar of Assurance, Calcutta.

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bihar, Patna.

Dated: 19-12-81.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, the 4th January 1982

Ref. No. III-535/Acq/81-82.—Whereas I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 68 Khesara No. 3981/3235

situated at Nonoaura P.S. Noorsarai, Dist. Nalanda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nalanda on 2-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Gaya Prasad s/o Jai Narain Mahto, at Nonoaura, P.S. Noorsarai, P.O. Noorsarai, Distt. Nalanda.
- (2) Shri Brij Nandan Prasad s/o Nakhu Mahto, of Bara Khurd, P.O. & P.S. Noorsarai, Dist. Nalanda, or

Dist. Nalanda, or c/o Nalanda Pharmacy, P.O. Noorsarai, Dist. Nalanda.

(Transferee)

(Transferor)

(3) Shri Arjun Prasad, Proprietor of Nalanda Pharmacy Grand s/o Shri Gaya Prasad.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sadi property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 10 decimals with building and shop at Nonoaura Tola Amba Nagar, P.S. Noorsarai, Dist. Nalanda morefully described in deed No 5984 dated 2-4-81 registered with D.S.R. Nalanda.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 4-1-1982

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING A SSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTII MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 17th December 1981

Ref. No. G.I.R No. H-41/Acq.-Whereas I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

122, 6, Forsyth Road, situated at Lalbagh, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Kamla Vyas 2. Smt. Mecra Vyas
 - 3. Smt. Nandani Gupta 4. Smt. Sadhana Awasthi

(Transferor)

(2) 1. Shii Haii Om Gupta
2. Shii Sita Ram Gupta
3. Shri Ragho Ram Gupta

(Transferee)

(3) Shri S. M. Swing.

(Person in occupation of the property)

(4) Above Transferors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All property standing on plot No. 122/6, Forsyth Road, Lalbagh, Lucknow, together with the existing building with freehold land together with 1400 sq. ft. Nazul land and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 2712, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 27-4-1981.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 17-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 18th December 1981

Ref. No. G.I.R. No. A-105/Acq.-Whereas I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot of land bearing Khasra No. 2239 '1 (M) situated at Village-Kanausi, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri S. Krishna

(Transferor)

(2) M/s Adarsha Pragatisheel Co-operative Housing Society Limited, Regd. Other at 111.6 66, Aligani,

Lucknow

Through its

President: Shri Brij Bhushan Jindal Secretary: Shri Om Prakash Garg.

(Transferee)

(3) Above Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing Khasra No. 2239/1(M) measuring Plot of land bearing Khaish No. 2239/11M) measuring about 1049.77 sq. mtrs or 11,300 sq. ft., situated at village-Knaausi, Pargana, Tehsil and Distt Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3865 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on Ap.il, 1981.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 18-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Iucknow, the 18th December 1981

Ref No GIR No P-89 Acq --Whereas I VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

124, Tarakuteer, situated at Lukerganj Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 29-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a_3 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tituly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Shri Sushil Krishna Mukherjee 2 Shri Sudhii Krishna Mukherjee
 - 3 Shri Sunil Krishna Mukheijee, Through his Attorney, Shri Sudhir Krishna Mukheijee

4 Shri Subodh Krishna Mukheijee

(fransieroi)

(2) M/s Puncet Sahkarı Guh Numan Samıtı Limited 495, Vaski Khurd Daraganı, Allahabad

(Transferee)

(3) Above transferee
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No 124 including land measuring 2129 sq yards, situated at Mohalla Lukerganj, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 2177 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 29-4-1981

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date 18-12-1981 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW Lucknow, the 18th December 1981

No. G.I.R. No. P-90/Acq.---Whereas, 1, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-46/21-C, Mohalla-Manehari Tota situated at

Laxmi Kund, P.S. Dasaswamedh, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-4-81

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) I. Sh. Prasanta Kumar Sur,

Sh. Susanta Kumar Sur.
 Smt. Radha Rani Sur.

4, Smt. Gourt Pal.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Parmanand Khemka,

2. Sh. Srigopal Khemka.

(Transferce)

Above trafnsferees.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

All that piece and parcel of vacant freehold land measuring 4.095 Biswas be the same a little more or less together with the brick built structures and boundary walls standing thereon being demarcated portion of premises No D-46/21-C, situate in Mohalla-Manihari Tola, Laxmi Kund Road, Road, P.S Dasaswamedh, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 1 2979 and sale deed which have duly been registered at the office of the Registration Authorities at Calcutta, on 8-4-1981.

> VINOD KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Lucknow

Dated: 18-12-1981

Scal:

39-426GI/81

(1) Smt Mala Tandon

(Transferog)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shii Jagdish Murari Agarwal Shri Mahesh Murari Agarwal Shri Virendia Murari Agarwal

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Above transferees (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned :---

ACQUISITION RANGE LUCKNOW

(a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 18th December 1981

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

GIR No J 55/Acq—Whereas, I, VINOD KUMAR,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No

Plot of land No 7 out of property situated at 5, Park Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

in that Chapter.

Officer at Lucknow on 7 4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHFDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Freehold plot of land No 7 measuring 6000 sq ft out of property No 5, Park Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No 2344/81 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrai Lucknow on 7 4 1981

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

VINOD KUMAR. Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Dated 18-12 1981 Seal

Sh. Harilal Amratlal Shah;
 Digvijay Plot, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal Jethalal Kankhara; 10, Digvijay Plot, Jamnagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE I,
AHMEDABAD

Ahmedabad, the 14th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1516 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 260, Sheet No. 2, situated at Digvijaya Plot, Sheri No. 25, Jamnagar (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 24-4-1981 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and bldg. situated at Digvijay Plot, Sheri No. 25, bearing S. No. 260 Sheet No. 2, adm. 223.52 sq. mts. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1475 dated 24-4-1981.

G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 14th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1515 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

5. No. 22 paiki, Sheet F. 5, situated at Jamnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Jamnagar on 27-3-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particular has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Digvijay Woolen Mills Ltd., Aerodrome Road, Jamagar.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitagevi Jitendrakumai Mundia, Sh. Sushilkumai Shivkumar Mundra; Sh. Vinodkumar Shivkumar Mundra; Nehiu Road, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Property situated at Nohiu Road, Jamnagar bearing S. No. 22, Paiki, adm. 391.68 sq. mts. as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Jamnagar vide Regn. No. 1044 dated 27-3-1981.

G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

vhraedabad, the 14th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1511 Acq. 23 1/81-82 — Whereas, 1, G. G. ARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Station Read, Nr. Gin. Ghadhada

(and more fully described in the Schedule annuxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Botad on 1-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties had not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) 1 Sh Ramniklal Lalchand Ajmera Mukhtiar of Kantilal Lalchand Ajmera;
 Station Road, Ghadhada (Swaminarayan)
 2 Sh Rasiklal Ratilal Kamdai Mukhtiar of Romaiklal Ratilal Kamdai,
 Shreejee Nagai, Ghadhada (Swaminarayan),
 & others

(Transferor

(2) Sh. Ishvarlal Dhuajlal Vardya; Shreeke Nagar Ghadhada (Swaminarayan) Dist. Bhashagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Back portion of the property situated at Station Road, Nr. Gin. known as Raman Oil Mills Co consist of Engine Room, Boiloi Room and open land as fully described in the sale deed Registered with the Sub-Registrar, Botad, vide Regn. No. 304/81 dated 1-4-1981.

G C GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 14-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, AHMFDABAD

Ahmedabad, the 14th December 1981

Ref. No PR No. 1513 Acq. 23-J/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. situated at

Station Road, Nr. Gin, Ghadhada (Swaminarayan) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Botad on 6-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s Raman Oil Mills & its partners S/Shri Rameshkumar Kanjibhai Mehta & others; Ghadhada (Swammarayan), Distt. Bhavnagar.
- (2) Sh. Ramaben Dhirajlal Vuidya; Shreejee Nagar, Ghadhada (Swammarayan), Dist. Bhavnagar.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Back portion in property situated at Station Road, Near Gin. known as Raman Oil Mills Co., consist of room of expellor, store room and open land as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Botad vide Regn. No. 142/81 dated 6-4-1981.

G. C. GARG, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated . 14-12-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shii Bhaijibhai Vahbhai, Bhavnagai

(Transferor)

1035

(2) Shii Culabrai Chamanlal; Vadva, Khijadavali Sheri, Bhavnogai (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I

ΛΗΜΕDABAD

Ahmedabad, the 10th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1512 Acq.23-I/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S. No. 1435 situated at Ward No. 7, Kala Nala, Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 30-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Kalanala, Wd. No. 7, bearing S. No. 1437 and adm. 760 53 sq. mts. as fully described in the sale-deed registered with the Sub-Registrar, Bhavnagar vide Regn. No 938 dated 30-4-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Abmedabad

Date: 10-12-1981

FORM ITNS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1346 Acq. 23-H, 81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

S. No 295 situated at Bardoli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registratoin Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bardoli on 16-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infection per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Natvatlal Gopalbhai Patel; Shri Ramanbhai Gopalbhai Patel; Shri Kantubhai Gopalbhai Patel; Kahan Falia, Bardoli.

(Transferor)

(2) President: Rameshbhai Bhalabhai Patel; Dipnagar Coop. Housing Society, Ramyadi, Bardoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac.t shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 295, duly registered on 16-4-1981.

G C. GARG Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rarge-II, Ahmedabad

Date: 18-12-1981

(1) Julfikarkhan Sardarkhan, Bardoli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Bharatkumar Jaykisandas Patel; Somiben Jaykisandas Patel; Niranjan Bharatkumar Patel; Bardoli.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANG-II
-2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1347 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aci, 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 277 situated at Bardoli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bardoli on 23-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

40-426GT/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 277, duly registered on 23-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 18-12-1981

(1) Harjibhai Chhotabhai Patel; Bardoli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Julfikarkhan Sardarkhan; Bardoli.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER, OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANG-II
2ND FLOOR, HANDI OOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 18th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1348 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G. C. $G \Lambda R G$,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

C.S. No. 5501 situated at Bardoli,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 23-4-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at C. S. No. 5501 at Bardoli duly registered on 23-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date : 18-12-1981

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Najmay Wd/o Nariman Soiabji; Vakhava, Bunder Road, Billimora.

(Transferor)

(2) Babubh ii Bhenkabhai Tandel; Kalidas Bhenkabhai Tandel; Ishvaibhai Bhenkabhai Tandel; Navapura, Mahollo, Billimora.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANG-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 18th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1340 Acq. 23-II/81-82.—Whereas I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 240 C. S. No. 241 situated at Billimora, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandevi on 18-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 240 and C. S. No. 241, duly registered on 18-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 18-12-1981

(1) Sudhaben Dinkarrai Desai; Mahadevnagar, Billimora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961) (2) Mohmad Iqbal Rasulmiya Shaikh, Billimota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANG-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 18th December 1981

Ref. No. P.R. No. 1350 Acq. 23-11/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C. S. No. 3121 situated at Desra, Billimora,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandevi on 7-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New; therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Desra, C. S. No. 3121 duly registered on 7-4-1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 18-12-1981 Seal : _____

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009 the 18th December 1981

Rof No PR No 1351 Acq 23 II/8182—Whereas, I, G C (JARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No C 5 No 281, 282, 283, 284, 285, situated at 286 287, 288, 289, 290

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandeyr on 20 4-1981

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaient confideration therefor by more than fifteen per cent of such appaient consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Welath tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Najmay Wd/ot Nariman Solabji, Vakharia Bunder Road, Billimoja

(Fransferor)

(2) Babubhai Bhenlabhai Tandel Kulidas Bhenkabhai Tandel, Ishvarbhai Bhenkabhai Tandel, Navapura Mahollo, Billimora

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the 1c pective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Ollicial Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property at CS No 281 to 290, duly registered on 20-4-1981

G C GARG,
Competent Authority
In pecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Date 18th December, 1981 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 11 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

Ahmedabad-380 009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1519 Ac. 231/81-82,---Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authorlty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2A & 7 situated at Kandala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Anjar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Rolcon Engineering Company Ltd., Vallabhvidyanagar (Gujarat).
- (2) Hindustan Conductors Pvt. Ltd., 24, Brelvi Saiyed Abdulla Road, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and bldg, bearing Plot No. 2-A and 7 situated at Kandala adm. S. Yds. 1000+1070 as fully described in the sale deed registered with the Sub-Registrar, Anjar vide Regn. No. 364-65, 866-67 dated 29-4-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date: 23rd December, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 23rd December 1981

Ref. No. P.R. No. 1518 Acq. 23-I/81-82.-Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. 47, 52, 53 of Sector 2 & Plot No. 2A & 7 situated Gandhidham and Kandala

(and more fully described in the Schedule hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anjar on April, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) ROLCON ENGINEERING COMPANY LTD., Vallabhvidyanagr (Gujarat).

(Transferor)

(2) Hindustan Conductors Private Ltd. 24, Brelvi Saiyed Abdulla Road, Bombay (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & bldg, bearing Plot No. 47, 52, 53 of sector No. 2 and situated at Gandhidham adm. S. Yds. 1073.66+1066.44+ 1068.33 as fully described in the sale-deed Registered with the Sub-Registrar, Anjar vide Regn. No. 857-858, 860-61, 862with 63 dated 29-4-1981.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I. Ahmedahad

Date: 23rd December, 1981.

(1) Smt. Namita Pinto

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Kalpana Bepin Kumar Gaglani,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. 971/Acq.R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNLJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. 82 situated at Swat Bose Road, Calcutta-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regi tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cusht to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cartin is a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, anichever period expires late.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share of partly one storied and partly two storied building with land on 1 bigha 2 cottahs at No. 82, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby unitate proverlings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-12-1981

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Smt. Nomita Pinto

(Transferor)

(2) Smt. Ranjana Hasmukhroy Gaglani.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December, 1981

Ref. No. 972/Acq. R-II/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 82 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

41-426GT/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/10th share of partly one storied and partly two storied building with land on 1 bigha 2 cottahs at No. 82, Sarat Bose Road, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-700 016

Date: 8-12-1981

FORM ITNS----

(1) Sri Loke Nath Saha

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Hari Nirman Pvt Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ΛCQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

SIONER OF INCOME TAX

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. Acq/R-III/80-81/974.—Whereas, 1, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40 situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of undivided northern portion of premises No. 40, S. P. Mukherjee Road, Calcutta with land measuring 8 cottahs 4 ch 16 sft, as per deed No. 4701 P dt. 13-4-81 registered by S. R. of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016

Date: 8-12-1981

(1) Sri Haripada Saha

(Transferor)

(1) Hari Nirman Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. Acq.R-IIJ/80-81/975.—Whereas, I. I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40 situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of thu_b notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used heroth as are defined in Chapter XXA of the sald Ast shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of undivided northern portion of premises No. 40, S. P. Mukherjee Road, Calcutta with land measuring 8 cottahs 4 ch. 16 sft. as per deed No. 4699P dt. 13-4-81 registered by S. R. of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016

Date: 8-12-1981

(1) Sri Gopal Chandra Saha.

(Transferor)

(1) Hari Nirman Pvt Ltd.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1981 Ref. No. Acq/R-III/Cal/80-81|976.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 40 situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent, consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of 40, C. P. Mukherjee Road on laud measuring 8 Cottahs 2 ch. 20 sft. as per deed No. 4704P dt. 13-4-81 registered by S. R. of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-III

54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)

Calcutta-700 016.

Date: 8-12-1981

BART III--SEC. 11

FORM ITNS

(1) Sri Gopal Chandra Saha

(Transferor)

(2) Hari Nirman Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. Acq/R-III/Cal/80-81|977.—Whereas, J. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40 situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other sesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of northern portion of premises No. 40, S. P. Mukherjee Road, on land measuring 8 cottabs 4 ch. 16 sft. as per deed No. 4703P registered by S. R. of Assurances, Calcutta. on 13-4-81.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tam
Acquisition Range-IJI
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Date: 8-12-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. Acq/R-III/Cal/80-81|978,-Whereas, I, V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing
No. 40 situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering officer at

Calcutta on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or .
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsens, namely :-

(1) Sri Nikhil Kumer Saha

(Transferor)

(2) Hari Nimran Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of undivided northern portion of premises No. 40 S. P. Mukherjee Road, Calcutta with land measuring 8 cottahs 4 ch. 16 sft. as per deed No. 4702P dt. 13-4-81 by S. R. of assurances, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700 016.

Dated: 8-12-81

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. Acq/R-III/Cal/80-81|979.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and hearing

No. 40 situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Amarendra Nath Saba

(Transferor)

(2) Hari Nirman Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/12th share of undivided northern portion of premises No. 40 S. P. Mukherjee Road with land measuring 8 cotthas 4 ch. 16 sft. as per deed No. 4700p dt. 13-4-81 registered by S. R. of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700 016.

Dated: 8-12-81

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX. ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. Acq./R-III/81-82/980,---Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 36A situated at S. P. Mukheriee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Gopal Chandra Saha

(Transferor)

(2) Dhanpatrai Kanhaiyalall Karnani Trust.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires dater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share of land measuring 8 Cottahs 34 aft. being No. 36A S. P. Mukherjee Road, Calcutta vide deed No. 3164 registered by S. R. of Assurances, Calcutta on 15-4-1981,

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Dated: 8-12-81

FORM ITNS----

(1) Sri Loke Nath Saha,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dhanpatrai Kanhaiyalall Karnani Trust. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 8th December 1981

Ref. No. Ac./R-III/Cal/80-81|982.—Whereas, I, I, V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 36A situated at S. P. Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—426 GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of land measuring 8 cottahs 34 sft. being No. 36A, S. P. Mukherjee Road, Calcutta vide deed No. 4747P registered by S. R. of Assurances, Calcutta on 15-4-81.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor)
Calcutta-700 016.

Dated: 8-12-81

Scal :

FORM 1TNS---

(1) S/s Ashutosh Bhattacharjee & Nityananda Bhattacharjee

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/S Bapi Dutta & Samir K Ghatak

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1981

Ref No 989 Acq R-III/81-82/Cal —Whereas, I I V. S. IUNEIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No 38 situated at Purnadas Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Calcutta on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ciezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Premises No 38 Purnadas Road with land area 7K 9Ch 12 sft and tiled shed structures vide Deed No 4700 registered before DR Alipore, in 1981

I V S JUNEJA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range I 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date 9-12-1981 Seal :

(1) Sri Swapan Kumar Paul.

(Transferor)

(2) M/s. S. M. Properties (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITTA

Calcutta, the 9th December 1981

Ref. No. 99/Acq. R-III/80-81/Cal —Whereas, I I. V. S. JUNEIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 114/5 & 6 situated at Hazra Road, Calcutta & Jadu Bhattacharjee Lane respectively

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 1-4-1981

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Building and structures together with land measuring 9 cottahs more or less being premises No. 114/5, Hazra Road, Calcutta and 6 Jadu Bhattacharjee Lane, Calcutta vide Deed No. 2819 dt. 1-4-81 before Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 9-12-1981

FORM I.T.N.S.---

(1) Sri Santosh Kr. Datta.(2) Sm. Kalpana Ghosh.

(Transferor)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 14th December 1981

Ref. No. 992/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I I. V. S. IUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 11 B situated at S. R. Qas Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on April 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats at premises No. 11B, S. R. Das Road, Calcutta on land area 4 cottabs 1 chittack 20½ sft, vide Deed No. 4076 by District Registrar, Alipore, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 14-12-1981

(1) Smt. Surabala Devi Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Khirode Basini Bhattacharjee.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Calcutta, the 17th December 1981

publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 986/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I I. V. S. IIINEIA

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 274 situated at Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alipore on 6-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land measuring 7K 3Ch together with structure being premises No 274, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-40.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 17-12-1981

- (1) Smt. Surabala Devi Mukherjee.
- (Transferor)
- (2) Sri Probhat Kumar Bhattacharjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTION ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th December 1981

Ref. No. 987/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I f. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

274 situated at Netaji Subhas Chanda Bose Road, Calcutta-40.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alipore on 6-4-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel or land measuring 6K 8Ch together with structure being premises No. 274, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Calcutta-40.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date: 17-12-1981

Scal:

(1) Sm. Knan Kuman Khater

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION ^69D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt Gita Goenka

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONFR OI INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE I, CALCUITA

Calcutta the 17th December 1981

Ref No 988/Acq R-III/8182—Whereas, I I V SJUNEJA

being the Competent Authority under Section

 $269\,D$ of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

27 Lake Road and 92 Lake View Road situated at Cacutta-29 or CIT Scheme No XLVII

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 21 4 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the aquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Crazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days fro inthe date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that piece and paicel of revenue free land containing an mea of 5K 2Ch 40 sq ft situated at Dr Sarat Banerjee Road Balygunge Calcutta, being portion of old premises No 27 Lake Road and 92, Take Veiw Road, Calcutta registered vide Deed No 3267

I V S JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incom-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Roid, Calcutta 700016

Date 17 12-1981 Seal :

- (1) Phulenu Choudhury.
- (Transferor)
- (2) Sri Bihari Lal Daga.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 17th December 1981

Ref. No. 990/Acq. R-III/81-82.--Whereas, I I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 58/4/8 situated at Prince Anwar Shah Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 20-4-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 5K 2Ch. 10 sft. together with structure being premises No. 58/14/8, Prince Anwar Shah Road, Calcutta.

> I. V. S. JUNEJA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I 54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Seal:

Date: 17-12-1981

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

SPECIAL CLASS PAILWAY APPRINTICES' FXAMINATION, 1982

New Delhi, the 23rd January 1982

No F5/1/81-FI(B)—An examination for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices in the Indian Railway Sirve of Mechanish Engineers will be held by the Union Publ. Savice Commercial at AGARTALA AUMIDABAD, AIZAWI ALLAHABAD BANGA LORF, BHOPAL, BOMBAY, (ALCUFTA, CHANDIGARH COCHIN, CUTTACK, DITHI DISPUB (GAUHATI) HYDERABAD, IMPHAL, ITANAGAR, JAIPUR JAMMU JOPHAT KOHIMA, LUCKNOW, MADYAS MAGPUR, PANAH (GOA) PATNA POOT OF AIR SHILLONG SIMIA SPINASAR ANIX TRIVAN CRUM communicate on the 13th fully, 1982 in accordance with the Rules published by the Ministry of Railways (Railway Board) in the Gazette of India dated the 23td January, 1982.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED AROVE ARE LEAD FOR CHANGED AT THE DISCPETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL PE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERINT CINTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF FYAMINATION (See American) and it

2 The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is 25. This number is liable to alteration.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vicinities as many before the the Covernment of India.

A candidate seking admission to the examination must apply to the Secretary. Union Public Semila Commission Wholpur How New Delhi-110011. It is not ruled form of implication. The prescribed sure of application and full algorithms for the superior of application and full algorithms to the superior of the superior of application and full algorithms to the secretary Union Public Service Commission Dholpur Home. No Delhi-110011 by Moncy Order or by Indian Postal had runs ble to the Secretary Union Public Service Vulnion Public Service Commission Dholpur Home. No Delhi-110011 by Moncy Order or by Indian Postal had runs ble to the Secretary Union Public Service Commission. The delay of the Commission Order of Woney Orders/Postal Order. The 43—426GI 81.

form can also be obtained on east payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 (Rupees two only) will in no case be refunded.

MOTE:—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY
MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON
THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR
THE SPECIAL CLASS RAILWAY APPRENTICES FXAMINATION, 1982. APPLICATIONS
ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE SPECIAL CLASS RAILWAY
APPRENTICES' FXAMINATION, 1982, WILL
NOT BE ENTERTAINED.

4 The completed application form must reach the Secretary. Union Public Service Commission, Dholpur House, New D. tht-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 2 and March, 1982 (5th April, 1982 in the recoff andidates a siding in Assam, Meghalaya, Arunachal Ledeth, Mizoram Minipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladal hi Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 22nd March, 1982 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal P. desh Mizoram, Manipur. Nagaland, Titpura, Sikkim, Latakh Division of J&K State. Andaman and Nicobar Islands or falk badween and a candidate residing abroad may at the detroit of the Commission be required to furnish docutions a evidence to show that he was residing in Assam, Megh laya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Titpura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 22nd March, 1982.

- No're (1) Condidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, e'c) otherwise they may not get the benefit of additional time.
- Now (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.
- 5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form free of Ps. 36 °C Pup. Thurty-six only) [Rs. 9.00 (Rupees Nine only) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] through crossed Indian

Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SPEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FFF UNDER PARAGRAPH 6 BELOW.

- 6. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from eistwhile East Pakiston (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma and had migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee.
- 7. A refund of Rs. 2100 (Rupees twenty-one only) [Rs. 5.00 (Rupees five only) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tibes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If however, the application of a candidate seeking admission to the examination in terms of Note II below rule 6 is rejected on receipt of information that he has failed in the qualifying examination or will otherwise be unable to comply with the requirements of the provisions of the aforesaid Note, he will not be entitled to a refund of fee.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 8 below nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

8. If any candidate who took the Special Class Railway Apprentices' Framination held in 1981 wishes to apply for admission to this examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results

of the 1981 Examination, his candidature for the 1982 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 11th June, 1982.

- 9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.
- 10 The question papers in all the subjects, as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective Type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure-II.

VINAY JHA, Joint Secy. Union Public Service Commission

ANNEXURE-1

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATES MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CFNTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION,

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why its desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 11th June, 1982, will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in will be rejected.

The state of the s

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application torm. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly,

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons atteady in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as workcharged employees other than casual or daily rated employees or those serving under Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

- 3. A candidate must send the following documents with his application :-
 - (i) CROSSI D Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
 - (ii) Attested/certified copy of certificate of Age.
 - (iii) Attested/certified copy of certificate of Educational qualification.
 - (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candi-

date; one copy passed on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.

And the Party of t

- (v) Statement in the candidate's own handwriting and duly signed giving a short narrative of his career at school and college and mentioning both his educational and sports success.
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable. (See para 4 below).
- (vii) Attested certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable. (See paras 5 and 6 below).
- (viii) Attendance sheet (attached with the application form), duly filled in.
- (ix) I'wo self-addressed, unstamped envelopes approximately 11.5 cms. \times 27.5 cms.
- NOTE (1)--CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MEN-TIONED AT ITEMS (ii), (iii), (vi) and (vii) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFI-ED BY CANDIDATES THEMSFLVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CFRTIFICATES MENTIONED ABOVE. THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION IS LIKELY TO BE DEC-LARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1982. THEY SHOULD KEEP THE ORIGI-NALS OF THE CERTIFICATES IN RPADI-NESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF THE PERSONALITY TEST. THE CANDI-DATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICTES IN ORIGINAL AT THAT TIME, WILL BE CAN-CELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSI-DERATION.

NOTE (ii) -CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPIES OF ALL THE CERTIFICATES

SENT ALONG WITH APPLIC ALONG FOR AND ALSO TO PUT THE DATE.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (vi) and (vii) are given in paras 4, 5 and 6:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or multilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

Note:—Candidates should write their name and address of the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Order at the space provided for the purpose.

(ii) Certificate of Age:-

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Irdian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract

A considered the figure Secondary Examination of a quivalent expension may sugar an attested/certified copy of the Figure Secondary Examination Certificater or an equivalent certificate.

No oth a document rel ting to age like horoscopes, affida vits, on a carrier the a Mente pal Corporation, service read. Tall the like an objectional

The expression carries then aligher Secondary Examination certained as as part of the instruction recludes the aliental $v_{\rm e}$ compact of a noned above.

Sometimes the Machenation/Higher Secondary Examination Certaicale doctrollishow the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the actested/certified copy of the Mitriculation/Higher Secondary Examination Conficate, an attested/certified copy of a conficate from the Headmaster/Principal of the Institution from the pass to a Mathematicn/Higher Secondary Excludic of the wife, the date of his birth or his exact age as need and in the Admission Register of the Institution.

Candidates are wained that unless complete proof of age as lad down in these instructions is sent with an application, the application will be rejected.

NOIE 1.-- A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETY SECONDARY SCHOOL CERTIFICATE NEW SUBMET ONLY AN AFTESTED/CIR IFIFO COPY OF THE PAGE CONTAINED G ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2 -- CANDUDATES SHOULD NOTE THAT ONLY
THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN
THE MATRICULATION/HIGHER SECONDATE EXAMINATION CERTIFICATE OR
AN EQUIVALENT CERTIFICATE ON THE
DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION
WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION AND AND AND SUBSEQUENT REQUEST
FOR L.S CHANGE WILL BE CONSIDERED
OR GRANTED.

NOTE 3.—CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN OUT PECORDS OF THE COMMISSION POR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALL WER SUBSEQUENTLY OR AT A SUBSEQUENT EXAMINATION

(iii) C rith at a Educational qualification.— A candidate must submit in attested an ited copy of a certificate showing that in the control of the control o

abs not and down uch other vidence as he can to support his claim to the requisite qualifications. The commission will consider this evidence on its ments but do not bind themselves to accept it as sufficient.

If the attested/certified copy of the University Certificate of passing the Intermediate of any other qualifying examination submitted by a candidate in support of his educational qualification does not indicate all the subjects passed an attested/certified copy of a certificate from the Principal showing that he has passed the qualifying examination with Mathematics and at teach one of the subject Physic and Chemistry must be submitted.

A can lidate whose eas, is covered by Rule 6(c) or Rule 6(f) must submit on affected/certained copy of a certificate in the form prescribed below, from the Registrar of the University/Principal of the College/Head of the Institution concerned, as proof of the educational qualification possessed by him

The form of certificate to be produced by the candidate.-

2. He/she* has passed the first year examination under the three year degree course/first year Examination of the five year Engineering Degree Coure/first Examination of the three year dipioma course in Rural Service of the National Council for Rural Higher Education; and is not required to reappear in any of the subjects prescribed for the first year.

Qr.

1.

2.

3.

4.

@Note applicable to those studying for the five year degree course in Engineering.

(Signature of the Registrai/Principal) (Name of the University/College/Institution*)

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

an attested certified copy of a certificate from the Principal Headmaster of the institution from where he passed the examinant of the showing that his aggregate of marks falls within the range of marks for first of second division as prescribed by the University/Board.

Note.—A candidate who has appeared at an examnation the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to this examination. A candidate who much, to appear at such a qualifying examination may also apply. Such conflictes must, however submit an attested/certice copy of a cortificate in the form prescribed below, from the Principal of the College/Institution concerned. They will be admitted to this examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 20th August, 1982.

A candidate thus admitted is required to submir the proof of passing the qualifying examination by the above time limit, whether he qualifies or not at the written part of his examination. If he fails to comply with this instruction his candidature will be cancelled and he will not be entitled to know the result.

The form of certificate to be produced by the candidate.

(Signature of Principal)
(Name of the College/Institution*)

"Strike out whichever is not applicable,

(iv) Two copies of photographs.—A candidate must submit two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the

other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Fach copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

- N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii), 3(iv) and 3(v) above without a reasonable explanation for its absence having been given the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.
- 4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the sub-Divisional Officer or any other officer as indicated below, of the district in which his parents' (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The Form of the certificate to be produced by Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

| This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* |
|--|
| son/daughter* of |
| of village/town* in District/Division* |
| of the State/Union Territory*belongs to |
| theCaste/Tribe* which is recognised |
| as Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under : |
| the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950* |
| the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* |
| the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951* |
| the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territory) Order, 1951* |

[as amended by the Scheduled Caste and Scheduled Tribes lists Modification Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960 the Punjab Reorganisation Act, 1966 the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

| the Constitution | (Scheduled Tribes) Uttar |
|----------------------------------|--|
| Pradesh) Order, | 1967* |
| the Constitution | (Goa, Daman and Diu) |
| Scheduled Caste | s Order, 1968* |
| the Constitution | (Goa, Daman and Diu) |
| Scheduled Tribe | 6 Order, 1968* |
| the Constitution Order, 1976* | (Nagaland) Scheduled Tribes |
| the Constitution | (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978* |
| the Constitution | (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978* |

| 2. Shri/Shrimati/Kumarl* | | |
|--|-------|-------------|
| family ordinarily reside(s) in village/tow | n* | |
| District/Division* o | t the | State/Union |
| | | |

State*

Union Territory

*Please delete the words which are not applicable.

Note.—The terms "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

- **Officers competent to Issue Caste/Tribe certificates.
- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/Ist Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.
 - †(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).
- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the areas where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.
- 5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 5 (b) (ii) or (b) (iii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from crstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 2.5th March, 1971:—
 - Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
 - District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
 - Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
 - (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
 - (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.
- (ii) A repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 5(b)(iv) or 5(b)(v) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.
- (iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 5(b)(vi) or 5(b)(vii) and/or remission of fee under paragraph 6 of the Notice should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may

be resident to show that he is a bona fide reputitate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(iv) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 5(b)(viii) or 5(b)(ix) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of the certificate to be produced by the candidate.—

*Strike out whichever is not applicable.

- (v) A repatriate of Indian origin who has migrated from Vietnam claiming age concession under Rule 5(b)(x) or 5(b)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a bona fide repatriate from Vietnam and has migrated to India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (vi) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 5(b)(xii) or 5(b)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a bona fide migrant from the countries mentioned above.
- (vii) Ex-servicemen and Commissioned Officers including ECOs/SSCOs claiming age-concession in terms of Rule 5(b)(xiv) or 5(b)(xv) should produce an attested/certified

| prescribed below from the authorities concerned, prescribed below from the authorities concerned. | Americans who are competent to issue certificates are as follows:— | | |
|---|--|--|--|
| (A) Applicable for Released/Retired Personnel. | | | |
| | (a) In case of Commissioned Officers including ECOs/ | | |
| It is certified that No Rank | SSCOs | | |
| Name whose date of birth is | | | |
| has rendered service from to | Army-Directorate of Personnel Services, Arm | | |
| in Army/Navy/Air Force and he fulfills | Hqrs. New Delhi. | | |
| ONE of the following conditions: | | | |
| | Navy—Directorate of Personnel Services, Naval Hqr3. New Delhi. | | |
| (a) Has rendered five or more years military service and has been released on completion of assignment otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency. | Air Force—Directorate of Personnel Services, Air Hars. New Delhi. | | |
| (b) Has been released on account of physical disability attributable to military service or on inval'dment on service. | | | |
| | (b) In case of ICOs/ORv and equivalent of the Navy | | |
| Name and Designation of the Competent Authority | and Air Force. | | |
| Station | | | |
| Date. | Army—By various Regimental Record Offices. | | |
| SEAL | | | |
| | Navy - Naval Records, Bombay. | | |
| | | | |
| (B) Applicable for serving personnel. | | | |
| | Air Force-Air Force Records, New Delhi. | | |
| It is certified that No. — Rank — | | | |
| Name ——— whose date of birth is | 6. A condidate belonging to any of the entergories referred | | |
| from is serving in the Army/Navy/Air Force | 6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iii) above and seeking remission of the fee under paragraph 6 of the Notice should also produce to altested/certified copy of a certificate from a District teel or a Gazett d Officer of Government or a Membe of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. | | |
| 2. He is due for release/retirement w.e.f. is likely to complete his assignment of five years by | | | |
| 3. No disciplinary case is pending against him. | 7. A person in whose case a certificate of eligibility is required, should apply to the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), for issue of the required conficite of eligibility in his favour. | | |
| Name and Designation of the Competent Authority | | | |
| | 8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material informa- | | |
| Station | tion in filling in the application form. | | |
| Date | | | |
| | Cardidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a | | |
| SEAL | document or its copy submitted by them nor should they | | |

submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

- 9. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *tpro facto* make the receiver eligible for admission to the examination.
- 10. Every application including late one, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration number is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Application Registration number has been issued to the candidate does not, *ipro-facto* mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

- 11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Fallure to comply with the provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. Pamphlets containing rules and Question Papers.—With the introduction of obective type question for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Special Class Railway Apprentices Examination, 1978, the printing of pamphlets containing rules and question papers of this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of the preceding examinations up to the examination held in 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (1100054), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Babek Kharag Singh Marg, New Delhi-(110001), (ii) Sale Counter of Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi-(110001) and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets, are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.
- 13. Communications Regarding Applications.—ALL COM-MUNICATIONS IN RESPFCT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011) AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICA-TION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 14. Change in address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY, CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 13 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-II

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This Mannual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

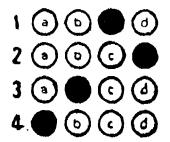
B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3,..... etc. Under each item will be given suggested answers marked a. b. c. d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, them the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklets or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT-

- You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
- To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.

- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
- 5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Tesk Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so,

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than space. It is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming

careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet. the answer sheet and the sheet for rough work out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

(Note: -- *denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure,
- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
 - c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary-Synonyms)

There was a record turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large.
- *(d) largest so far.

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below:

- *(a) spraying with growth regulators.
- (b) planting wider apart.
- (c) planting in the correct season.
- (d) planting with close spacing.

4. (Chemistry)

The anhydride of HaVO, io

(a) VO,

- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- *(d) V₂O₅

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- "(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue prod ict are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) 3C
- (b) C
- (c) C/3
- (d) C/9

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite.

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) y = ax + b
- (b) y=ax
- (c) y = aex -1-be-x
- *(d) y=ae×—a

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures 400° K and 300°K. Its efficiency is

- (a) 3/4
- *(b) (4---3)/4
- (c) 4/(3+4)
- (d) 3/(3+4)

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 41
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltalc part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism.
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion.
- *(e) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background.
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following:

- (a) Buddhism, Nyaya, Carvaka, Mimamsa,
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka.
- (c) Advaita, Vedānta, Sāmkhya, Cārvāka Yoga.
- *(d) Buddhism, Sāmkhya, Mimārhsā, Cārvāka.

14. (Political (Science)

'Functional representation' means:

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation.
- (b) pleading the cause of a group or a professional association.
- (c) election of representatives in vocational organization.
- (d) indirect representation through Trade Unions.

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal.
- *(b) reduction of the drive state.
- (c) instrumental learning.
- (d) discrimination learning.

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following:

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government.
 - (b) untouchability has decreased.
 - (c) land-ownership has spread to deprived classes.
 - (d) education has spread to the masses.

Note:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely for serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.